

ॐ नमः ॥ भगवत्पुत्रिनी ।

उत्तिउद्यम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

उत्त उद्यमि पठेत् ॥ ॥

नेमननमिनी मङ्गमङ्गुङ्गु
 एभुभुनिभुभुदरिणी एगङ्ग
 इडिकरिणी भाङ्गक मङ्गुभन
 देवडा नल मभ मभूम मभे
 अमङ्ग मभिमङ्ग मभुठ म
 वदन मभुमङ्ग पङ्ग पङ्गमभ
 पङ्ग मभेपमङ्ग पुङ्गिङ्ग म
 चङ्गुपङ्ग मङ्ग कङ्गवङ्गी एङ्गु भेद
 दङ्गी मभरिवङ्ग मङ्गिङ्ग वि
 सुङ्गननी प्रचेङ्गुङ्गुपङ्ग ल
 द्वाः मभेठ मभुपङ्गुः उभुः
 गेरी पूङ्ग मङ्गिः प्रीयङ्ग प्री

रु.
 म.
 ७.

रुमरुदसुरि॥ उति श्रीभक्त
लेयपुगलेगदमुं मंपुरुभा॥
अनेनभनुपाणेन॥ अभाकभा
माचङ्गीष्टि॥ ॥ परपर
दभुमचनरुभयी॥ मरेसुरी
वगुवीभरभुडी॥ परंवरुभुड
पा॥ परभुडमङ्गिः॥ भवपीठ
सुरी॥ भववीरसुरी॥ भवभुडी
सुरी॥ भवभिठ्ठीसुरी॥ भववेरु
सुरी॥ भववड्डीसुरी॥ भवकैट
ठविद्विणी॥ भदिधभुरभैरु
श्री॥ भदिधभुरभुडिनी॥ प्रभु

भंप्रलुङ्गयति॥ इदमममम
 सुगि॥ भद्रदीनं क्रियदीनं॥
 क्रिदीभृगुसुगि॥ यद्रुतभिभ
 वरुविउभद्रुवरुमव॥
 सुवदनं मप्रुएं मद्रुमदं
 एपंतष॥ विभल्लनं नएन॥
 भिमद्रिके वंदमभुमे॥ कमे
 सुगिएगमउः भस्त्रिमनच
 विगुदे॥ गद॥ ज्ञाभिभंभ
 चंप्रभीरुकरुनिठे॥ गुह
 डिगुहगेप्रीवंगुद॥ भद्रुते
 एपम॥ भिद्रिठवतुमेवेविद

द.
 भ.
 ३७

रसरभ ॥ पल्लुपु ॥ वभं वुजं उ
भभी मैव पुण्ये उ ॥ उधिरव
म ॥ भक ॥ यपु ॥ जं मे वी
भद ॥ भुतुभम ॥ यः प ॥ सु
रय ॥ सुतुभुभक्ति ॥ भं मयः
मल्लन ॥ डिभु ॥ उ ॥ सुतु ॥ यतुनभ
ठिकं न उ ॥ विपरीतं ॥ उतु ॥ चं
दभ ॥ भुपरभं सुगि ॥ यमद
परि ॥ सुं भुग ॥ वल्लन ॥ वल्लितभ
उतु ॥ चं दभु ॥ उं मे विपुभी ॥ मप
रभं सुगि ॥ यभुः ॥ भु ॥ सुमनभं
कुतु ॥ पेय ॥ लु ॥ रिय ॥ मिधु ॥ तुनं

भंयुक्तं प्रहृष्टैव प्रयत्नतः ॥ ३ ॥
 भो भक्तलं देवी सत्सुकं पर
 भी सुगीत ॥ अथु मभयं भंयु
 क्तं प्रणयेत विमलः ॥ भद्र
 भक्तलं देवी पुनः प्रतिः सुक
 रतिः ॥ शुद्धं वभंयुक्तं देवः
 प्रहृष्टं कर्तयेत् ॥ प्रहृष्टं प्रण
 येत्तैव ततः भुवि पुनः इयम् ॥
 पूषं प्रणयेत्तु प्रणयेत्तु
 तिकं पूकम् ॥ प्रहृष्टं प्रणयेत्तु
 मिक्तलः प्रहृष्टं इभु मभुले ॥
 वदनं प्रणयेत्तु प्रहृष्टं येन म

द.
 भ.
 ३३

[illegible]

गिः॥ भदकलीकनडीउपे
 वमवमनेभदउ॥ देवुवाम॥
 भुटनयउभदेसभनुपुंभम
 भानभम॥ वरंवरयठंउपु
 ऊनमठिकंसिव॥ मीमिवउव
 म॥ उवमलभमदेविअय
 उंठऊनदुभा॥ एवभेववरे
 देविपूऊतेभेरुपालके॥॥॥
 देवुवाम॥ एवभभुतिदेव
 सभ्रऊंउपावनेदिउ॥ रुनठे
 ठविउदेवभचभिडुविणय
 कम॥ भदकलीभ्रऊभउप

म.
 भ.
 ३१

वर्गेमीमयगत्रुगी वरुविह
विभेदमभेदनीभुभुनीवर
अभेधमभटमकल्दभटभट
निवभिनी भटगृभभटवद
भटवसृणनप्रिय मरीगवभि
नीवभावभमवभमदि७
कपालजुनकलीकलिक
कलनमिनी गीउगीउप्रिय
गनभुगीउगीउमनिनी वि
सुयेनिचिसुभाउविसुवकु
नपाभयी छधिरवम उति
भुटवभनेभुमीमभुः सुनठ

ममकलुनीकदृष्टकदृष्ट
 कल कलनीडकेभलतुःक
 गविमुनयिक विप्रदृष्टी
 विप्रकृष्टीविप्रमीविप्रमवि
 नी कभाष्टकभनिलयकभ
 मीठगभलिनी दिपभुयेनि
 भद्रमष्टभद्रमष्टमरी पा
 मद्रुमद्रुविनीमभेदिनीभद्र
 ठलिनी भद्रभियभद्रगष्ट
 कल कलविनमिनी कभ्र
 कलेमीकलतुभुकलुकलु
 ठधिनी केभलनीविमुभत

द.
 म.
 ३

लभुपिउभिहिरुडभ॥ यभुः
पुभरुडेणुहुजिंभुजिंमविउ
डि॥ उडिभेवृहुतंभट्टंविहउवृ
रभपडे॥ उवभुविभलकीडिः
भुजप० उरुवडः॥ एधिरवम
उडुहुउतिभपेमेभदनद्वीः
वरपुम॥ नरयलंणगत्रपं
भंतेवृरुणरुप॥ उडिमीभद
नद्वीभुजभ॥ मीभदमेवउव
म॥ भुगुगीडिपुगकभकभिनी
भणकपिय॥ अमेभभट्टवम
नविभेदभेदनमिनी॥ अभउ

यमिह भूमिभेदे विवर्गक
 न० ७ गभान॥ इवैव विभन०
 क्रिः भमभेभुनपाभयि॥ किं
 स्त्रिङ्गुविण्डवृकपिभिद्रि
 नउम॥ यइम० मइमत्रं इठव
 भुनरुमयिनी॥ श्रीरुवृद०
 एवमभुमदविप्रेकीति भुह
 पयिनी॥ चउनसुपुतपेदिम
 रुठवउमउम॥ भदनक्षीभु।
 ऊभउ० रुवीयसुद्रिकं प०
 भइगभीभउठवइपंविद्रुति
 प्रपुनभ॥ भुऊभिक्कपिदिम

रु.
 भः
 ३५

कुसुदेरुपेपुनकुइलिउपम
सुनेयउम॥ उधुम उधुम
उधुमचलेकंमउधुम॥ गरु
सुंरुगठंनिहपुधुदगीधि
लीम॥ रंसुंरीमचकुउंउभि
देपकुयेमियम॥ उधिरुवम॥
उतिभुवमनेभुविभुगभित
उलमः॥ पुरुकुउमदनकुः
पेवमवमनेसुनम॥ देवुवम
वियउभीपुतेदेववरंउकम
नपउ॥ रुहुमरुउवुमपितव
भुउवमीरुउ॥ सीठगवउवम

हुवि वतु ७३ ॥ अनेन पठि ३
 देवी पद्मक भक्त भेद ८ ॥ अधि
 नव ८ ॥ ७३ ॥ हुति भये ८ ॥
 भद प्रच भगभुती ॥ वर ८ ॥ सु
 नयि वतु लेक कन ८ ॥ अधि ॥
 ८ ॥ ७३ ॥ भगभुती भक्त भ ॥
 वि भु नव ८ ॥ य भ भ नति ८ ॥
 अ भु भु वे ८ ॥ ७३ ॥ भे भे ३ ॥ अ वि
 नव ८ ॥ ७३ ॥ य नव ८ ॥ ७३ ॥ भु ल
 नव ८ ॥ ७३ ॥ य नव ८ ॥ ७३ ॥ अ
 उ भ भु व ८ ॥ ७३ ॥ भु भु ७ ॥ क न
 प भ ८ ॥ ७३ ॥ श्री सु तेल सु सु त प

८.
 भ.
 ७३

यदिदेविप्रभत्राभिवरुभि
रेसुरि भुठजेदेदिमेरुंठव
रुविविमेरुका मीदेवुव
एवभभुभदठगकभनेरुव
भारिध भदुभाठउवभरुनि
सुनठजिगभुभे भदभरुभुती
भुजंयदुयठधिउंविठ उभि
रुतुःपूउपेमेविमभयवमे
भभ विनभरुभुतीभुजंदेवी
यसुकिंकापठउ वरुभुभं
गतिंयाउमापभप्रेतिरुद
भा निधुलभुभुपठिभुभभवा

अविद्येतिभन'हंमव'मं'हंम
 ग'ल'वृत्ते॥३५॥ अहंपुग'लीभभ
 उभद्वितीया'वग'वर'हं'वर'मं
 वग'पु'वा'भा॥ भन'उ'नी'भ'सि
 म'न'न'कु'पं'भ'ग'भु'डी'हं'म'ग'ल'
 पु'प'हं॥ भ'क'हं'य'उ'व'ग'म'॥
 डिभु'ह'व'भ'ने'भु'प'र'कु'य'न'प'
 भ'यी॥ भ'द'भ'ग'भु'डी'मे'वी'पे
 व'ग'व'म'नं'सु'क'भ'॥ मे'वृ'व'ग'
 व'ग'व'ग'य'न'हं'उ'क'भ'ने'कु'व'भ'
 वृ'उ॥ भु'ह'न'य'भ'ने'मे'व'भ'ने'पं
 भ'भ'ग'ग'भ'उ॥ श्री'वृ'हं'व'ग'॥

३५
 ३५
 ३५

देवयार ०३ भुनभ ०७ ॥
कलप्रिकेदि ३० विहृपगं
३० ऊवलय ३३ ॥ कुरुके
भनकएदु विगणभ नंभंभ
रउगिलिमिदंभकलअदु
दं देववदिउपदंभभगमिदु
उं वगीसुगीभदभनउगुं
मूयभि ३३ कनडीउंकल
भलंभभभगनिधेदिउभ
ग्रभेअदंभभेअंमवृलभिम
गं गिरभ ३८ ठंरीविठ
रीकलृंणीठं ठं गंभुदभं

मनेनभद्रयेरुमेष्टयः॥०॥

मुठमेभुभपुमडिकपा०ः॥

मीवृद्धेवम॥ एतेरुपस्त्रिभ॥

०॥ भद्रविद्र॥३॥ येठवय॥१॥

यःभृटिक॥८॥ वदवडं॥५॥

अतेनकिं॥७॥ वृद्ध॥५॥१॥ द

कय॥१॥३॥ भद्रम॥७॥ ठेग

य॥०॥ दतुंदमेव॥००॥ मद्रिः

मगी॥०३॥ कुभेनिवडि॥०३॥

मुनरु॥०८॥ वृंमद्रिक॥०५॥

लेडीधि॥००॥ यावदुं॥०१॥ य

रु.
भ.
३३

वदद्वययसुवरेभुतेनिवादि
उः॥ उंयसुभिभंभिहुँउव
सुनंठविधृति॥०५॥ मीभाकु
सुयउवम॥७॥ उतिरुहुउयेः
मेवीयषकिलधिउंवरभा॥
रहुवउदिउमहेठहुउहु
भलिधुउ॥०७॥ एवंमेवुवरं
ननुभगषःकडिधुः॥ भद
ल्लुभभाभाहुभावलिठुविउ
भवः॥०१॥ उतिमीभाकु
यपुगल्लभावलिकेभनुतुमी
मेवीभादहुभगषवैयेचगपु

उडेवरेरपेगएभविंरुमुटए
 ननि॥ अडेवमनिंरुंरुंरुंरुं
 मडुतलंरुनरु॥ ००॥ मेपिवै
 मुमुडेलुनंरुववैनिचिलभानभ
 भमेरुदभिडिपुल्लःभडुविमु
 डिकरकभ॥ ०३॥ सीरुवृवम
 मुनैरुदेकिरुपडिमुंरुंरुंरुं
 पुडेठवरु॥ दडुगिप्रनभुलि
 उंउवउसुठविधुडि॥ ०३॥ भउ
 सुरुयःभंपुपुएरुंरुंरुंरुंरुं
 भुतः॥ भवलिंकेभनडभरु
 वरुडुविठविधुडि॥ ०८॥ वैमु

द.
 भ.
 ३०

दीमयीभा ॥ सुदं ॐ मरुतुभु
भुः ॥ पुष्य प्रपयितुं ॥ १ ॥
निरदरे यतुं ने ॥ उचनभूभ
भादि ॥ मरुतुभु ॥ रनिं सैव
निएगा ॥ मरुतुभु ॥ उ ॥
पवंभभा ॥ यतुं ॥ भिनिच ॥ द
उचनेः ॥ परिउभु ॥ गगुरी
पुष्टं ॥ पदमभिक ॥ ७ ॥ मी
मरुवाम ॥ यदु ॥ उतुवाम
दुयाम ॥ मरुलन ॥ मरुतुभु
उतुं ॥ भवं ॥ परिउभु ॥ मरुभिव
भा ॥ ०० ॥ मीभ ॥ क ॥ यतुवाम

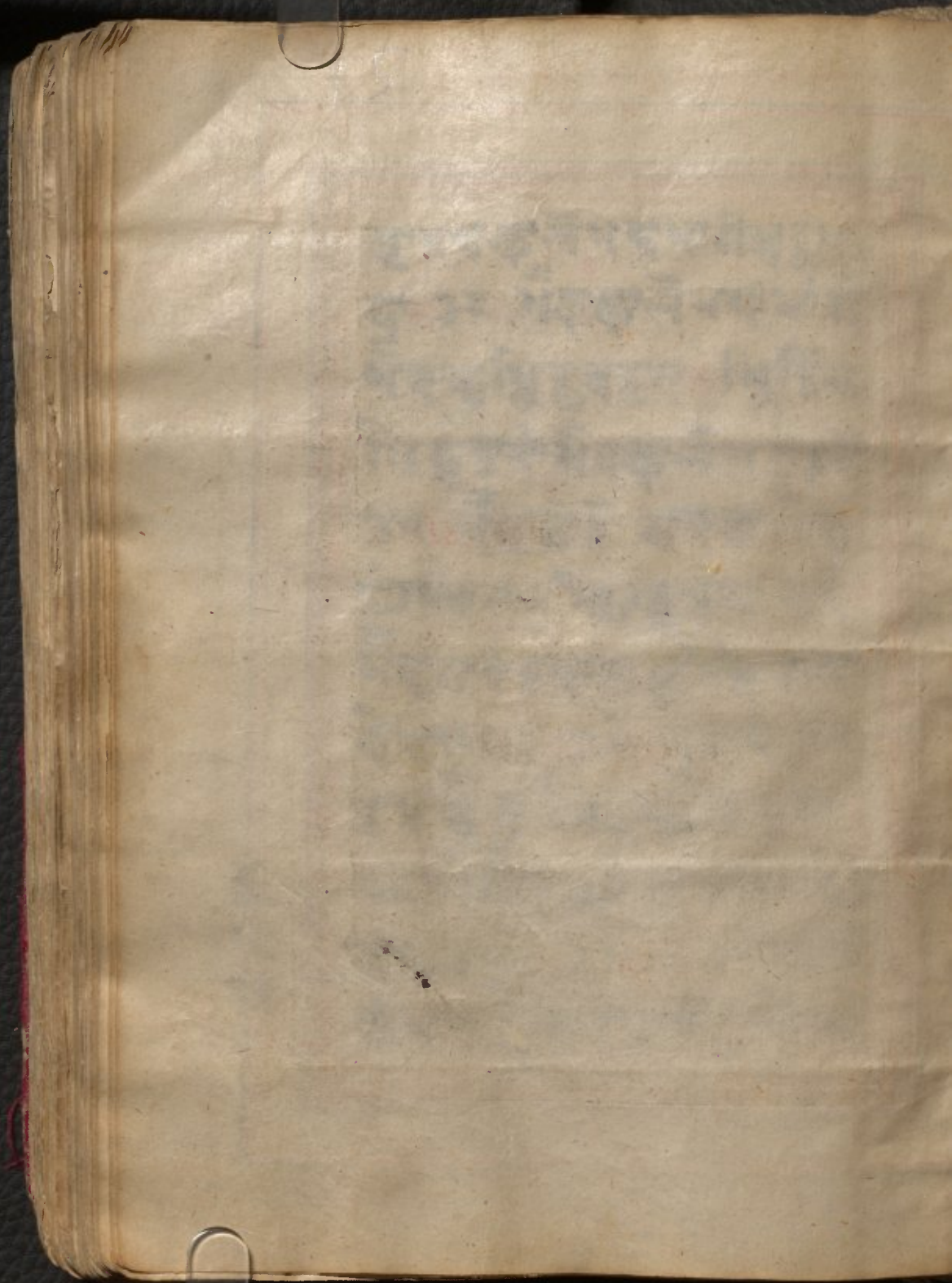
सुरादिभैवच० केगभुजप
 वज्रम॥ श्रीभक्तुयउवम॥
 उतिउभुवमःसूदभुवःभ
 नगठिपःपुलिपहृमदकगं
 उंभनिंभंसिउवउम॥ ८॥ वि
 चिदिदिभमद्वनगृपदगल
 नम॥ एगभमहृभुपभेभ
 मवैसुभदभने॥ १॥ भक्त
 नरुभभुयनमीपुनिनभ॥
 भितः॥ भमवैसुभुपभुपेदे
 वीभक्तुपंगणपन॥ ७॥ उउ
 भिचुनिनेदेवृःनदभुतिंभ

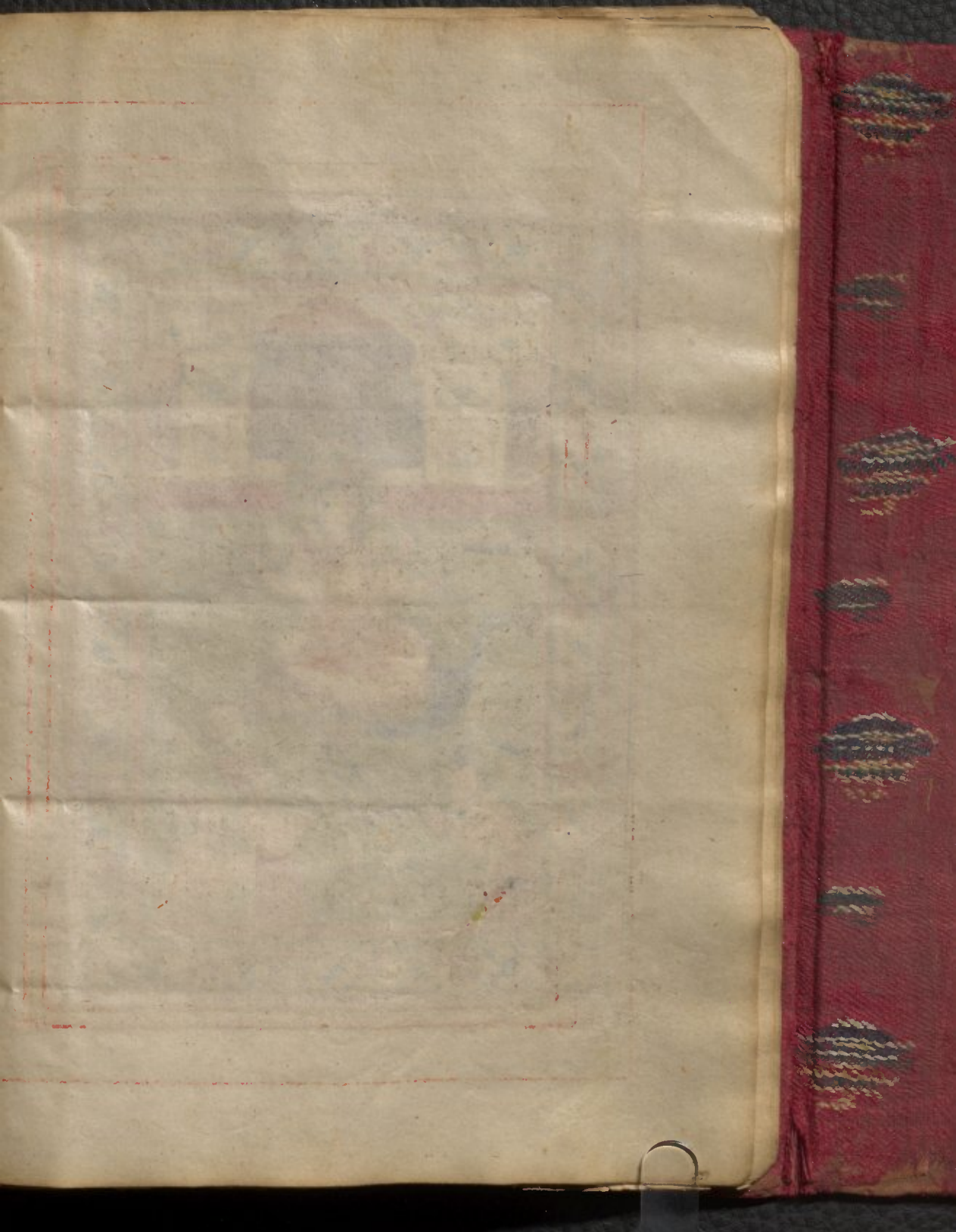
द.
 भ.
 उ.

सुममेष्टयः ॥ ०३ ॥ गलकम
कुलेतिष्टनम ॥ एधिरवाम
एततेकषितंरूपमेवीभददृ
भुतभम ॥ एवंप्रकवभमे
वीययेमंएदतेणगत ॥ ० ॥
भयमभुयतेपंकिसुभवेवि
गतगुगः ॥ विष्टतयेवद्वियते
कगवद्विष्टुभायय ॥ उयेद
मेधवेसुष्टतयेवद्विवेकि
नः ॥ ३ ॥ मेहतेमेदितसुवमे
दमेष्टुतिमापर ॥ उभपैदिभ
दरणमरंपरमेसुगीभ ॥









五
十
九

यः॥३॥ मैहृममैवृनिदउंभ
भुमैवरिपोयुठि॥ एगडिपुंभ
कैउभिन्मदेगुउलविहूमे॥
३०॥ निभुभुमभदवीदेसेपः
पाउलभाययुः॥ एवंठगवडी
देवीभाविहृपिपुनःपुनः॥
भभुयऊरुउंरुपएगउःपरि
पालनभ॥३॥ उयैउमेहउं
यिसुंभैवविसुंभयउं॥ भाय
मिउमविहृनेउधुवृहृिपु।
यमुठि॥३॥ वृपुंउयैउइक
लंवृऊंभउएसुर॥ भदक

मरुत ॥ ३० ॥ भवतु ताम्रभिर
 भुवेन कृति उषिषा ॥ भद्रम्
 मैतु सुगितं नरेभु सुतम कृष्ट
 ३१ ॥ भमभूत वदितुं दृष्ट
 मभुवे वैरि ॥ भुषा ॥ सुगमे
 वपला यत्तु भद्रतु सुगितं भम
 ३३ ॥ एषिद वाम ॥ ७ इक्ष्वा
 ठगवती मरुत क मरुत विरुभ
 पसुत भवमेव नं उरुवतु गणी
 यत ॥ ३७ ॥ उषिमेव निरुत कृष्ट
 भुठिक रतुषा पुरा ॥ यल्लुठ
 गतुलः भवेत्तु कृति निदतु

म.
 भ.
 १३

भंनएयउ॥ युधुकिः भुउये
य'स्रय'स्रवृद्धिः रुतः॥
३३॥ वृद्ध'मन'य'भुप्रय
सुनुसुनं भतिभ॥ अर'हृ'प'
नुतेवापिरु'व'प्रिपरिप्रगितः
३४॥ मृद्धिच'व'उ'सुतेगदी
तेवापिमृद्धिः॥ भिंद'वृ'प'
नय'तेवा'वन'वन'दभिनिः
ग'ल्ल'ल्ल'नव'ल्ल'पु'व'ऐ'न'ग
तेपिव॥ ३५॥ सुप्रलि'तेवा'
व'तेनभि'उ'पे'तेभ'द'रु'वे॥ प
उ'कु'व'पिम'भु'प'म'भु'भ'रु'म

भभभविष्टकगकभा॥ पमुप
 धृदमीपैसुगनुप्रपभुवेउ
 मेः॥ ०७॥ विप्रुंकेणनैदेमः
 पूदलीयैगदविमभा॥ मरु
 सुविविठैगैः॥ पूमनैचइ
 लव॥ ३०॥ प्रीतिमैस्त्रियता
 भिन्नरुदसुगितेसूते॥ सूते
 दगतिपापानिउषागैगुंप्रय
 सुति॥ ३०॥ गदंकरितिकुते
 लमनंकीतुनंभम॥ यद्वैधम
 गितंयद्वैधपुद्वैधनिवदं
 ३३॥ उभिन्नैवैगितंरुयंपं

क.
 भ.
 ११

भुप्रदत्तने॥ गूदपीरुभुमेगु
भुभाददुंमुय'रुभ॥०५॥
उपभनःसभंय'त्रिगूदपी
रु'सुद'रुः॥ रुःभुप्रंमरु
किरु'पुंभुप्रभुप'एयउ॥०६॥
र'नगूद'किरु'उ'न'र'ल'न'
म'त्रिक'र'कभ॥॥ भ'रु'उ'रु'रु'
म'रु'॥०७॥ भ'रु'क'र'॥ भ'रु'भ'भ'
०८॥ रु'रु'उ'न'भ'मे'प'॥०९॥
न'द'निक'र'प'र'भ॥॥ रु'रु'रु'उ'
पि'म'र'न'॥०१०॥ रु'रु'उ'न'भ'
न'भ॥॥०११॥ भ'रु'भ'भ'उ'रु'द'रु'

उवा मवदिकी ॥ उभं भमैतद्
 ददं मूदककिभमत्रितः ॥ ०० ॥
 भवतठ विनिदुके ननठ
 भमत्रितः ॥ भउधे भइम केन
 कविधृतिनभंसयः ॥ ०३ ॥ मू
 दभमैतद् ददं उवा मेइउयः
 मुठः ॥ पगइभं मयइधुए
 यउनिठयः प्रभान ॥ ०४ ॥ रि
 पवः भइयं यत्रिकलृं मे
 पपइउ ॥ नइउमकुलं पंभं
 भादइभममउउभा ॥ ०८ ॥
 मात्रिकं मलिभचइउवाइः

म.
 भ.
 १०

दभरीमभकुवच॥ उषादि
विठभदुतंभादकुंमभयेम
भ॥१॥ यउउदु१उमभुद्रिद
भायउनेमभ॥ मरनउद्रिद
भिभात्रिउउउउमभुउभा॥
३॥ रनिपूरुनेप्रएयंभमि
कदेभदेकुवे॥ मचंमभैउम
गिउभुमदेसुवृमेवव॥ ७॥
एनउएनउवापिरनिप्रएं
उषादउभा॥ पूतीदिपृभु
दंप्रीदुवदिदेमंउषादउभा॥
०॥ मरकुलेभदप्रएरिय

मनुमं नवभुं मैकमेतमः॥
 मेधुतिमेवयेकहभभादभु
 दुभभा॥३॥ नतेधं दुधुंकि ।
 लिदुधुतेनमपमः॥ कवि
 धुतिनमगिदुं नमेवधुवियेण
 नभा॥८॥ मनुतेनकयंतभुम
 भुतेवचमणतः॥ नमभुं न
 ततेयेपकुममिदुं कविधु
 ति॥५॥ उभुं नमेतदभुं प
 ितवुंभभादितेः॥ मेतवुं म
 भमकहपगंभुभुयनंभद
 उ॥७॥ उभमनं नमेधंभुभ

म.
 भ.
 भ.

कगव'लपेलविलभकुभुकि
गभेविड'भ॥ दभुसुगुग
भिलेविमिपं'म'पंगु'उ
लं'नी'रिक्'भ'नन'दिकं।
ममिठ'रं'रुजं'रिने'रं'भुरे॥
मी'रु'व'म॥ एकिःभुव'सु
भं'निटं'भुधु'उयःभभा'दितः
उभु'दं'भक'ले'रं'न'मयि।
धृ'भु'भं'मयभ॥०॥ भय'कै'ए
ठ'न'मे'म'भदि'ध'भुर'न'मन
भ॥ की'रु'यि'धृ'त्रिये'उ'रु'रु'ठं
भभु'नि'भभु'येः॥३॥ अ'धु'भु'व'

दं कृ भगं कुपं द कृ म ह्ये य प द
 म भ ॥ १० ॥ इ ले कृ भु दि उ कृ य
 व ठि पृ मि भ द भ र भ ॥ कृ भ
 गी डि म भं ले कृ भु म भु पृ ति
 भ व उः ॥ १० ॥ उ कृ य म य म
 र ठ म न वे कृ क वि पृ ति ॥ उ
 म उ म व डी द दं क रि पृ भु रि
 म ह्ये य भ ॥ १३ ॥ ॥ ॥ उ डि मी
 दे वी भ द कृ न ग य नी भु तिः
 न भै क म मे ण यः ॥ ०० ॥ ॥
 उ हृ कृ म भ भ पृ कं भ ग प डि
 भु कृ भु उं की पं उं कृ कृ तिः

दं.
 भ.
 १५

डिविष्टुं उरुयभृदं कुवि
२०॥ उरुयमवधिपुमिदुज।
भापुंभदभुगभ॥ दुजमेवी
डिविष्टुं उरुयभृदं कुवि
२१॥ पुनसुदंयमनीभं कुपं
दुददिभमले॥ गदंभिदुद
यिष्टुमिभुनीनं दु॥ कग
उ॥ २३॥ उरुयभृदं कुवि
मेष्टुनभृदुयः॥ नीभमे
वीडिविष्टुं उरुयभृदं कुवि
पुति॥ २७॥ यमदुष्टु
लेष्टुमदरुं करिपुति॥ उरु

उः भुजैभरुलिके मभनवः ॥
 भुवतेवृदमिष्टुतिभउंरऊम
 त्रिकभ ॥ २३ ॥ कृयसमउव
 दिहभनवधुभनभुभि ॥ भ
 निठिः भंभुतक्रुभंभंठविष्ट
 भुयेनिए ॥ २४ ॥ उतः मउेनने
 इ'ं निगीदिष्टुभियन्नीन
 कीतुयिष्टुतिभनएः मउदी
 भित्तिभंउतः ॥ २५ ॥ उतेदभपि
 नंलेकभरुदभभुदुयैः ॥
 ठरिष्टुभिभरः सकैरवधुः
 पु'लठरकैः ॥ २६ ॥ सकभुगी

ट.
 भ.
 १३

रेपुप्रेअधुविंसतिमेयुगे॥
भभेनिभभुज्ञैवटुवदुदुते
भदभुरे॥३३॥नरुगेपऊ।
लेरुडयमेरुगभभुव॥
उउभेनमयिधुभिविदुम
ननिवभिनी॥३७॥धनरधु
डिगेरुपुपेपयिवीउले
अवडीददनिधुभिवैधुमिडुं
भुमनवन॥४॥रुदयदुसुड
नगुवैधुमिडुदभुरन॥४
ऊरुतुठविधुडिडुडिभीऊ
भभधुठः॥४०॥उडेभंरुव

उद्युतपकणनिउं सुभदेप
 भजन ॥ ३८ ॥ पू० उ० पू० भी
 म० दे० वि० वि० सु० वि० दि० रि० ॥ ३९ ॥
 ले० व० भि० न० भी० कृ० ले० क० न० व०
 म० न० व० ॥ ४० ॥ श्री० दे० वृ० द० म० व०
 म० द० भ० ग० व० ग० व० भ० न० भ० सु०
 ष० ॥ उ० व० र० पुं० पू० य० सु० भि० न० ग०
 उ० भ० प० क० र० क० भ० ॥ ४१ ॥ दे० व० उ०
 सु० ॥ भ० च० र० ठ० पू० स० भ० न० दे० ले०
 कृ० भृ० पि० ले० सु० रि० ॥ ए० व० भ० व० दृ० य०
 क० द० भ० भृ० दे० रि० वि० न० म० न० भ० ॥
 ४२ ॥ श्री० दे० वृ० द० म० वै० व० भृ० उ० नु०

दे.
 भ.
 १३

सुभ॥३०॥ गङ्गा भियरेगुविष
 सुनग यङ्गयेमभूरननि
 यङ्ग मवानलेयङ्गुषाबुभ
 हुङ्गुभुङ्गुपारिपभिविसु
 भा॥३०॥ विष्णुसुगिङ्गुपारिप।
 भिविसुविष्णुद्विकठगयभी
 डिविष्णुभा॥ विष्णुमयङ्गुठव
 डीठवडिविष्णुमयायेङ्गुयिठ
 किनभूः॥३१॥ मविष्णुभीमप
 रिपालयनेगिठीडिङ्गुयष
 भगवठमपुनैवमहुः॥३२॥
 निभचणगडंभूमभंनयसु॥

रेगानमेधनपदंभितुधुध
 धुभिकभान्नकनननीधुन
 धुभामिडांनविपत्ररं
 धुभामिडांनमयडं प्रयति
 ३३ ॥ एतद्गुंतयद्गुनं दय
 हृष्टमिधुं मेविभदभुग
 भ ॥ गुपेनैकैरुद्रुधुभुति
 रुद्रभिकैरुद्रुगैतिकट ॥
 ३७ ॥ विहृभुमभुधविदे
 कमीपेधुहृधुवहृधुमक
 रुद्रु ॥ भभद्रुगुतिभदनु
 करेविहृभयभुतुमडीववि

वि.
 भ.
 ७०

तउडुवमनंभेभुनेमनइय
कुधिउभ॥ पाउनःभवकीति
हःकहयलिनभेभुते॥ ३८ ॥
एनकरलभइगुभमेधभ
रभमनभ॥ डिमुलंपाउनेकी
उठुहकलिनभेभुते॥ ३९ ॥ दि
नभिमैहउएंभिभुनेनप्रद
याणगउ॥ भाप्यभूपउने
जिदिपपेहेनःभउनिव॥ ४० ॥
अभुरभगुभपहुमजित
भुकरेणुलः॥ मुठयापहुठ
वउमहिक्केइंनउवयभ॥ ४१ ॥

यलिनभेभुते॥०७॥ कंधूकर
 लवमनेमिरेभलविकुधिउ
 मभुकेभुभुभवेनगरयलि
 नभेभुते॥३०॥ लक्ष्मिलक्ष्मभद
 विहृमृकुपभुभठेयवेभद
 रकुभदभवेनयलिनभेभु
 ते॥३०॥ भठभरभुतिवरकु
 उतरकुविउभमि॥ नियतेहं
 पुभीमिमिनगरयलिनभेभुते
 ३३॥ भचभुकुपभवेमभचम
 कुभभतिउ॥ कयेहृभुदिने
 मविहृनेमविनभेभुते॥३३॥

क.
 भ.
 १०

द्वैधुवीरुपेनरयलिनभेभु
उ॥०५॥ गदीतेगुभदमरे
धेहुउवभुगरे॥ वरदगुपिनि
मिवेनरयलिनभेभुउ॥०६॥
चमिंदगुपेनिगुलदतुंमैह
हउंमै॥ इलेहइलभदि
उनरयलिनभेभुउ॥०७॥ कि
रीटिनिभदवणेभदभूनय
नेल्ले॥ वइपुलदगमैदि
नरयलिनभेभुउ॥०८॥ मि
वउतीभुगुपेनिदतुंमैहभद
उले॥ अगुपेभदगवेनर

त्रिदशैवे विनगरयलिनभेभु
 उ००॥ दंभयकुविभानभे
 वृक्षलीकुपठारिलि॥ केम
 भुःद्वारिकैवे विनगरयलिन
 भेभुउ००३॥ त्रिमुलमद्दि
 णेभदवपठवदिनि॥ भ
 दस्रगीभुपे॥ नगरयलि
 नभेभुउ००३॥ भयगकुकुट
 गउभदसक्तिणनेपे॥ केभ
 गीकुपभंभुनेनगरयलिनभे
 भुउ००५॥ सप्तमरुगमसा
 द्दगदीउपरभायुते॥ प्रभी

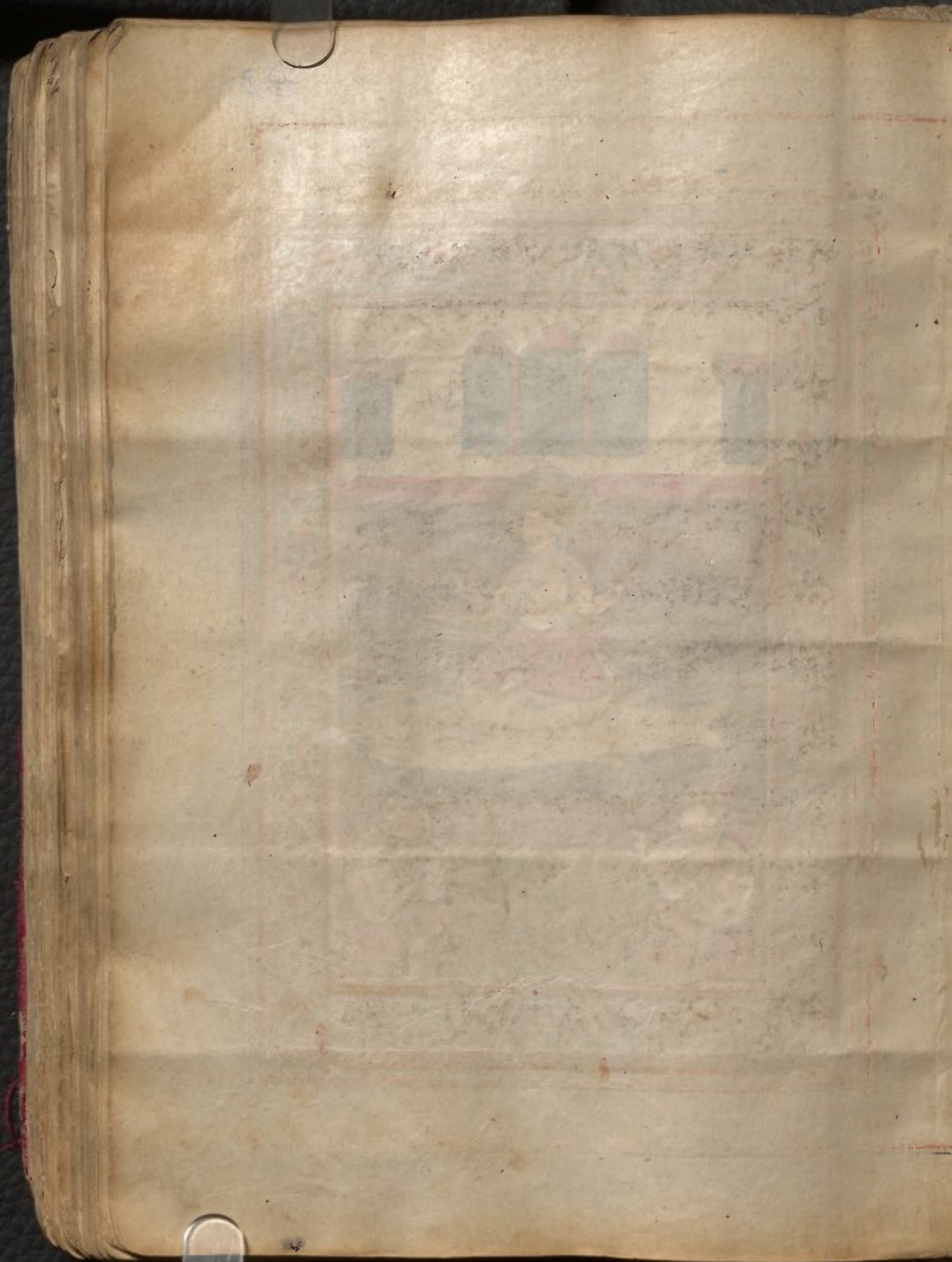
द.
 भा.
 ७

पवनदेदेविरयलिनभेभु
उ॥१॥ कलकधुमिउपे॥
परि७भपूदयिनि॥ विस्र
भेपरडेसऊनरयलिनभे
भुउ॥३॥ भवभङ्गनभङ्गनृ
मिवेभचऊभ ठके॥ मरु
इभुकेगेरिनरयलिनभेभु
उ॥७॥ भुभिभिडिविनम॥
नंमऊकुउभनउने॥ गु७म
येगु७भयेनरयलिनभे
भुउ॥१०॥ मरु७गउमीनउ
परिइ७परयल॥ भवभु

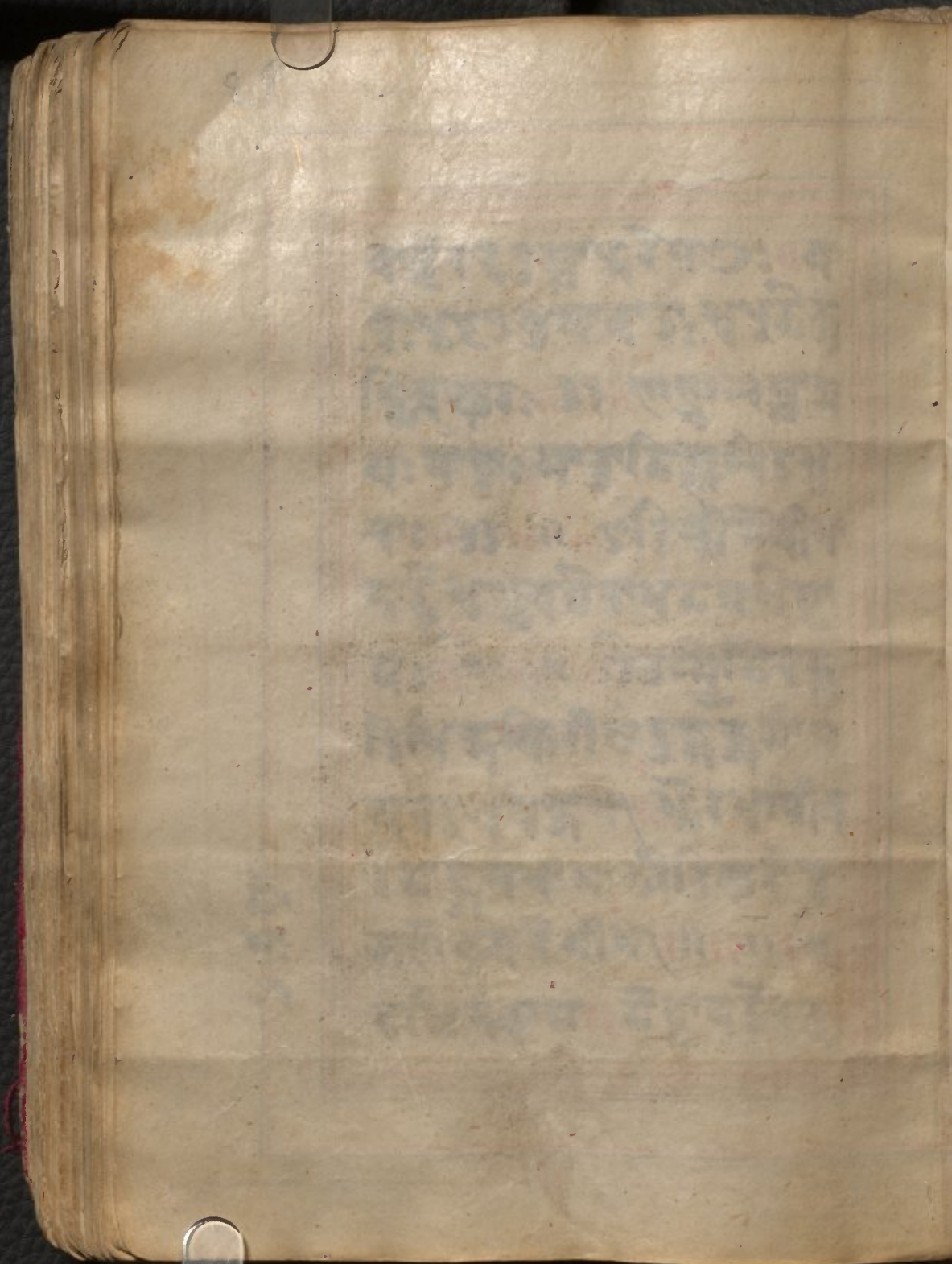
ननुवीदविस्त्रुभृतीं परिप
 मिभयः॥ संभेदिउं देविभम
 भुमेउं वैपुभत्र कुविभुक्ति
 देउः॥ २॥ विहृः भमभुभुव
 देविहृः क्रियाः भमभुः भ
 कलणगङ्गु॥ द्वयैकया परि
 उभभुयैउकुउं भुतिः भुवृप
 गपरेक्तिः॥ १॥ भचक्रुडयम
 देवीकुक्तिभक्तिप्रमयिनी॥
 वंभुउं भुउयैकवठवतिपर
 भेक्तियः॥ ७॥ भचभुवृद्धिउपे
 ॥ १॥ नभृहृमिभंभुउं॥ सुन

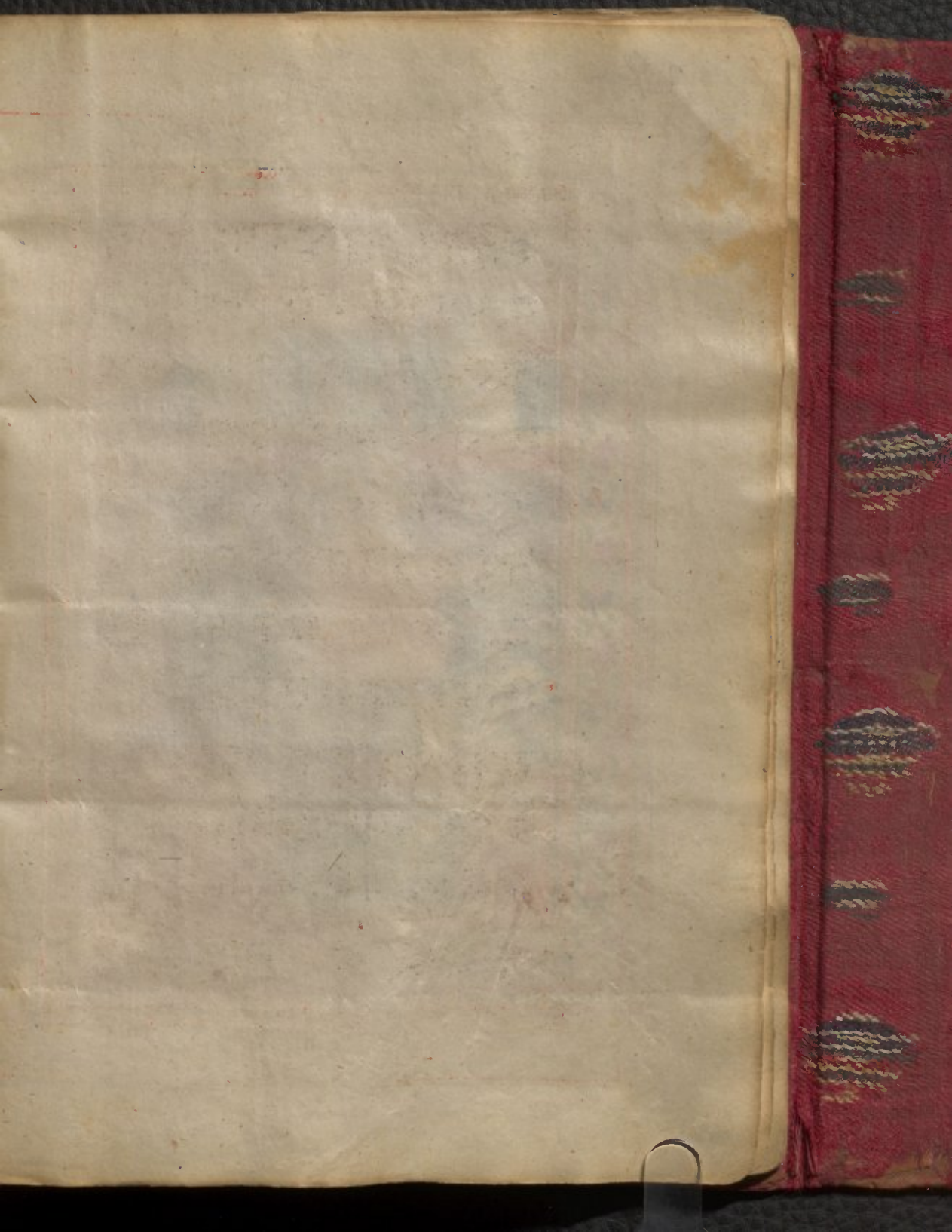
दे.
 भ.
 ७३

भदभरेकेभेदःभगवद्विभ
जिगभाभुभा केहयनीउभु
वगिभुल'क'दिकभिवकुल
विक'भित'मः॥०॥मेविभुप
व'गिदरेभुभीरुभुभीरुभाउः
एगडेपिनभु॥भुभीरुविभु
सुगिप'दिविभुंभुभीसुगीरु
विमर'मरभु॥३॥सुठ'रु
उएगडभुभेकभदीभुपे
यतःभित'भि॥चपंभुप
भित'य'द्वैरुभुप'व'उ'रुभ
न'द्वीदे॥३॥द्वैप्रुवीमजि









世

चुं देवीसुतागुविदः॥ मा
नयमकलं पृथ्वीभास्त्रिडी
पंभपचडभा॥ ३३॥ उतः प्रभ
वभपिनंदते अभिदुग्नि॥
एगदुभुभडीवपनिदुनंम
ठववठः॥ ३४॥ उदुतमेपा
मेक्येपूगभंभुसभंययः
भरितेभजवदिदुभुभिंम
निदतेभर॥ ३५॥ उतेदेवग
भवेददुनिदुग्निभनभाः॥ उ
दुवदिदतेउभिज्जवचनलि
उंएगुः॥ ३६॥ अदरुयंभुषे

सपरमदग्भा॥ सः उः पूषमं
 भिहुभुनिविभयकरकभा॥
 ०७॥ उडेनियुहुंभुमिगंरुद
 उनभिकभद॥ उदृदृकुभ
 याभभमिद्वेपठरंतीउले॥
 ३॥ भदिपुठरंतीपुपुभ
 धिभदृपुवेगवन॥ नृण
 वउदृपुदृमदिकनिठनेसू
 य॥ ३०॥ उभायतुंउडेदेवी
 भवदेहएनेसुग्भा॥ एगदं
 पाउयाभभकिद्वसुलेनव।
 दमि॥ ३३॥ भगउभःपपाडे

क.
 भः
 ७७

मरैः॥ उषाधिभेरुषावकुंभ
धुभरुभृवेगवान॥०१॥ मभ
धुंपाउयभभरुयेरुह
पद्मवः॥ रुरुभुभधिभारु
वीउलेनेगभिउरुयउ॥००॥
उलपुदगठिदउनिपपउ
भदीउले॥ मरुहगलभुद
भापुनरुवउषेउउः॥०२॥ उ
रुहगपुगहेरुसैरुकीगगन
भाभिउः॥ उरुधिभानिरुषा
गययठउनमभिक॥०३॥
नियकुंपेउरुमरुहः मभिक

ॐ॥ मिश्रुमदेवीमहे॥ उभ
 पृथुकरेभिः उभ॥ ००॥ उतः
 पृथुभुपायसतमं मरु
 उभत॥ अहृणवतुतेदेवी
 देहृनभपिपेसुरः॥ ०३॥ उ
 भुपउतावासापृथुमिश्रुम
 मधिक॥ उतमृकैः मिउतु
 ॐ॥ सुमृककरभलभ॥ ०४॥
 दतसुःभतमदेहृमिश्रुवृ
 विभगविः॥ एतदभुङ्गंभे
 रभधिकनिठनेहृतः॥ ०५॥ मि
 श्रुमपउतभुभुभुङ्गंनिमिउः

ॐ.
 भ.
 ०५

मल्लः॥ उडेयकुभकुदुयःभ
चलेकठयदुग्भ॥१॥ मिदु
दुभुलिमउमेभुभुमेयदुष
भिक॥ ठकल्लउनिदेदुभु
दुडीअउकदुकिः॥ ३॥ भकु
विउरमाभुलिमिदुनिपर
भेसुगी॥ ठकल्लनीलयेवेगु
दुगेसुग॥ मिकिः॥ ७॥ उउः
मरमउदेदीभासुदयउमेभ
रः॥ भधिउदुपिउदेवीणउः
मिमुदमेधकिः॥ १०॥ किवेठ
उधिदेदुभुयमकिंभभाद

कृतयः॥३॥उतःमभभुभुमे
 वेवृक्षनीप्रभापलवभा॥
 उभृमेवृभुनेणगुरुकैवभी
 उमभिक॥२॥मीमेवृवाम॥
 अदंविहृरुहकिरिदुपे
 दमभित॥उंहुतंभयैकै
 वतिप्रभृतिभिरुव॥५॥
 तपिरवाम॥उतःप्रववउ
 वहुंमेवृःभभुभुमेठयेः
 पमृउंभचमेवनभभरा
 उंममदभा॥७॥मगव
 दैमिउःमभुभुवभुमेवम

क.
 म.
 ७८

डीमिवमज्जिउपंकभीसुंरी
हृदिहृदिमिष्टंउमुनेपभा
टपिदवाम॥॥॥विभुभुवि
दउंरुपुंरुउंरुपुंरुमंभित
भा॥दउंरुपुंरुउंरुपुंरुमंभित
रुहेवुवीरुमः॥०॥रुलव
लेपामुपुंरुउंरुपुंरुमंभित
वद॥अउंरुपुंरुउंरुपुंरुमंभित
यहमेयडिभानिनी॥३॥॥
मीरुवुवाम॥॥॥कैवदेणग
हृदिडीयकभभापरा॥५
सुतामुपुंरुउंरुपुंरुमंभित

三

मन॥३३॥ उभुनिधुभउरेवी
पुदभुभुनवउउः॥ मिगसिमु
मायकुनउउेभावापउकुवि॥
३८॥ उउःभिंदसुपामेगुमं
पु॥ कुः॥ मिगेणन॥ नभं
भुंभुषकलीमिवउतीउष
पगन॥३९॥ केभगीमकि
निडिउः॥ केमिउेमुदभुगः
वृ॥ कीभउप्रउउेयनउेनि
गदउः॥४०॥ भादेसुगीडिमु
लेनकिउः॥ पेउभुषापरे॥ व
गदीउउुअउेनकेमिउेमुद

उ०॥३७॥ उ० निभु भुवे गे०
 ग० भ० य० म० क० भ० ॥ म०
 उ० व० उ० व० द० उ० म० उ० म० भ० व०
 उ०॥३०॥ उ० भु० प० उ० उ० व० सु० ग०
 म० मि० सु० म० क० ॥ प० उ० न०
 म० उ० उ० ग० ल० भ० म० सु० ल० भ० म० म०
 म०॥३०॥ सु० न० द० भु० म० भ० य० उ०
 नि० भु० भु० भ० ग० उ० न० भ० ॥ ह० मि० ।
 वि० वृ० उ० सु० ल० न० व० ग० वि० सु० न० म०
 क० ॥३३॥ मि० व० भु० उ० भु० सु० ल० न०
 ह० म० य० वि० भु० उ० प० ग० ॥ भ० द० व०
 ले० भ० द० वी० द० भि० पु० उ० प० न० धे० व०

म०
 भ०
 ३३

उउःभाम्भिकरूद्रमुनेनः
किण्णपानउभ॥भउमकिद
उकुभेभुद्रिउनिपपउद॥
३०॥उउनिभुभुःभंप्रपृमउ
नभउकमुकः॥मुण्णपान
मउमीवीकलीकेभगिंउ
ष॥३१॥पुनसुनद्वरद्रनभ
यउंमउलेसुगः॥मद्रुवउन
मिडिणसुमयभाम्भिक
भ॥३३॥उउरुगवडीरूद्र
नद्रुनडिनमिनी॥मिसेमउ
निमद्रुलिभुमरेःभयकं सु

ॐ.
ॐ.
ॐ.

धुतिवृणदगभिकयम॥३॥
लयेतिदिदिउंमेवैरकमभं
भुतेः॥३॥भुभु नगटय
मजिदुकाएलडिनीप॥
भुयतीवफिकुएकभनिर
भुभदेनूय॥३॥भिननमे
नभभुभुवृपुंलेकइयतुर
भ॥निउतनिःभुनेभेरेलि
उमैववनीपते॥३॥भुभुभ
कामरनेवीभभुभुदित
मरन॥मिमेमभुमरेमगैः
मउमेवभदभुमः॥३॥

ऊठेनिणभउभुनेनम॥भ
भभुमैहभैतुनंउलेवठवि
ठयिन॥०३॥उउःभिंदेभद
नमैभृलिउठभदभमैः॥प्र
रयभभगगनंगंउयैवमि
मम॥०७॥उउःकलीभभदु
हगगनदुभउदयउ॥क
हंउविनमैन॥प्रकुनभुति
उः॥३॥चहुदुदभभसिवं
सिवउतीमकरद॥उं
वैरभुरभुभःभभुःकेपं
रंयये॥३०॥रुगंउिधूति

कैटुपङ्कवभा॥ सुदहृवीर
 लेप्योपाउयउकुउले॥ ०८॥
 उभिदिपतिउकुमे विभभु
 ठीभविभुमे॥ कुउदडीवभं
 रुः॥ प्रयेदनुभभिकं॥
 ०५॥ भउभुभुषादुसैनदी
 उपरभायठैः॥ कुलैरधु
 ठिरनुनैवृपुमेपेरठैरुः
 ०६॥ उभायनुंभभनेरुमे
 वीमहभवायउ॥ एमवे
 लापिठउपसुकगडीवदुः
 भदभ॥ ०७॥ प्रयभाभक

द.
 म.
 ०.

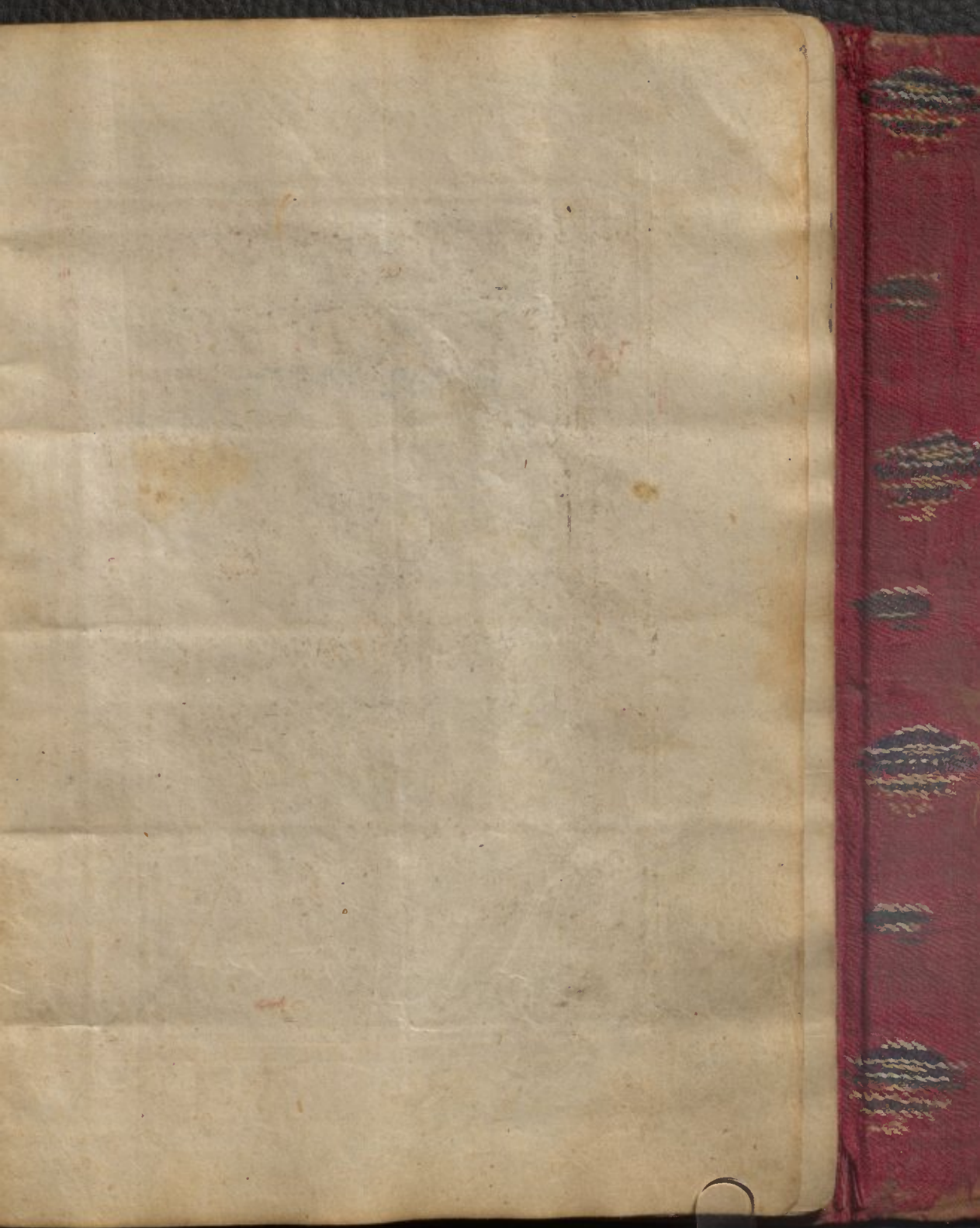
भुभुसुमिमुमुसमसपृपृ
मनुकभ॥०॥कित्रेसमलि
पकुसमकिंमिद्वपभेभुगः॥
उभपृपृदिपमरेमरे॥
किभापगउभा॥०॥केप
यउनिभभेषमुलेणगद
मनवः॥सुयउभधुपउउ
देवीउसुपृमुलुयउ॥०॥
अषमयगमंभेपिमिद्वप
मदिकंप्रति॥भापिदेवृति
मुलेनकित्रठमद्वभागत॥
०॥उउःपरमुदभुंउभायउं

केपुहुवुहुतुभाहुकिः॥७॥
 उतेयहुभजीवभीहुवृःभ
 भुनिभुभुवेः॥ सरवदुभती
 वेगुंभेअयेरिववदुतेः॥१॥
 मिमुहुभुहुगंभुहुंमकि
 कभुसरहुगैः॥ उहुयभभ
 महुपुमभुअरभुगुसुगे॥
 उ॥ निभभुनिमिउंअहुंमहु
 महुयभुपुहुभ॥ अउहुय
 मुतिभिंदंहुवदभुतु
 भभ॥७॥ उहुतेवदनेदेवी
 दारपुअभिभुतुभभ॥ निभ

द.
 ग.
 ७.

नः॥३॥ एधिरुव म॥ सकर
केपमउलंगुनीलेनिपति
उ॥ मभुभुगेनिभुभुसुदते
पुष्टेपुमादवे॥३॥ दतुभने
मदभैतुविलेहमदभु
दन॥ अकृणवत्रिभुभुषभ
एयभभभनय॥५॥ उभु
गउभुतः॥ एपुपुत्रुयेसुभ
दभरः॥ मभुपुपुपलः॥
दुदनुंमेवीभपाययः॥५॥
अणगभदवीदः॥ भुभुपिभु
रलेवउः॥ निदनुंमभिकं

39







तिवतुककपुनविठंरुमि
 कभलेपामकुमेमवरुं
 विणरुमकुः॥ विदुः
 भिदुमकलरुं॥ दिनेरुम
 तभिकेसभविसेवपुम
 वभि॥॥ विरलेवम॥॥
 विमिदुभिदुभापुंरुगव
 रुवउभम॥ रुदुसुरितभ
 ददुंरुगीएवपुमिउभ
 ०॥ रुयसेसुभुदंसेउंरु
 गीलेविपातिउ॥ मकरभ
 भेयकमविभभुसुतिकेप

द.
 भ.
 १७

भृगुमेलितम् ॥ १७ ॥ देवीमु
 लेनवले ॥ १८ ॥ गभिकिदधि
 किः ॥ एषावरकुलीनेडंम
 भृगुपीडमेलितम् ॥ १९ ॥
 मपपउमदीयपुमभुमं
 दडिडेदडः ॥ नीरकुसुमदी
 पालरकुलीनेमदभरः ॥
 २० ॥ उडमुददभउतभव
 पधिरुमचप ॥ दडेउभिरु
 रुगलेननडुमदुडेडुडः ॥
 २१ ॥ ॥ उडिसीदेवीभद
 डेरकुलीनेवठेनभाधुमेष्ट

यः ॥

उभ॥१॥ भूपे न कलीएगदे
 रकुगीएभुमे॥ उभ॥ उडिभ
 वए॥ नषगमय उडम
 डिकभ॥ ५० नमभुवेम
 नंमरेगमेपडेनि कभपि॥
 उभभुडरुयदेवीगमयउड
 मडिक॥१॥ उभुदउभुमे
 दउररुभभुवमे॥ उभ॥
 घउभुउभुडुके॥ मभुभुमे
 पूडीसुडि॥५३॥ भूपेमभ
 नउयेभु॥ रकुपउरुदभः॥
 उंमपामयमभुभुपयेउ

उ.
 भ.
 ५३

गुरुभूमि ॥ १० ॥ उविधल्लु
गुरुभूमि ॥ १० ॥ उविधल्लु
उवमकलीमभूमि ॥ ११ ॥
वमनेऊन ॥ १२ ॥ भूमिभूमि
भूमिभूमि ॥ १३ ॥ भूमिभूमि
गुरुभूमि ॥ १४ ॥ भूमिभूमि
वमनेऊन ॥ १५ ॥ भूमिभूमि
भूमिभूमि ॥ १६ ॥ भूमिभूमि
गुरुभूमि ॥ १७ ॥ भूमिभूमि
वमनेऊन ॥ १८ ॥ भूमिभूमि
भूमिभूमि ॥ १९ ॥ भूमिभूमि
गुरुभूमि ॥ २० ॥ भूमिभूमि

भुरैः॥५१॥ सकृत् एषा न केभ
 जीवन् दीप्त उषा भिन॥ भा
 द सुगीडि सुलेन र कुती एभ
 द भुरभा॥५३॥ भम पि गर
 य म्हेतुः भवत्पद न दृषक
 भद्रुः केप भम विप्रेर कुती
 एभ द भुरः॥५७॥ उभृ द उभृ
 रद्रु मक्ति सुल म्कि कुवि
 पप उये वर को प्य भुन भद्र
 उमे भुरः॥५९॥ उच्च भुर भ
 ज्ञा भु उर भुर भु कले एग उ॥
 वृ पु भभी उ उ देव न य भ ए

दे.
 भ.
 ५१

रूभः॥८३॥ उमपियवपुभु
रूपरुधरकुभभुवः॥भभं
भाङ्गिरङ्गसभुपङ्गिनी
धलभ॥८४॥ पुनस्रवणप
ऊनकउभभुमिरेयम॥वव
दरङ्गपुधभुतेएतःभद
भूमः॥८५॥ वैपुवीभभरेमै
नंसके॥८६॥ ठिलपानद॥गम
यङ्गुयभभरेमीउभभु
सुगभ॥८७॥ वैपुवीमङ्गिनी
भुङ्गिरभुवभंठवैः॥भद
भुमेणगङ्गुपुङ्गुभल्लमद

५५
 हेरकुलीएभदभरः॥३७॥
 कुठिचुदरुक्रमेपउट्टभुमरी
 रउः॥भभउउडिभेदिहंउउभ
 लिभदभरः॥५०॥यवणैगुरु
 पल्लिरिचुमकुभदभरः॥उ
 उमैकुीभुवणै॥रउगीएभ
 उदयउ॥५०॥कुलिसेनदउ
 भुचुतुरुभभुवसेलिउभ॥
 भभउभुभुमयेणभुदुपभुद
 रकुभः॥५३॥यवतुःपडिउ
 भुभुमरीरदकुठिचुवः॥उव
 तुःपदपएउभुदुीदरुनवि

द.
 भ.
 ५५

विमरितः॥३५॥ नपेचिमरि
उं स्रुतुक्तयतीभदभरन
नरभिंदीममरहेनमप्र
लुमिगनुर॥३६॥ ममदुद
मैरभुरःमिवउटुकिउपितः
पेउःपविवुं पडितंभुं स्रुप
मषभउष॥३७॥ उडिभरु
गंरुंभरुयतुंभदभर
न॥रुपुंरुपयैचिविठैउं सुः
देवगिभैनिकः॥३८॥ प
नयनपररुपुंरुंरुंरुं
उडितन॥येरुभरुययेरुं

कभकुनललदपदउवीट
 रुडेणभः॥वृक्षलीमकरे
 मूडूरेयनभठवडि॥३३॥
 भदेसुगीडिमूननउषमरू
 ॥वैधुवी॥मैटुल्लनके
 भगीउषमरूडिकेपन॥
 ३३॥पेडूकुलिमपडेनमउ
 मेवभदमैटुमनवः॥पेउ
 चिमरिडःपुष्टुमठिरेअ
 पूवदिः॥३४॥उडुपुदर
 विपभुमंभूगुडउवदभः
 वगदभुडुपउंमरू॥म

इ.
 भ.
 ११

सुद्धवमेदेवः सचाष्टंभद
 भुगः चभदप्रिडाणगुद
 इकट्टयनीभिः ॥३३॥ उतः
 पूषभमेवगै सरसकुपिब
 धिभिः ॥ ववदुदुतभं दभं
 देवीभभरगयः ॥३७॥ भाम
 उदुदिउतु ॥ पुनसक्तिप
 रसुठन ॥ मिमुलीलप
 उठरमुक्तेदधुभिः ॥३०॥ उ
 भुगुतभुतः कलीसुलपउ
 विमरिउत ॥ पदुदुपेवि
 उंस्त्रीगीकुवडीवुसरुम ॥

मम नव वडि गविडे ॥ येम
 हेम नव भुइ युइ यमभप
 भिउः ॥ १८ ॥ हेलेह भिहेल
 ठडे मेवः भनुद विहुणः ॥
 पुयं प्रयउपउले यमिणी
 विउभि सुष ॥ १९ ॥ रन वले
 पमष मेहुवने यहुक द्विः
 उम गमुउरुपुउ भसिवाः
 पिमिउ नवः ॥ २० ॥ यडे निवडे
 मुहेन उय मेवः मिवः सुय
 भ ॥ मिव मुडी डिले के भिं भु
 उः भापु डिभा गड ॥ २१ ॥ उधि

रु.
 भा.
 १८

रलेपरिभ्रुता ॥ पू० पू० भदभू
नयन० यषा मरुभू षेवभा०
३० ॥ उ३ः परिदु^{उ३}तु^{उ३} किगीम
न० देवमज्जिभिः ॥ ददुत० भभ
र० सीपुं भभ श्रीदुदमदिक
भा० ३० ॥ उ३ देवीमगीरदुवि
निधूतुतिनीध० ॥ मदिक
मज्जिरदुगुमिवा मउनिन
दिनी ॥ ३३ ॥ भासादपुभूण।
दिलभीमनभपरालिउ० ॥
उ३ उंगमूगवद सुंभभुनिभ
भूयेः ॥ ३३ ॥ कूदिभुंनिभुं

गवादन ॥ येदुभहृयये मेह
 नभिक गुदकुपि ॥ ०० ॥ उ
 वैववैधुवी मक्ति नरुपेपरि
 भंभित ॥ महमरुगमम
 ज्ञापदुदभुहृपयये ॥ ०१ ॥
 यल्लवगदभतुलं कुपंयति
 कृतीदरः ॥ मक्तिः भपुय
 योउरवगदीरि कृतीउरभा
 ०३ ॥ नगभिंदीरुभिंदभुभ
 रुमंरि कृतीवपुः ॥ पुपुउर
 भल्लपदि पुनदुभंदतिः
 ०७ ॥ यल्लदभुउवैवैदुगीण

म.
 भ.
 ५७

रेहेविनिधुभुउरूपैः सक्ति
कंययुः०१ यभुदेवभुय
रूपंयषावदनरुधभा
उरुदेवदिउसुक्तिरभुगु
रुभायये०२ दंभयऊवि
भानगैभाऊभुइकभकुलः
भुयउवृऊः सक्तिरुऊ
लीभाठिणीयउ०३ भदे
सुगीवधकुलइसुलवरण
रिनी॥ भददिवलयपुपु
मरुगोपविरुध॥०४॥
केभागीसक्तिदभुमभयुगव

५५
दयः

भुनेन उत्र मभिक मे पतुं दि
उभः॥३॥ उत्र लुभिंद भभुनं
नम प्ररितु मि ह्यपः॥ विन मे
नीधलैः कलीणि गे विभुरि
उवनः॥७॥ उत्रिन मभुपम
हृमै हृमै हृमै उत्रि मभः॥ मेवी
भिंद भुष कली भरेयैः परि
वरितः॥१॥ उत्रि भि वत्रु रे कृपः
विन मय भुग द्विधः॥१॥ कव
य भगभ सुन भति वीदरल
त्रितः॥१००॥ वृक्ष मगुद वि
भुनं उषे च भुम मज्ज यः॥ मरी

रु.
भा.
१३

कुलनिप्रभुं निजसूनुभभ
ल्लय ॥ २ ॥ कलकमेहमभे
वृः कलकेयभुषभरः ॥ य
सूयमहनिदनुसुल्लयद्वि
उंभभ ॥ ५ ॥ उहल्लपुभरप।
तिः भुभेकैरवमभनः ॥ निल
गभभदभैहृभदभैरुकि
वृतः ॥ ७ ॥ सुयतुंमदिकरु
धुतुंमभतिनीधम ॥ ८
भुनैः प्रयभभठरलीगग
ननुभभ ॥ १ ॥ उतः भिंदेभद
नमभडीवतउववृप ॥ ५३०

五

यभः सुभं सभं सगदीव
दुभपागत ॥ सभं सुति उते
देविष्टु तले के कविपुमि ॥ ३
५ ॥ ॥ ७ ति मी मी मी मी मी
सभं सभं सभं सभं सभं सभं
यः ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥
नगाणी सुगविधिरं दलि
दले तुं मे दग दुवली कभुदु
दल तुं विरगनिं न इत्येदु
मिदभा ॥ भाल उभकपल
नीरणकं सभं चभानिपं
भवल्लु सुगैरव दूनिलयं

五

विमभानिउद्गायभा॥ वरुद
षकृतिभुनिभुवद्रुनिअनेम
ग्भा॥०१॥ उडेणदभडिरुध
ठीभंऊरवनमिनी॥ कली
कगलवद्रुतुद्रुममनेल्लल
०३॥ उद्रुयमभदमिंदंरेवी
मद्रुभणवत॥ गदीद्रुमभु
कैमैधुमिरभुनभिनसिुन
३॥०७॥ म्रवभुद्रुहणवतुं
द्रुधुमकुंनिपडितभा॥ उभ
धुपडयद्रुभेपडुद्रुकिदतं
मध॥३॥ दतमेधंततःमैतुं

मभमठकयसुट, नहुं सुड
 दुयडुम ॥०३॥ अभिनविद
 उःकमिःकुमिःकुसुडडिडः
 एगुचिनमभभुर, मडुग
 किदडभुष ॥०५॥ कल्लन
 उडुनंभवभभुर, उविप
 डिडभ ॥ दुधुमडुकिडुड
 वडुंकलीभ डिठीप ॥०७॥
 ०५ ॥ मगवडुमदलीभडुीभ
 डुीडुंभदभुरः ॥ कडयभ
 भमरुसुभडुकिपुःभदभ
 मः ॥०६॥ उविमरुटनेकनि

रु.
 भा.
 ५७

मभत्रिउन॥मभरुयैकदभे
 नभुपिमिद्वपवग॥७॥
 उवैवयेठंउरगैरखंभगविन
 भद॥निदिपृवकुंरुमनैसु
 चयवृडिऊरवभ॥०॥एकंए
 गृदकेमेधुग्रीव'य'भषम,
 परभ॥प'रुन'रुभृमैव'रुभृ
 रभ'रुभ'पे'षयउ॥००॥उ'रु
 कुनिममभु'लि'भदभु'लि'भ
 दभृ'रुः॥भुपेनएगृदरुध'
 रुमनै'रु'षिउ'रुधि॥०१॥रुनि
 नंउ'रुलंभ'व'भ'भृ'रु'उ'रु'ष'भि

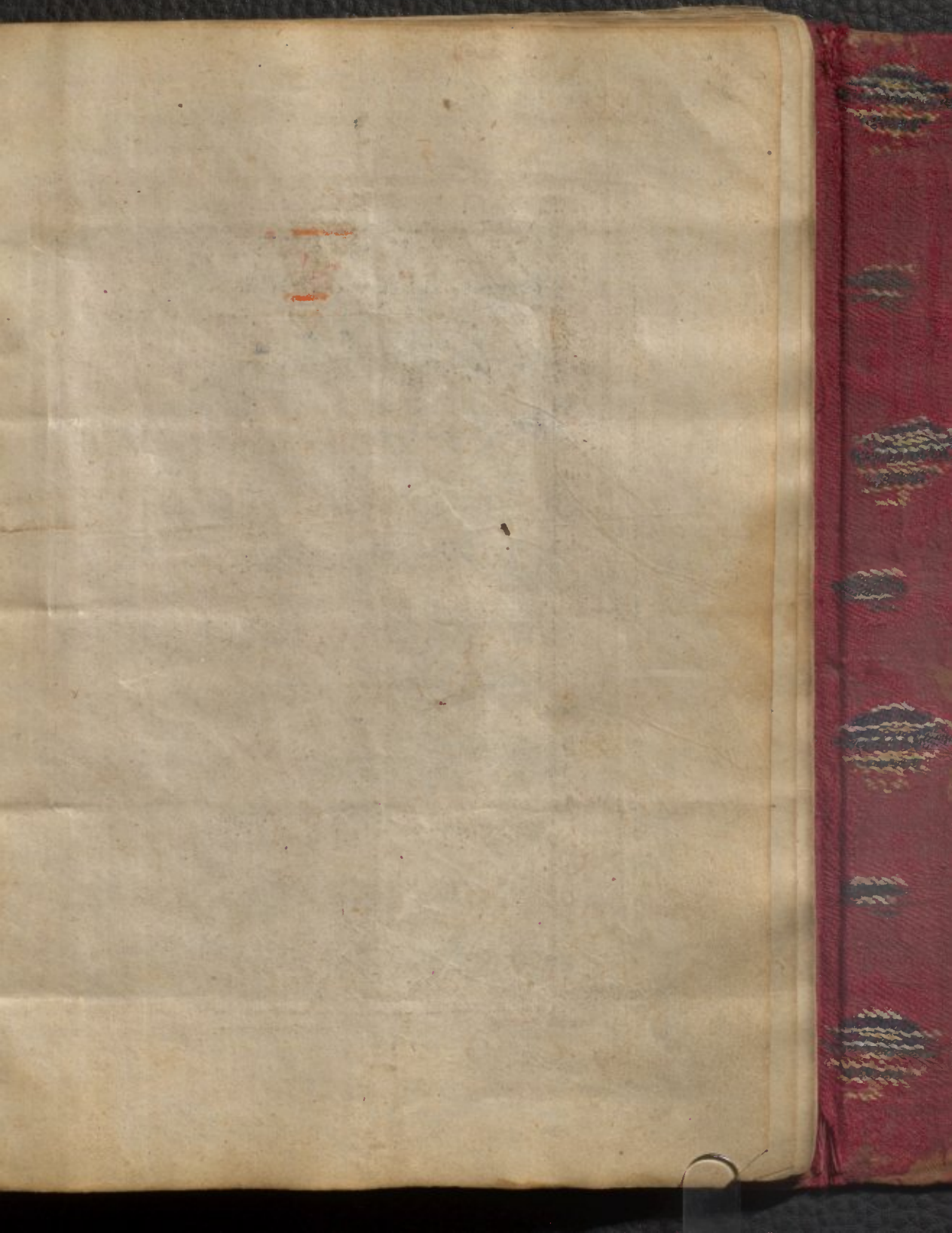
रुग'रु'न'

५२
 ललक दुःख ॥ कली करल
 वरन विनिधुनु भिपमिनी
 ५ ॥ विमिदुपदुगुग नभन
 विकुप ॥ सुपिमदुपगीठ
 न सुपुभंभडिनीध ॥ १
 अडिविभुगनयन एदुलल
 नकैरव ॥ विभगुगकुनयन
 नरुप्ररिडकि दुप ॥ १ ॥ भा
 वेगनकिपडिउ ॥ अउयकुभ
 दभुगन ॥ भैवैउउभुगगी
 भरुदयउउदुलभ ॥ ३ ॥ पा
 दिगुदकुमगुदियेठ ॥ अ

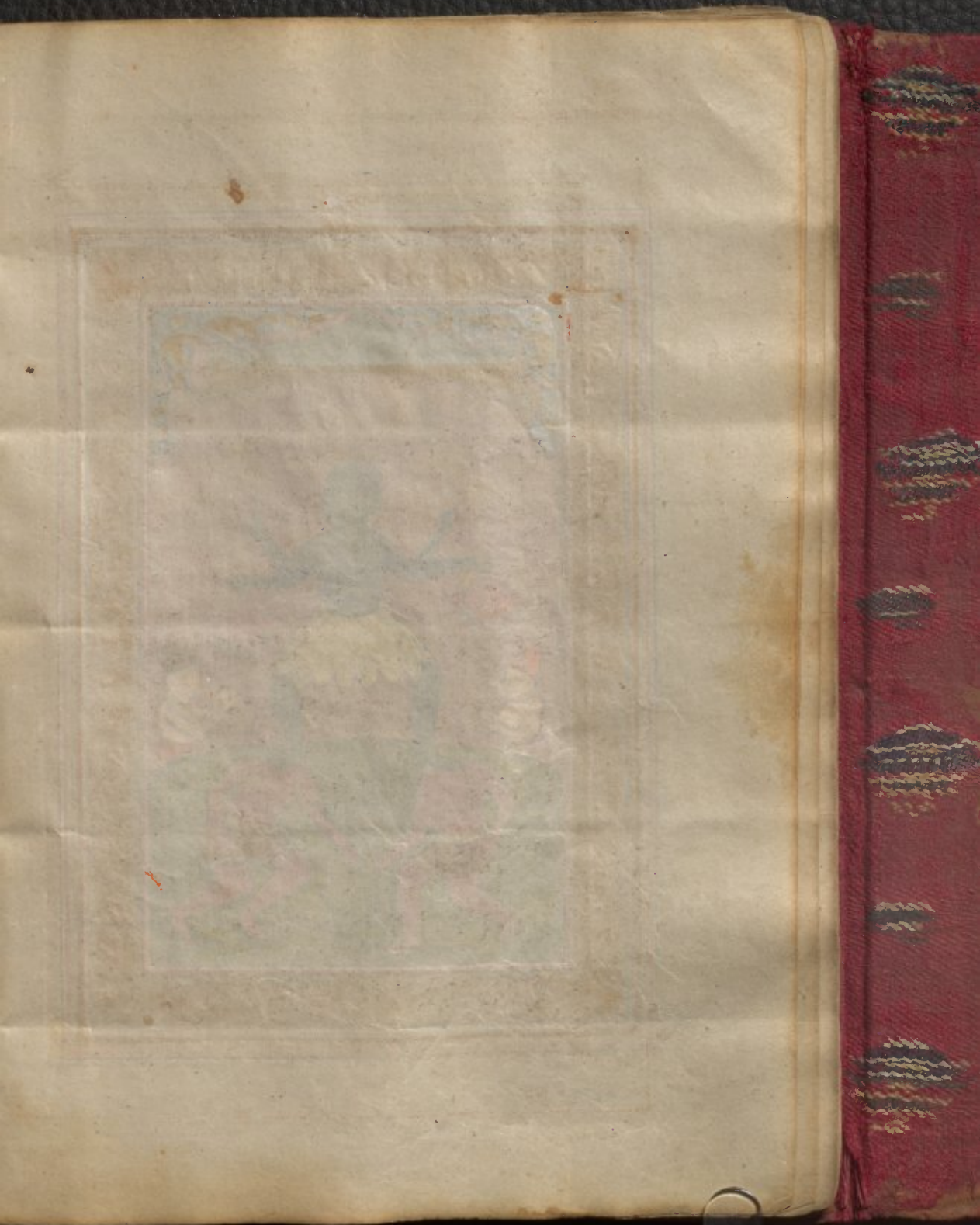
रु.
 भा.
 २३

मैहृ ज्ञुभुपुगैगभाः॥ सतुर
ज्ञरलेपेउ यवुरकुमिउयुठः॥
०॥ मरुमुमुउतेदेवीभीधु
भावृवभिउभा॥ भिंदमेपरि
मैलेमृमृमृभदतिक'ल्लन॥३
उरुधु'उं'उं'भभा'रुउभु'मं
मरु'रु'रु'तः॥ सुतधु'सा'पाः
भिठर'भुष'तु'उ'भी'पगः॥
३॥ उउःकेपंमकरै'ज्ञै'ग'भिक
उनगी'रु'ति॥ केपेन'सा'भु'व
रुनं'भ'धी'वल्ल'भ'रु'उ'रु॥८॥
कू'ज'टी'ज'टिल'उ'भु'ल'ल'ए

53







कभ॥३॥ॐ डि मी देवी भाद
 कुप्रभूले मनव ठेन भधधु
 एयः॥७॥ॐ धिदवम॥
 एयेयंग्रपी० सुककल
 प० उं मधु डी सुभल डी
 वृभुंक डिं भरे ले समिमक
 नठरं वल्ले कीव मयं डी॥
 कलदर वरुभाल नियमित
 विल सुलिकंगरु वभुं भा
 उं डी न ह्यपु भपुभमवि
 वमं मिडु के म्भिमल भा
 एधिदवम॥ सुलुपुभुउते

रु.
 भा.
 २१

सुकेपमैट्टिपडिः भुभुः प्र
भुगिडणः ॥ सुहृपयभभ
सडे सभुभुभेभदभुने ॥
०१ ॥ दसभुदेभभुनैरुद
किः परिवरिते ॥ गमुडंडग
दसभभभनीयडंनभ ॥
०३ ॥ केसेपुठपुठकुवय
मिवाभंसवेयुठि ॥ उरुसेध
युठैः भवैरभुगैचिनिदट्टभ
०७ ॥ उभुंदडयं सुधुयं भिं
दसविनिपाडिते ॥ मीप्रभाग
भुडंभकुगदीदुडभवाभि

दृष्टव्यमभनपैः केधुनिके
 भरी ॥ उषा उलपुदरे ॥ मि
 रंभिरुतवदुषक ॥ ०३ ॥ वि
 मित्ररुमिगभः रुतमुन
 उषापर ॥ पपेसमठिरेके
 धूमरेपं पउकेभरः ॥ ०८ ॥
 कलननुमुले नीउं भचंदयं
 नीउं भदइन ॥ उनकेभरि।
 ७ मेवुवदनेन उिकेपिन।
 ०५ ॥ मूइउंभभुं मेवुनिद
 उंप्रभूले मनभ ॥ रनेमद
 यितंरुं मेवीकेभरि ७ उउः

द.
 भ.
 ८७

वडुभभुरेप्रभूलेमनः॥५६॥
नलेवडंठभभसुकरभिः
कडडुः॥७॥सयरुडंभद
मैवभभुरांतुमभिक॥वव
दभयकैभीहैभुषामभिप
रसुपैः॥०॥उडेपुडभदःके
पडुडनरंभकैरवभ॥प
पाडभभभनयंरुवुभिदः
भुवदनः॥००॥कंसिडुपु
दरेरुहृनभुनसपरन
पुडुडुमपरेपुडुडु
नभदभुरन॥०३॥कैधंसि

वः॥ यधुभदभ॥ ७॥ मभग॥
 मू॥ यये॥ १॥ मरुधु॥ उ॥ उ॥
 वी॥ उ॥ दि॥ न॥ म॥ ल॥ भ॥ भि॥ उ॥ भ॥ ॥
 ग॥ मे॥ स्रैः॥ पू॥ य॥ दी॥ डि॥ प्र॥ ल॥ भ॥ भ॥
 नि॥ भ॥ भ॥ येः॥ ॥ ७॥ न॥ मे॥ इ॥ इ॥ इ॥
 न॥ व॥ डी॥ भ॥ नू॥ उ॥ र॥ भ॥ प॥ पृ॥ डि॥ ॥ उ॥
 उ॥ र॥ ल॥ त्र॥ य॥ भृ॥ प॥ के॥ म॥ क॥ द॥
 वि॥ क॥ ल॥ भ॥ ॥ श्री॥ मे॥ वृ॥ द॥ म॥ ॥
 मे॥ इ॥ सु॥ र॥ ॥ प्र॥ दि॥ उ॥ र॥ ल॥ व॥ न॥ ल॥
 भ॥ व॥ उ॥ ॥ ॥ र॥ ल॥ त्र॥ य॥ भि॥ भ॥ भ॥
 व॥ उ॥ उ॥ भृ॥ किं॥ क॥ र॥ भृ॥ द॥ भ॥ ॥ उ॥ ॥
 उ॥ धि॥ न॥ व॥ म॥ ॥ उ॥ इ॥ इ॥ भ॥ इ॥ ॥

म.
 म.
 ५५

भागभूमभासधूमैट्टगएयवि
भुगडा॥०॥ उभुडउभुडडुह
भाकलुभगरदुडः॥ भरेणः
प्रादमैट्टनभठिपंप्रभूलेम
नभा॥३॥ देप्रभूलेमनमुडंभ
मैट्टपरिवारितः॥ उभाचयठ
लामुपुंकेसकद्विद्वल
भा॥३॥ उडुगिरुंरःकसि
द्विद्वेडिपुडेपरः॥ भदनुवै
भरेवपियद्वेगनुचावव
८॥ एधिरवम॥ उचल्लुपुः
उडःमीपुंभमैट्टेप्रभूलेमनः

गीणभा॥ अदभुतभा॥ भदभ
 भुतीप्रीतिं प० विनिवेगः
 अष्टनभा॥ अष्टनसुल
 दलनिमल्लभभुलेमं एतः
 भायकं दभुल्लेष्टं डीअन
 क्विलभसुतीं सुतनुप्रन
 भा॥ जेगीदेदभभुवेदि
 लगतभा॥ एरकुतं भदप्रच
 भदभभुतीभनल्लभभु
 दिदेष्टुतिनीभा॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 एधिरवम॥ उष्टकल्लवमे
 उष्टः भदुतेभदप्रतिः॥ भ

नू.
 भा.
 ८८

श्रीदेवदाम ॥ एवमेतदुली
भुभेनिभभुञ्जतिदीदवच
किंकरीभिपूतिहृमेयमनले
मितापरा ॥ १५ ॥ भवंगसुभ
वैवेजं यमेतद्वचभामितः
उरुमकुभुरद्वयभमयुजं
करेडुयत ॥ १० ॥ उतिम्रीम
वीभादकुडुतभंवमेनभ
पल्लभेष्टयः ॥ १ ॥ ॥ अभु
श्रीरुडीयमरितभु नद्वपि
भदभरभुडीमेवत ॥ अरभु
पुनः ॥ शीभमक्तिः ॥ कभगी

वंदेवुदिदेविभभागुः॥ ११ ॥
 कः॥ प्रभंभुपुमगैभभुनि
 भभुयेः॥ १० ॥ मनुष्यभपिमै
 हनंभवेदेवनदैयणि॥ १२ ॥
 पुत्रिभभुपिमैदिकिंप्रभु
 द्वमेकिक॥ १३ ॥ उरुहःभ
 कलदेवाभुभुदेधंनभंभ
 पि॥ भभुमीनंकषंडेधंभु
 प्रयभुभिभंभुपभा॥ १४ ॥
 भादंगसुभयैवेऊपाचुंभभु
 निभभुयेः॥ केमकद्वनितु
 उगेरवभागभिपृभि॥ १५ ॥

११
 १२
 १३

इनेहठिपतिः भूनिभू
सुपितरुमः ॥ ७१ ॥ किदु
यदुतिहउंभिष्टुतद्वियउक
षभ ॥ सूयताभलद्विद्वग
पूतिहय'रुता'पुग ॥ ७३ ॥ वे
भ'णयतिभसुभ'येभ'रुंद'वृ
पेदति ॥ येभ'पूतिरुलेलेके
भमेरुतुठविधृति ॥ ७७ ॥ उर
गसुतभूभ'रुनिभूव'भद
भुरः ॥ भ'णिद्वकिंमिरेरु
पालिग'द्वुतमेनप ॥ १० ॥
उउउव'म ॥ अवलिपुभिभै

भं व भ म उ ए व पि नि भ भ
 भु द वि रु भ भ ॥ क ए डं म ड
 ल प डि र ड रु उ भि व य उः
 ७८ ॥ प र भै सु द भ उ ले प भु
 मे भ म उ ग द उ ॥ ए उ डु डु
 भ भ ले सु भ द रि ग द उं वृ ए
 ७९ ॥ ए धि द व म ॥ उ डु ज भ
 उ म मे वी ग भू र उः भि उ ए
 गे ॥ रु ज ठ ग व डी रु दू य ये
 मं ठ ट उ ए ग उ ॥ ८० ॥ श्री मे
 वृ व म ॥ भ ड भ ऊं व य च ड
 भि ष्ट कि डि डू ये मि उ भ ॥

क.
 भ.
 ८३

क॥५७॥ ईनेकेवरगुनिभ
भवसुतुमेधतः॥ उखैवग
एगुंमहुतंमेवेदुवदरभा
७०॥ क्षीरेरुभषनेहुतं दय
गुंमभाभरैः॥ उमैःसुवम
मंलुतुपुलिपटुमभदिउभा
७०॥ यानिमातुनिमेवेगुनु
चेप्रगपुम॥ गडुकुतनिहु
तनिउनिभयुवमेठने॥ ७१॥
भीरुगुतंहुंमेविनेकेभतु
भदेवयभा॥ भादुमभउपा
गसुयतेगडुकुलेवयभा॥ ७२॥

यद्भुमेनेदुमेतिमेकने॥३॥
 मदेवीउतः॥५॥ दस्रुंभय
 यगिर॥ सुतउवम॥ मेवि
 देहृसुगः॥ भुभुमेलेकपम
 सुगः॥ सुतेदंपेधितभुनद
 कसभिदगतः॥११॥ सुवृद
 उल्लः॥ भवभुयः॥ भममेवये
 निधु॥ निलितपिनमेहृरि
 भुयमदमरभुत॥१३॥
 भमदेलेकभपिलंभमदेव
 वमत्रुगः॥ यल्लुगानदं
 भवत्रुपभुभिधषकष

द.
 भ.
 २०

इलउयः॥ वक्रिगपिउमेउरु
भग्निमेमयवभभी॥ १३ ॥
वंमेहृरुइविभभभुहृ
निउ॥ भूगइभेधकनृ॥ १४ ॥
इयकभउगहृउ॥ १५ ॥
एधिरुवम॥ निमभृतिवमः
भभुःभउममभुभुयेः॥
पूधयभभभुगीवंउउं
वृभदभरः॥ १६ ॥ उकिउति
मवऊहृभगववमनभ
यवमहृतिभंप्रीहृउयक
दंडयलपु॥ १७ ॥ भउइगव

उक्तं ॥ इत्थं उच्यते ॥ नित्यं यत्
 भीष्मं च मेरुं च ॥ ८३ ॥ विधि
 रथं भद्रं पद्मः ॥ भद्रं नीतिं च
 सुरा ॥ किं न किं नीतिं च
 विदुः ॥ भद्रं च पद्मं ॥
 ८४ ॥ कर्तुं उच्यते ॥ गेदे कर्तुं
 भूविधिं च ॥ उच्यते ॥ भद्रं
 नवरेयः ॥ परं भीष्मं च ॥ ८५ ॥
 भद्रं च विदुः ॥ भद्रं च भद्रं
 द्वयं च ॥ पद्मः ॥ भद्रं च
 लभ्यते ॥ भद्रं च भद्रं ॥ ८६ ॥
 विभक्तं च विदुः ॥ भद्रं च भद्रं

द.
 भ.
 इ.

किमुतमभ एवतंकपृभे
देवीगङ्गासाभुरेसुर ॥ ८८ ॥
भूरिभुक्तिगव श्रीहेतयती
दिसभुप ॥ भुक्तिपुक्तिहेतु
कुतंकवकुपुभदति ॥ ८९ ॥
वगिरइविभयेगएसु
मीनिवैपुके ॥ इतिहेतुमभ
भुविभभुतंकविउगदे ॥ ९० ॥
एगवतःभभनीतिगएगुपर
कुरगु ॥ पारिएउउमसुयंत
वैवेसुःसुवदयः ॥ ९१ ॥ वि
भानंदंभभंयकुभेउतिपुक्ति

केमिकीतिभभभुषुउतेलेके
 धुगीयते॥८॥उभुंविनिभु
 उयंउरुधुधुधुपिपचजी
 कलिकेतिभभापुउदिभ
 मलरुउमूय॥९॥उतेभि
 कंपंगुपंतिरुंभभनेदा
 भ॥१०॥उमचमभुभुधुधुधु
 भभुनिभभुयेः॥११॥उभुंभ
 भुयमापुउभाडीवभभने
 दग॥कपुभुभुभुभुभुभुभु
 रुभयनीदिभमलभ॥१२॥
 नैवउरुकुमिदुपंरुपुंकेन

द.
 भ.
 ७७

भवापदेककविनभूप्रतिदि
ॐ ॥ छविमवाम ॥ एवंभुव
ठियऊनं देवानं उरुपाचरी
अ'उभकृययेतेये एरुवृच
पनन ॥ ३१ ॥ भाववीडुम
मुकुठवदिः भुयतेरुक ॥ म
रीकेमतसुभुः भुभुडुव
वीष्टिव ॥ ३३ ॥ भुभुभु उरु
यतेभुभुदेहनिगदतेः ॥ देवैः
भभभुः भभभुनिभभुनपर
लिडेः ॥ ३७ ॥ मरीरकेम'रुड
भुः पाचहनिभुडभिक ॥

ਖਯਾ॥ ਕੁੰਤਿ ਪੁਮਤਤੰਤ ਮੈਵੁ ਪੁੰ
 ਮੈਵੁ ਨਮੋ ਨਮः॥ ੨੨॥ ਸਿਤਿਤੁ ਪੁੰ
 ~ ਘਾਨੁ ਮੈਤਤੁ ਪੁੰ ਮਿਤਾਨਾ
 ਤੁ॥ ਨਮ ਮੁ ਮੈ ਨਮ ਮੁ ਮੈ ਨਮ ਮੁ
 ਮੈ ਨਮੋ ਨਮः॥ ੨੩॥ ਮੁਤ ਮੁਤੋ ਪੁੰ
 ਚਮਨੀ ਪੁੰ ਮੈ ਸੁਘਾਤੁ ਘਾ ਮੈ ਕੁੰ
 ~ ਸਿਤਿਤੁ ਮੈ ਵਿਤਾ॥ ਕਰੇਤੁ ਮਾ
 ਨः ਸੁਨਦੇਤੁ ਗੀ ਸੁਗੀ ਸੁਨਾਨਿਨ
 ਸੁਟਾਨਿਨ ਤੁਸਾਪਨः॥ ੨੪॥
 ਘਾ ਮਾ ਮੁਤੰਤੋ ਸੁਤ ਮੈਵੁ ਤਾਪਿਤੰ
 ਰਮਨਿ ਗੀ ਸਾਤੁ ਸਰੇਤੁ ਮਮੁਤੰ
 ਘਾ ਸਮੁਤਤੁ ਤੁਨਾ ਮੈਵੁ ਦਤਿਨः॥

ਕੁ.
 ਮ.
 ੨੩

ਮੁਮੈ॥੧੮॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਕਤਿ॥
ਨਮਮੁਮੈ॥੧੯॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਨ
ਦ੍ਰੀ॥ ਨਮਮੁਮੈ॥੨੦॥ ਧਾਏਵੀ
ਕਤਿ॥ ਨਮਮੁਮੈ॥੨੧॥ ਧਾਏ
ਵੀ॥ ਮੁਤਿ॥ ਨਮਮੁਮੈ॥੨੨॥
ਧਾਏਵੀ॥ ਮਧਾ॥ ਨਮਮੁਮੈ॥
੨੩॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਤੁਖਿ॥ ਨਮਮੁ
ਮੈ॥੨੪॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਪੁਖਿ॥ ਨ
ਮਮੁਮੈ॥੨੫॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਮਧੁ॥
ਨਮਮੁਮੈ॥੨੬॥ ਧਾਏਵੀ॥ ਕੁ
ਤਿ॥ ਨਮਮੁਮੈ॥੨੭॥ ਤੁਕ੍ਰਿਧਾ
ਨਮਮੁਮੈ॥੨੮॥ ਤੁਕ੍ਰਿਧਾ

६५
 यदेवी॥ कृष्णरूपे॥ नम
 भुम्हे॥ ००॥ यदेवी॥ कय
 रूपे॥ नमभुम्हे॥ ०१॥ य
 देवी॥ सक्तिरूपे॥ नम
 भुम्हे॥ ०३॥ यदेवी॥ इ
 ध्रु॥ नमभुम्हे॥ ०७॥ य
 देवी॥ क्षत्रि॥ नमभुम्हे
 ३॥ यदेवी॥ एति॥ नम
 भुम्हे॥ ३०॥ यदेवी॥ ल
 सुरूपे॥ नमभुम्हे॥ ३३॥
 यदेवी॥ सक्ति॥ नमभुम्हे
 ३३॥ यदेवी॥ मूढ॥ नम

न.
 ग.
 ७१

भउउंनभः॥००॥ अतिभोभृ
 डिगेरुयै नभभुभै नभेनभः
 नभेणगदुडिभुयै रुवैरुहै
 नभेनभः॥००॥ यारुवीभच
 रुउंभुविभुभयैडिमविउ
 नभभुभै नभभुभै नभभुभै
 नभेनभः॥०१॥ यारुवीभच
 रुउंभुमैउनेहठिणीयउं न
 भभुभै॥०१॥ यारुवीभच
 रुउंभुवुडिउपेभंभुउ
 नभभुभै॥०२॥ यारुवी
 विरुउपे॥ नभभुभै॥

भायं पुत्रपुत्रः ॥ देव उग्रः ॥
नभे देवैर्दद देवैर्मिव ये भउ
उं नभः ॥ नभः पूरु इरु वै नि
यउ पु उः भउ भा ॥ १ ॥ ने
रु ये नभे निरु ये ने दे ठ इ नभे
नभः ॥ ऐ रु ये म रु रु पि ऐ भ
प ये भउ उं नभः ॥ उ कलु
है पु उ व रु मि रु रु रु नभे
नभः ॥ ने रु रु रु रु रु ल रु म
व ऐ उ नभे नभः ॥ रु रु ये रु
न प रु ये भा रु ये भ च क रि नि
पु रु उ ये व रु पु ये पु भ ये

दे.
भा.
३०

षयभृमरुतेवरुभृम॥ ३
षैवपवनदिंममरु उचक्रिक
मम॥ उतेदेवविनिनुडरुपु
रहःपरलिताः॥ ३॥ हतठि
कगभिरुमभृहंभवैनिग
रुतः॥ भदभृगहंउंदेवीभं
भृगुपरलिताभ॥ ८॥ उव
भृकंवरुतेयषापडभृतः
पित्तः॥ रुवउंरमयिधृभि
उरु॥ उरुभापरुः॥ ५॥ उति
रुवभतिं देवदिभवतुंरगेषु
रभ॥ एगुभृरुतेदेवीविधु

三

८५ ॥ ३३ ॥ ॐ ह्रीं क्लीं धिं तं कुपम
भुतभायषापुरा ॥ देवी देव
सरीरे कृण्वदियदिउधिनी
३४ ॥ पुनस्तुगेगीदेदङ्गभभ
कुतायषकवता ॥ वणायदधु
दैहनांतषाभभुनिभभुयेः
३५ ॥ गङ्गाय मलेकांनां दे
वानाभपकारिनी ॥ उम्बूरा
धुमयाष्टांतयषावड्डुषया ।
भिडे ॥ ३६ ॥ ॐ तिमीदेवीभा
दंडैसरूमिभुतित्रामसुते
एयः ॥ २ ॥ ॥ ॥ सुषण्णा

भगः॥ यदिवपि वरे मेयः
 इयभकं भदे सुनि॥ ३० ॥
 मंभुतमंभुतं वंनेदिंभी
 षः परभापरः॥ यस्तुभरु
 भुवैरिभिंभुपृष्टभलन
 ने॥ ३१ ॥ उभुविउद्विबिभ
 वैरुनरगदिभभुमभा
 कुरुयेभुभुमत्रं वंनवेषः
 भवमभिके॥ ३३ ॥ एधिद
 दाम॥ उतिप्रभादिउमेवै
 लगतिउउषादुनः॥ उषेदु
 कुरुकलीरुवुवुदिउ

ल.
 भा.
 ३८

भरैरिहैः कभभैरुनेरु
वैः॥ अतिताणगडठरीत
षागनुत्रलेपनैः॥ ११॥ क
कुभभभैभिरुमैरिहैत्र
पैःभुप्रपिडः॥ ५॥ दप्रभ
रुभभापीभभभु'दु'ड
दुगन॥ १३॥ श्रीरुवृव'ग
वियतंरि'रुम'भवे'यर
भडेरिवा'रि'डभ॥ रुवपु
मुः॥ रुगवडु'रुतंभचंन।
कि'रि'रुवमिधु'त॥ यरुयं
निदतःसडु'रुभकंभदिधा

रु.
भा.
३३

नेनः पादिसा पट्टनिभुने
नमः ३३ ॥ पूं गङ्गा प्रतीपुं
ममसि केरुदुदिल्लु
भल्लनदुमुल्लु उतुगभुं
वेसुरि ३४ ॥ मेभुनियानि
कुपल्लि उनेकुविमरुतिउ
यविमरुतुपेरल्लि उरुदु
भंभुषाकुवभ ३५ ॥ पदु
मुलगममीनियानिमभु
लिउभिके करपल्लवभ
इनिउरभदुदुभचरु ॥
३६ ॥ धिदुवम ॥ एवंभुत

कुभा॥३०॥ कैनेपभाठवडिडे
भुपररूमभुडुपंसमडूठय
कटडिदरिऊडू॥ मिडुठपा
भभगनिधुरतामरुधुडूवृ
वरेविवररेकुवनइयेपि॥

३०॥ डूलेरुभेउरुपितंरि
पनसनेनइउंडूयभभगभु
ठनिडेपिदडू॥ नीतामिवं
रिधुगठयभपृपाभुभभु
कभरुमभगगिठवंनभभु
३१॥ सुलेनपादिनेरेविपा
दिपडूनमभिके॥ अरुभु

पिदिमभुप्रउउंभतिठव।
 डिउधुदिउधुभासी॥०३॥
 दुपठप्रकगविभुगलेभुषे
 गैः सुल'गूक'ति निवदेन
 रुमेभग'भ॥यत्र'गड'
 विलयभंसुभामिदुतिभुये
 गुननंतवविलेकयडंतुमे
 उडा॥०७॥रुचउवउमभ
 नंतवमेविमीलंतुपंतवउम
 विमिदृभडुलृभट्टैः॥वीदं
 मदडुदउमेवपग'भ॥व
 रिधुधिप्रकटिउवमयवय

न.
 भा.
 ३३

सुठंरुमभि॥रुगिरुदुःप
रुवदगिरि॥कदुमहु॥भवे
पकरकर॥यमयामुमि
दु॥००॥रुगिरुदुःप
डिभापंतयै॥उचतुनभ
नरकयमिरायपपभा॥
भदुभभ॥दुभठिगभूमिवं
यतुभदुडिउनभदिदुवि
निंदमिरेवि॥०१॥रुधुवकिं
नरुवडीपुकरेडिठभभच
भुरनरिधुयदुदिलेधि स
भुभा॥लेकदूयेतुगिपवे

पमेपुठननिउंउंयंयं।
 भिनसभीरुडितनुवजः॥७॥
 वृभुपवनिरुडिदुल्लरुडुमर
 यंभमरुडुमयमरुवडी
 पुभत्र॥०८॥ एमुलिरेवि
 भकलनिभरेवकमरुडु
 रुडःपुडिमिनंभरुडीकरे
 डि॥भुनंपुयडिमउतेरुव
 डीपुभामलेकइयेपिडल
 मरुनरुडुविउंन॥०९॥ रुने
 भुडदरुभिनीडिमसेधल
 डेःभुभुःभुडभडिभडीव

रु.
 भ.
 ३०

वकुं विलेकमदमभदिधभ
ॐ ॥ ०० ॥ दधुपिमेविऊपि
उंकुलीकरलभदुसुमक
भदुससुवियत्रभदुः ॥ पू
ॐ दधुमेमभदिधभुदुतीवमि
इंकैलीविउदिऊपिउतुक
दधुनेन ॥ ०१ ॥ दधुपुभीर
परभाठवतीठवयभदुवि
नमयतिकेपवतीकुलनि ॥
दिल्लउभेउदुपुनैवयदुभु
भेउतीउंरलंभुविपुलंभदि
धभुभु ॥ ०२ ॥ उंभंभउणन

५०० वं संभ्रमं ॥ देवी उ ।
 यीरुगवतीरुवकवचयवतु
 मिभचणगुं परभात्रिदुती
 ७ ॥ भेठमिदेविदिमिउपि
 लमभुभगमुतमिमुतक
 वभागरनेरभइ ॥ मीः कैर
 रुरिहृमयैकनउठिदभा
 नेगीइभेवममिभेलिनउपु
 डिधु ॥ ० ॥ रंघइदभभभलं
 परिप्रलमइतिभुनकरि
 कनकेउभकत्रिकउभा ॥ सु
 इरुउं पदुउभाउरुपउवधि

द.
 भा.
 ३.

यभूःभमभुभरुभममी
रल्लनरुपिंपूयडिभकनेष
भापेधमेदि॥भु'दभिवैपि
रुगभूमरुपिदेउरुस्र'दमे
द्वभउलवणनैभुण'स॥१॥
य'भक्तिदेउगविमिउभदस्र
उ'द्वभरुभुमेभनियउ'दि
यउ'द्वभ'रैः॥भेदु'क्तिनिमु
निकिरभुभमभुमेधैविहृभि
भ'रुगवडीपरभ'दिमेदि॥
उ॥सदु'क्तिभविभननृ
एधं'निणनभुजीषरभुपम

उःभूपरिपालयमेविवि
 सुभा॥८॥ किंवल्लयभउव
 कुपभमिभृभेउडिंसातिवी
 दभभरदयकरिकुरि॥
 किंसादवेधुमरितानितव
 कुतनिभचेधुमेवृभरमेव
 ग॥मिकेधु॥५॥ देतुःभ
 भभुणगउंरिगु॥पिमवे
 उल्लयमेदरिदरमिहिर
 पुपरा॥भवासूयापिल
 भिमंणगमंसकुतभवृन
 उदिपरभापुनतिभुभाहृ॥

न.
 भा.
 ३७

वभुददिप्रहंकुनतः
भविमठकुमुनिभानः
३॥ यभुःपूठवभतुलंक
गवननतेवृद्धदगसुनदि
वकुभलंरलंस॥ भामदि
कपिललगदुगिपालन
यनमायमासुठकयभु
भडिंकगु॥ ३॥ यमीभुयं
भुदडिनंकवनेपुलझीः
पापादुनंकडणियंकुम
येषुवदिः॥ मूढभडंकु
लएनपूठवभुलहुडंकुन

वनभपिलंतेणभप्रयती
एयेदुजेणयापुंरिमसप
गिदुंभेदिउंभिदिकभैः॥
एधिरवम॥ मरुमयःभ
गगलनिदउंतिवीदेउभि
मुगदुनिभगरिउलेमदेव
उंउधुवःपुलितभूमिरे
एरंभावागिःपुदद्युलक
सुभममददेदः॥०॥ देवय
यउउभिमेणगमदुमकु
निःसेधदेवगममकुभभ
दप्रदु॥ उभभिकभपिलमे

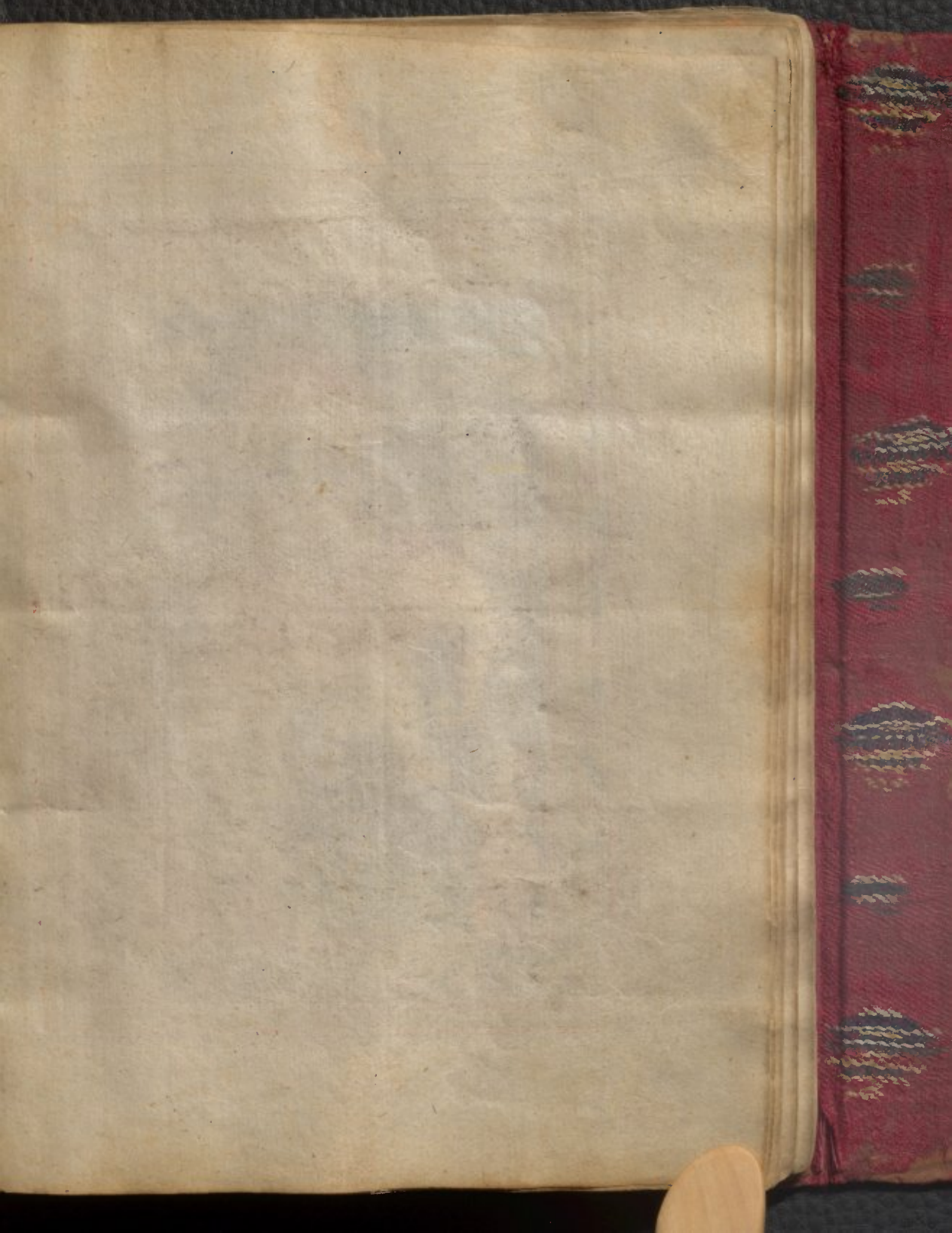
दे.
भा.
३३

भकल देवता ग० ॥ ५० ॥
उधुव ~~व~~ भुं भग देवी भ
दमि वै द दमि निः ॥ एगु न
नुच पतये न च उच्च भुं ग
॥ ५० ॥ ७ डि मी देवी भ
द दे भदि धा भग व ते न भगु
डी ये ह यः ॥ ७ ॥ ५० ॥
डिकल कूळ कल दै र नि ।
ऊल रु य मं भालि र कूळ र ।
पं म हं म कूळ पं नी डि मि
पभधिक रै द दू द डी डि न ड
भ ॥ भिंद भू कू णि डू रं डि डू

45







वस॥ एवमुक्त्वा पश्यन्तु
 कुलं तं भद्रं भुङ्क्ते॥ पश्यन्
 भुङ्क्ते च सुखं न भुङ्क्ते
 यत्॥ ३१॥ उतः मेधि पश्य
 कुरु भुङ्क्ते निष्पद्यते॥
 अतः निष्पद्यते पश्यन्ते
 वीर्यं भुङ्क्ते॥ ३३॥ अतः
 निष्पद्यते पश्यन्ते भुङ्क्ते
 दभुङ्क्ते॥ उतः भद्रं भुङ्क्ते
 मिरस्ति कुलं पश्यते॥ ३७॥
 उतः ददन्तं भुङ्क्ते दभुङ्क्ते
 नमस्तु॥ पूज्यं पश्यन्ते॥

द.
 भ.
 ३१

नः पुनश्चैव एतद्भाद...ले
मन॥३॥ ननचमभरः मे
पिरलवीटभदे सुतः॥ वि
ध॥७॥ ममिद्वपमभिकं
पुति कुणरन॥३॥ भास
उदुदितं भुनमुलुयतीम
रेडु रेः॥ उवा मडं भदे सु
उभापुपरागकुलदाम॥
मीदेवुवाम॥ गल्लगल्लकं
प्रलभपयवडिवाभृदम॥
भयडुयिदउडैवगलिपु
वृमुदेवतः॥३॥ लपिद

किञ्च सुपुत्रं सुपुत्रं ययुः
नः ॥ सुभानिलभुः सउमे
विपेउउठभेमलः ॥ ३० ॥ उठि
रूठभभापुउभापउउंभद
भुगभ ॥ रुधुभासभिकके
पंउउठयउठकरेउ ॥ ३१ ॥
भादिपुउभुवैपासंउंररु
भदभुगभ ॥ उठएभादि
पंउपंभेपिरुभदभुठ ॥
३३ ॥ उउः भिंदेठवइइय
वउभुभिकमिरः ॥ किउति
उवइरुधः अपहुपालिरु

निःसुभपवनेनवृद्धतय
 भाभकुडले ॥३३॥ निपाट्ट
 भषनीकभकुणवडमेभ
 रः ॥ भिंददनुभदमेवुः के
 पंमरुउतेभिक ॥३३॥ मेपि
 केपाददवीदः ॥ पुरदा ॥ भ
 दीउलः ॥ मरुहं पचउउ
 सुं भिदोपमननरुम ॥
 ३८ ॥ वेगकुभ ॥ विदुलुभ
 दीउभुवसीदउ ॥ लरुले
 नदउ सुत्रिः ॥ प्रवयभभ
 पचउः ॥ ३५ ॥ पुउमरुवि

द.
 भ.
 ३५

मेषुगी॥०३॥ विरुलभुभि
नकयदुतयभभवैमि
रः॥ रुतरं रुमुपंमैके स
रेत्रितुयभद्वयभ॥०७॥ स
वंभद्वीयभल्लुभुभैतुभ
दिधभरः॥ भादिपे॥ भु३
पे॥ इभयभभड३॥
न॥३॥ कंमिहूरपुदरं॥
द्वगद्वैपुषःपरन॥ लद्व
नडमिडं३॥ तद्वद्वद्वद्वद्व
विमरिडन॥३॥ वंगैरकं
स्त्रिपरावमेरुभल्लरम

गङ्गाभृद्दृतिपट्टमभृगति
 ॐ॥ करपुदरे॥ मिरसुभ
 रभृपुषकूतभ॥ ०५॥ उम
 गृस्तरलेदेवमिलकक
 मिनिदतः॥ मनुभपुतनैसै
 वकरानसुनिपातिउः॥ ०६
 देवीरूद्रुगमापडैसुलुष
 भाभमेदुतभ॥ वधूनेंति
 डिपलेनरलेमुभूमषः
 रूकभ॥ ०७॥ उग्रभृभगुवी
 दंसउषेवमभददतभ॥ डि
 नेइमडिसुलेनएभनपर

न.
 भा.
 ३२

षट्पञ्चभुभभिकदूतभा॥
द्रुद्रुद्रिदतंकुभेपातयभा
भनिधुनभा॥००॥कयंसकिं
निपडितंरुधुकेपभभज
नः॥सिद्धेपयभरःमुनेर
ल्लभुमपिभसिन्नत॥०३॥उ
तःभिंदःभभद्रुद्रगणजभु
तुगेभितः॥रद्रुयकुनययणे
उनेल्लुभिरुसरि॥०३॥य
एभनेउतभेउतभद्रुगम
दीगडे॥ययणउतिभंग्रुप
दरेगडिमदले॥०८॥उडेव

लंभ'पुपकलनृपनन॥३॥
 एग'दमुलंमकेप'रुद॥
 लेमनः॥१॥मिद्वपमउउभु
 डुऊक'लं'भदभुगः॥२॥
 सुलृभ'नं'उलेकीगविठिभु
 भिव'भुग'उ॥३॥रुधु'उरु
 पउमुलंरुवीमुलभ'भुल्लउ
 उरउमुउठनीउंमुलंभम
 भदभुगः॥७॥दउउभिमुद
 वीद'भदिधभुमभुप'उ॥८॥
 एग'भगएगुरु'भुमिदम
 रुनः॥१०॥भेपिसकिंभुभेम

रु.
 भ.
 १३

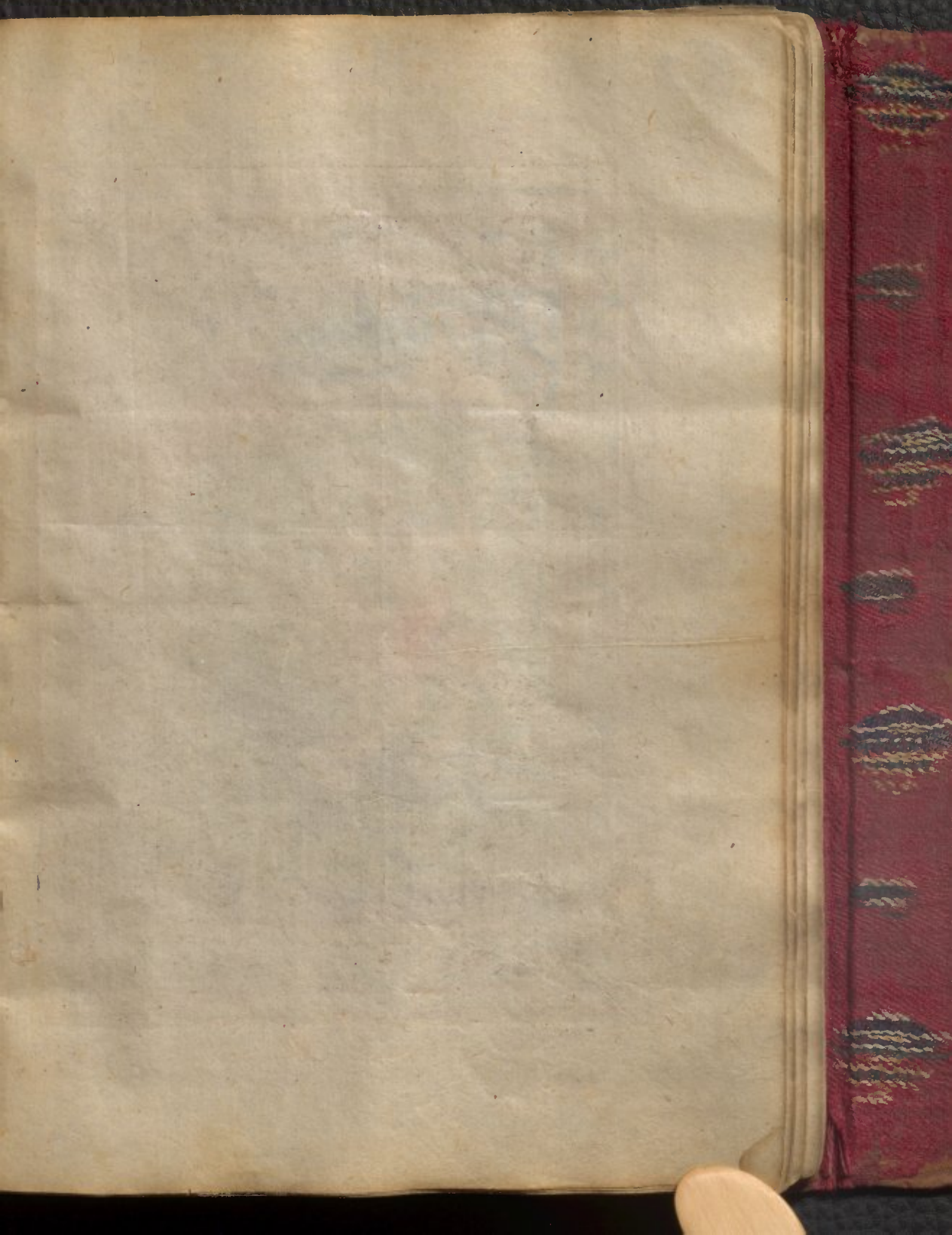
लीनयैवमरेडुगन॥१॥
नतुगग'नु'लेट'नु'रंमैवव
एनभ॥३॥मिमुममठनुः
भहेपुणम'तिभभुमिउभ
विह'ठमैवगडेधुमिउठनु
नभ'मुगैः॥५॥भमिउठनु
विरविदउ'मुदउभ'गविः॥
अरुठवउउंमैवीपडुमम
ठरेभुरः॥५॥मिंदभ'दहाप
डुनडीकुठरे'प्रचनि॥मु
ए'नतुए'भवुमैवीभपुति
वैगय'न॥७॥उभुःपडैरु

82





83



ॐ
भा.
३३

भदमयभ ॥ ७० ॥ भमभिंदे
भमनभुङ्गुणनुउकेभरः ॥
मगीरेहेभरगी ॥ भभुनिव
विमिनुति ॥ ७१ ॥ देवगले
सुतेभुङ्गुतंयुङ्गुभदभुः ॥
मयैनंउधुवदेवः ॥ ७२ ॥ ॥ ॥ ॥
उमिमीदेवीभददेभदिध
भुभैरुवठेनभद्वितीयेष्ट
यः ॥ ७३ ॥ उहृङ्गुभदभु
कतिभन ॥ दोभंमिरेभलि
कंगङ्गलिपुपयेठगणपव

कठकुम्भिसिग्भः ॥ १ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ २ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ३ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ४ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ५ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ६ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ७ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ८ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ९ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १० ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ ११ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १२ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १३ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १४ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १५ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १६ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १७ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १८ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ १९ ॥
 कुम्भिसिग्भः ॥ २० ॥

क.
 भा.
 ३०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ क
पं मिह दव मित्र मित्र गी
वामुषा परे ॥ १७ ॥ मित्रं मि
पे उरु त्रेषा भूतैर्भूतैर्विरु रि
तः ॥ विमित्र एषु भूतैर्भूतैर्विरु रि
तुम चूं भद भगः ॥ १८ ॥ एक
रुद्रादिभ्यः ॥ कर्मिह दव
मिह दव ॥ मित्रं मित्रं मित्रं
मिह दव ॥ पन दव ॥ १९ ॥
कर्मिह दव ॥ पन दव ॥ २० ॥
पन दव ॥ पन दव ॥ २१ ॥
पन दव ॥ पन दव ॥ २२ ॥

पाठ्यभामैवतुज्जम्भ
 नविभेदिता॥१॥सुभा
 कुविपामेनरुद्रमृनक
 द्ययता॥कैमिदिपुठतभी
 द्रुःपद्रुपातेभुषपरे॥१॥
 विपेविताविपतेनगरय
 कुविमेरुता॥वैभसुकैमिद्रु
 ठिगंभुभुनेनरुमदताः॥१॥
 कैमिदिपतिताकुभेकिताः
 मुलेनवदभि॥निरतुगःम
 नेभेनरुताःकैमिद्रुताणि
 र॥१॥मैलतकगिः॥५॥

८०
 भः
 ३

मेये सुवृभानरल्लभिक
१०॥ उल्लवभट्टः भभुडाग
सुडभदभूमः॥ ययपुमुप
रमुकिडिडिपलभिपडि
मैः॥ ११॥ नमयते भुरग
देवी मङ्गपदं दिताः॥ सव
मयतुपटदज्ञः॥ सल्लभ
षापरे॥ १२॥ भट्ट सुडवे
वट्टे अभिदुदुभदेदुवे॥ उडे
देवी डिमुलेन गमय मगव
धुकिः॥ १३॥ लङ्गमिनि
मडमेनि एभानभदभुरग

भुवः परं ॥ ८१ ॥ देवी पद्म
 दत्तैः भुवः उतं दत्तं प्रमत्तः ॥ भ
 धिदेवी उतं भुवि सभुः ॥ ८२ ॥
 लि सत्तु क ॥ ८३ ॥ लीले वैव
 प्रमिष्ठुः निरु सभुः भुवदि
 ॥ ८४ ॥ सनय भुवनं देवी भु
 यभान भगदि निः ॥ ८५ ॥ भ
 भेता भुवदे प्रमत्तः ॥ ८६ ॥
 लि सत्तु गी ॥ भेधि रूद्र पत
 भटे देव वदन के भगी ॥ ८७ ॥
 मत्तः भुवदे प्रव न्निव
 रुत मनः ॥ निः सुभ रूभ

दे.
 भा.
 ७

भंयगेउरषांनंपरिवारि
उः॥ मृतेमउरयुतमेरषन
गदयैचउः॥ ८८॥ ययपुः
भंयगेउरभदमेवभदभ
रः॥ केटिकेटिभदभैभुर
षांनंमत्रिनंउषा॥ ८९॥ द
यंनंमकउयकुउरकुम
दिषाभुरः॥ उभरैमिदिषा
लैममकिमिभलैभुषा॥
९०॥ ययपुः भंयगेमेवप
दुःपरमुपदिभैः॥ केमि
मिदिषाः मकीः केमिदुमं

उरुङ्गल विः ॥ रषा न भय
 डैः पडि मरु गृष्टि भद भः
 २० ॥ अय एत यत नं स भद
 भू ॥ भद दनः ॥ पद्म मदि
 सुनियुतै रभिले भ भद भ
 रः ॥ २० ॥ अय त नं स डैः प ।
 दिव पुने य य ठे र ॥ ग ।
 एव लि भद भू ॥ अ नै कैः प
 रि व रि तः ॥ २३ ॥ व डै रषा नं
 के ए म य डै त भि न य ए त ॥
 रि रु ल पि य त नं स प ड्ड
 म दि रषा य डैः ॥ २४ ॥ य य ठे

८०.
 भः
 ०३

[illegible]

五

लेकः भभृदु ससकभिरे ॥
३३ ॥ समलवभुण सैलुः
भकल सुभदीणरः ॥ एवै
डिमभुद देवाभु प्र सुभिं
दवादनभ ॥ ३३ ॥ उधुवदु
नयसैतं कजिनभु दभुतुयः
दधुभभभुं भंदावुं ईलेरु
भभगरयः ॥ ३४ ॥ भत्रदु पि
नभैतु भुभभुतु भुदु वणः
भुः किभैतु डिडिडेण मरुधु
भदिधभुगः ॥ ३५ ॥ सुकृणव
उतंसवुभसैधैरभुगैवः ॥

॥
भ.
०१

निम ३३ ॥ मम व सुतं भग
व प न प इ ठ न ठि पः ॥ मे
प सु भ च न गे से भ द भ लि
वि कु धि उ भ ॥ ३७ ॥ न ग द
रं म मे उ भू ठ डु यः प वि वी
भि भा भ ॥ अ तै र धि भू रै वी
कु प लै र य ठै भू य ॥ ३० ॥ भं
भा नि ड नि न मे सुः भा डु द
भं भ न डु नः ॥ उ भू न मे न भे
रं ल द डु भ प्र रि उं न ठः ॥ ३
अ भ य ड ति भ द ड प्र ति म वे
भ द न डु ड ॥ सु डु डुः भ क ल

उषा सुकंकेयुग चवरा रुधु
 उषा रे विभले उषा वैयक
 भवतु भव ॥ १५ ॥ सुकुलीय
 करतु निभभभु सुकुलीय
 म विभुकदमदे उषा पर
 सुमाति निभलभ ॥ १६ ॥ सुभु
 उषा ककुपलि उषा केकुम
 मंभनभ ॥ सुभु नपकुलभ
 लं मिगभुगभिसा परभु ॥
 १७ ॥ सुमं ललठिभुमुप
 कुलं साति मेकेनभ ॥ दिभ
 वव दनं भिंदर इ निविविठ

म.
 भ.
 ७

सामभरपिपः॥३०॥ उभैभ
दभद्वैपभैव॥३१॥
३०॥ कलम॥३२॥ उभैभ
पममभुपतिरुमे॥३३॥ पूरप
डिभदभलं॥३४॥ उभैभ
३४॥ उभैभ॥३५॥ उभैभ
धुनिएरमदीरिवकरः॥३६॥ क
लभउवत्तु॥३७॥ उभैभ
निमलभ॥३८॥ दीरिभ
भलंदरभएरमउवभु
सुभभलिंउवमिबुंऊभुने
कटकनिम॥३९॥ उभैभ

लभुम॥ सतेधं सैव देव नंभ
भुवभुलभः सिव॥०१॥ उतः
भभभु देव नं उले र मिभभु
दुवभ॥ उं विनिह भं पूप
रभरभदिधः उतः॥०३॥ उं
देव॥ सुले सुलः द्विनिधूधू
रुमे उभैपिनः कपुत॥ मरुं
मरुतुवः रुधुभभरु दृधुम
रुतः॥०७॥ मरुं यवः मरुं
रुमे उभैरुतः मरुः॥ मरुतेरु
उवं सुपंरु॥ प्रले उवेषुणी
३॥ वल्लभिरुः भभरु दृकलि

रु.
भ.
०५

भ॥ वभुनमठवकेसराद
वेविभुतेणभ॥०३॥ भोभुन
भुनयेदुगंभष्टमैचै... मठ
वउ॥ वम... नमण्डे... नि
उभुभुणभकुवः॥०४॥ वक्र
... भुणभपाके उम कुलेक
उणभ॥ वभुनंमकराकुलुः
केवरे... मनभिक॥०५॥ उ
भुभुमनुःभभुतःप्रापपु
नउणभ॥ नयनरिउयंणल्ले
उषापावकउणभ॥०६॥ कू
वेमभनूयेभुणःसूवउवनि

निमृत्तमभदत्तेलेवृक्षः
 मद्रुम॥७॥ अत्रुपं मेव
 देव नं मद्रुमी नं मरीरतः
 निजतं भभदत्तेण भुञ्जै कंभ
 भगसुत॥०॥ अतीव उण
 भः कृष्टं ललत्रुभिव पचतं॥
 मद्रुमुभे भगभुइ एन वृ
 पुमि गत्रुभ॥००॥ अत्रुलं
 उइ उउणः भच देव मरीरण
 भ॥ एक भुं उम कृव गी वृपु
 लेक इयं विध॥०३॥ यम कृ
 सुभुवं उण भुन एय उ उमण

द.
 भ.
 ०८

मणिकरुभुवमेवठिडि
धुडि॥५॥भुनत्रिरुडभ
चेतेनमेवगुडुवि॥विम
गत्रियषभभुभदिपे॥दुग
दुन॥५॥रुडुःकषिडंभ
चभभगगिदिमेधुडभ॥म
रुवःपुपत्रःभेवठभुभु
विमिडुडभ॥१॥उकुनिम
भुमेवनेवमंभिमपुभुम
नः॥मकरकेपंसभुसुडु
टीकुटिलनने॥३॥उडेडिके
पप्रलुभुमरुवमनडुडः॥

णिपेदेव नं सपुनरुत्तरे ॥ ४ ॥ ३
 इभुगैददवीदैदेव भैतुं पर
 णिउभा ॥ णिदुसभकल'नु
 वनिमेरुमदिध'भुरः ॥ ३
 उतः परेणितुदेवः परमे
 निंपुएपतिभा ॥ परभृदृग
 उतउयउमगददुषु ए ॥
 यष'व'उतयेभुदुमदिध'
 भुरमेधितभा ॥ इरुमः क
 यष'भाभुदेव'किरुवदिभु
 रभा ॥ ५ ॥ भुदेदुगुनिलेदुनं
 यभभुवद'भुम ॥ पदेधं

दे.
 भ.
 ०३

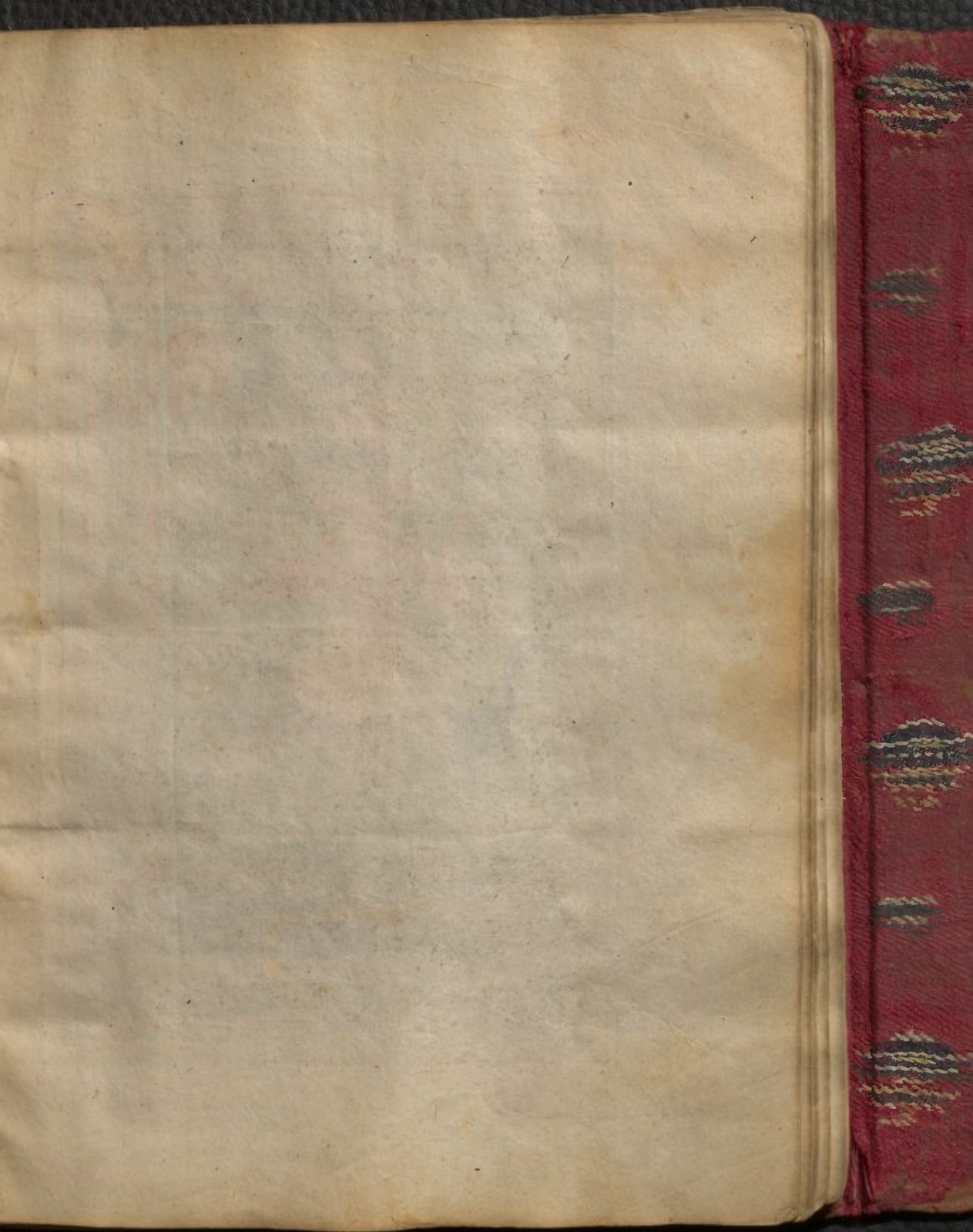
नारीणं श्रीभदलक्ष्मीप्रीत
कुं पारिविधेयः ॥ कृते ॥
अक्षभक्तुगुगमपुञ्जलि
संपदं उतः कृदिकं मं
सक्तिभक्तिमममलनं
कुं भुगलनभ ॥ सुते
पमभुमजनेममपुञ्जि
दभुः पूवतपुं मेवेभैरि
कभक्तिनीभिदभदलक्ष्मीभ
रेणभित्तभा ॥ एधिदवम
मेवभुगभक्तुदुं प्रलभव
सत्पुग ॥ भदिपेभुगभ

9.11





45



श्रुत्वा एव नमि रभी उयेः ॥
 १३ एवमेष भभद्वव
 द्भुमंभुतभुयभ ॥ पुन
 वभभुदेवभुंभुयः म
 वमभिउ ॥ १७ ॥ उतिमीभ
 कभेयपुगलेभवलिके
 भत्रुतुरमीदेवीभाददुभ
 पुकेदकवठेनभपुषभ
 एयः ॥ ॥ १० ॥ ॥ नभुमीदि
 डीयमगितभु विभ्रुदधिः
 उभिऊकेः ॥ श्रीभदलक्ष्मीः
 देवता ॥ सकभुगीसक्तिः ॥ ५

न.
 भ.
 ०३

मीरुगवचनम ॥ कवेडम
मृमेडपुमभवष्टवुठव
पि ॥ किमहेनवर ॥ उड्ड
वड्डिडडंभय ॥ १५ ॥ छधि
रवम ॥ वड्डिडडंभय ॥
रुभचभापेभयंणगड ॥
विलेहडकुंगमिडेकग
वकभलेक ॥ १७ ॥ उ
वणदिनयडेचीमनिलेन
परिपुड ॥ छधिरवम ॥
उषेड्डकुकवडमल्लम
गलकुड ॥ कडमरे ॥ व

केएनरुनः॥ एकलुवे, दि
 मयनरुतः भरुमसैमते
 १॥ भपुकेएकेरुगुरुन
 वतिवीदपररुमे॥ केएर
 केरुलिदतुं वरुलं एनिउ
 रुमे॥ १०॥ भभरुयउउभु
 कं वुवुएरुगवदरिः॥
 पल्लवद्यभदभुलिउरु
 दरुल्लिविरुः॥ १३॥ उवपु
 उरुलेरुतेभदभयविभे
 दिउ॥ उरुयतेवरुभउवि
 यउभिउिकेसवभ॥ १३॥

रु.
 भ.
 ००

[illegible]

पिलदिक ॥ उभृभचभृ
 यमजिः भदुकिंभुयभे
 भय ॥ ७३ ॥ ययद्वयण
 गदुधुणगदुडि वेण
 गत ॥ भेपिनिदुवमं नी
 उः कः भुउं द्भिदेसुरः
 ७४ विष्णुः मरीरगुद
 भदभीम'नपवव' ॥ क
 रिउभुयउउभु' कः भुउं
 मजिभ'ठवेउ ॥ ७५ ॥ भ
 द्भिमिउं प्रठवैः भुदमः
 रुविभंभुउ ॥ भेदयैउद

रु.
 भ.
 ७०

इंसीभुभीसुगीइंहीभुंव
डिउेठलक॥२॥लहृप
ध्रुभुषउध्रुभुमात्रिक
त्रिरेवम॥१॥पद्मिनीसु
लिनीपेरगमिनीमत्रि
नीउषा॥मद्मिनीमपि
नीरा॥कुभकीपरिभा
यठ॥१०॥भेभुभेभुउ
रमेपभेभुभुतिभुच
गी॥परपर॥परभद्व
भेवपरभेसुगी॥१३॥यसु
किस्त्रिस्त्रिमिस्त्रुभमभम

यैउङ्कुण्डेणगडा॥ इयैउङ्कु
 दउडेविद्वभङ्कुत्रेसभचम
 ५०॥ विभष्टेभष्टिउपदं
 भ्रिउङ्कुपमिपलने॥ उष
 भंहुउङ्कुपत्रेणगडेभिए
 गमये॥ ५१॥ भदविद्वभ
 दभयभदभेठभदभु
 डिः॥ भदभेदकगवडीभ
 दमेवीभदेसुरी॥ ५३॥ प्र
 दडिभुंसभचभृगु॥ इय
 विरुविनी॥ कनरडिद
 गडिमेदरडिस्त्रमद॥ ५४॥

म.
 भ.
 ७

रुडलयभा ॥ ५॥ १३ ॥ विष्णु
सुमीलनगङ्गाश्रीभित्तिभंदर
करिणीभा ॥ सुभित्तिभंदर
गवंडीविष्णुगुलउलमः ॥
मीवकेवम ॥ वंभुदवंभु
णवंदिवधद्वाराभुगद्विक
भुण्डभद्वारे निहृदिठभा
इद्विकभित्ति ॥ ५॥ ५॥ वर
भद्विकभित्ति निहृयवसुद
विसेधतः ॥ वंभुदवंभु
विशीवंवमणनीपर ॥
५५ ॥ वंभुदवंभुद्विकभित्ति

हृकलवेरुते॥ सुभीट
मेधभठएकुलतेरुगव
दुरुः॥ ५९॥ उरुदुवधुरे
जेरेविपुतेभपुकेरु
विपुकलभलेकुतेदते
वृक्षभुदुते॥ ५०॥ भन
ठिकभलेविपुःभुतेवृक्ष
पुएपडिः॥ ५१॥ उधुदवभुरे
मेरेपुभुपुमएनरुन
भा॥ ५२॥ उधुवयेगनि
दुंउभेकगुरुयेभुतः
वितेठनरुयदरेदरिनेउ

रु.
भ.
उ

किंदिण ॥ ५५ ॥ यद्गुरुवाम
भग्नेवीयद्गुरुपायेद्गुरु
व ॥ उद्गुरुचमेउभि^{कुभि}वउद्गुरु
विमंवर ॥ ५६ ॥ उधिगुरु
म ॥ निहैवभणगदुतिभु
यामचभिमंउतम ॥ उव
पिउद्गुरुभदुतिमूयउंउद्गुरु
ठमम ॥ ५७ ॥ देवनांक
दभिद्गुरुभाविठवतिभ
यम ॥ उद्गुरुवतिउमलेक
भानिहृपृकिणीयते ॥ ५८ ॥
येगनिमंयमविधुलग

देवीकगवडीदिभ ॥ तल
 मन्धपुमेदयभदभयपु
 यमुति ॥ ५३ ॥ उयविभए
 कुविमुंएगमेउसुरमं ॥
 मैधपुमत्रवरमचुंरु
 वतिभकुये ॥ ५४ ॥ भविह
 परभाभकुदेउकुउभनुउ
 नी ॥ भंभगरनुदेउसुभैव
 भचेसुरेसुरी ॥ ५५ ॥ एलेव
 म ॥ कगवकुदिभदेवीभ
 दभयेतिपंकव ॥ ५६ ॥ देवी
 उिकषभरुत्रभकमभुस

दे.
 भ.
 १

क०० भेदादुत्तरेददीरुभा
ननपिदा०॥३३॥ भानुधर्म
नणवृधूमनिलधःभुत्त
दुत्ति॥ लेनदुत्तपकरयन
नेत्तकिंनपमुभि॥३७॥ उव
पिभभत्तवत्तुभेदगत्तुनिप
त्ति०॥ भदभायननवेन
भंभगभिउत्तिकरि०॥६०॥
उवत्तुविभयःकदेयेगनि
दुत्तगत्तुत्तः॥ भदभायाद
रत्तुत्तुत्तुत्तुभंभेदुत्तुत्तुग
त्तु॥६०॥ लुत्तिनभपिउत्तुभि

पषक्तुषक ॥ ३८ ॥ मिदु
 पुलिनः केमिदुवकुभु
 षपरे ॥ केमिदुवउषर
 दुपुलिनभुलुदुधुयः ॥
 हुनिनेभउरः भहुकिउउर
 दिकेवलभ ॥ यउदिहुनि
 नः भवेपमुपदिभगद
 यः ॥ ३९ ॥ हुननउमउधु
 यउधंभगपदिभ ॥ भउ
 धुंमयउधंउनुभउउ
 वेठयेः ॥ ४० ॥ हुनपिभउप
 सुउउउहुवमहुध ॥

द.
 भ.
 ७

अयं स निधूतः पुरैरु रैरु
हैभुषेष्टितः ॥ भुण्णै नम
भतृऊभुषदमी तव पृते
एवभेध तव दंस कुवपृह
तुतः पिउते ॥ रुधुमे धेपिधि
धयेभभद्वनधुभानमे ॥ ३३
उक्तिभे तदक गवमे देह
विनेगधि ॥ भभभुमकवहप
विदेकतृभुभुत ॥ ३३ ॥
एधिरुवाम ॥ हनभभुभभ
भुभुण्णै विधयगेमरे ॥ वि
धय सुभदक गय त्रिमैवं

३० ॥

पभिउं॥ मभठिउमवैसु
मेमसपजिवभउमः॥३॥
नवउतेयषट्ठयंयषदे
उनभंविमभ॥ उपविष्टु
कषःकस्त्रिस्तुउवैसुप
जिवे॥३॥ गलेवास॥ कगवं
भुमदंप्रभूमिस्तुमुकंवर
भुउउ॥ रुःपययनेभन
भःभुमिउयउउविन॥३॥
७॥ मभदुंगउरएभृरए
हैपुपिलेपुपि॥ एनउपि
यषएभृकिमउमुनिभउम

रु.
भ.
५

निधुरगुंभनः॥३३॥ यैभनृ
एपिदुमैदंठनलवैत्रिरु
उः॥ पतिभुएनदंमदमि
उधेवभेभनः॥३४॥ किमेउ
नानिएनभिएनत्रपिभद
भउ॥ यदुभपुवल्मिउंवि
गुल्पुपिरेवुपु॥३५॥ उधे
नउभेनिःसुभेदेनभुंम
एयउ॥ कगेभिकिंयत्रभनः
उधुप्रीतिपुनिधुरभ॥३६॥
मीभाक'येयउव'म॥उउ
भुभदिउेविपुउंभनिंभभ

五
十
五

००॥ ॐ हृक् क्लृक् वसुभु
कृपतेः पू० ये मि उभ॥ पू
हृक् वसुभु उं वै सुः पू मया व
नते रुपम॥ ०१॥ वै सु उ व
म॥ मभ णि उ म वै सु द भु
इ वे ण नि नं कु ले॥ पू रै रु रै
वि र भु सु ण न ले क म भ ष
किः॥ ०३॥ वि दी नः भु ए नै
रु रैः पू रै र म य भे ण न भ॥
व न भ कृ ग ते रुः णी नि र भु
सु पु र रु किः॥ ०७॥ भे द न
वे दि पू र ॐ कु म ल कु म ल

एनैः॥०३॥ अत्र वृत्तिपूवंत
 दृक्चतुर्भुजदीर्घम्॥
 अत्र भुजयमीलैर्भुः कच
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०४॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०५॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०६॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०७॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०८॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥०९॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१०॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥११॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१२॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१३॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१४॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१५॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१६॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१७॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१८॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥१९॥ भ
 द्विः भुजैर्वृत्तम्॥२०॥ भ

द्व
 भः
 ३

कलमभुनिततेनभहुतः
उउसुउसुविमरंभुभिदु
निदगसुभे॥०॥ भेगितु
यउमउरभभहुतधुभ
नभः॥भहुचैःपालितंप्रचं
भयादीनेपुगंदितउ॥०॥
भहुहैभुगभहुहैरुदः
पालितुतेनव॥नएनेभुपू
ठनेभेसुगेदभुीभरुभरुः
०३॥भभवैगिवसंयउहु
हुगउपलिपुते॥येभभ
उगउनिहंपुभरुठने

वड ॥ सुदुतुः भभदकगः
 उैभुमपुललगिनिः ॥ ७ ॥
 मभडैगुलिकिदुधैदुल
 भुदगदुकिः ॥ केमेरलेम
 पदुतंउइपिभुपुगभतः ॥ १
 उउभगवृवृलेनहुतभुभुः
 भकूपतिः ॥ एककीदयभ
 दहुलगभगदनंवनभ ॥
 उ ॥ भडइसुभभदुकीदि
 लवदः भुमेठभः ॥ पुमउ
 सुपमकीलंभनेः मिधुप
 मेकिउभ ॥ ७ ॥ उभुकेमिदु

द.
 भ.
 ९

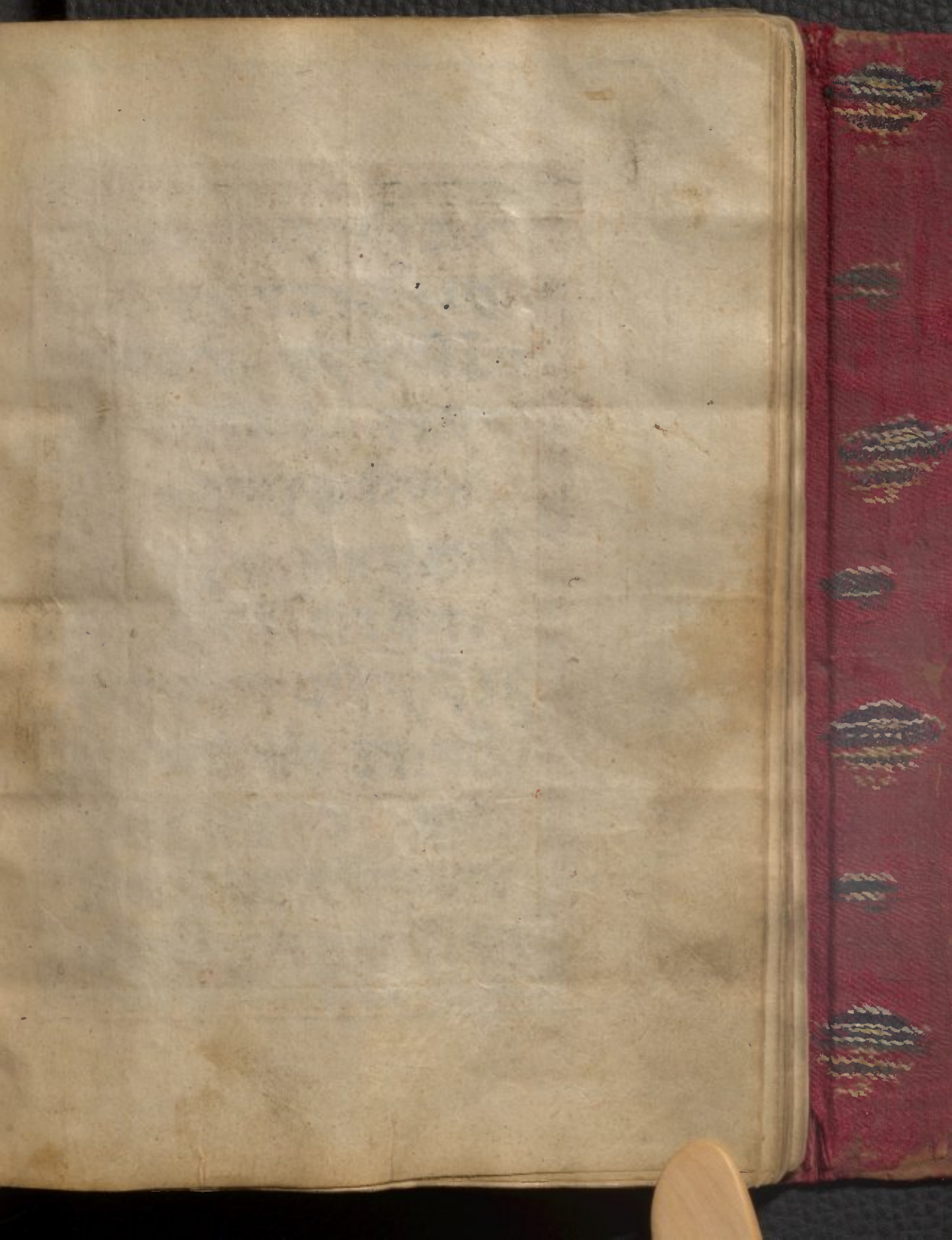
कगः भावलिभुनयैरवेः
३॥ भुगैमिपेत्तुप्रवंमैरु
वंमभभुदुवः भुगैरभ
रएकुम्भभुद्विदिभकुले
३॥ उभृपालयतः भभृकु
एपुत्तु निवेरभन॥ तकुवः
मत्तुवेकुपः केलविपुंभि
नभुम् ॥ ८॥ उभृत्तैरुवदु
कुभतिप्रतलद्विः ॥ तु
नैरपिभत्तुद्वैकेलविपुं
भिकिलितः ॥ १॥ उतः भुप
गभयत्तैरिणद्वैमठियेन

मल्लभन, ठंडी करे भिनय
 नंभवः सुख वडभ ॥ य
 भभे सुपिउदरे कभलले
 दनुंभ पुंके टकं नील म
 दृतिभ भुपः मम के भ
 वेभद कलिक भ ॥ सी
 भकं सुयउवः म भव
 लिः भुदउरये ये भनः क
 सुते भुभः ॥ निमः भयउरु
 सुतिं विभुगः सुमते भभ ॥
 भदभयः नुवेन यष भ
 नुनुरपिपः ॥ भरुवभद

म.
 भ.
 ०

विष्णु श्री भु म उ क भ
ल भ नु भु पू ष भ म रि उ भु
व रु ण पिः भ द क ली रु व
उ ग य रुं क रुः न रु ए म
क्रिः र रु म रु क री ए भ
शु रि भु रु भ श्री भ द क ली
प्री रुं प र वि नि ये गः
रि ती ए रु व य वि रु द उ रु
ठ न य री भ दि उ वः म क्रिः
पू म रु य रु ३ ॥ ए वं ॥
रि य रुं म रु ग रु पृ म प
परि यी रु ल रु भ रुं म रु

115



109





118

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a script that appears to be Devanagari or a similar Indic script, with some characters in red ink. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within the frame.

परभा॥ यमभा वतु उं मेपिकी
त्रिभक्ति उरु उले॥ एपे इ पु म
डीम डी द इ उ क द मं पुरा॥
य व डु मे ठ रं ठ डु म मै ल व न
क न न भा॥ उ व डु पु डि मे डि तुं
म उ डिः प डु पे डि की॥ मे द तुं
पर मं भु नं य डु रै ग पि रु रु रु
भा॥ पू प्रे डि पु रु पे नि तुं भ द
भा य पू भा रु डः॥॥॥ उ डि मी
वू रु पे तुं मी मे वी क व मं मु ठं

यद्विषम॥ पुनिसगरलिभच
 लिभययुलि कुतले॥ कुम
 गःपेसग सुवकुलएमेप
 मिकः॥ भदएकुलएभ
 नकुकिनीमकिनीमय॥ म
 तुरिदसगपेरमकिनीम
 भदतल॥ गूदकुतपिसम
 सुयदगकुचरदभाः॥ वृ
 रुगदभवेतलः॥ कूपद
 कैरवमयः॥ नमुत्रिमन
 दुभुकवमेहमिभंभुते॥ भ
 नेत्रिठवेदू हूतेएवठिकं

रु.
 भ.
 ०१

पुमान्॥ निरुयेत्यतः पुमान्
सुमेधुपराणि तः॥ इति हेम
नवेद्युः कवमेन वतः पुमान्
न॥ ७८३३८ वृक्षवसं देवान्
मपि नृपतम॥ यः प० द्युत
नृपयति मत्स्यं स द्युतिः॥
देवी कल नवेद्यु इति हेम
पराणि तः॥ नमृति वृषयः
लीवेद्यु सतं भागुमपमृ
विवलि तः॥ नमृति वृषयः
मचेत्तु विभेत्क मयः॥
भुवंग ए नमं सैव नृपि मंसापि

सुभदलक्ष्मीविणयभवतः
 भि, उ॥ ३७॥ रक्षदीनं मयद्भुनं
 वलिङ्कवमेनतु॥ उद्भुचं रक्ष
 उं रक्षीणयत्रीपापनमिनी॥
 रक्षभभवगइलि॥ रुतेरुत
 पदरिलि॥ परमेकं नग सु
 दुयमी सु सु रु भ इ नः॥ कव
 मेन व उ ते नि हं य इ य इ दि ग सु
 डि॥ उ इ उ इ रु ल रु सु विणय
 भवकभिकः॥ यं यं मि तु य उ
 कभं उं उं पू प्रे डि नि मि उ भ प
 र भ सु ट भ उ नं पू प्रे डि वि प्र लं

द.
 ४.
 ००

वेद न भव स ॥ ७८ ॥ व ए द भु म
भे र द्वा द्वा क लं भु मे ठ न भ ॥
ग भं कु पं उ षा ग नं स वृ भु मे स
हे ति नी ॥ ७९ ॥ भं ग ए भु म
व र द्वा त्र ग य नी भ म ॥ सु य मे
ग द्वा र दि षं ग द्वा उ वं धु वी
ॐ ॥ य मः की तिं म त द्वा म भ
म ग द्वा उ म रि नी ॥ उ द्वा नी र
द्व त्रै रं प म र द्वा उ म दि क ॥
प र र द्वा म द म् वी ठ दं ग द्वा उ
ठ ग वी ॥ प क्क नं वि प षं ग द्वा म
जं द्वा भ द्वा गी उ षा ॥ ८० ॥ ग ए द्वा

वेतुकेमिनी॥३॥रेभऊपेप
केभगीइमं वगीसुगीउष
रऊभल्लवभाभंभभभुभं
मिपावडी॥३॥अनुलिक
लगडीमपिउंमभऊटसुगी
पद्मवडीपद्मकेमैकडेसु
मभलिमुषा॥३॥हुलभ
पीनभाएलभकेहुमवभति
पु॥सुइंगदउवऊनीसुयं
कडुसुगीउषा॥३॥अदह
रंभनेवडिंठंमणमसि।
नी॥पु॥पनेउषाहुनभभ

दे.
भ.
०५

हृदये लनिता देवी उदरे सु
लवभिनी ॥ नहिं उकभिनी
रक्षे सुहं गुह्ये सुगीतव ॥ ३१ ॥
कृतनवामभे मं भे गुह्ये भदि
पवदिनी ॥ कष्टं न गवतीर
द्वे सुभे भे भवदिनी ॥ ३३ ॥
एवमभदरल गद्वे सुभे भे
विनयकी ॥ गुह्ये ये इ गभि
दीमपामपु भे म उ एभी ॥
३७ ॥ पाम सुलीः मी ए गी र
द्वे सुभे म भुलवभिनी ॥ न
पामं भु करली म के मं भे

भदभयमउलकभ॥कभ
 एमिचुकंगदुसंभभच
 भङ्गल॥३३॥गीवयंकदु
 कलीमपधुवंमणउरगी
 नीलग्रीवठदिधुकेनलि
 कंनलकूवगी॥३८॥एदुण
 रिदुकेभुकेरक्रमवणुण
 रिनी॥दभुभेमहिनीरद
 मभिकमकुलीधुम॥३५॥
 नापादुलेसुगीरदकूकेर
 दत्रलेसुगी॥भुनेरदकूकेर
 देवीभनःमेकदिनमिनी॥

द.
 भ.
 ५८

वृषभित् ॥ भल'ठगीनन
हम'कूवे'गदो'हृमभित्नी ॥ १० ॥
शिन'मकूवे'मपुं'यभ'प'पु
मन'भिकै ॥ महि'नी'मद'पे
मपुं'मे'इ'ये'हु'ग'भित्नी ॥ ३० ॥
क'पे'ने'क'लिक'गदो'कू'रु'भ
ले'उ'म'द'गी ॥ न'भिक'यं'भ
ग'द'म'उ'उ'रे'पु'म'म'निक
३० ॥ म'ठ'रे'म'भ'उ'क'न'णि'हुं
र'दि'हु'ग'भ'उ'गी ॥ म'उ'उ'द'उ'के
भ'गी'क'ठ'भ'पुं'म'म'भित्क ॥
३३ ॥ प'भित्क'मि'हु'प'पु'म

मङ्गल... भुंउवगदी नैरुं हं प
 मृगारि... ॥०५॥ पूती सुं वर
 मृगारि... सुयवुं भगवद्वर
 उमी सुं मैवके रीरं स तुं सु
 लठारि... ॥०६॥ उचुं रदुउव
 मृ... उव ठभु सुवै पूवी
 पवं ममि मेरुं सुभु ॥०७॥
 मववद्वर ॥०८॥ लयभेम
 गूतः भुउ विणय भुउ पपु
 उः ॥ मलिउव भप सुउ म
 दि... मापर लिउ ॥०९॥ मि
 पभु मृतिनीरुं सुभु भुवि

न.
 भ.
 ०३

महं मरुं गमं मकुं दलं मभ
भलं यठभ ॥००॥ पिटकं ते
भरं मेव परं सुपां मभेव म॥
कुतु यठं डि सुलं म मरुभा
यठभ कुभभ ॥०१॥ मेव नं मे
दनं मयठ कुनं भठ यय
म ॥ ठय यठु यठ नीकुं मेव नं
मदिता यवै ॥०२॥ भदठलेम
दक ये भदठ यवि नमिनि
रुदिभं मे विरुपे दस रुं
ठय वति ॥०३॥ पूं सुं गद
उभभे मी सुये यभ गिदेवत

भूपसृतिमेकदःपदयद्वरी
 ॥१॥ येभुठकुभुउउनेउंथं
 कृतिःपूरवउ॥ पूउभंभु
 उमभभुवरदीभदिपा
 भन॥३॥ तिदीगलभभाउ
 मवैपुवीगरुमभन॥भादे
 सुगीवपाउमकेभासीमिपि
 वादन॥७॥ वृद्धीदंभभभा
 उमसचमृसुवभाउरः॥भ
 वठगलमेठमृननगउप
 मेठिउः॥०॥ मृसुउरवभा
 उममेवःरेणभभाऊलः॥

म.
 भा.
 ०३

कूपीतिमडुकम॥७॥
पल्लभंभूतमडुतिपुंका
हृयनीतिम॥भपुंका
रुशीतिभदगेरीतिमपुम
भा॥८॥नवभंभित्तिरुशीति
नवदत्तःपुकीतिः॥उज
तुतिनिभानिवृत्तवभद
द्वे॥९॥अपिनरुभानु
मभृगुगतरु॥विधभेद
नभेदेवठयतुःसरुंग
तः॥१०॥नतेपंएयतेकिप्ति
रुमुठंरुभद्वे॥नपमंत

धिः॥ सवधुपुठः॥ श्रीमन्दीप
 रभेसुगीदेवता॥ मभभुसुदाव
 पुयेकवमपठेविनियोगः॥
 नरदुवम॥ यदुहंपरभं
 लेकेभचरदाकं॥ म॥ य
 वकभुमिमापुतंतं॥ दिधि
 उभद॥०॥ श्रीवृद्धेवम॥॥
 सभुगुहउभंविपुमचक्रुते
 पकरकभ॥ देवभुकवमंपु
 उंतमुगपुभदभते॥ पूषभं
 मैलपुश्रीतिद्वितीयं॥ वृद्धम
 रिनी॥ उतीयंमदुपकुति॥

द.
 भ.
 ००

तिरभसुदिकठगवहै॥॥

तिभपुंभंभुपनयदुपदा

विणेभेदनेनगदधिभवेधभ

नलनंनिणभदिभवमरु

भेल्लेवयलभ॥निहंरीरुप

भऊरमयडिभकनंभुदुमहु

पुपहुंभनभु॥यहुयदलि

भउदनरुठइकलीमकली

तिमीभदुगभरगृमर॥

भुदददुयीभ॥मरमरणग

दुंरीमडिकंपु॥भाभुदभा

चभुमीदेवीकवमभुवृहुट

११८
उललनएने॥ उरुचं उरुभादे
नउतेणपुभिदं सुठभ॥०३॥
मनेभुणपुभावेभिदे उरुभं प
डिदस्रकैः॥ ठवहवभभग
पिउतः पूरकभेवदि॥०३॥
ऐसुदं उरुभादे नभेठगुरे
गृभभदः॥ मरुदनिः पूर
भेदः भुयउभाडिकैलनैः॥
०८॥ उडिमीकीकभेइभ॥

दे.
भ.
००

नृषैषाभिमिदुति॥ ५३॥ नृप
कीलेनभदरेवेनकीलिता
उ॥ येनिधूनिंविणयेनंनि
हंएपतिभुभुएभ॥ भमिदुः
भगः॥ भेपिगनुचेएयउव
न॥ ७॥ नमैवापुएउभुभुठ
यंकुइपिएयउ॥ नपभुइ
वसंयतिभुतेभेदभयभुय
उ॥ एवंपुगहुजवीउहुज
वलिदिनमृति॥ उतेएवैवभं
पत्रमिदं॥ पुगहुउवठैः॥ ००
भेठगृदिमयकिंलिदुसु

भिदूति॥ विनेउति॥ दूतेयेनभ
 वभसु एनरिकभ॥ २॥ भभ
 गभालकिभुतिलेकेसह
 भिभंदरः॥ दद्विभनूयभ
 भभचभेवंविणंमुठभ॥ १॥
 भेदुंवेमधिकवभुउसुगुहं
 मकरभः॥ भभप्रेडिभपु
 एनउंयषवविभनु॥ भ
 ७॥ भेपिद्वेभभवप्रेडिभव
 भेवनभंसयः॥ दधुयं व
 मउरुमुभपुभं वभभदि
 उः॥ दद्विभुतिगुद्विभ

द.
 भ.
 ७

मभ्युदः॥१३॥ उदजनभुइ
मभ्युलंभा॥॥॥॥॥॥॥॥॥
विमिमुहुलुनदेयदिवेमी
दिविमदपे॥ मयःपुपुनि
मिडायनभःमेभरुठरिल्ल॥
०॥भवविप्रविन'सायभरु
७॥मपिकीलनभ॥मेपिदा
मभव'प्रेडिभउडंणपुउदुरः
मिहुहुसु'टनमीनिवभुनि
मकल'रुपि॥पउंनभुवउं।
निहु'मुइप'०ःपुमिहुडि॥३॥
नभउं'नेपुठंडइनकिदिमपि

परमेश्वरि॥ कुपं॥ ०३॥ उरु
 नीपतिभक्तवप्रणिउपरमै
 श्वरि॥ कुपं॥ ०७॥ देविपुम
 रुमेरु रुमेरु रुद्विनमि
 नि॥ कुपं॥ १०॥ देविठज्जने
 रुमरु रुनरे रुयेभिके॥ ॥
 कुपं॥ १०॥ पंडीभनेरभं रु
 दिभनेरु रुवभरिनीभा॥ उ
 रिनी रुजभंभा रभा गरभुज
 लेरुवभ॥ ११॥ उरुभुं प
 ठिदुभदभुं प० वरः॥ भ
 उभपुमडीभरुवरभप्रेति

रु.
 भ.
 उ

००॥ विठेदिदेविकल्लं वि
ठेदि विपलं मियभा ॥ कुपं ॥
भगभगमिरेरुनि कुपुम
लभिके ॥ कुपं ॥ ०१॥ विरु
वतं यमभुतं लक्ष्मीवतं एतं
कुप ॥ कुपं ॥ ०२॥ प्रमदुमैरु
मदप्रमदिकेदुगिठपदे ॥
कुपं ॥ ०३॥ मनुचकैस्तुच
कुमंभुतेपरमेश्वरि ॥ कुपं ॥
०४॥ तप्रेनमंभुतेदेविमसु
दुहमभिके ॥ कुपं ॥ ०५॥
दिभमलभुतनयमंभुते

विष्णुवरदेनमः॥३५॥
 अमिनुपमगिते सचमसूवि
 नमिनि॥३५॥१॥ वचिउ
 डि, युगेदे वैदेवभेठगुम
 यिनि॥३५॥१॥ नउकःभ
 चमककुमडिकेडुगितप
 दे॥३५॥३॥ भुवदेककि
 प्रचंदमडिकेडुठिनमिनि
 ३५॥१॥ मडिकेभउउयेद
 भक्तयत्रीदकजितः॥३५॥
 ०॥॥ मदिभेठगुभरेगुदे
 दिमेविपरंभापभा॥३५॥

म.
 भ.
 १

न॥ वरु॥ निद्रिउं प्रचभिडि
निद्रिउं मेडभ॥ गिलयतीभ
इलकलीकइकलीकप
लिनी॥ इत इत इत भ॥ ठाडी
भुठभुठनभेभुठे॥ ०॥ भय
कैटकविद्वविठइवरमे
नभः॥ इपं मेदिणयं मेदिय
मेमेदिद्रिधेएदि॥ ३॥ भदि
धभगनिद्रमविठइभापमे
नभः॥ इपं॥ ३॥ रकुगीएव
ठेदेविमइभइविनमिनि
इपं॥ २॥ निभुभुभुभुनिद्रम

विनियोगः॥ मज्जलसुत्तं
 त्रिकीलकंदलमंडप॥ कव
 मंगद्वयैत्रिहंसभुक्तु
 यंलपेत्॥ लपेद्भुमंतीप
 म्भुभारपमिवेदिः॥ म
 जलहमयेयभुत्तपानजल
 दगभे॥ ठविधृतीतिनिमि
 त्तमिवेनगमितंभर॥ कील
 कंहमयेयभुभकीलिउभने
 रषः॥ ठविधृतिनभनेदेन
 तृषमिवरुधिउभ॥ कवमं
 हमयेयभुभयणकवमःप

द.
 भ.

[illegible]

मरुत्तु गृदपीरुमत्रिः
 भुप्रमत्रिकभभापडापत्रिः
 भवभक्तद्विभक्तिः सुठभति
 श्रीरुजः प्रीतिकभेभक्तु
 यपुगात्तुजतभावलिः भ
 दत्तनयः दृगृभक्तु
 विठभत्रिगृत्तुनकवमकी
 नकः नलभदिउतः श्रीदेवी
 भादत्तुनः रुजः देवीभदंभुष्टु
 उतिभक्तुः ॥ ॥ तिरुदृधिः
 पगमत्रिकदेवतः चरधुधु
 रुः ह्रीगीणः हंसक्तिः श्रीरु

द.
 भ.
 ५

मतिकमनेन विठिन जयेत् ॥
भवकुमारव प्रेति नृभुव
मनयष ॥ ॥ ॥ मरुभमभव
राठ प्रमभन नृभुत नृपपति
नृभुते नृपभुत नृभुति नृभुत
पती प्रु वि ये गर दि नृम नृ
भृगण मभु नल ते ये अम
कलिकल नृत नृव भदभा
गीमभु नृव, मधे पम ने दृति
प्रमभन भवपा पदय नृ
नृभुत नृति नृभुत कलरिपु
दय कल नृ नृति नृल नृ

नमः॥ भुभुनप... ये दंड
पल यनमः॥ उडि प्र ए वि
ठ नमः॥ सुने न विठिन यमु
प्र ए वि द्वा सदा म ये ड ॥ उ
भै रवः पु उ भु ति वि उ र ति
भ द क्त नमः॥ सुने न विठिन
य मु वि दी नं पु भु कं प र ड ॥
उ भु ए पं ठ व द्वा भ र ट र ति
उं य ष ॥ म ठ ति वि पु लं मि
हिं म ठ ति वि पु लं ठ न म ॥
ये ए पे उ भु व द्वाः भु द्वा भं भ
प्रे ति मा सु उ न ॥ पु भु कं भ पु

म.
भ.
म.

ॐ ह्रीं श्रीं विष्णवे नमः ॥

ॐ ह्रीं श्रीं गुरुभ्यो नमः ॥

ॐ ह्रीं श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

श्रीं महादेवे नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

[illegible]

ॐ ह्रीं श्रीं व न भूति पश्य भिं
दय न भः ॥ ॐ ति ह्रु र प्र ए ॥
ॐ तु र वे न भः ॥ पर भ तु र वे न
भः ॥ पर भ मा द य न भः ॥ पर
भ धि न न भः ॥ शु धि भि ह्रु ह्रु न भः
ॐ ह्रीं श्रीं वि धु वे न भः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
वे धु वे न भः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं र दू य
न भः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं र दू ह्रै न भः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं व रू न भः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
व रू ह्रै न भः ॥ ॐ भि व न रू यं ॥
ॐ ह्रीं श्रीं के भ द न भः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीं ति ह्रै न भः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं व रू ह्रै

त्रुंरुगिउरुगिरभुयळल ॥
 त्रिहंमभुयुहंनभः ॥ त्रिहंउल
 नीहंनभः ॥ त्रिहंमभुयुहंनभः
 त्रिहंमभुयुहंनभः ॥ त्रिहं
 कविधुयुहंनभः ॥ त्रिहःकर
 उनधुयुहंनभः ॥ त्रिहंहम
 ययनभः ॥ त्रिहंमिगभुयुहं
 त्रिहंमिगयैवधल ॥ त्रिहंक
 यमयहम ॥ त्रिहंनेरुहंवेध
 ल ॥ त्रिहःमभुयुहंनभः ॥ त्रि
 हंमीदेइपलंयनभः ॥ त्रिहं
 मीडीहमयभदिधयनभः

मं.
 भा.
 ३

धुं नमः॥ भेभभरति यडेउल
नीं नमः॥ निरुदति वेरुः भ
एभं नमः॥ भनः पदुमति
अनभिकं नमः॥ रुजलि
विमुन वेवक निधुिकं नमः
भिनुं रुति रुयिः करउल पधु
नमः॥ ॥ ॥ एउवेरु भेभनव
भरुय यनमः॥ भेभभरति
मिरभेभरु॥ निरुदति वेरुः
मिपयैवपट॥ भनः पदुमति
कवमयभ॥ रुजलिविमु
नवेवनैरुययवेपट॥ मि

तुभउरः॥ छिएउमिपयं॥
 वेदमेतलए॥ भनवभकरु
 येः॥ मेभंनभिकयं॥ अरति
 मद्रुपेः॥ यउलधुयेः॥ निम
 उधु॥ मद्रुतिउलनि॥ वेदलि
 रुयं॥ भगीवयं॥ नःरुकेः॥
 पद्रुमि॥ अतिभुनयेः॥ रुकु
 को॥ मालिनरुके॥ विष्णुपधु
 नवपधुएः॥ उववधुयेः॥
 भितुंमिमे॥ रुःकए॥ उउउ
 चेः॥ अतिण्डयेः॥ अग्रिपम
 येः॥ छिएउवेदमेभनवभअरु

रु.
 भ.
 ०

ति न भ सुदिक ठग व ड ॥ ॥ ॥

डि श्री भ डु र भु र र ए म र ७ भु

द द सु यी भ ॥ म र म र ए ग डु

डी म डिकं प ॥ भ भु द भ ॥

डि मि रै र ड उ व ड ॥ भु पं भ

द सु री उ ष ॥ के भ री ह म यं

र ड ॥ म रं वै भु वी प र ॥ व र

दी म क टिं गु ह भ ॥ डी मे डु भ म

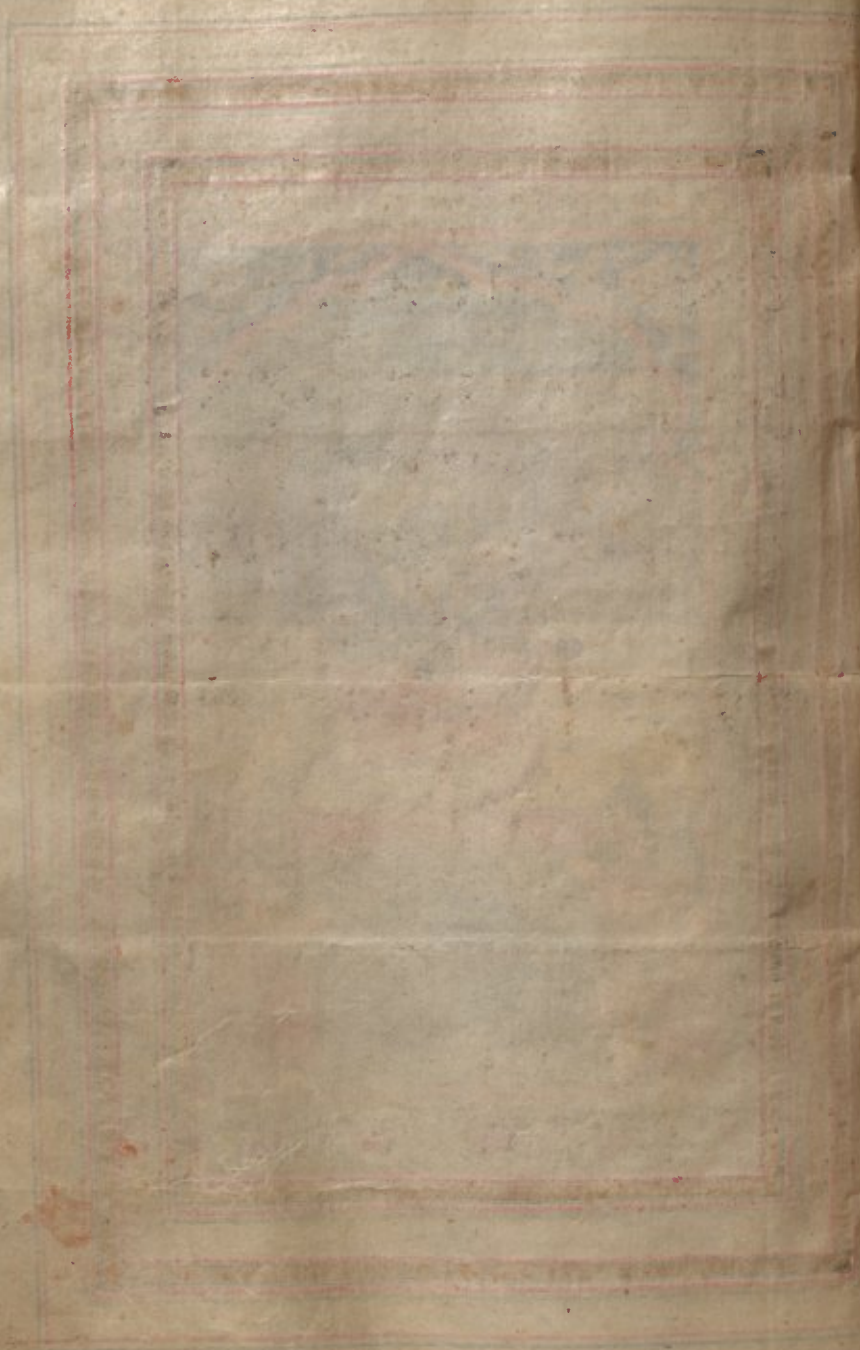
भ भ ॥ म भ ड ए र ड सं डु प डे

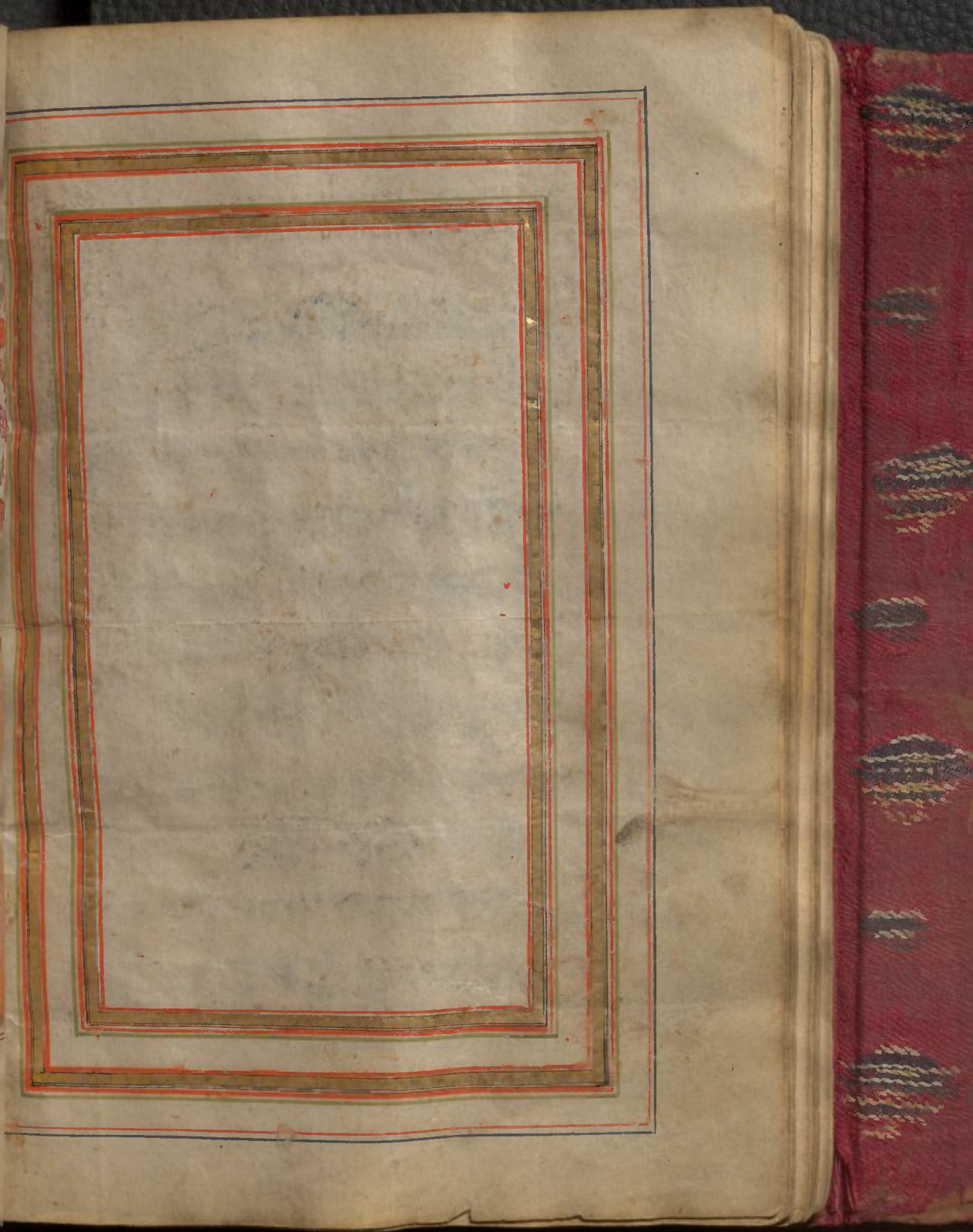
र ड उ म डिक ॥ र क टिकं डु

लि प भुं र म प ड डु ए व र ॥

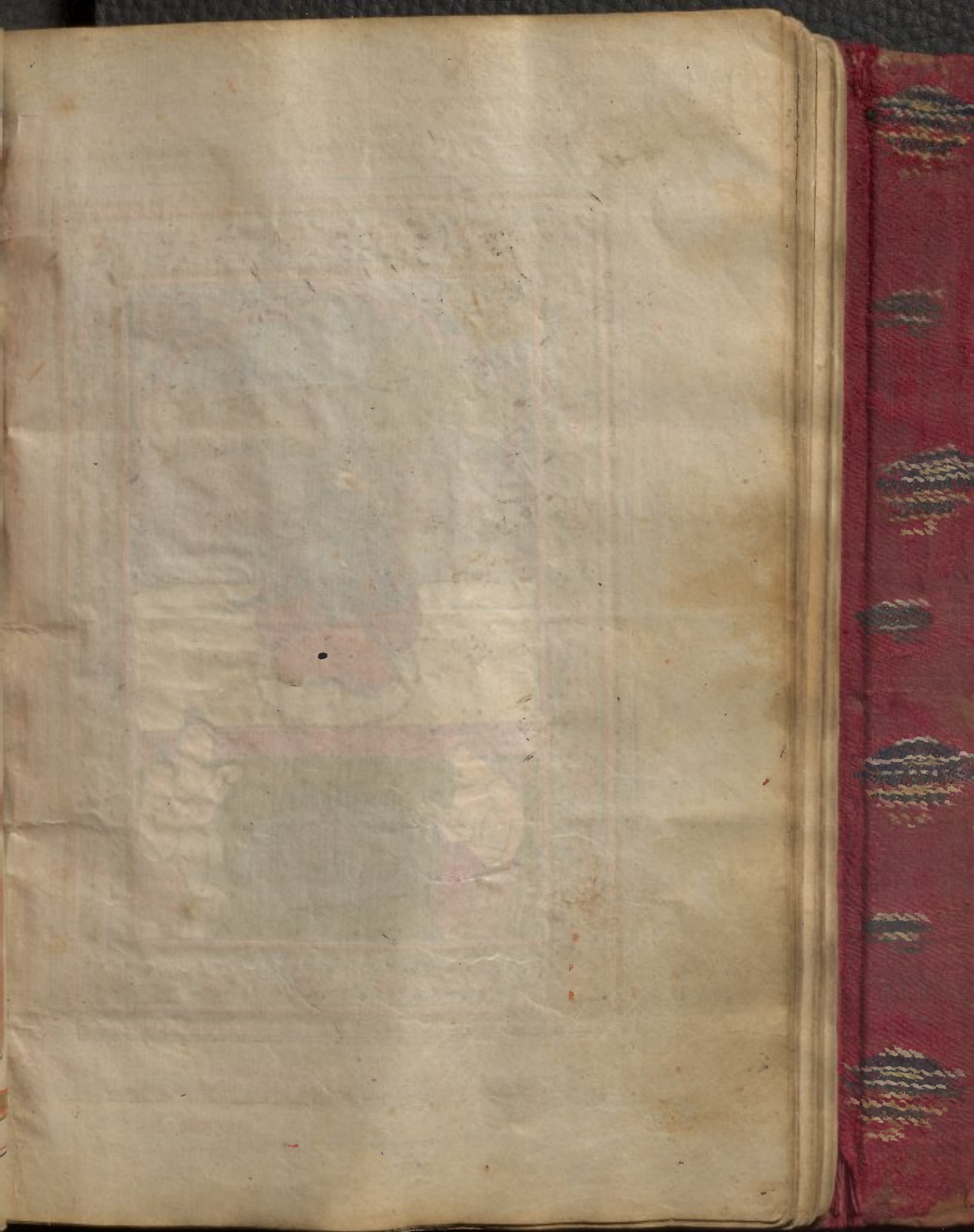
म ड प ड ड भ डी सु भ म र ड

128









१३
 त्रि० त्रि० भद० त्रि० म० त्रि०
 भुं० भंदि० त्रि० वै० वा० भि० हं० ती०
 प० च० लि० मी० न० ग० व० ज्ञी० त्रि० भु० प० नि०
 प० द्रु० व० रु० वि० द्रु० यं० ये० ग० म० भु०
 मी० न० भु० ल० न० भं० व० द्रु० भे० द्रु० ये० ग०
 व० भ० भु० न० मे० द्रु० यः॥ ०३॥
 सु० ठ० भ० भु० ले० प० क० प० क० मे०
 द्रु० न० भ० ॥ त्रि० भु० भि० पू० ए० द्रुः॥

ठ
 गी
 ७

प्रभासु उवाच ॥ उक्तुममदं
परम ॥ ये गंये गे सुग रुधु
इदं कृषयतः सुवभा ॥ १५ ॥
गणं मं मृदु मं मृदु मं वामि
मम दुता ॥ के सव लुन येः प्र
दं हृष्ट भिम भु रु रुतः ॥ १६ ॥
उक्तु मं मृदु मं मृदु रुप मृदु
दुतं दरेः ॥ विभु ये मं मं दरे
लु हृष्ट भिम पुनः पुनः ॥ १७ ॥
यइ ये गे सुग रुधु यइ पाते
उत्तरः ॥ उइ सी चि ए ये रु
ति चू व नी ति रु ति रु म ॥ १८ ॥

गः॥ मेपिभक्तः सुकंलैक दुःख
 यदुदकमम॥ १०॥ कस्मि
 न्मत्सुतं पञ्चद्वयैक गे... मेत
 म॥ कस्मिन्मल्लनभंभेदः पू...
 धुमेठनल्लय॥ ११॥ मल्लनउ
 वाम॥ नधुमेदः भुत्तवुद्वद्व
 भामद्वयामृत॥ भिउभिगउ
 भन्दः करि धुवमनंतव॥
 १३॥ मंणयउवाम॥ उददं
 वभमेवभृपञ्चभृमभदद्व
 नः॥ मंवरमभिभममेधभद्व
 उलेभदद्व...म॥ १८॥ वृभ

क.
 गी.
 ७१

ऊयकममन॥ नमः सुमुखवे
वासुनमभं येरुभयति॥ ७१॥
यः संपरभंगुहं भद्रुऊधुकि
ठभुति॥ रुकिं भयिपरं नद्व
भामेवै धृष्टं मयः॥ ७३॥ नमः
उभद्रुपुष्टु कसिमे प्रियरु
डुभः॥ रुविता नमभे उभद्रु
रुः प्रियतरु वि॥ ७७॥ सुष्टु
धृष्टमयः संठं भं वारुभा व
येः॥ सुनयल्लेनते नदभिधुः
भुभितिभेभतिः॥ १०॥ सुष्टु व
ननभय सुमः व सुप्रियेन

एतं गुह्यं गुह्यं भव ॥ विभ
धृतं मेधे ॥ यव सुभितय ॥
ऊरु ॥ ७३ ॥ भव गुह्यं भवः
सुभं भव भवः ॥ ७४ ॥ भि
भेदं भित्तित्तं वद भित्तित्त
भा ॥ ७५ ॥ भव न व भव
भव न भव भव ॥ भव
धृति भव भव भव भव
भ ॥ ७६ ॥ भव भव भव भव
भवं भव भव ॥ भव भव
पापं भव भव भव भव
७७ ॥ भव भव भव भव

क.
गी.
७५

३ मेधुभिर्विनष्टुभिः ॥ १३ ॥ यद्द
हृग्भमिहृग्ये हृग्भमिहृग्भमि
वैव वृग्भमयमेधुभिः ॥ १४ ॥ भुग्भमिहृग्भमि
येहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
निहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
भियमेधुभिः ॥ १५ ॥ भुग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
० ॥ गंभुग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
ल्लनतिधुभिः ॥ १६ ॥ भुग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
यद्भुग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
मरत्तगभुग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
दुभमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि
माभुग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमिहृग्भमि

भक्तिलकउपरभा॥५८॥
 शुभाभक्तिनडियावतुस
 भित्तुतः॥उतेभंतुतेहृद॥
 विसतेउरनतुगभा॥५९॥भ
 वकमटपिभमऊचलेभतु
 पास्यः॥भदुभाऊरवपे॥
 तिससुतेपरभवृयभा॥६०॥
 मेतभाभवकमलिभयिभतु
 भुभदुगः॥वद्वियेगभुपासि
 दभसित्तःभततेऊव॥६१॥भ
 सित्तःभवदुतलिभदुभाऊ
 दुरिष्टुभि॥अथमेदुभदुहृद

क.
 गी.
 ७३

भृयापग ॥ ५० ॥ वृद्ध विमुक्त
ययुक्तेष्टद्वनंनियभृम ॥
मदमीत्रिपयंभृक्कागकु
धेवृमभृम ॥ ५० ॥ विविक्त
मेवीनभृमीदउवकायभा
रमः ॥ एनवेगपरनिद्वैर
गुंमभृपसिउः ॥ ५३ ॥ अद
द्वंरलंमदंकभंरुंथरि
गदभा ॥ विभृमृनिद्वभःमते
वृद्धवयकल्पउ ॥ ५३ ॥ वृ
द्धउःप्रभवृद्धनमेमतिन
कंदति ॥ भभःभवेधृद्धउधृ

...परठमदुनधुडग॥भु
 ठवनियउंकदऊचनप्रेति
 किन्निधम॥८१॥भदलंक
 दूके नुवभदेपभपिनरु
 लेग॥भचरभुदिदेपे॥
 पुमेनगिरिवकडः॥८३॥
 अभऊवदिःभचरणिउ
 इविगडभदः॥नैधूदुभि
 सिंपरभंभचमेनठिगसु
 डि॥८७॥मिदिंपुप्रेयषा
 वरुडषप्रेडिनैठमे॥भ
 भभनैवकेनुयनिधूहन

न.
 गी.
 ७३

वहुमपिपलयनभ॥१॥गभी
सुगवसुदरकमभुवणभा
८७॥रुधिनैरद्वानिगुं वैमृ
कमभुठवणभा॥परिमद
इकंकममुदभुपिभुठवण
भा॥८८॥भुभुकमदठिगः
भंभिडिंनठेनगः॥भुकम
निरःभिडिंयषविडिउ
मु॥८९॥यःपुडिडुड
नंयेनभचभिडिउभा॥भुकम
उउभकृभुभिडिंविडिउभा
नदः॥९०॥मेयचुठमेविगु

नरुवैमभापेभेदनभाङ्गनः॥नि
 मूलभृपभादेकंउडुमभभुम
 हउम॥३७॥नउमभुपयिषुं
 वदिविदेवैधवापनः॥भङ्गुं
 पूरतिऐदुङ्गयदेकिःभृङ्गि
 गुल्लै॥८॥वृङ्गुं॥कडियवि
 मं॥मुङ्गुं॥मपगुप॥कम
 लिपुविठङ्गुनिभुठवपुठ
 वैनुल्लैः॥८०॥मभेठभभुपः
 मेमंङ्गुतिगलवभेवम॥हृनं
 विहृमभुठं॥वृङ्गुं॥कमभुठव
 एम॥म॥मेदंउलेयडिगुं॥

क.
 गी.
 ७७

यं मेकं विधातुं भक्तमेव ॥
न विभक्तुतिरुदयेत यतिः भ ॥
पादुतामभी ॥ ७५ ॥ भुवि विरु
नीतिविठं सुगमं नर उदरु
चक्रभाद्रुमते यदुदः पातुं
विगच्छति ॥ ७६ ॥ यदुदगैविध
भिवपति ७ भेभुते पमभा ॥
उदुपं भद्रिकं पेरुभाद्रुवति
पुमं नरभा ॥ ७७ ॥ विधयेति
यभं येगद्रुदुगैभुते पम
भा ॥ पति ७ भेविधभिव उदुपं
गणभं भुतभा ॥ ७८ ॥ यदुगैग

वस॥ अथ वदन्ति विदुः
 भाषां कुरुमी॥ ३०॥ अथ
 उच्यते भविष्यति भवति भवति
 उ॥ भवति विपरीतं सुदुः
 क्षिः भाषां कुरुमी॥ ३१॥ य
 द्ययः पश्यते मनः पू
 क्षियस्त्रियः॥ येन वृत्ति
 मारिष्टं यतिः भाषां कुरुमी॥
 द्विती॥ ३२॥ ययः उच्यते कुरुमी
 कुरुते पश्यते लन॥ पूम
 न्नं नलक क्षीयति भाषा
 कुरुमी॥ ३३॥ ययः पुत्रं

क.
 गी.
 ७.

सुमिः॥ दद्यमेकत्रितः कतुः
लभः परिकीर्तितः॥ ३१॥ अथ
ऊः पूरुतः भुवूः सनेनैधुति
केलभः॥ विधालीमीउभुती
मकतुः उभभउमृते॥ ३३॥ व
हुहुंमंयतेवैवगुं उभिवि
ठंमृग॥ प्रेमभानभमेधे
पषहुंनठनल्लय॥ ३७॥ पूव
डिंमनिवडिंमकदकदेठय
ठये॥ वहुंभेदमयावेडि व
डिः भापऊभडिकी॥ ३८॥ य
याठमभठमंमकदं वकदभे

दत्तभा ॥ अदलपेपुनकमय
 उद्विकभसृते ॥ ३३ ॥ यतुक
 मेपुनकमभादहुरवप
 नः ॥ श्रियतेरुल्लयभंतु
 एभभमहत्तभा ॥ ३८ ॥ अतु
 तंकायंदिंभाभनवहृमपेन
 यभा ॥ मेदमरुहृतेकमत्त
 भभभमहत्तभा ॥ ३५ ॥ भुज
 भजेनदंवालीयदुदभम
 त्रितः ॥ मिहृमिहृनिचिकरः
 कत्तभाद्विकउसृते ॥ ३७ ॥ गगी
 कदलपेपुनवेदिंभादुके

क.
 गी.
 ३७

कमः॥ प्रसूतं गु॥ महनेय
षवसूतं तृपि॥०७॥ भव
कृतं पयैकं कवमवृयभी
कृतं॥ अविनक्तं विनक्तं पु॥३॥
लूनं विहिमं विहिमं॥३॥५॥
षक्तं नतयलूनं ननवच
षगिणन॥ वडिभवेपु॥
पु॥ लूनं विहिमं लूनं॥३॥०॥
यतुनवृवदेकभिक्तं देभक्तं
देउकभा॥ अतुतुवमलं म
उतुमभममलतुम॥३३॥ नि
यतं मङ्गदिउमगगुपतः

मगीगवद्भनेकिटकुमपुगहुते
 नरः॥ नृयेंवादिपगीतंवापल्लुते
 उभृदेउवः॥०५॥ उइवंभतिक
 दुग्भद्भनेकेवलंतयः॥ पसृ
 दृदउवद्विद्वत्रभपसृतिरुम
 डिः॥०६॥ यभृनदहृतेरवेव
 द्विदभृनलिपृते॥ दद्वपिभ
 उभंलेकत्रदतिननिरपृते॥
 ०७॥ पुनंल्लेयंपरिपृउरिवि
 ठकममेमन॥ करलंकमक
 उतिरिविठःकमभद्भदः॥०८॥
 पुनंकममकतुमरिठैवगु

क.
 गी.
 उउ

भेठवीस्रिभंमयः॥०॥नदिमे
दकृतमहंरुक्कम'ट'मेधतः
यभुकमदलटगीभटगीरुकि
ठीयते॥००॥अनिधुभिधुंभिमुं
मडिदिठंकमः॥०॥नभ॥ठव
ट्टुगिनं'पे'नउभट्टुभिनां'क
मिउ॥०३॥पल्लभ'निभदठ'दे
क'॥०॥निनिठेठमे॥भ'हू'नउ'
उ'पे'ऊ'निभिहू'येभचकम'॥०॥भ'
०३॥अठिधु'नंउ'ष'क'उ'क'॥०॥म
प'ष'मिठभ॥०॥विदिठ'सु'प'ष'ऊ'
धु'दै'वं'मै'व'उ'प'ल्लभभ॥०५॥

नीतिभेपः निश्चितं भउभउभ
भ॥७॥ नियउभउभउभः क
मलेनेपपहृउ॥ भेदउभपुपि
हृगभुभमः परिकीतिउः॥
१॥ सुःपभिहृवयः कम्कय
कैमठय'हृण'॥ भठहृगण
भंहृगंनैकहृगलंलठउ॥
उ॥ क'दभिहृवयः कम्नियउं
रियउंलन॥ भं'हृहृलंमै
वभहृगः भ'द्विकेभउः॥७॥
नहृधु'मलंकम्'मलेन'उ
पल्लउ॥ हृगीभउभभविधु॥

ठ.
गी.
उ

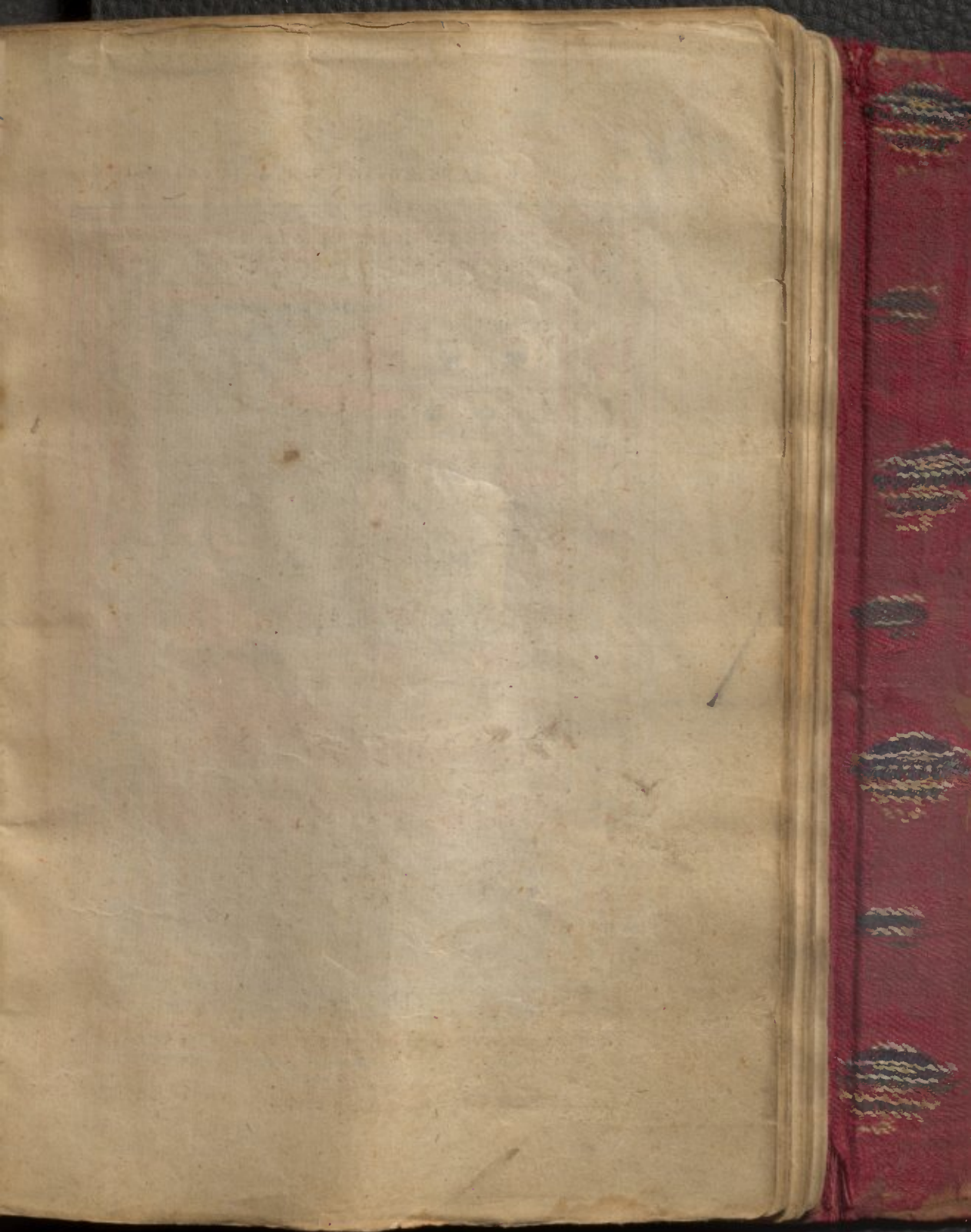
५:॥ भवकमलनटुगं प्रदुभु
गं विमलः ॥ ३ ॥ इष्टं मेधव
मिष्टकैकमप्रदुनीधिः ॥
यल्लुननउपः कमनटुमि
तिमापः ॥ ३ ॥ निस्त्रियं मरुभे
उरुगैरुतमउम ॥ इष्टेदि
पुनधवप्रदिविठः मभूकी
तिउः ॥ ५ ॥ यल्लुननउपः क
मनटुकदमेवउत ॥ यल्लुन
नउपमैवपवननिमनीधि
॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ उरुपिउकम
मनटुनननिस ॥ कउव

1410





141



१२१
 अमहयान्तं तं तं पभुपुंरुं
 मयत् ॥ अमहिं हं हं पंरुं
 मत्तं हं हं हं ॥ ३३ ॥ ५३ ॥ ५३ ॥
 गवन्नीतं भुपनिधं वृद्धं विदुं
 यं येगमं भुमीनं भुलनं भं वं
 महुं विवैकये गे न भं भुपुं मे
 ह्यः ॥ ॥ ॥ अलनं उदं ॥
 भव्त्वं भुभं दं दं दं भिं सुं
 भिवैमिं सुं ॥ हं गभुं महुं धीं
 कं मपं वं कं मिनिं भुं न ॥ ०
 मीं हं गवन् उदं ॥ कभुं नं
 कं नं हं भं भव्त्वं भं कं वयेदि

५३
 ५३
 ५३

विदिताः परा ॥३३॥ उभू मेभिदु
महद्वयल्लनउपः क्रियः ॥५
वतुतेविठनेऊः भउउं वूऊव
मिनभ ॥३८॥ उमिदुनमिभ
कूयल्लनेयल्लउपः क्रियः ॥५
वतुतेविठनेऊः भउउं वूऊव
मिनभ ॥३५॥ भकूवेभापुठ
वेमभमिदुउद्वयल्लउते ॥ प्रसभे
कमल्लितयभसूदः पऊय
ल्लउते ॥३७॥ यल्लउपमिदुनेम
भ्रुतिः भमिदुमेसूते ॥ कम
वतुमजीयं भमिदुवठिणीयते

सुतकुंगकरं वटं भट्टं प्रियादिउं
मयउ ॥ भूट्टयहृभनं मेववइ
यंतपउमृउं ॥ ०५ ॥ भनः प्रभाः
भेभुं भेनभाइ विनिगूदः ॥ क
वभं सुहिरिहृउं पेभनभभुमृ
उं ॥ ०६ ॥ सुदुयापरयाउं पुंउपः
उडिविठं नरैः ॥ सुदलकद्विनि
दुजैः भड्विकंपरिमहृउं ॥ ०७ ॥
भहृभभनप्रएऊं उपेभभुनमै
वयउ ॥ ह्रियउं उमिदपेऊं गण
भंमलभयवभ ॥ ०८ ॥ भुलुगूदे
॥ इनेयदीइय ॥ ह्रियउं उपः ॥ ५

भा००॥ सुदलक द्विठिदले
 विठिरुधेय उल्लुते॥ यधुवृभे
 वडिभनः भभाठ यभभाडि।
 कः॥००॥ सुनिभरुय उदल
 मभुठभपिमैवयउ॥ उल्लुते
 ठगउमेधुउंयल्लु विठिरुणभ
 भा०३॥ विठिदीनभभधुनं
 भत्रुदीनभरुदि॥ भा॥ सुठ
 विगदिउंयल्लु उभभं परिमद
 उ॥०३॥ सुवडिण गुदधुल्लु
 एनंसे मभालवभा॥ वदुमद
 भदिंभास मगीरं उपउमृते॥

ठ.
 गी.
 उ॥

सुयान॥१॥ सुदरभुपिभव
भुवि विठेठवतिप्रियः॥ यल्ल
मुपमुषासनंतेपंठेठभिभं
मृग॥१॥ सुयःभद्वरनरेगृ
भापप्रीतिविवचनः॥ रभुभि
गुभिगहृ सुदरःभद्विक
प्रियः॥३॥ कदभूनवत्तु
भुतीकुतुविमदिनः॥ सुद
रगणभुप्रेपुःपमेकभव
पुमः॥७॥ यत्तयभंगतरभं
प्रतिपदधिउंमयत्त॥ उमिभु
भपिमभेठेठेणनंताभभप्रिय

भौमैवताभभीमैतितांमर॥
 १ भद्रुत्तुपभचभृमृद्रुठव
 तिठग॥मृद्रुभयेयंप्रमथे
 येयमृद्रुःभापवभः॥३॥य
 एतुभद्रिकमैवतुद्रुगंभिर
 एभः॥पुताकुतग॥सुतुयए
 तुताभभाएनः॥८॥सुसाभु
 विदितांभेगंतपुतुयेतपेएनः
 मभुदद्रुभंयुक्तःकभराग
 रलत्रिताः॥कदयतुःसगीर
 भुंक्तुगभभमैतभः॥भंमै
 यतुःसगीरभुंताविद्रुभगनि

क.
 गी.
 ३३

उकदकदवृवभिउं ॥ हृद

माभुविठनेऊकककुभिदद

भि ॥ ३८ ॥ ३३ श्रीरुगवल्ली उभु

पनिधद्वद्विहृयं वेगमभु

मीरुमलनभंवादेदेवाभुभं

पडियेगेनभधेदुमेष्टयः ॥ ॥

सिमलनउवाम ॥ येमाभुवि

ठिभद्वष्टयणउमद्वयत्रिउः

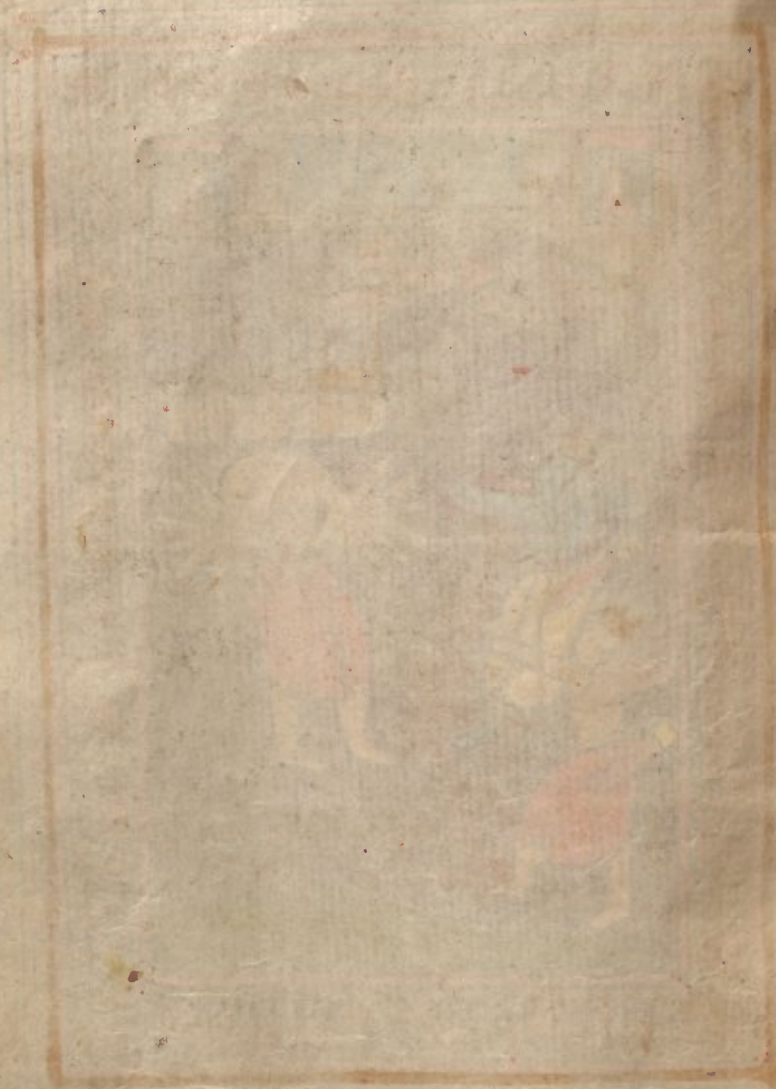
उधंनिधुउकदधुमद्वभादे

गणभुभः ० श्रीरुगववृव

म ॥ त्रिविठरुवडिमद्वदेदि

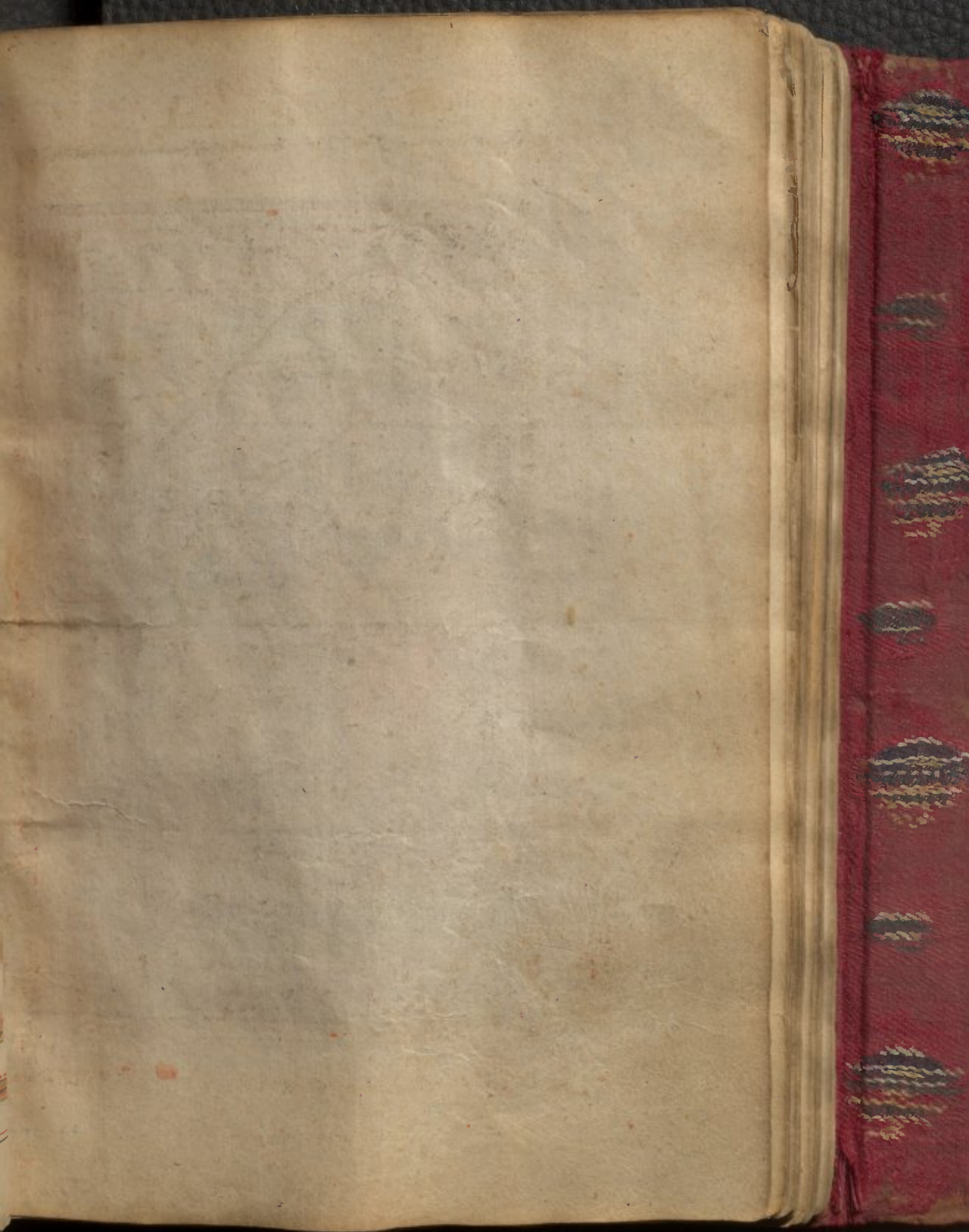
नंभाभुठवए भाद्विकीरण

146





147



पञ्चभूतलक्षणानि॥भ
 मभूयैवकेतुयउतेयवृणभंग
 डिभा॥३॥ त्रिविधंनरकभृमं,
 दुर्गन्मनभङ्गनः॥कभःरूप
 भुषलेनभुभृमैउडुयंडले
 उ॥३०॥ एतैविभृऊःकेतुय
 उभेद्वैभिक्तिरः॥ सुमरट्ट
 इनःमेयभुतेयडिपरंगडि
 भा॥३१॥ यःमभुविठिभृऊ
 एवतुतेकभकरतः॥ नभभि
 द्विभवाप्रेडिनभुपंनपरंग
 डिभा॥३२॥ उभृकुभुपुभां

न
 गी
 उ

मिडुविहूतुमेदएनमभठ
उः॥ प्रभक्तः कभठेगपुपत।
त्रिनरकेसुमे॥०॥ सुदभभ
विडभुवूठनभनभमत्रिडः
यणतेनभयल्लुमुदभेनवि।
ठिप्रचकभ॥०१॥ सुदळरं
ठलंरदं कभंरुंठंमभंमिडः
भभभपुगरेदधुप्रदिधुतेह
भुयकः॥०३॥ उनदंदिधुतः
रुगंभभगपुनगठभन॥दि
पाभृणभभसुठभभभुव
येनिधु॥०७॥ सुभंगीयेनिभ

सुम'प'सम'उ'उ'क'भ'उ'प
 र'य'७:॥१॥द'उ'क'भ'ने'ग'उ'भ'
 वृ'ये'न'उ'भ'पु'य'न'॥०३॥उ'म'
 भ'रु'भ'य'ल'रु'भि'रु'पु'भ'ने'
 र'य'भ'॥०४॥भ'भु'म'भ'पि'भ'ने'
 वि'धु'ति'पु'न'र'न'भ'॥०५॥सु'भ'
 भ'य'द'उ':स'रु'रु'नि'धु'म'प'र'
 न'पि'॥१॥सु'र'द'भ'द'ने'गी'भि'ने'
 द'र'ल'व'रु'पी'॥०६॥सु'रु'ने'
 ए'न'द'न'भि'के'ते'पु'भ'रु'मे'भ'
 य'॥य'रु'र'भु'भि'भ'ने'पु'उ'र'
 सु'न'वि'भे'दि'त':॥०७॥सु'ने'क'

न.
 गी.
 उ०

नमिहुं उधुविहृते ॥ नमहृमप
 डिधुं उणगमरनी सुगभा ॥
 सुपरभरमभुं उकिभट्टक।
 भदुं कभा ॥ अउं नुधिभवधु
 हनधुं नुनेलवधुयः ॥ पूठव
 नुगकमः ॥ कययणगउदि
 उः ॥ ७ ॥ कभमसिहृदुधुगं
 नभुभनभमविउः ॥ भेदकृदी
 वभनूदधुवउउं सुमिवउः ॥
 ०० ॥ मिनुभपरिभेयं सपुल
 याउभुपसिउः ॥ कभेपठेग
 परभा ॥ अउवमिउिनिमिउः ॥

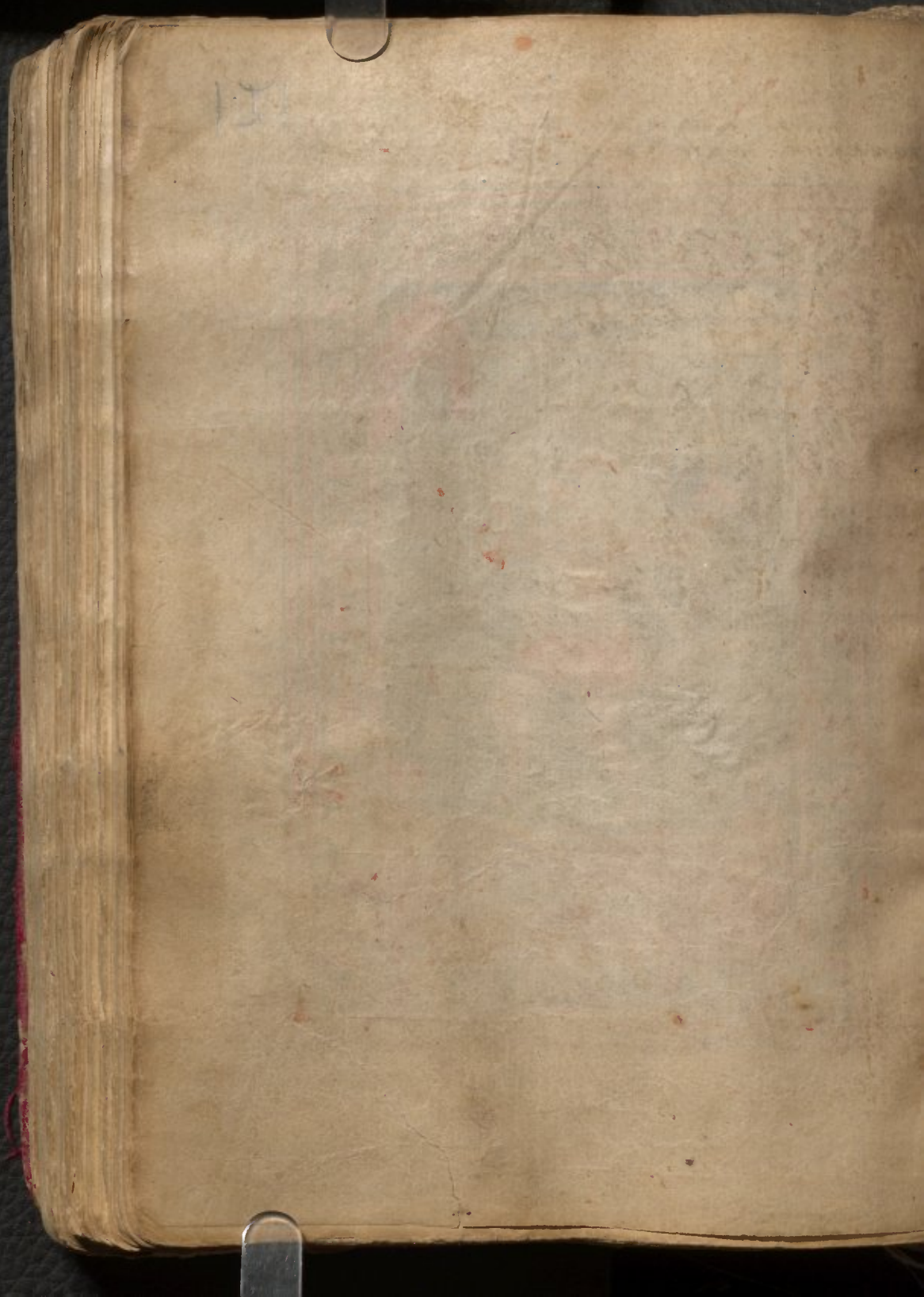
०० ॥

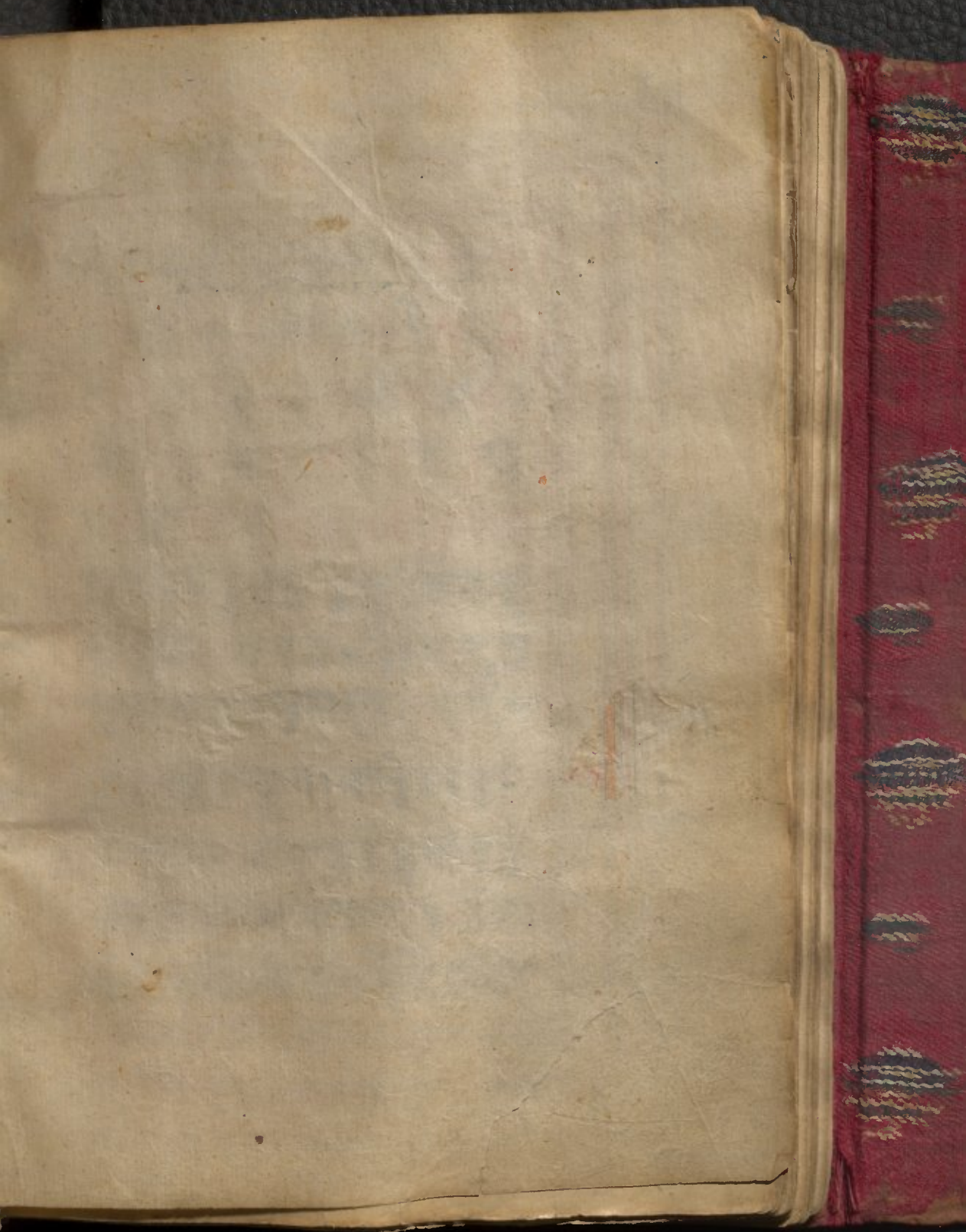
निउ॥ कवडिभंपमंमैवीभकिए
 उभुहगउ॥३॥ मभेमदेकिभन
 सुहेणः पदभुभेवम॥ मएने
 मकिएउभुपकुभंपमभभु
 गीभा॥५॥ मैवीभंपडिभेदय
 निरुवायभुगीभउ॥ भासुमः
 भंपमंमैवीभकिएउभिपाकु
 व॥५॥ डेकुउभनेलेकेभिने
 वसुभुगएवम॥ मैवेविभुगम
 पेकुसुभुगंपकुभेमर॥७॥
 पूकडिंमनिहडिंमएननवि
 मरभुगः॥ नमेमंनपिममरे

५
 ५

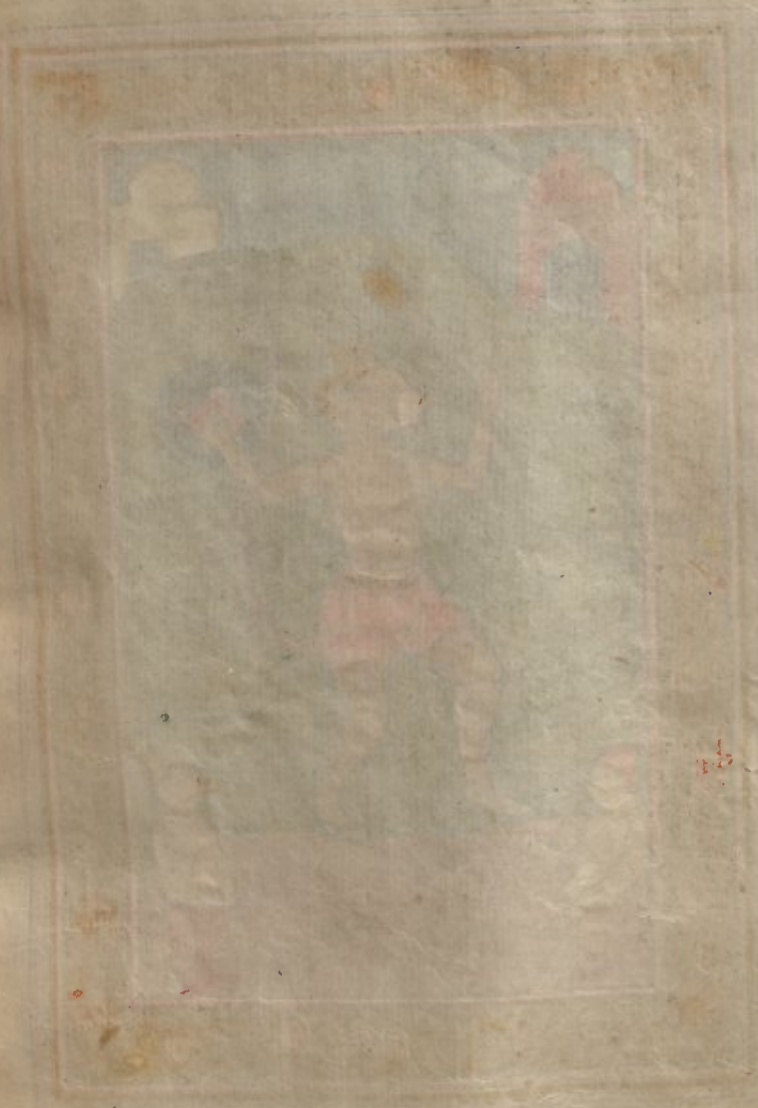
क.
 गी.
 उ.

सुभाङ्गुत्तदृष्टकृत ॥ ३० ॥
उत्तिमीरुगवक्त्री उभयनिपद्म
रुविष्टयं येगमभुमीरुप्रलन
भंवात्तपदये उभयेगेरभपद्म
रमेष्टयः ॥ मीरुगवक्त्री उभय
सुक्तयं भुम्भुत्तिरुनयेगवृ
वभिर्तिः ॥ रनं रभं यणुस्र
भुष्टयभुपसुलवभ ॥ अदिंभ
भहभरेष्टभुगः मन्तिरुननुं
पैसुनभ ॥ रयक्रुतेभुनेलवं
भह्वंहीरगपलभ ॥ ३॥ उत्तः
दभह्वतिः मे रभह्वदेनठिभ









卷之六

हृगुंउलेणगमभयउपितभा
यस्रभभियस्रयेउकुलेविद्धि
भभकभ॥गभविमृमकुडनि
ठरयभृदभेणभ॥पुपुभिमे
पणीःभवःभेभेकुडरभकुडः॥
मदवैस्रनरेकुडपुलिनंमदभा
मिउः॥पुपुपनभभायकुःप
मभृउंमकुचिठभ॥०५॥भवभृ
मदंमभिविविधुभउःभुतिः
स्रभपेदनंम॥वैमैस्रभचैरद
भववैवैमकुडकुडविमैवम
दभा॥०५॥कुविभोपुदधेलेके

दृति॥१॥मगीरंयदवप्रतिव
 स्रपुङ्गुभतीसुगः॥गदीद्वैत
 निभंयतिवयुजैरुनिवमय
 उ॥३॥मेरुंमद्रुःभ्यजनंमर
 भनं॥भैवम॥मणिभूयभ
 नस्रयंविषयत्रपभैवते॥७
 उङ्गुभतुंभित्तवपिकुल्लनंवागु
 त्रित्तम॥विभ्रुल्लनंरपसु
 त्रिपसुत्रिह्नमद्रुधः॥१०॥
 यत्तेयेगिनस्रनंरपसुत्रु
 वभित्तम॥यत्तेपुल्लतद्रुनेनै
 नंरपसुत्रुमेतमः॥१०॥यदमि

रु.
 गी.
 १५

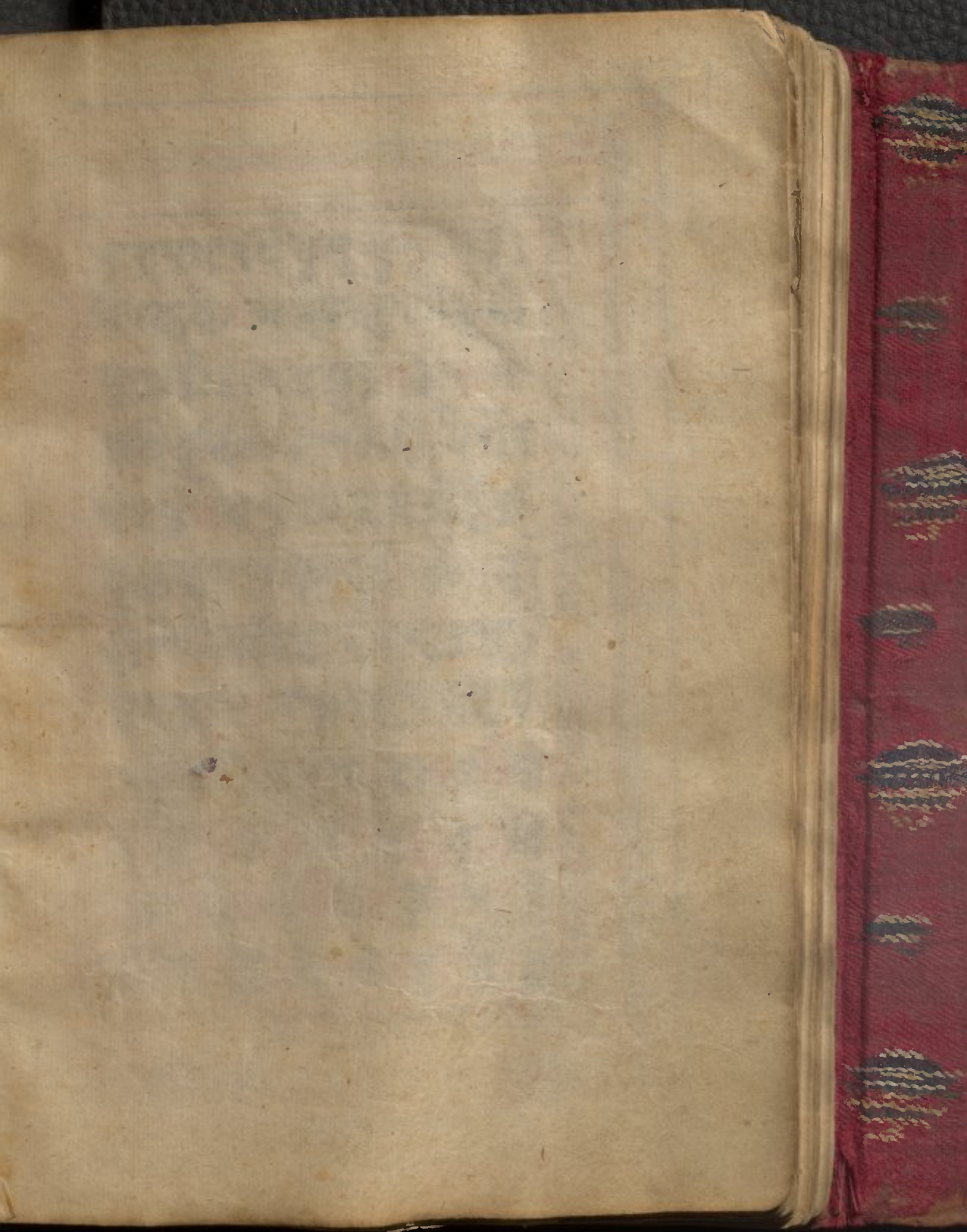
उवृयभिज्ञतननिवतुतिरुयः
उमेवमहंपुनधंपुपट्टेयतः
पट्टतिःपुमउपुगली॥२॥नि
मनमेदलितमहमेधचष्ट
निधुविनिवतुकभः॥३॥कुः
विभुतःभापतःपमंल्लेनम
वृभुतःपमभवयंतत॥५॥न
उहभयतभदेनममकेनपव
कः॥यज्ञद्वननिवतुतेउहभप
गभंभभ॥७॥भमेवंमेणीवले
कणीवहृतःभनतनः॥भनःप
धुनीद्वियलिपुटतिभुनिक

१५३
 श्रीकृष्णवन्दनम् ॥ उच्चप्रल
 भणः सापमसुक्तं प्ररुगवृष
 भ ॥ सुक्तं भियभृपलुनियभं
 वेमभवेमविता ॥ १ ॥ अणुसुवे
 पभउभृमसापगु ॥ प्रकृ
 विषयप्रदलः ॥ अणुसुप्रल
 तुभभउतनिकमउरुनीनिभ
 उधुलेके ॥ ३ ॥ नरुपभभृदउषे
 पलकृउतनेनमरुिउमभं
 प्रउिधु ॥ असुक्तं भनं भुविउरु
 भुलभभङ्गमभृ ॥ सुक्तं ॥ सु
 दु ॥ ३ ॥ उतः पमं उरुगिभाजि

क.
 गी.
 भ

भनपभनयेभुलुभुलेभिडु
रिपदयेः॥भचरभुपरिटुगी
गुलुडीतःभउसुते॥३५॥भं
सयेवृठिसरं॥ठडियेगेन
मेवते॥भगुलुभुभडीहैत
वृलुभुयवकलुते॥३६॥वृ
लुलेदिपुडिपुदभभउभु
वृयभुम॥मसुतभुठमभुभ
पभुंकडिकभुम॥३७॥उडिनी
ठगवलीतभुपमिपडुवृलुवि
दुयंयेगमभुवीदधुलनभंवरं
पु॥इयविठगेभमसुतमेवयः

156



154





कैलिङ्गैभीनु७नेउनडीउरुव
 डिपठे॥ किभमरः कषंमैउं
 भीनु७नडिदुउ॥ १०॥ सीठ
 गव७वम॥ प्रकंमपुव
 डिंमभेदभेदमपुव॥ नहु
 धिभंपुवडुनिनिकडुनिक
 द्वाडि॥ ११॥ उरुभीनवमभीने
 गुलेदेनविमलुउ॥ गु७व
 उउउट्टवयेवडिपुडिनेडुउ॥
 १२॥ भभरुःपभापःभुभुःभ
 भलेपुमकलनः॥ उनुपिय
 पियेठीरभुनिरुडुभंभुडिः

म.
 गी.
 १२

गणभेलेकवम॥ प्रभाभे
देउभभेकवतेहूनभेवम॥०
१॥ उहंगसुतिमहुभुभहे
तिधुतिगणभाः॥ लपहुगु
लदुतिभुभहेगसुतिउभ
भाः॥ ०३॥ नहुगुल्लहःकहु
गंयमहुधुनपसुति॥ गुल्ल
हसुपगंवेतिभहुवंभेठिग
सुति॥ ०७॥ गुल्लनहुनडीह
डीहदेदेदभभहुव'न॥ ल
मभहुल्लग'दःपिचिभुकेभउ
भसुते॥ ३०॥ सुल्लनउद'म॥

प्रभादेभेदपदम॥ उभभृत्
 निरयत्रेविकुङ्कुमनमन
 ०३॥ यमभृत्पुष्पकुङ्कुम
 यंयतिदेदकुङ्कुम॥ उमेउभ
 विमंलेकनभलान्द्रिपद
 उ॥ ०४॥ गणभिपुलवंगदक
 मभद्रिपुलवउ॥ उषापुली
 नभुभभिप्रमयेनिपुलवउ॥
 ०५॥ कदम्बःभृत्पुष्पःभ
 द्विकंनिमलंढलभा॥ गणभभु
 ढलंढःपभलनंउभभःढ
 लभा॥ ०६॥ भद्रुद्रुलवउलनं

म.
 गी.
 १५

रउ॥३॥भङ्गुभापेभल्लयति॥र
णःकदल्लिठरउ॥सुनभकडु
उउभःपूभमेभल्लयडुउ॥७॥
रणभुभसुकिरुयभङ्गुठवति
ठरउ॥रणःभङ्गुउभसुवउभः
भङ्गुरणभुव॥०॥भवसुरेप
मेदेभिदुकमउपलयउ॥
सुनयमउमविदुडिठङ्गु
भङ्गुभिदुउ॥००॥नेरुःप्रकडि
रणभुःकदउभमभःभद॥
रणभुउनिलयउविठङ्गुठरउ
दरु॥०३॥मप्रकमेप्रकडिसु

गीणप्रमःपित॥८॥भङ्गुणमु
भङ्गिगुःप्रतिभभुवः॥
निरप्रतिभदरदेदेदेदि
नभवृयभ॥५॥उभङ्गुनिम
तद्वृकमकभनभयभ॥भु
पभङ्गेनरप्रतिहृनभङ्गेनम
न५॥०॥रलेगगद्वकंदिहि
इष्टमङ्गमभुवृयभ॥उत्रि
प्रतिकेतेयकमभङ्गेनदेदि
नभ॥१॥उभभुहृनएंदिहि
भेदनंभचदेदिनभ॥प्रभ
मलभुनिमृकिभुत्रिप्रतिह

ह.
गी.
१८

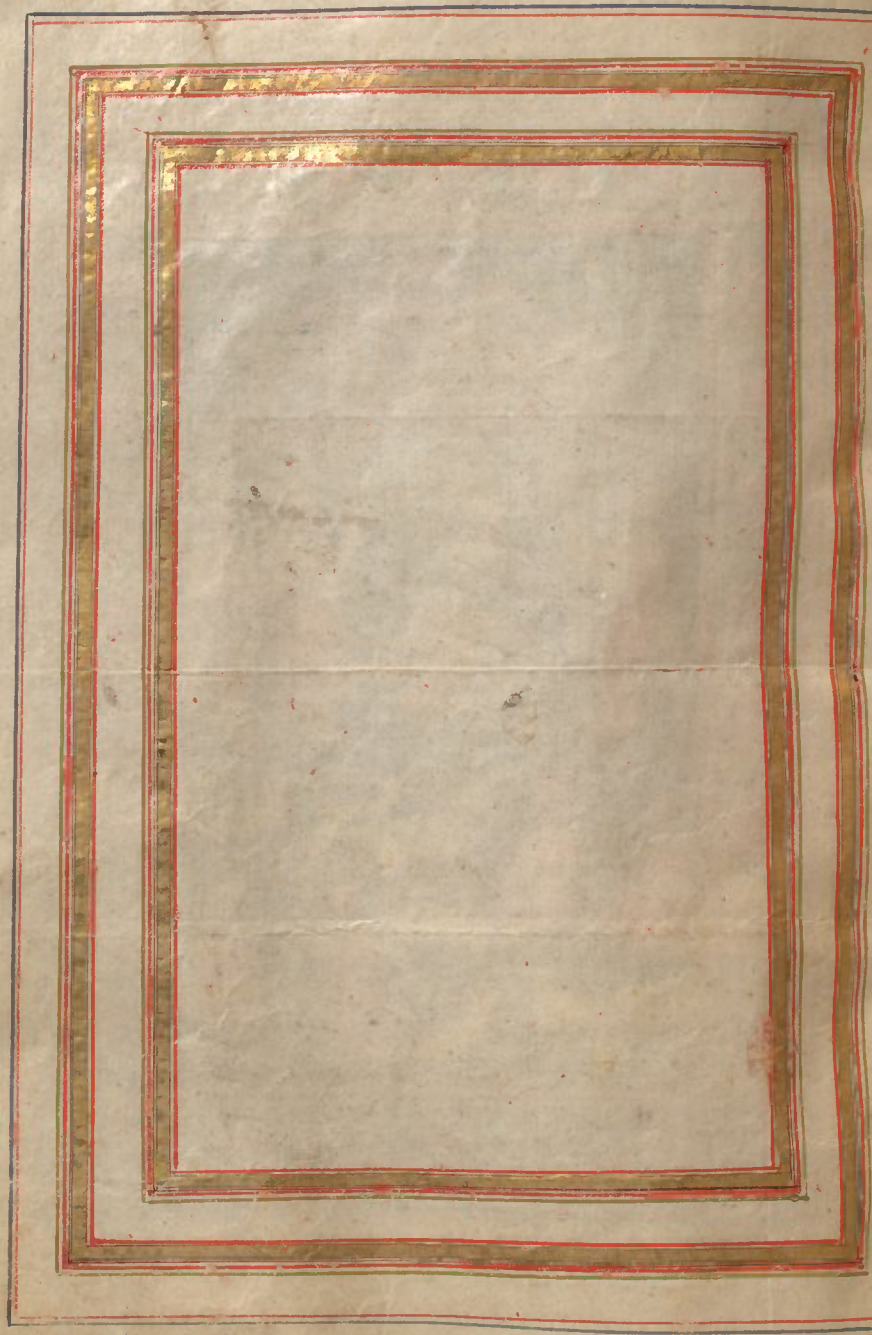
विमीलप्रलूनहृन्मः॥मीलग
वनवम॥ परंक्रयःप्रवहभि
लूननंलूनभुतमभा॥यहृद
भनयःमचेपरंभिक्षिभिउगे
तः॥उमंलूनभुपमिहृमभभा
ठमृभागतः॥मज्ञेपिनेपल
यतेप्रनयेनवृषत्रिम॥३॥म
भयेनिमदसूक्तमिज्ञंरु
ठभृदभा॥मभूवःमचक्रुतनं
उतेकवतिठरत॥३॥मचये
निधुकेतेयभुतुयःमभूवति
यः॥उमंवृक्तमदहेनिरदं

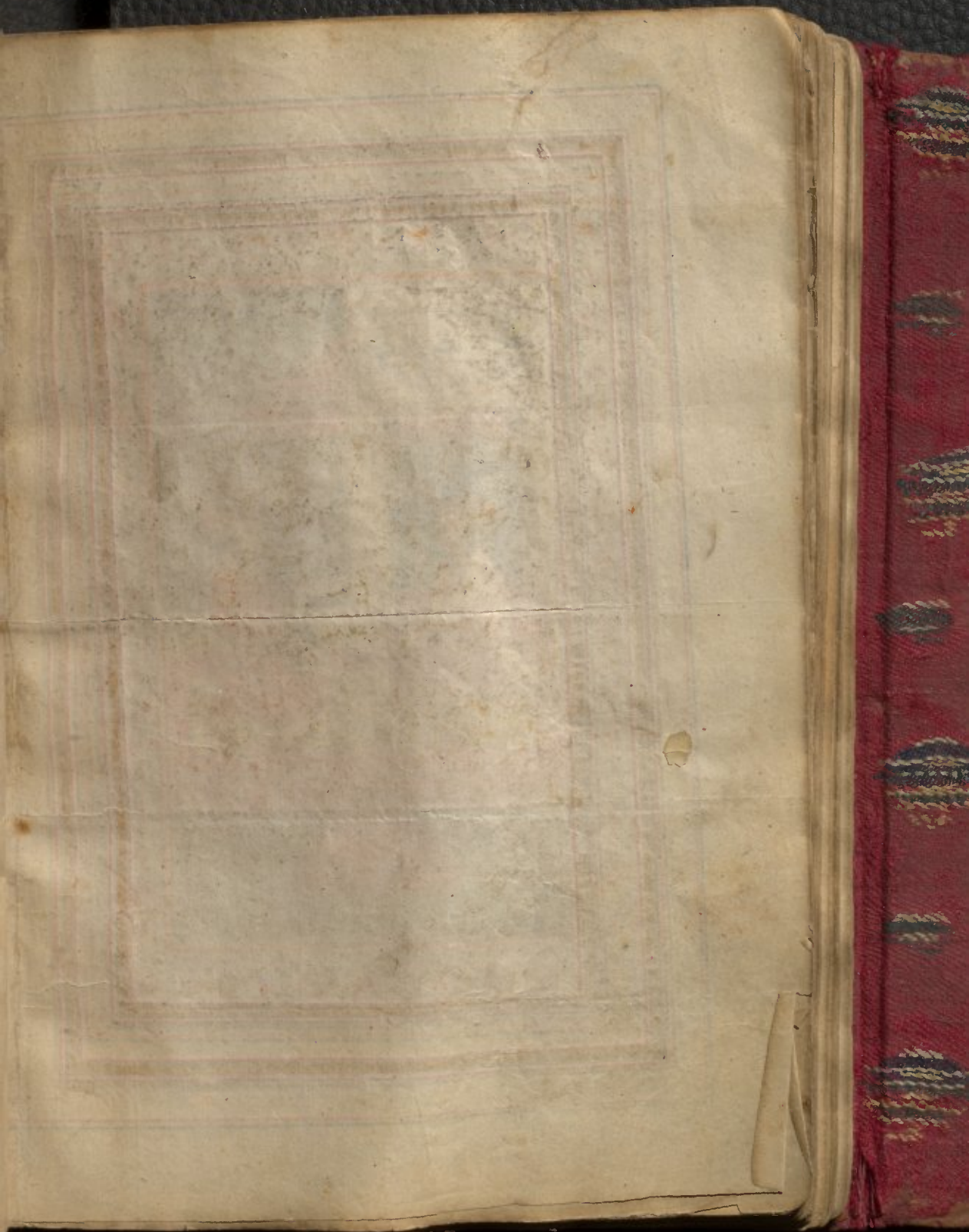
16

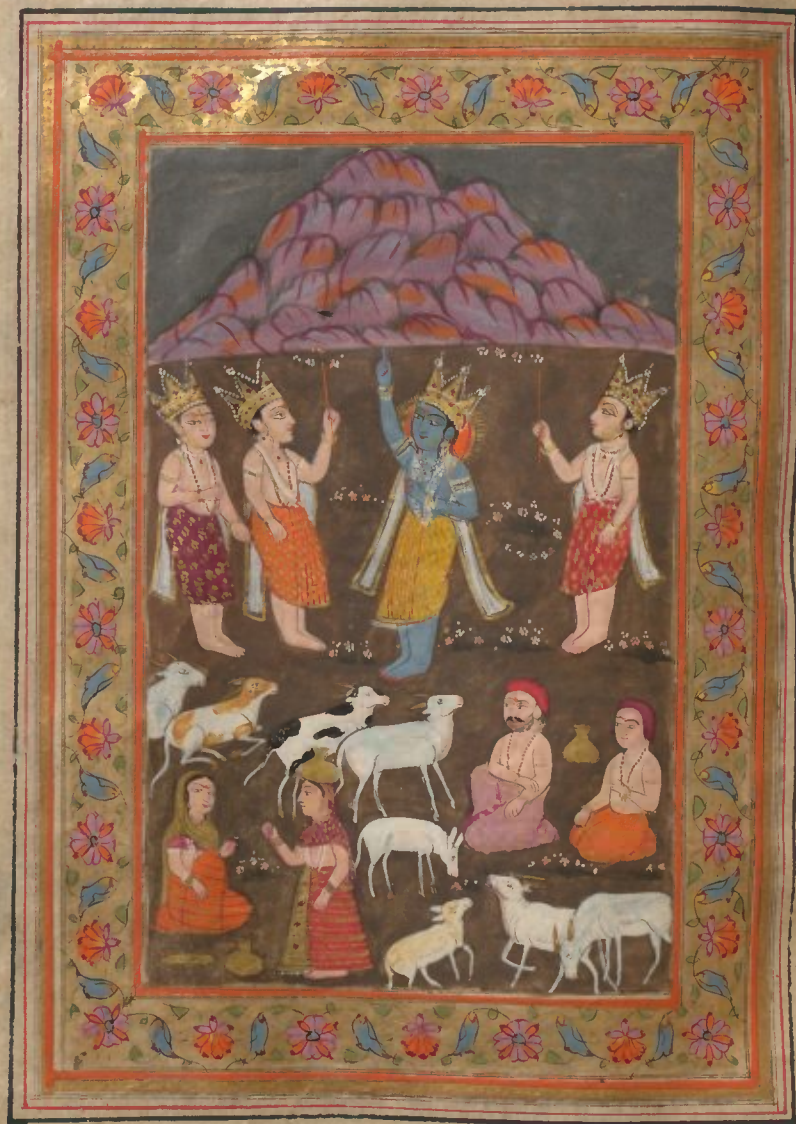




162









क्लृप्तक संनेपलिपुते॥ भव
 इव भिउते देउषाद्नेपलिपु
 ते॥ ७७॥ यषाप्रक मयट्टकः
 दंष्ट्रलेकभिभंगविः॥ दंष्ट्र
 दंष्ट्रीउषादंष्ट्रप्रक मयतिठ
 रउ॥ ७८॥ दंष्ट्रदंष्ट्रल्लयेगेव
 भतुगंल्लनमद्वप॥ कुउप्रत
 तिभेदंमयेविमुदतिउपर
 भा॥ ७९॥ उतिमीठगवनीउ
 भुपनिधइद्वविमुयंवेग
 मभुमीठपुल्लनभंवादेप्रुति
 पदपयेगेभइयेमेष्टयः॥

क.
 गी.
 ७७

सृति॥३३॥मभंपसृदिमचरुम
भवभित्तभीसुग्भा॥नदिनभु
इनइनेउतेयातिपरंगतिभा॥
३७॥पुनहुवमकम्भ्रिःरिय।
भा॥निमचमः॥यःपसृतिउ
वइनभकतुंगभपसृति॥३८॥
यमरुउपषगुवमेकभुभन
पसृति॥उतावमविभुरंव
इमंपसृतेउम॥३९॥मनमि
इविनु॥इइरभाइयभवृयः
मगीरभुपिकेतेयनकगेतिन
निपृते॥४०॥यषभचगउंभे

षडभुवनेपिनभक्तयेनिलय
 उ॥३८॥ एतेन इति पसृति के
 मिह इव न भवति ॥ अहं भवति
 येनैव कर्म येनैव साधनं ॥३५॥
 अहं देव भवति ननुः स हं देव उ
 पभवे ॥ उपि साति उरु देव भ
 हं सृति पर यः ॥३६॥ याव
 इह य उकिं हि इहं भवति न
 भव ॥ इह इहं भवति न
 हि नर उह ॥३७॥ भव भव
 रु उधुति धुति पर भवति ॥ वि
 न सृति विन सृति यः प सृति भव

विदुःमीउठवपि॥ विकरं स
 गुं॥ सुवविदुःप्रदतिमभुव
 न॥३॥ कदकग॥ कद्वेदेउः
 प्रदतिमसुते॥ प्रदधःभापदः
 पनंकेकुवेदेउमसुते॥३०॥
 प्रदधःप्रदतिमेपिकुकेप्रद
 एनु॥३॥ कगं॥ गुं॥ ममेभु
 मममहेनिणमभु॥३३॥ उपद
 प्रुउमउमठउकेकुमदेसुगः
 परममेतिमपुकेदेदभिदु
 दधःपरः॥३३॥ यापववेतिप
 दधंप्रदतिंसगुलैःमद॥भव

३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वसुदेवाय नमः ॥ २ ॥
 भगवते नमः ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 अर्जुनाय नमः ॥ ६ ॥
 धर्मराजाय नमः ॥ ७ ॥
 द्रुपदाय नमः ॥ ८ ॥
 उग्रराजाय नमः ॥ ९ ॥
 शैब्याय नमः ॥ १० ॥
 कर्णाय नमः ॥ ११ ॥
 भीमार्जुनाय नमः ॥ १२ ॥
 युधिष्ठिराय नमः ॥ १३ ॥
 द्रुपदाय नमः ॥ १४ ॥
 उग्रराजाय नमः ॥ १५ ॥
 शैब्याय नमः ॥ १६ ॥
 कर्णाय नमः ॥ १७ ॥
 भीमार्जुनाय नमः ॥ १८ ॥
 युधिष्ठिराय नमः ॥ १९ ॥
 द्रुपदाय नमः ॥ २० ॥

三

ॐ स भेदिद्वभ गतिलन भं भदि ॥
०० ॥ अष्टद्वलन निद्वं उद्वलन
ऊरुचन भ ॥ अउद्वलन भिप्रेऊभ
लनं यरुतेद्वष ॥ ०३ ॥ लुयं यउद्व
वद्वभियल्लुद्वभ उभसुते ॥ अ
दिभद्वं वद्वन भउव भद्वसुते ॥
०३ ॥ भचउः पलिपं उद्वच
उदिमिरेभापभ ॥ भचउः सुति
भनेकं भचभद्वद्वतिधुति ॥ ०५
भवेद्वियगुल्लं भं भवेद्विय
दिवलिउभ ॥ अमऊं भचरुल्ल
वनितुल्लं गुल्लं केकुम ॥ ०५ ॥

मःपंभइउमैउनकडिः॥१॥
 कुंभभभेनभदिकरभमहुत
 भा॥१॥सुभनिद्वभमभुद्वभ
 दिभाद्वत्रिगलदभ॥सुमदे
 पभनेमेमंमुदभइविनिगदः
 उ॥उद्वियकुपुवैरगुभनदह
 गपवम॥एद्वभहुएगद्विद्वः
 एदेधउमचनभ॥७॥सुभक्ति
 रनकिपुङ्गःपुइमरगदमिध
 निहुंसभभमिउद्वभिधुनिधुप
 पतिपु॥०॥भयिसानहुयेगेन
 कक्तिगद्विमिमारि॥१॥दिविद्व

五

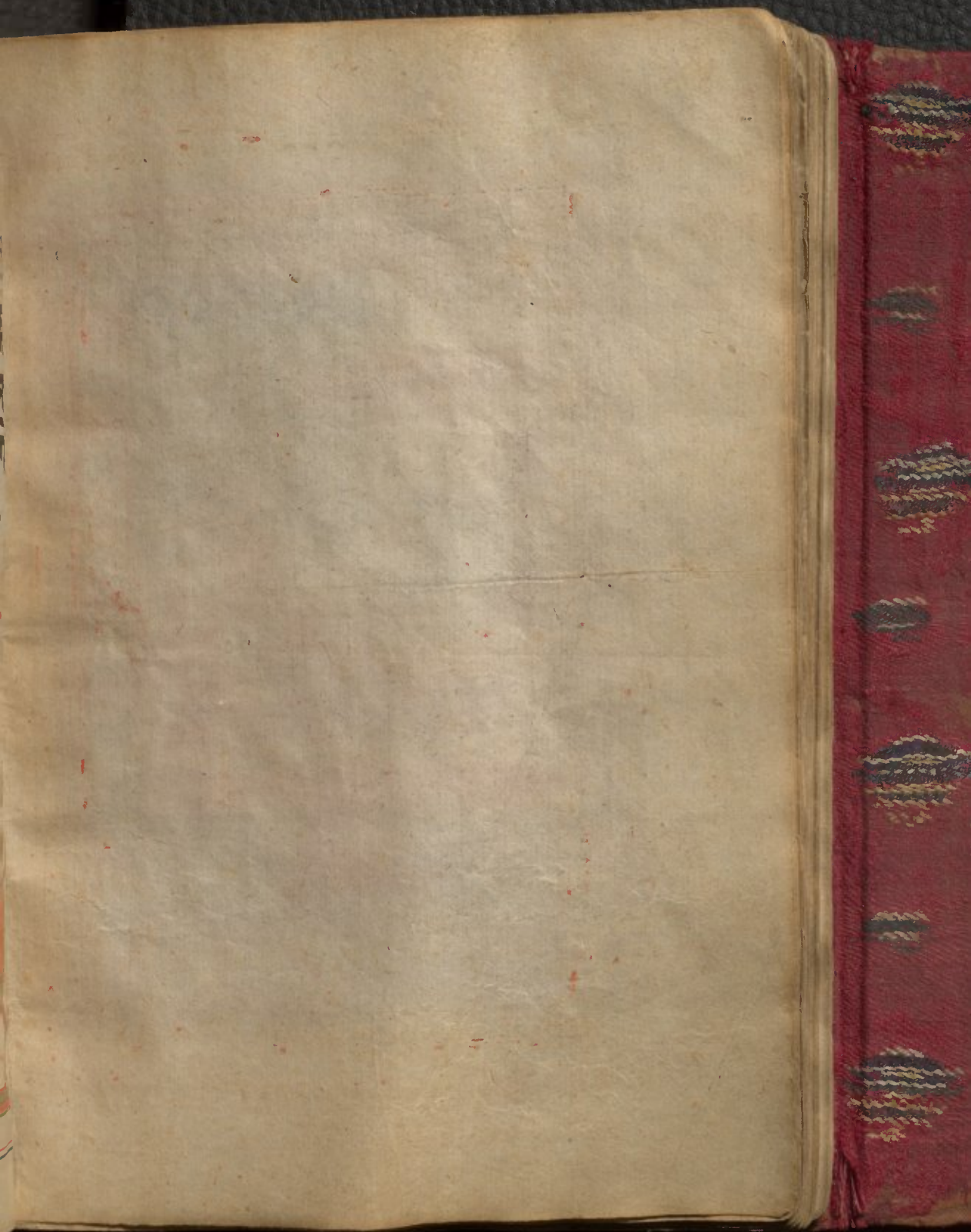
ॐ नमः शिवाय ॥ ३ ॥ कृष्णं मपिभं
 विद्विभचकैपुठगत ॥ कृष्णं
 कृष्णयेत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥
 ३ ॐ कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम
 गियत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ४ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ५ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ६ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ७ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ८ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ ९ ॥ कृष्णं
 कृष्णं यत्तुनं यत्तुनं भतं भम ॥ १० ॥ कृष्णं

168





169



भउ॥ महुण न भदु र भ कऊ भु
 डीव भे प्रियाः॥ ॐ ति मीठ ग व झी
 उ भु प नि ध डु व रु वि ह यं ये ग म
 भु मीठ धु ल न भं द मे रु क्रि ये गे
 न भ डु र मे ह यः॥ ति मीठ
 धु ल न हं न भः॥ ति मीठ न उ
 व म॥ प रु तिं प रु धं मे व द
 इं द इ लु भे व म॥ ए उ हू मि उ
 भि म्भु भि लु नं लु यं म के म व॥
 मीठ ग व नु द म॥ ॐ म गी
 रं के नु य द इ भि हू मि ली य उ॥
 ए उ हू वे डि उं प रुः द इ लु भि

क.
 गी.
 ३७

नेगउवृषः॥भचगभूपरिट
गीयेभरुङ्गःभभेप्रियः॥०६॥
येनरुप्रुडिनकुप्रिनमेमडिन
कङ्कडि॥सुनसुनपरिटगी
कङ्कभरुःभभेप्रियः॥०७॥भ
भःसङ्केमभिरुमउषभनप
भनयेः॥सीडेभुभापदःपे
धुभभःभद्रविवलितः॥०८॥
उत्तुनिकभुडिभनीभनुप्रेयेन
केनमिड॥अनिकेडःभिरभ
डिङ्कभभेप्रियेनरः॥०९॥
येउठमभउभिमंयवेङ्कपद

कृन्विमिधृते ॥ एनकमदल
 दृगभृगसुतिगनतुगभा ॥ ७३ ॥
 मसुधुभवकुडनंभैडः कन
 ॥ १०४ ॥ निमभेतिगदहृगः
 मभरुःपभुपःकभी ॥ ७४ ॥
 मनुधुःमउउंयेगीयउदु
 रुनिमयः ॥ मयुदिउभनेव
 डिदेभरुऊःमभेपियः ॥ ७५ ॥
 यभनेदिणउलेकेलेकनेदि
 णउमयः ॥ ददभरुकयेदु
 गैदुकेयःमभभेपियः ॥ ७६ ॥
 मनेपेदःसुमिदुदुउमभी

रु.
 गी.
 ७३

भविष्युं निवे सय ॥ निवभि
धृभिभयैव सतः कुचं नभं स
यः ॥ ३ ॥ अथ मित्रं भभठं न
सकैपि भविभिरभ ॥ अहं भ
वेगेन तते भभिस्तु पुणनल
य ॥ ७ ॥ अहं भपुभभते भिभ
कुपपरभेनव ॥ भभभभपि
कमलिः कुचमिद्विभवा भुभि
० ॥ अथैतदपुसकैभिकतुं
भभेगभसितः ॥ भवकमल
लहृगंततः कुचयतद्वन ॥
०० ॥ स्येदिल्लनभभभभु

भविष्यमुत्तियगभंभवत्तमभ
 वरुयः॥३॥प्रवत्तिभमेवम
 वरुत्तदिउरुतः॥४॥क्रेमेठि
 कउरमुपभवृत्तमकुमेउभा
 भा॥प्रवृत्तदिगतिमुत्तपेद
 वरुत्तवपुत्त॥५॥येउमच
 लिक्कलिभयिभंउमुभदर
 प्रवृत्तैववेगेनभंउयत्तुत्तपं
 भत्त॥६॥उपभदंमभदुत्तभ
 द्दुभंभरभगरत्त॥७॥ठवभि
 नमिरदुत्तमवृत्तैमिउमेत्त
 भाभा॥८॥मवृत्तवभनमुत्तदु

ठ.
 गी.
 ७१

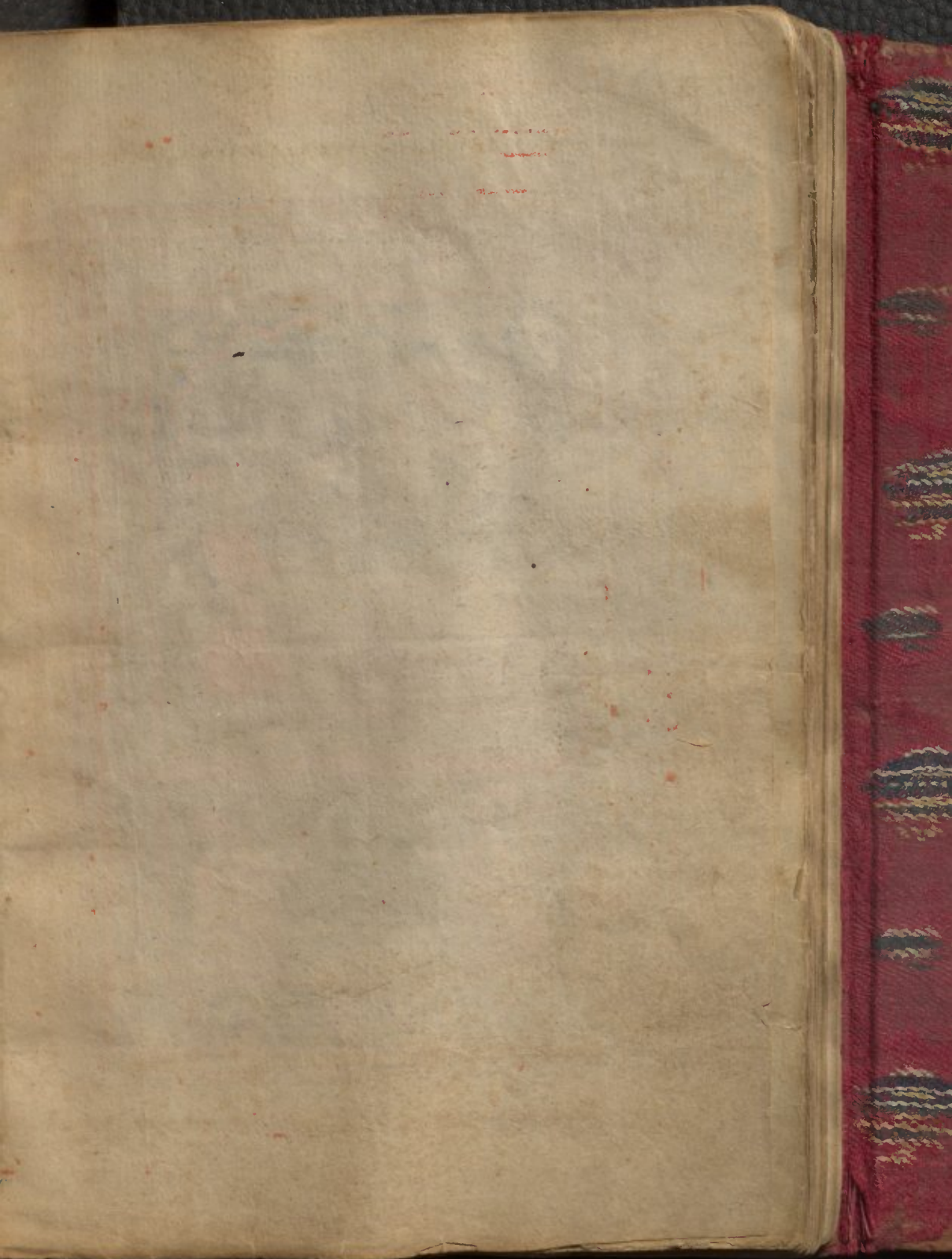
वृद्धविहृयं येगसभुमीदधुल
नभं वदे वि सु उ प म च नं न भं
क म मे ह यः ॥ यल न उ द म ॥
गि वं भ उ उ वृ क ये क क भुं प
द प भ उ ॥ ये स पृ क र भ वृ कं
उ पं के ये ग वि उ भः ॥ ० ॥ ॥
मी क ग द उ व म ॥ भ वृ वे सु
भ ने ये भं नि हृ य क उ प भ उ ॥
स रु य प र ये प उ भु मे य क उ
भ भ उः ॥ ३ ॥ ये वृ क र भ नि रं
सु भ वृ कं प द प भ उ ॥ भ व उ ग
भ मि तूं म कृ ए भु म म नं य व म

174





175



मविभुळरुवेरुपुपुपंयेरभी
रुद्रमेरुभ॥ वृपेउकीःप्रीउभनः
पनभुंउदेवभेउपभिमं५५सृ
८७॥ भंएयउवम॥ ७७ल
नंवाभुदेवभुयेरुभुकंउपंरु
नयभभरुयः॥ उसुभय
भभमकीउभेनंरुद्रपनःभ
भुवपमदरु॥ १०॥ नलरुउ
वम॥ रुपुंरंभउपंउव
भेभुंएनरुन॥ ७८मीभभि
भंरुउःभमैउःपुनडिंउतः॥
मीरुगवउवम॥ भुनरुन

गतिनं सद्गुरुभिः सुभिर्दं
 प्रुभदंतैव ॥ उतैव कुपं स
 उतुल्लेन भदभूर'देकववि सु
 भुतु ॥ ८॥ श्रीरुगव'रुदा मा
 भय'प्रभवेन उव'ल्लेनं कुपं
 पंगमचिउभ'द्वेग'उ ॥ उले
 भयंवि सुभनतुभ'दुंयने इम
 तेन नरु प्रुप्रवभा ॥ नवेमव
 ल्लुष्टयने इम'ने इम'रि'य'कि
 नउपेकिदुगैः ॥ एवेकुपः स
 रुम'दं'रि'ने'के'रु'प्रु'इ'म'ते'न'उ
 दप्रुवीर ॥ ८३ ॥ भ'उ'वृ'ष'भा

रु.
 गी.
 ५

भिलेकभृगग'गरभृदुभभृ५
एषुगुरुनगीयान॥ नदुभेभृ
कृठिकः ऊडेलेकउयेपृपृठि
भपूठव॥ ८३॥ उभृदुभृ५
लिठयकयंप्रभरुवेदुभद
भीमभीरुभ॥ पिउवपृउभृ
भापेवभापृः प्रियः प्रियभृ
दभिरुवभेरुभ॥ ८४॥ अरु
प्रचंद्रपिउभिर्भृपूठयेनम
प्रवृषिउंभनेम॥ उरुवभेरु
मयरुवउपंप्रभीरुवेस
एगत्रिवभ॥ ८५॥ किरीटिनं

भेनभमु॥३७॥नमःपुरभुम
 षपधुउमुनभेमुउभचउपव
 भच॥चननुवीदभितविभ
 भुंभचंभभप्रेषितउभेचः॥
 ८॥भापेतिभद्वपुभठंयदुं
 देरुधुदेयमवदेभापेति॥
 सुएनताभदिभानंउवेमंभ
 यापुभमरुदुयनवधि॥८०
 यस्तवदभजुभमहुतेभिवि
 दग्मष्टभनठेएनेधु॥एके
 षवपुसुउउभकंउभय
 द्भदभपुमेयभ॥८३॥धित

न.
 गी.
 २८

मेरुवतिभवेनभभृतिमभिरु
मद्यः॥३॥कभसुतेनभभभ
ददृजगीयभेवृरुलेपुमिकते
अनतुमेवेमएगत्रिवभद्वभ
द्वरंभभभतुद्वरंयत॥३॥द्व
भभिरुवःपुरुषःपुरुषःभुभ
भुविभभुपगंनिठनभ॥वेतु
भिवेदुंमपंमठभद्वयतुं
विभभनतुप॥३॥वायुदभे
प्रिवरुःममद्वःपुरुपति
भुंप्रपितभदसु॥नभेनभभु
भुभदभदद्वःपुनसुक्रवेपिन

वृभामिन॥३३॥ दे० कीधुंम
 एषद्वयं सकलं तव वृत्तं
 निकवीरन॥ भयदं भुं
 दिभट्टिधुं वृत्तं भुं
 लभयद्वन॥३४॥ भ० द्युतव
 म॥ एतद्भुं वमनं कं सवभु
 ततल्लनिवैपभनः किरीटी॥
 नभभुं वृत्तं एव दनं भुं
 न्नं कीतकीतः पू० भु॥३५॥
 वृत्तं न० व० म॥ भुं न० धीकं
 सतवपुकीटु० एगद्वृत्तं
 न० एत० म॥ र० भिनीतनिमि

विष्णु॥३॥ सुष्टुदिभेकेरुवत
गुरुपेनभेभुतेदेवगपुभीरु
विष्णुभिष्णुभिष्णुवतुभसुनदि
पुनभिउवपुवतिभ॥३०॥
मीरुगवतुवम॥ कलेभि
नेककयनरुवकुलेकमभ
दनुभिदपुवतुः॥८॥ उपिदुन
रुविष्टुभिचैवेवभिउः५॥
नीकेपुयेण॥३१॥ उभदुभति
पुयमेतनुभुणिदुमरुकुदु
गणुभभदुभ॥ भवेवैतेनिद
उप्रचमेवनिभिउभइरुवभ

शुक्तिउरुभङ्गेः॥३१॥यषान
 मीनंरदवेधुवेगःभभुभुवे
 किभाप'रुवति॥उष'उव'भीन
 रलेकवीर'विमतिवकु'ट'कि
 विष्णुनति॥३२॥यष'पूमीपुं
 ननंपउ'विमतिन'म'यभ
 भुवेगः॥उष'व'न'म'यवि
 मति'लेक'भुव'पि'व'कु'लि'भ
 भुवेगः॥३३॥लेनिह'भ'ग
 भ'भ'नःभ'भ'तु'लेक'भ'भ'ग
 रु'नै'ल'न'दिः॥उ'ले'कि'र'प'ट'ण
 ग'भ'भ'ग'भ'भ'वेगःप'उ'प'ति

ठ.
 गी.
 ३३

भिमभंसविष्टे ॥ ३८ ॥ मंभूका
 ननिमउभापनिमृष्टवकन
 नलभत्रिठनि ॥ मिमेनएनेन
 नठेमममृभीरुमेवेमण
 त्रिवभ ॥ ३९ ॥ मभीमडंयउ
 रधुभृपुः मचेमदेववनि
 पालमडैः ॥ कीष्टेष्टैः भुउ
 पुः भुषभेभदभृसीयैर
 पियेठभृष्टैः ॥ ४० ॥ वकुलि
 उद्वगभा विमत्रि मंभूका
 ननिठयनकनि ॥ केमिडि
 नगममनतुगधुभृमृउ

त्रिदं भुक्तिः प्रपुल्लतिः ॥ १० ॥
 ननु मिदं वभवे ये सभाष्ट वि
 सुसिने भनत सुधुपा सु ॥ ग
 रुचयदा भगभिदू मझदीह
 त्रुदं विभिद सुवभवे ॥ ११ ॥ तु
 पंभद उर रुवकुने इं भदरदे
 रुतर रुपा मभ ॥ रुद्रमंर
 रुमं पुकर लं रुधुलेकः प्रवृ
 षिद भुषदभ ॥ १२ ॥ नरः भु
 संमी पुभनेक वलं वृड ननेमी
 पुविमलने इभ ॥ रुधुदिदं
 प्रवृषिद त्रुग दृष्टिं न विदु

न.
 गी.

यः स सुउठरु गेपु भनउरभु
पुरुपेभउंभे॥०३॥ अरमिभए
उभनउवीदभनउरुं ससिभ
दनेउंभ॥ पसुभिमीपुहुतम
वहुंभउंभविभुभिदंउपउ
भ॥०७॥ हृवापुविहृगिभ
उगंदिहृपुंहुयैकेनमिससुभ
वः॥ रुधुहुतंहुपभगुंउवमं
नेकउयंपवृषिउंभदहुन॥३॥
अभीदिदं भुगभहुविमउिके
मिहृीतः पूल्लनयेग॥३॥ भु
भीहुहुभददिभिहुभहुभुव

पृष्ठमिदं भुवनेवदेभ
 चं भुवनेवदेभ भुवनेवदेभ ॥ वृ
 द्भूमी संकभलभनभुभुधी
 सुभचउरगं सुमिदुन ॥ ०५
 सुनेकठद्रुगवद्रुनें पृष्ठ
 मिदं भवतेननुभुभु ॥ ननु
 नभट्टं नपुनभुवमिं पृष्ठमि
 विमुसुगविमुद्रुपभ ॥ ०६ कि
 गिदिनंगमिनेमद्रुनें मद्रुने
 रमिं भवतेमीपुिभनुभ ॥ ०७
 द्रुभद्रुपं पंभवेमिदं द्रुभभु
 विमुभुपं निठनभ ॥ द्रुभवृ

क.
 गी.
 ५.

पृष्ठमिदं द्रुगिमीदं भभनुद्वीप
 नलकद्रुमिभमवभ

भुगणं मिहृमके गङ्गा नलेप
नम॥ भव सुद भयं देव भनतुं
विभुते भपम॥००॥ मिहृभ
दभदभभुनवेदु गपदुतिउ
यमिठः भनृमी भभुनृमः
उभुभददृनः॥०१॥ उतेकभुं
एगङ्गां पुविठङ्गाभनृकण॥
अपसुदुवदेवभुमरीरिप॥
वभुन॥०३॥ उतः भविभुय
विभुहृपुगेभभनल्लयः॥ ५
भुमिरभदेवदुतल्लिर
कपड॥०८॥ सुलनउवम॥

एगहुं पृष्टुममममम॥
 मममेदेगुकेमयसुष्टु
 भिसुभि॥१॥ नतुमंमहुमेरु
 धूमनेनैवभुमदुध॥ सिवुंरु
 मभिउमदुःपसुमेवेगमैसु
 म॥३॥ मल्लयउवम॥ एव
 भुहुउतेगएदयेगेसुरेद
 रिः॥ मज्जयममपहुयपर
 मंयेगमैसुम॥७॥ अनेक
 वहुनयनभनेकहुउमज्जनं॥
 अनेकसिवुकरं॥ सिवुनेके
 हुउयुठम॥१०॥ सिवुमल्ल

क.
 गी.
 १७

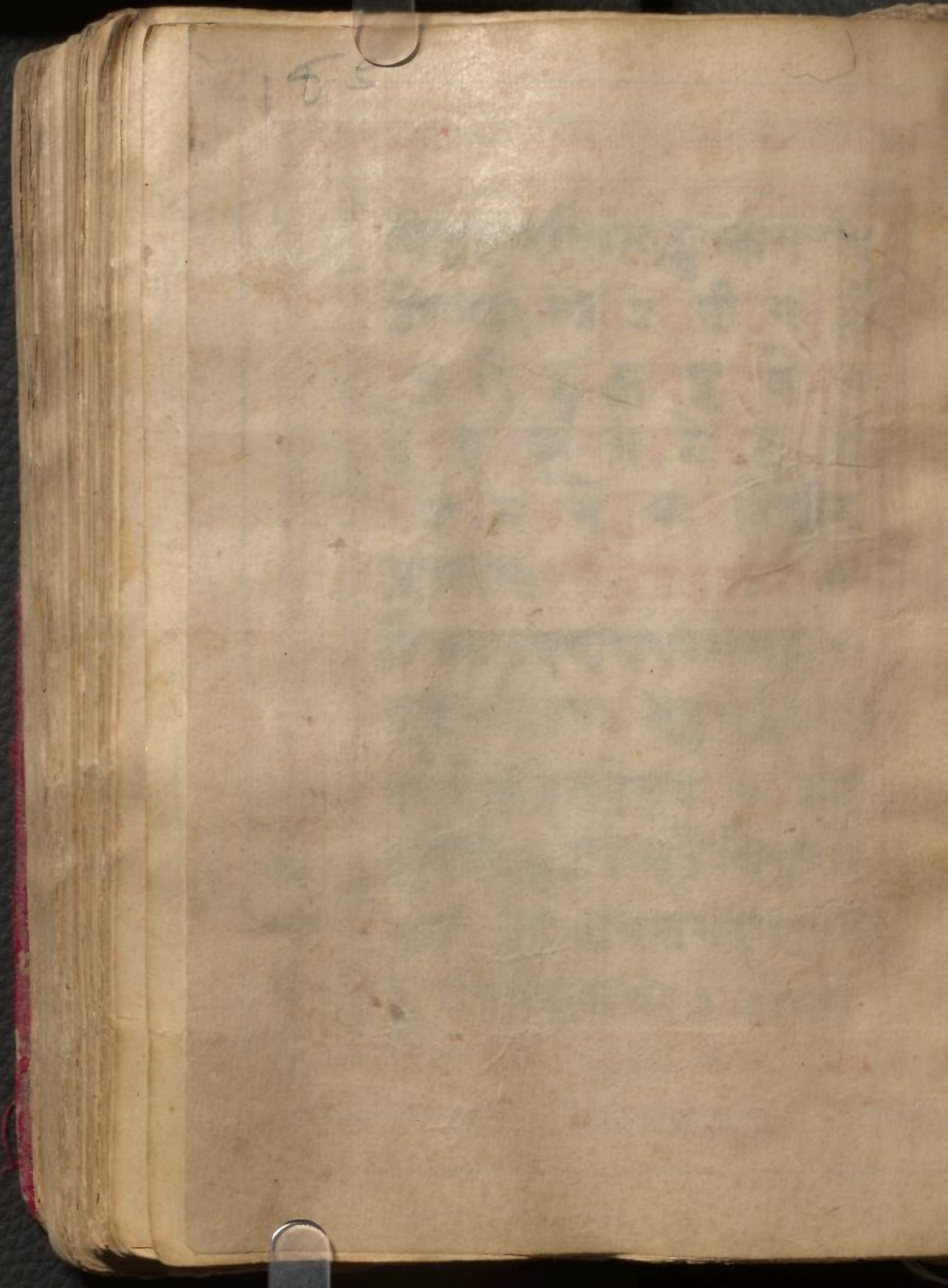
उदृष्य कृद्वभङ्गं न पश्येत् सुरा ॥
दुष्पुमिदं दुष्पुमैः सुरां पुरुषेभ्यः
३॥ भवतु मे यमिदं सुकृतं भव
दुष्पुमिदि पुरे ॥ येन सुरा उदमे
दं न च यद्भनमवृथभा ॥ ८ ॥
मीनगवत्तु यम ॥ त्रिपुमै
पादुपुलि सतमे यमदभ
मः ॥ न न विठनिमिदुनिन
वल्लरुतीनिम ॥ ५ ॥ पमुमि
दृष्टुमृदुनसिनेभरुतमु
ष ॥ वदुदुधुप्रवलि पमु
सुदलि नरुत ॥ ७ ॥ उदकभु

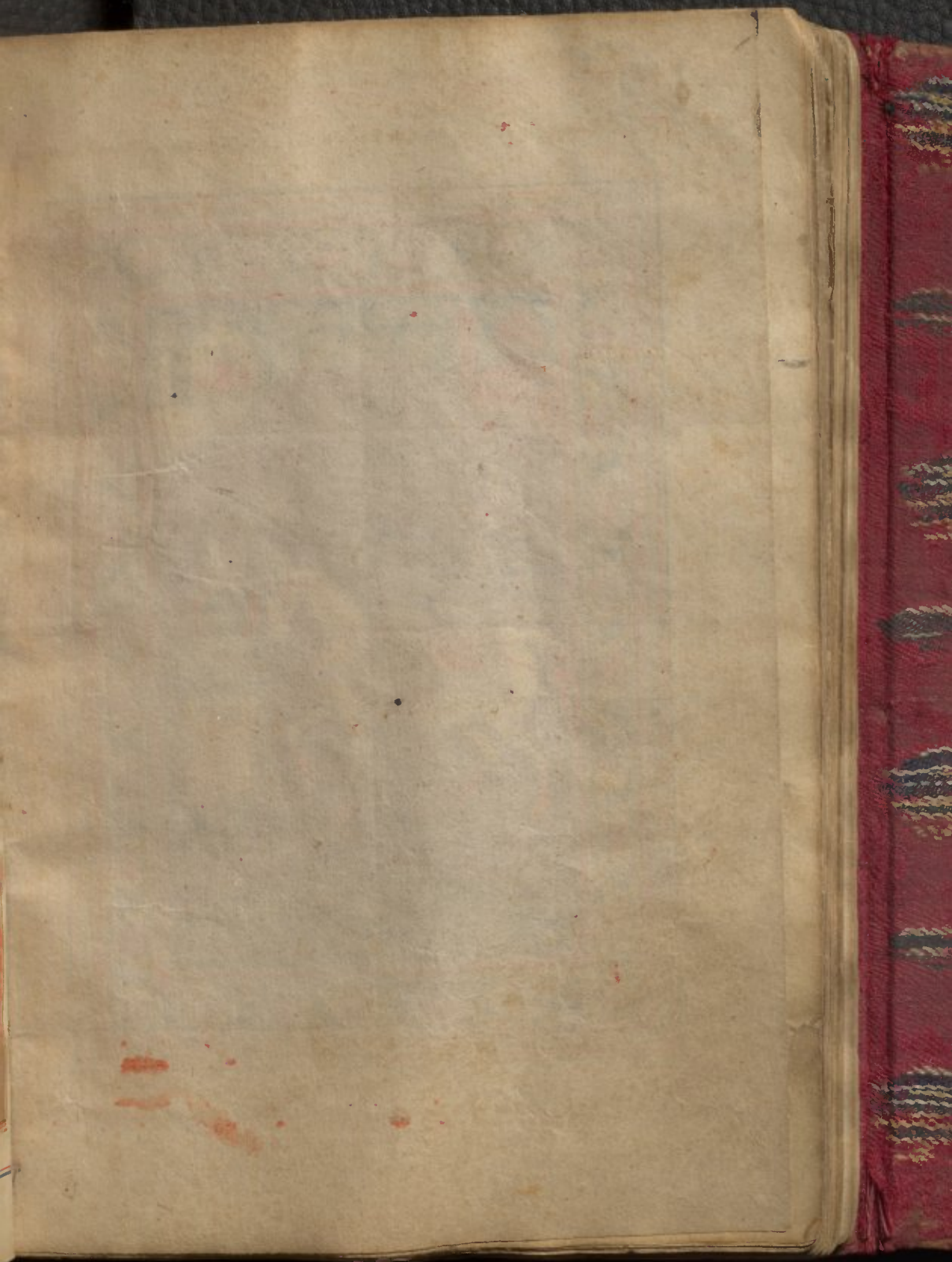
184





185





विभ्रुहृदभिर्दंष्ट्रमेकं मेनभि
उल्लगता॥८३॥ॐ तिमीठगवज्ञी
उभुपनिषद्भूविहृयंयेगम
मुमीठपुल्लनभंवरैविकुडिये
गेनभरुमभेष्टयः॥ तिमीठ
पुयनभः॥ पुल्लनउवम॥॥॥॥
तिभरुगुदयपरभंगुहभः
ष्टुभंष्टितभ॥ यद्वयेजंवरभु
नभेदेयंविगतेभभ॥०॥ कव
पृयेदिहृतांमूडेविभुगमे
भय॥ इतःकभलपडूदभद
इभपिसवृयभ॥३॥ एवमे

ठ
गा
१३

नीतिगभिनिगीधताम॥भेनं
नैवभिगुहंनं॥लुनंलुनवताम
दम॥३३॥यस्यपिभचक्रुत
नंगीलंतदभलन॥नतुभि
विनयदुचयक्रुतंमरमरम॥
३७॥नतेभिभममिदुनंविदु
तीनंपरतुप॥अथक्रुतमतःपे
क्रुविदुतेविभुगेभय॥८०॥य
दुदुक्रुतिभदुदंसीभदुलिउम
वव॥उतुदुववगसुदंभम
उलेसभभुवम॥८३॥अथव
ठरुनेक्रुनकिंलुनंनतवतुन॥

कविपुत्रभा॥ कीर्तिः श्रीचक्र
 नीलं भुवि द्रष्टव्यः कर्म॥ ३
 २॥ कदम्बमन्त्रभाषं गायत्री
 सुतमभदभा॥ भाषा नं भन
 सीदेदभुनं कर्मभकरः॥
 ३५ सुतं सुतयत्तमभिर्त्तः
 उत्तमि नभदभा॥ एवेभिर्द्व
 भावेभिर्भुनं भुवत्तमदभा॥
 ३७॥ कर्त्तुं वभुवेदं पा
 दव नं ठनयः॥ भनीनभ
 पुदं वभः कवीनभुमनः क
 विः॥ ३७॥ कर्त्तुं वभयत्तमभि

पद्मसुभिरेहं कलः कल
यत्तमदम ॥ भगं मभजेदं
वैतयेय सुपदि ॥ ३॥ पव
नः पवत्तमभिः रभः मभुत्तम
दम ॥ रभं मभुत्तमभिः
मभभिः एहवी ॥ ३० ॥ भज ॥ ३॥
मिः रभुत्तमं मभुत्तमं मभुत्तमं
एहविः मभुत्तमं मभुत्तमं
उत्तमदम ॥ ३३ ॥ मभुत्तमं मभुत्तमं
मभुत्तमं मभुत्तमं मभुत्तमं
मभुत्तमं मभुत्तमं मभुत्तमं
३३ मभुत्तमं मभुत्तमं मभुत्तमं

वृद्धीं यनगदः॥ गनुवं
मिडगवः भिडू नं कपिलेभनिः
३०॥ उच्चैः नवभभसु नं वि
डिभभभ उडूवभ॥ तिरवउं
गलेडू नं नगं यनगति
पभ॥ ३१॥ सुयुठ नभदं वणं
ठेउ नभभिक भसक॥ ३२॥
पणन सुभिक नदः भयं
भभिव भुकिः॥ ३३॥ चनउ
सुभिन गनं वदलेयाद
भभदभ॥ पिडू नं भदभ
मभियभः भंयभउ भदभ॥

ठ.
शी.
१०

सुभिः कृतं न भभिः सेतन ॥ ७
७ ॥ नरुं स नर सुभिः वि
कुमेय दार दभभ ॥ वभुनं
पवक सुभिः भेदः मिप रि
भदभ ॥ ७३ ॥ परिष्ठभं स
भांभं विद्विपं कृदभदति
भ ॥ भेन नीन भदं भुक्तः भर
भभभिः भगरः ॥ ७४ ॥ भद
दीं कृगुगदं गिरभभुक्त
भदभ ॥ यल्लुनं लपयल्लु
भिभुवरं दिभल यः ॥
७५ ॥ नसुक्तः भवदकां उं

श्रीकृष्णाय नमः ॥ दत्तुं
 कथयिषुमिहिवृद्धविक्र
 तयः ॥ भूषणैः कुरुमेधुन
 भुजैर्विभुग्भुमे ॥ १७ ॥ अद
 भं गुरुकेसभचक्रुडमय
 भितः ॥ अदभमिस्त्रभष्टम
 क्रुडनभजुगवम ॥ १८ ॥ सुदि
 दनभदंविष्णुलेडिधंगविं
 सुभान ॥ भरीमिदुदभभि
 नदुडुभदंसमी ॥ १९ ॥ वे
 दनंभभवेदेभिदेवनभ
 भिवभवः ॥ उद्विद्यंभन

क.
 गी.
 १५

भुयमेव द्वा द्वानंवे रुद्रं
धेउभ॥ रुद्रं वन रुद्रं स
वदेव लग रुद्रं ॥ ०५ ॥ वक्रुभ
दभृमेधे ॥ मिष्टुह रुद्रं विरु
उयः ॥ यठि विरुद्रिठि ले
कनिभं भुंष्टुष्टुभि ॥ ०६
कषं विष्टुभं दं ये गिं भुंभ
परिमिनुयन ॥ केष केष
रुद्रं पुमिनुमिनुगवदुय
०७ ॥ विष्टुमे ॥ रुद्रं ये गं विरु
डिं गलन रुद्रं ॥ रुद्रः कषय
रुद्रिदिम रुद्रं न भिमेभउभ

भुपयत्रिते॥०॥ उपमेवत्रक
 भद्रभद्रभद्रनण्डभः॥ नम
 यभृद्रुवभृद्रुनीपेनठभ
 त॥००॥ नलनउवा॥ परं
 वृद्रपरंठभपवित्रं परभंठव
 न॥ परधंसा सुतं दिवृभदि
 मेवभणंविठुभ॥०१॥ सुद्रभृ
 भधयः भवेदेवदि नरभृष
 अभितेदेवलेवृभः भृयंमेव
 वृवेधिमे॥०२॥ भवेमेतद्रुतंभ
 त्रुवमं वमभिकेमव॥ नदिउ
 रुगवत्रुजिंविद्रुदेव नमनवः

क.
 सी
 १८

व॥ म॥ व॥ न॥ म॥ ल॥ य॥ ध॥ ने
क॥ म॥ पू॥ ल॥ ॥ ॥ ल॥ वि॥ कु॥ ति॥
ये॥ ग॥ म॥ म॥ ये॥ वे॥ ति॥ उ॥ वृ॥ तः॥ मे
वि॥ क॥ न॥ ये॥ ग॥ न॥ य॥ ए॥ त॥ र॥ इ॥ म॥ स॥
यः॥ ॥ ॥ प॥ दं॥ म॥ व॥ भृ॥ पू॥ न॥ वे॥ भ॥ तः॥
म॥ चं॥ पू॥ व॥ त॥ उ॥ ॥ उ॥ ति॥ म॥ वृ॥ न॥ ए॥ त॥
मं॥ वृ॥ न॥ व॥ म॥ म॥ त्रि॥ तः॥ ॥ ॥ उ॥ ॥ म॥
सि॥ तः॥ म॥ नृ॥ त॥ पू॥ ॥ उ॥ वे॥ न॥ य॥ तः॥ प॥ र॥
भृ॥ ग॥ म॥ ॥ क॥ व॥ य॥ त॥ सु॥ भं॥ नि॥ दं॥ उ॥
धृ॥ ति॥ म॥ म॥ त्रि॥ म॥ ॥ ॥ ॥ उ॥ धं॥ म॥
उ॥ त॥ य॥ जं॥ नं॥ न॥ ए॥ तं॥ प्री॥ ति॥ प्र॥ च॥ क॥
म॥ ॥ न॥ न॥ भि॥ वृ॥ द्वि॥ ये॥ गं॥ तं॥ ये॥ न॥ म॥

गगलपुनवचमदद्यः॥ सु
दभमिदिदेवनंभददींम
भवमः॥३॥ येभभणभनमिम
वेडिलेकभदसुरभ॥ सुभंभु
ठःभभट्टपुमचपपैःपुभसृ
उ॥३॥ वडिह्लुनभभंभेदःदभः
भट्टंमभःसभः॥ सुपंरुःपंठ
वेठवेठयंमठयभेवम॥२॥
अदिंभभभडडुधुभुपेनं
यमेवमः॥ ठवडिठवकुड
नंभडुपवपयगिठः॥५॥ भ
दद्यःभपुप्रचेमडुगिभनवभु

ठ.
गी.
१३

पिंलेकभिभंप्रपुनएभुभभा॥

ॐ॥ भद्रनठवभद्रुकेभद्रुली

भंनभभुद्र॥ भभेवैधृभिवृक्के

वभद्रुनभद्रुगयः॥ ३८ ॥

ॐ॥ श्रीठगवल्लीउभृषिधद्रुव

द्रुविहृयंयेगमभृमीदध्रुल्ल

भंनभभुद्र॥ भभेवैधृभिवृक्के

वभद्रुनभद्रुगयः॥ ३९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

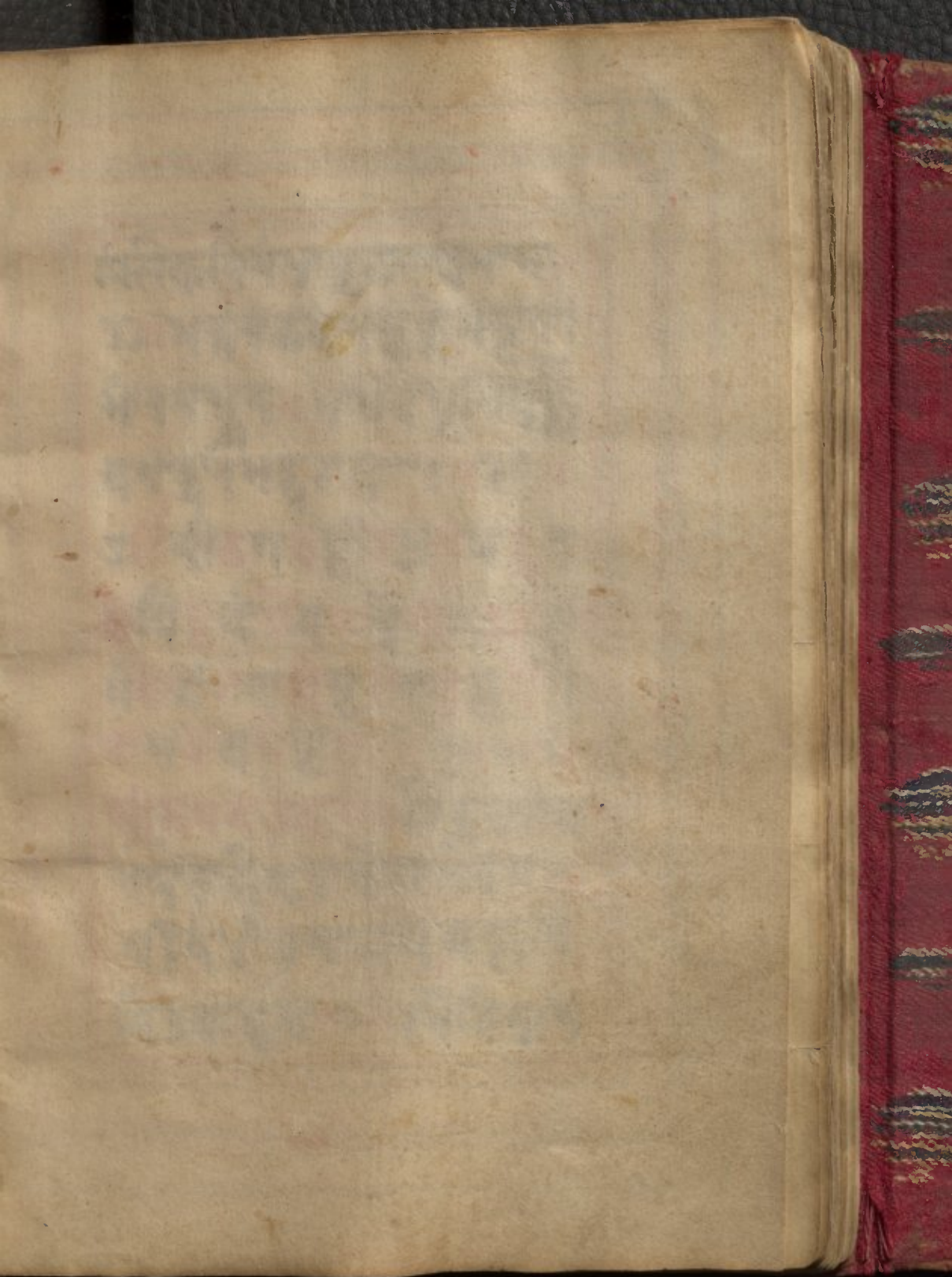
श्रीठगवल्लीउभृषिधद्रुव

द्रुविहृयंयेगमभृमीदध्रुल्ल

भंनभभुद्र॥ भभेवैधृभिवृक्के

वभद्रुनभद्रुगयः॥ ४० ॥ नभेविहृःभ

192



197





ककुभायिउउधुमापृदभा॥३७॥
मपिमिदुदुगमरेकणउमभ,
नतृकक॥भापुरेवमभतृदः
मभृगुवभिउदिमः॥३॥दि
पुंरुवतिठदुदुमसुसुतिनि
गसुति॥केतेयपुतिरनीदि
नभेरुऊःपुसुति॥३०॥भं
दिपगवृपमिदुवैपिभुःप
पयेनयः॥भियेवैसुभुष
सुदुभुपियतिपगंगतिभा
३३॥किंपनवृदुःपुदुठ
ऊगणदुयभुष॥मनिदुभभ

ठ.
गी.
३३

यत्रिकुत्तृयत्रिमृत्तिने
पिभाम॥३५॥ पत्रंप्रदत्तं
उयंयेभक्तुप्रयसुति॥ उर
दंरक्तुप्रदत्तंभामिप्रयत्त
इतः॥३६॥ यत्रुगिधियरुमि
यल्लदेधिरुमिप्रयत्त॥ यत्रु
पभुमिक्तेत्तुयत्तुप्रयत्त
॥३७॥ सुक्तुसुक्तुलैरुव
मेक्तुमेक्तुप्रयत्तः॥ भंरुभये
गयत्तुद्विभक्तुभामिप्रयत्त
३३॥ भमेदंभचक्रुत्तुप्रयत्त
प्रेभिनप्रियः॥ यैरुत्तुत्तुभं

द्मभत्रपुपत्रगडगडंकभक
 भालनतु॥१०॥मनतुःमिनुय
 नुभंयेणनःपदुपभतु॥उपं
 निटकिवुऊनंयेगळेभंवदभ
 दभ॥११॥येपुतुमेवडकऊ
 यणतुसदुयत्रितः॥उपिभ
 भवकेतुययणतुविठिप्रच
 कभ॥१२॥मदंदिभचयल
 नंकेऊमपूकुरेदम॥नतुभ
 भठिलनत्रितुनतःसुवत्रि
 उ॥१३॥यात्रिमेववुडमेवभ
 पिडुतुत्रिपिडुवुडः॥कुरनि

ठ.
 गी.
 १०

कीनिवभः सरं मुहुत ॥ ५
कवः पूतयभुनं निठनं रीण
भवयभ ॥ ०३ ॥ उपभुदभदं
वदं निगुलुमुदुलभिस ॥ सु
भउं मेवभदुसुभरुभसुद
भलन ॥ ०७ ॥ ईविदुभं मेभ
पाप्रउपापायल्लेगिधुभुन
तिंप्रऊयते ॥ उपटभं भदु
भउं मुलेकभप्रतिमिदुवि
देवलेगन ॥ १० ॥ उउं कुकुभु
नलेकं विमलेदीपुदुभ
दुलेकं विमति ॥ एवं इयीठ

भउउंकीउयउंभं यउउस्ररु
 वः॥ नभभृउस्रभं नकुनिह
 वृउउपाभउं॥०८॥ सुनयल्ले
 नसापुहृयणउंभंभपाभउं॥
 एकहृनपं वहृनरहृणविस्व
 उभापभा॥०५॥ सुदंरुउरदं
 वल्लः सुणदभदमेपठभा॥
 भउेदभदमेवणभदभगिर
 दंरुउभा॥०७॥ पित्तदभभृण
 गउंभउठउपित्तभदः॥ व
 हृपविउमेहृभभृणभभ
 पवम॥०१॥ गउिहृउपुठभ

क.
 गी.
 म.

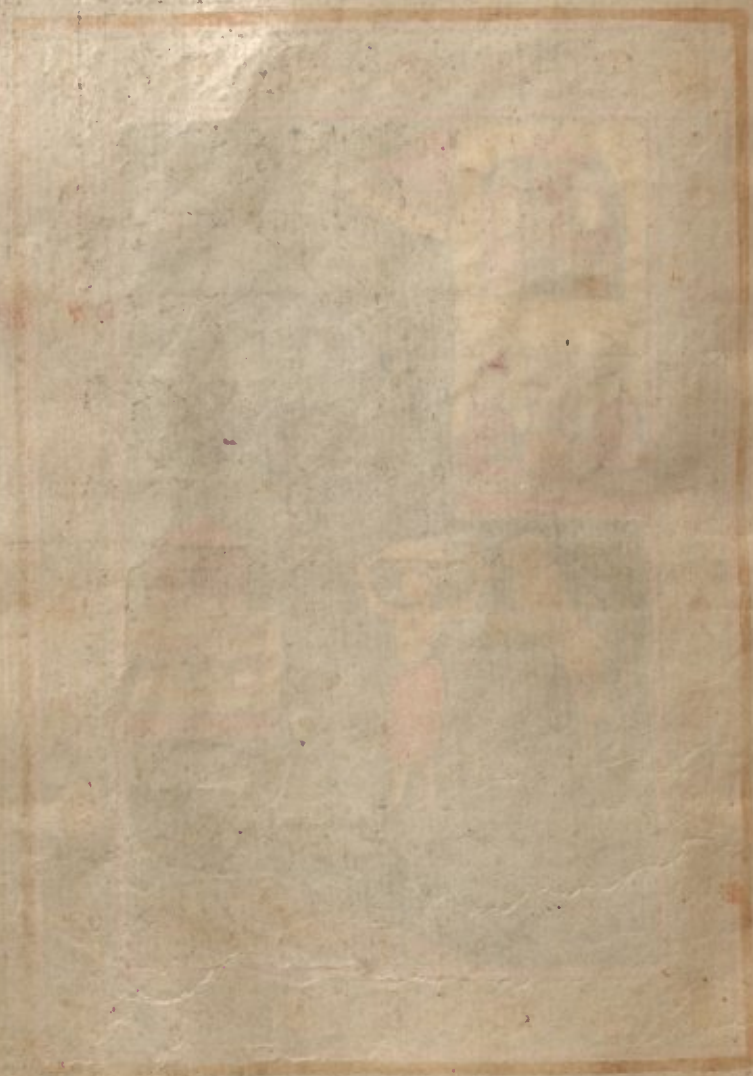
भक्तुं उपकर्म ॥ ७ ॥ भयं हृदं
पूततिः प्रयत्नं मरु मरु ॥
देवता न के तु यत्न गति पति
तु ॥ ० ॥ यद एतत्ति भं भुक्तं
भक्तुं धीतु म मिता ॥ परं क
वम एतत्ति म भक्तु म देव म
०० ॥ मे पाम मे पकर्म मे
प एतत्ति विमिता ॥ रक्तु मी म
भुंती मे व पूततिं मे दिनी मिताः
०३ ॥ भक्तु न भुं प कर्म देवी प
तति म मिताः ॥ कृतु न तु म मे
हृद कृतु मि भक्तु म ॥ ०३ ॥

भुमभद्रकृतनवनः॥ यथा
 कसमिडेनिहंवायुभुचरगे
 भदन॥ उवाभवलि कृतनि
 भद्रनीटुपठाय॥ ७॥ भव
 कृतनिकेतुयप्रतडिंयत्रिभ
 भकीभ॥ कलद्वयेपुनभुनि
 कलद्वयेविभएभुदभ॥ १॥
 पुनडिंभभवभूविभएभि
 पुनःपुनः॥ कृतगृभिमभन
 उभवसंपुनउवसाउ॥ उ॥ न
 सभंउनिकद्वलिनिरप्रतिठ
 नल्लय॥ उमभीनदमभीनभ

रु.
 गी.
 २७

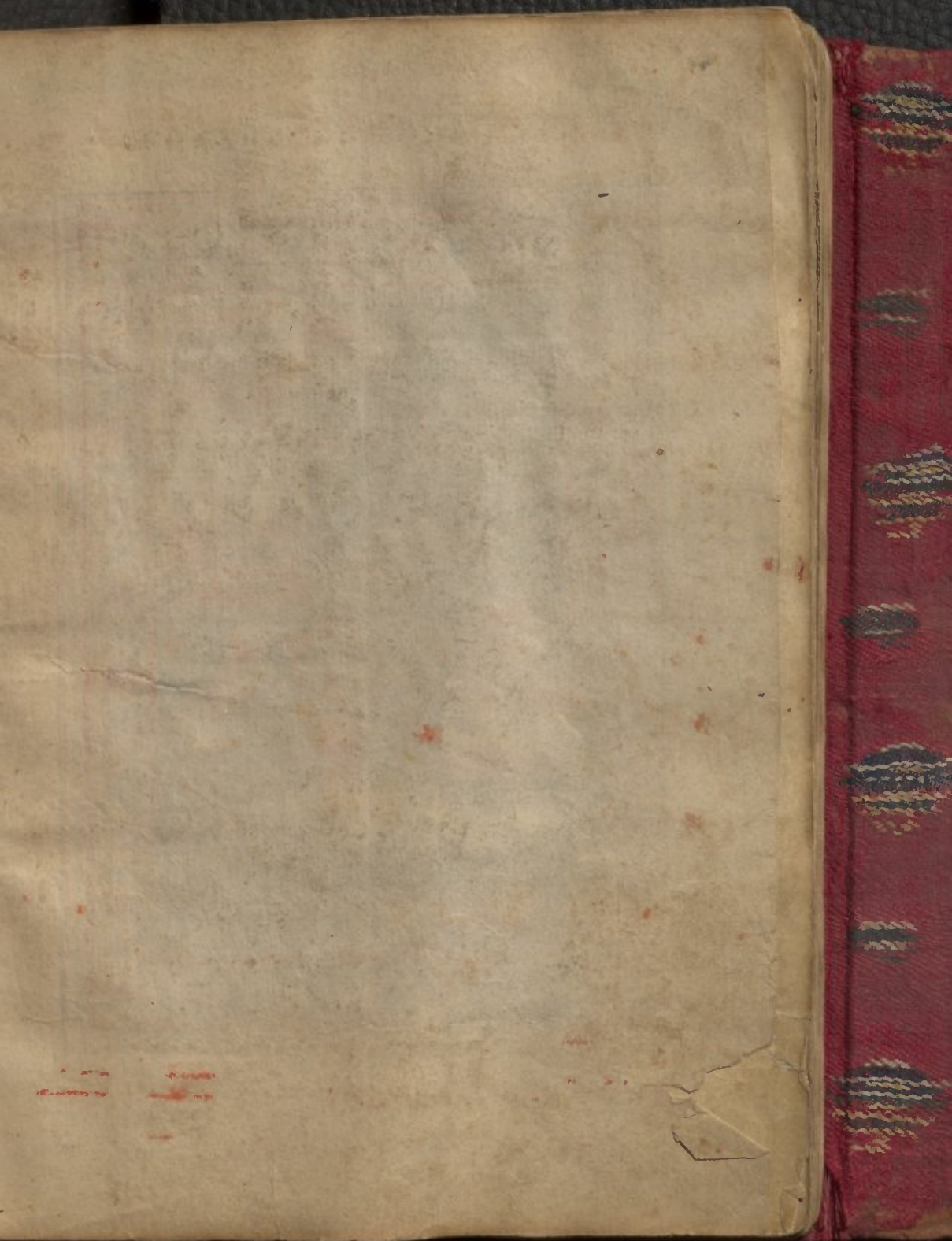
सुनंविस्तनभदिउंयसुदभेद
भेसुनउं॥०॥गणविदुगण
गुहंपविदुभिन्भुतभभ॥५
इदवगभंठंभुभपंकउभ
वृयभ॥३॥सुसुठनःपुन
धठंभुभुपगुप॥सुध
पुभंनिवतुतेभदुभंभगव
नि॥३॥भयउंभिन्भचं
गरुवृऊभुतिन॥भदुनिभच
ऊतनिनसादंउंपुवभितः॥
८॥नमभदुनिकुतनिपसुभ
येगभैसुगभ॥ऊतकृनमऊत

1.98





199



सुन॥ उभयं चैष कलेषु वेग
 यजेत वलन॥ ३१॥ वेदेषु यज्ञे
 पुत्रपुत्रस्यैव नैष यदुष्ट
 कलंप्रसिद्धम्॥ अष्टौति उभय
 भिमं विमिद्वये गीपं भुनभ
 पैतिम हृम॥ ३३॥ ७ डिमीठ
 गवन्नी उभयपनिषद्वक्त्रविद्व
 यं येन मभुमीठपुल्लनभं व
 र्मभदपदपयेगेन मभुमेष्ट
 यः॥॥ मीठपुल्लनहं नभः॥
 मीठगवन्नाम॥ सिद्धं मुकु
 तुह्युभयं वदन् भुनभयवे॥

ठ.
 गी.
 २३

वयेगिनः॥५॥य'ड'य'त्रि'उंक
लंब'दू'भि'र'उ'दू'॥११॥च
गिले'डि'र'दः'सु'क्तः'ध'म'भ'उ
उ'र'य'भ'॥उ'र'ध'य'ड'ग'सू
त्रि'व'रू'व'रू'वि'मि'ल'नः॥१२॥
पु'मे'र'रि'भु'य'र'धुः'ध'म'भ'
म'दि'य'न'भ'॥उ'र'म'रू'भ'
भ'भं'ह'दे'गी'प'पु'नि'व'रू'उ'॥१५॥
सु'क्त'र'धु'ग'डी'ह'उ'ल'ग'उः'म'
सु'उ'भ'उ'॥ए'क'य'य'रू'न'व'डि
भ'रू'य'व'रू'उ'पु'नः॥१७॥नै'उ'
भ'डी'प'रू'ए'न'रू'गी'भ'रू'डि'क

भावयं क्रुद्धं क्रुद्धं प्रलीयते
 गृहं गमेव सः पात्रं प्रकवटद
 गगमे ॥ ०७ ॥ परमुभ्युत्तुवे
 देवृजेवृज्जनतनत ॥ यः भ
 भवेपुक्रुते पुनसृष्टनविनसृ
 ति ॥ ३० ॥ सवृजेकारः इज्जुभ
 नः परभंगतिभ ॥ यंपुपुन
 निवतुते उक्रुभपरभंभभ ॥ ३०
 पुरुषः मपरः पात्रं कृत्तुलकृ
 भुनट्टय ॥ यष्टुतः भुनिकृत्त
 नियेनभचभिसेततभ ॥ ३३ ॥
 यइकालेवनकृतिभकृतिंसे

क.
 गी.
 २१

भभपेटुपनलद्रुःपानय
भमसुडभा॥नधुवतिभद
द्रुनःभंभिद्रिंपरभंगडः॥०१
सुवद्रुद्रुवनलेकःपुनरव
तिनेलन॥भभपेटुउकेतेव
पुनलद्रुनविद्रुते॥०२॥भद
भयुगपदतुभददद्रुद्रुले
विद्रुः॥गद्रियुगभदभुतुते
देगद्रिविमेणनः॥०३॥सुवृ
ऊद्रुऊयःभवःपुठवतुदग
गभे॥गद्रुगभपुलीयतेउई
ववृऊभंल्लके॥०४॥द्रुतगभः

त्रियहृतयेवीउरगः॥यदि
 कृतेवृद्धमदंमगतिउतुपमं
 मङ्गदे॥पुवहु॥००॥भवहु
 गलिभंयभुभनेहृदिनिरुह
 म॥भुवृणयद्वनःपु॥भभु
 उयेगठर॥भा॥०३॥तिमि
 हृकदंरुद्धवृदग्मभन
 भग्न॥यःपुवडिहृणनेदं
 भयडिपरभंगडिभा॥०३॥
 मरुतुमेतःभउतंयेभंभग्
 डिनिरुमः॥उभुदंभुनरुप
 रुनिरुयुक्तभुयेगिनः॥०५॥

क.
 गी.
 ३

नृमयेगयुक्तेनमैतभनृ
गभिन॥परभंपुनपंमिहं
यातिपाऊरुमिनुवन॥३॥
कविंपुनभनसभितरभ
निरणीयंभभनभृरुः॥भच
णउरभमिनुपुभमिहृव
लंतभभःपरभुता॥७॥पु
यनकलेभनभमलेनरुहु
यजेयेगरलेनमैव॥कवेम
हृपुभवेसुभभृऊउपं
पुनपभपैतिमिहृभ॥१०॥य
रुहुगंवेमविमेवमनुविम

मि

सुतः॥३॥ अथि कुतं दरे नवः
पुनपसु'थि मैव उभा॥ अथि
यल्लेदमेव उमेदेमेद रुतं व
॥८॥ अथुक लेपिभा मेव भ
रु रुक लेव रभा॥ यः पू य
तिभभ रुवं यति न भु उ भं स
यः॥ ५॥ यं यं व'पि भु रु वं
हृण हृते क लेव रभा॥ उ उ मे वै
तिके ते य भ रु उ रु व रु वि
उः॥ ७॥ उ भ रु चे प क ले प
भा भ रु भ रु य हृ रु॥ भ वृ दि
उ भ ने व रु रु मे वै पू भु भं स यः

ठ.
गी.
८५

भूमीरुद्रलनभंवदेहुरविह
नयेगेनभभपुभेष्टयः॥ ॥८॥

विमीरुद्रलनभः॥ मूलन
उदम॥ किंतुद्रुकिभष्टं

किंकमप्रपेउभ॥ अठिरुतं

मकिंपेऊभठिदैवकिभसुत

०॥ अठियल्लःकषंकेइदै

भिद्रुपुभ्रमन॥ पूवकले

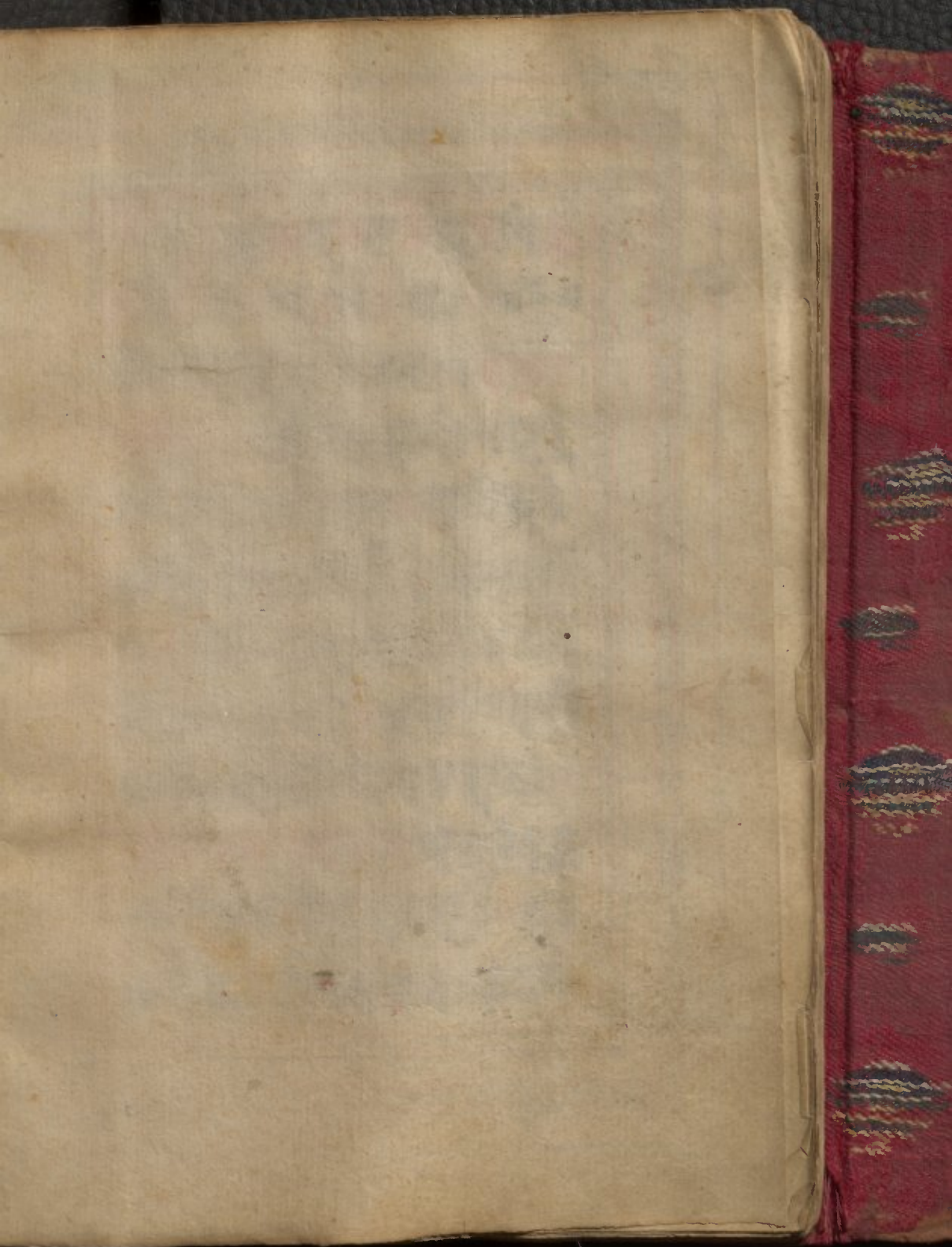
मकषंल्लेयेभिनियतद्रुतिः॥

मीरुगदउदम॥ अद्रुग्वद्रु

परभंभ्रठवेष्टुउसुत॥ रुत

ठवेद्रुवकगेविभनःकमभं

209



205





२७
 उनिभंभेदंभजेयत्रिपरुप
 ३१॥ येषंइतुगउंपापंएन
 नंपुटकम॥ उइइभे
 दनिइऊकणउंभंरुवूः
 ३३॥ एगभर॥ भेदयभाभ
 मिइयउत्रिये॥ उवूऊउहि
 रुःरुइभएइंकमपिल
 भ॥ ३७॥ भठिऊउठिइयं
 भंभठियंमयेविमः॥ प
 यनकलेपिमभंउविमदऊ
 मउभः॥ ३८॥ उडिमीरुगवल्ली
 उभुपनिधइवूइविहयंयेगम

ठ.
 गी.
 ५८

मेठभभ॥मेवमेवयलेयति
भदुजयतिभभपि॥३३॥सुवृ
कुं वृत्तिभपत्रंभट्टेभभवृ
यः॥परंठवभएनतेभभवृ
यभनतुभभ॥३४॥नदंप्रकस
भवभृयेगभयभभकउः॥
भृमेयंनठिएनडिलेकेभ
भएभवृयभ॥३५॥वेमदंभ
भडीडनिवतुभननिमालन॥
ठदिधृलिमकुडनिभंतुवेम
नकसुन॥३६॥उसुडुपभभ
ऊनसुडुमेदनठगउ॥भवकु

ॐः प्रपदुते न गणमाः ॥ भय
वापदुते न सुभुगं न वभमि
तः ॥ ०५ ॥ सतुचिठकएतेभं
एतः भुदुतिनेलन ॥ सुतेलि
लभुगं जीलनी मकरतदक ॥
०६ ॥ उधं लनी निदुयक एक
ककिचिमिधुते ॥ प्रियेदिहनि
नेदुयभदंभमभमप्रियः ॥ ०७ ॥
उमरः भवावैते लनी दूदू
वभेभतभ ॥ सुभितः भदिय
ऊदूभमेव नुतुभं गतिभ ॥
०८ ॥ रऊनं एदू न भते लनव

उभमिदं कभगगविदलितभ
 उद्विदुहेरुतेपुकेभेमिदं
 उदुन॥००॥ येमैवभद्विकन
 दगणभाभुभभासुये॥ भउ
 एवेडिउविदिनदुदेउपुडेभ
 यि॥०३॥ इकिनुभयेनवे
 किःभचमिमंणगउ॥ भैदिउं
 नकिएनडिभभैरुःपरभव
 यभ॥०३॥ देवीहृषगुभ
 यीभभभायादुगहृय॥ भभै
 दयेपुपदुतेभयभैउंउर
 त्रिउं॥०८॥ नभंरुधुडिनेभ

न.
 गी.
 २३

[illegible]

वृभवमिष्टुते ॥ ३ ॥ भवतु ॥ ॐ भ
 दभेषुकस्त्रिहृततिभिदुये ॥ य
 उतभपिभिदुनंकस्त्रिचंवेति
 उदुतः ॥ ३ ॥ कृभिगपेनलेवाय
 तंभनेवद्विरेवम ॥ अदहूरः
 डीयंभेकित्रपूततिरपुठ ॥ ५
 अपरेयभिउभुतं पूततिविदि
 भपराभ ॥ एीदकृतंभदरादे
 ययेमंठदतेणगउ ॥ ५ ॥ एउ
 हेनीनिकुतनिभवलीदुपठ
 रय ॥ अदंनदुभुणगतेः पूठ
 वः पूलवभुष ॥ ७ ॥ भवतुः पर

क.
 गी.
 म

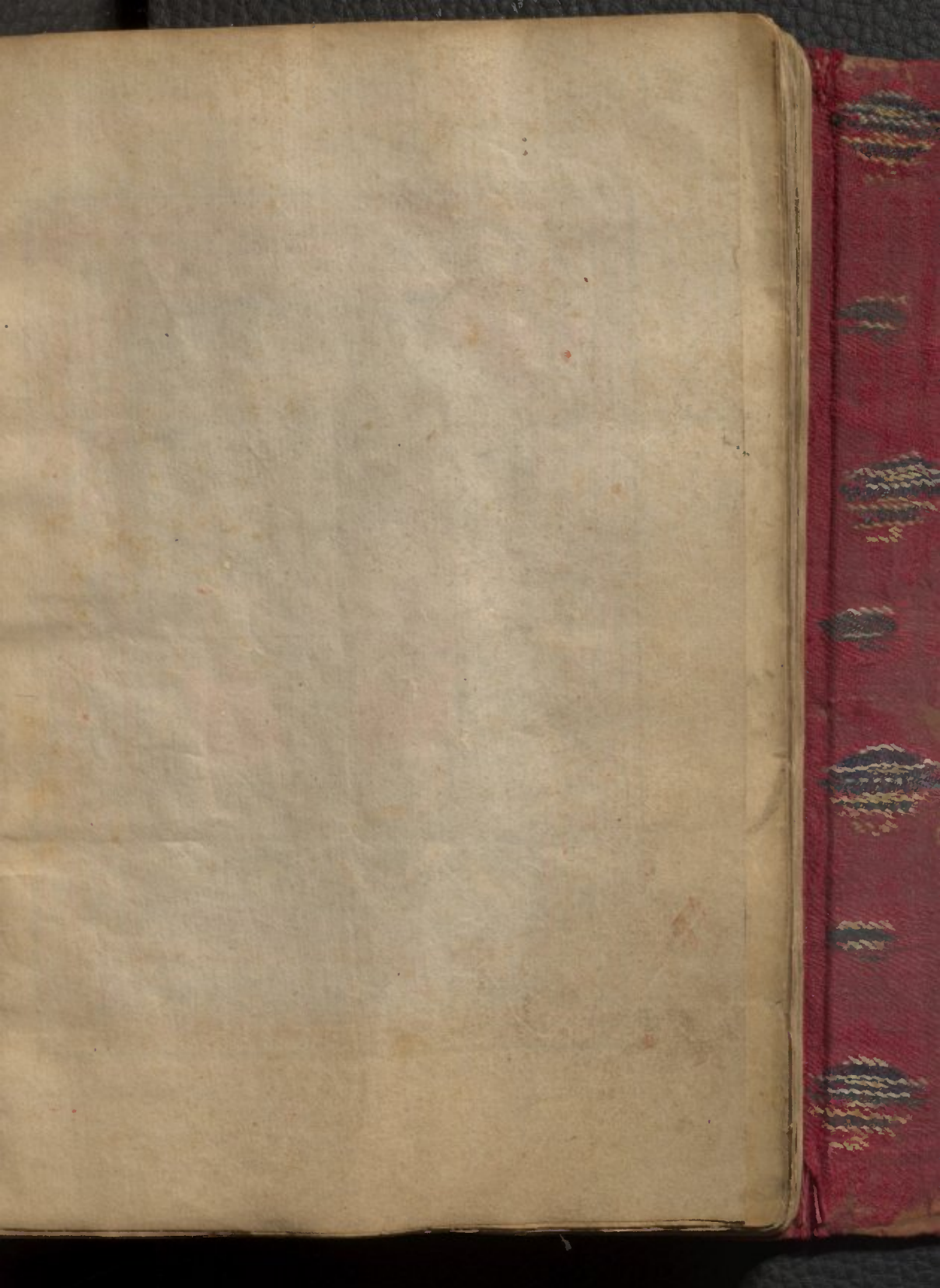
अहं गीतवत्तन ॥ ८० ॥ योगिन
भविमवेषं भक्तुतेन तु गहन ॥ स
दुवक्तुते ये भं भवेयुक्तुते भ
तः ॥ ८१ ॥ ॐ श्री गवद्गीतु
पनिषद्बुद्धिद्वयं योगसंज्ञी
दधुक्तुते भं दधुक्तुते भं यमेगे
न भं यमेगे ॥ श्री गवद्बु
त ॥ ॥ ॥ भवभक्तुतेनः पक्तुते गं
यक्तुतेनः सयः ॥ भं सयं भं
गं भं यक्तुतेनः भुक्तिमुक्तु ॥ ० ॥
दुक्तुतेनः भविदुक्तुतेनः वक्तुतेनः
सयतः ॥ यक्तुतेनः दधुक्तुतेनः

240





152



यमीरुसभा॥८३॥उउउंवहि
 भंयेगंलरुउंयेचमैदिकभा
 यउउंमउउंरुयःभंभिहूऊरु
 नरुन॥८३॥प्रचरुभनउंनैव
 हियउंरुवमेपिभः॥एह
 भुगपियेगभुसयवदुडिउव
 रुउं॥८८॥प्रयडुडुउभानमु
 येगीभंमुडुकिस्त्रिधः॥अने
 कएरुभंभिडुमुडेयडिप
 रंगडिभा॥८५॥उपभिरु
 ठिकेयेगीएनिहूपिभंउठि
 कः॥कदिहृस्त्रठिकेयेगीउ

ठ.
 गी.
 ८५

भंसयंरुमुमुतभदभुमेपः
इरुतुःभंसयभुमुमुतनरु
पपदुते॥३७॥सीठगव'रुव'
म॥प'रुनैवेदनभुइदिन'
मभुमुविदुते॥नदिक'नृ'
रुकुसिदुनति'उतगमुति॥
८॥प'पुप'रुद'लेक'रु
पिदु'म'मुतीःभभः॥मुमी
नंसीभ'उं'गेद'येग'रुपु'कि
रुव'ते॥८०॥म'ष'व'येगिन'
भेव'रुले'रुव'ति'ठी'भ'उ'भ'
रुउ'हि'रु'रु'रु'उं'ले'के'रु'म'।

मरुभेनउकेतेयवैरगृ
 मगुते॥३५॥ अभयउरुन
 येगेरुधुपऽतिभेभतिः॥
 वसुधुनउयउउमहेवपु
 भययउः॥३६॥ सुत्तनउरु
 म॥ अयतिः मरुये पेतेये
 ग सुलिउभानमः॥ अयपु
 येगभंभिद्विकंगडिंदधुग
 मुति॥३७॥ कस्त्रिरेरुयविक
 पुस्त्रिरेरुभिवनमुति॥ अ
 पुतिपुभदरादेविभरेव
 रुः॥ पयि॥३८॥ अउरु

न.
 गी.
 ३७

भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
त्वं वयं वयं वयं वयं वयं
गमे भवत्तु ॥ ३३ ॥ वत्तु भवत्तु
॥ ३३ ॥ वयं वयं वयं वयं वयं
भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
वत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु
भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु भवत्तु

दिगडकल्पः॥ भूपेन व
 द्भमंभद्वभद्वंभपमसु
 उ॥३३॥ भवकुडभुभाद्वनं
 भवकुडनिमद्वि॥ रंकुडे
 येगयुज्जद्वभवडभममच
 नः॥३७॥ येभंभपसुडिभवड
 भवंमभयिपसुडि॥ उभुदं
 नपु॥ सुभिभमभेनपु॥
 सुडि॥३॥ भवकुडभित्तये
 भंनणहकद्वभभित्तः॥ भ
 वषद्वभनेपिभयेगीभ
 यिवतुडे॥३०॥ सुद्वेपभुन

क.
 गी.
 ३३

भनमेवद्वियगभंविनिय
भृभभनुतः॥१८॥मनैःमनै
नपरमेद्विद्विगदीउय
सुदभंभंभनैःनद्वनकिद्वि
रुधिमिनुयेत॥१९॥यउये
उनिस्सुनतिभनस्सुतभ
भिरुभ॥उउभुतेनियभुत
रुद्वेववमंनयेत॥२०॥
पुमातुभनभंहुनंयेगिनंभ
पभुतुभभ॥उपैतिमातुग
एभंवरुद्वुतभकनपभ
३१॥युल्लवेवभरुद्वनंयेगी

वदुनदुनेपसुत्रदुनिउधुति
 १०॥भापभदुतिकंयउदुति
 गुदुभडीदुयभा॥वडियउ
 नमैवयंभुउसुलउउदुतः
 १०॥यंलकुमपगंलकंभतु
 उनठिकंउउः॥यभिदुतेन
 दःपेनगुरु॥पिदिमलु
 उ॥११॥उंदिदुदुःपभंयेग
 दियेगंयेगभंलुउभा॥भनि
 सुयेनयेऊवेयेगेनिचिः
 मंडभ॥११॥भदुलपुठव
 कंभंभुदुभवनमैधतः॥

ठ.
 गी.
 १

कतुभनप्रतः॥ नमःतिभुप्रमी
लभृएगुतेनैवमालन॥००॥यु
ऊदगविदगभृयऊमेधुभृ
कदभृ॥यऊभृप्रवरेणभृयेगे
ऊवडिदुःपद॥०१॥यमवि
नियतंसिदुभृऊरेववडिधु
उ॥निःभृदःभवकभेहेयु
ऊःदुसुतेउम॥०२॥यषमी
पेनिवडभृनेऊतेभेपभभृउ
येगिनेयडसिदुभृयल्लतेयेग
भद्वनः॥०३॥यइपंगभउमि
उंनिदकुंयेगभेवव॥यइमे

भनयहु हेगभपुविमुहु
 ये॥०३॥ भभंकयमिरेगी
 वं ठगयवमलंभिगः॥ भंपे
 हुनभिकगंभुंमिससुनव
 लेकयन॥०३॥ पुमनुहु
 दिगउलीवुहुमगिवुडेभि
 उः॥ भनःभयभुभसुडेयु
 उभुभीउभहुः॥०८॥ यु
 एवेवंभनहुनंयेगीनिय
 उभनभः॥ मतिनिच
 पगभंभहुंभुभठिगसुति
 ०५॥ नहुप्रउभुयेगेभिनामै

क.
 गी.
 ३

मृतेयेगीभभलेधुमकडनः
 उ॥ भद्रुचिद्रुद्रभीनभट्ट
 भुद्रुधुतद्रुधु॥ भद्रुधुपि
 पपेधुभभद्रुविमिधुते
 ७॥ येगीयल्लीउभउउभद्रु
 नंगदभिभुतः॥ एककीय
 उमिद्रुद्रुनिरमीरपरिगदः
 मुमेमेमेधुतिधुधुभिरभा
 भनभद्रुनः॥ नद्रुद्रुतेनति
 नीमंमैलानिद्रुमेद्रुभ
 ००॥ उद्रुकागंभनःनद्रुयउ
 मिद्रुद्रुयद्रुयः॥ उपविमु

०॥

नृभीयेगकुम्भमेसुते॥
 उरुमेमद्वनद्वनद्वनभव
 भामयेत॥ सुद्वेवहृद्वेन
 नृगद्वेवगिपुगद्वनः॥५॥
 ररुगद्वनभुभुयेनैवद्व
 द्वनलितः॥ चनद्वनभुमद्व
 द्वेवतुतद्वेवमद्ववत॥७॥
 लितद्वनःपुमातुभुपरभा,
 द्वभभादिउः॥ सीउपुभुप
 नःपेपुतषभानपभानये :॥
 १॥ लनद्विलनद्वपुद्वकृए
 भुविणितेद्वियः॥ यकृद्व

न.
 गी.
 २१

मीरुगव' नव' म॥ त्रि च न
मिः क' द' लं' क' दं' क' द' क'
गेति यः॥ भ' भं' नृ' भी' म' ये' गी'
म' न' नि' र' ग' यि' नृ' म' र्मि' यः॥ ०॥
यं' भं' नृ' भ' भि' ति' भ' र्म' दे' गं' तं'
वि' द्वि' प' नृ' व॥ न' नृ' भं' नृ' भु'
भ' क' ल्ये' ये' गी' र' व' ति' क' स्र' न॥ १॥
भु' र' न' र' क' म' नृ' दे' गं' क' द' क' र'
भु' सृ' तं॥ ये' ग' नृ' क' भु' तं' भु'
व' स' भः' क' र' भु' सृ' तं॥ ३॥
य' म' दि' ने' द्वि' य' नृ' भु' न' क' द'
भु' न' प' ल्ल' तं॥ भ' च' भ' क' ल्य' भं'

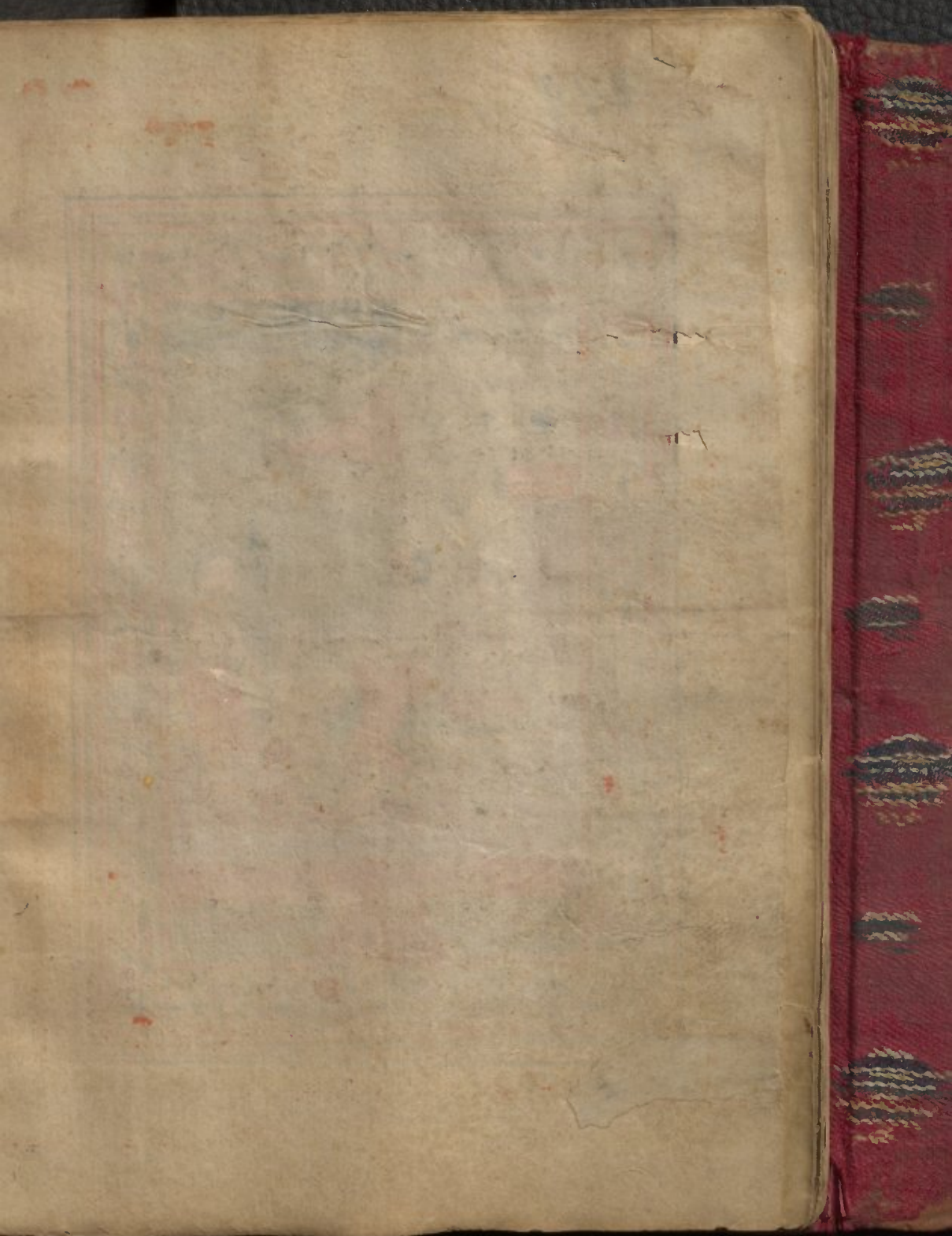
218







2/9



ह्येवियुक्तं यतीनं यतमेत
 भभ॥ चक्रितेव क्रुतिव॥ व
 तुतेविमिडकनभ॥ १॥ भव
 ह्यवदिगुहं सुदुसैवतु
 वृद्धे॥ ५॥ पनेभमेद्वन
 भकतुरमरि॥ १॥ केजं
 यल्लुपभं भवलेकभदेसु
 भ॥ भुहं भवकृतं ह्यव
 भं सतिभ सुति॥ १३॥ ७॥ मिमी
 कगवृत्तिभुपनिषद्वृद्धि
 ह्यंये गम भुमीनल्लनभं
 वामेव भये गेन भपदुमेवः

यतियुक्तं यतीनं यतमेत
 भभ॥ चक्रितेव क्रुतिव॥ व
 तुतेविमिडकनभ॥ १॥ भव
 ह्यवदिगुहं सुदुसैवतु
 वृद्धे॥ ५॥ पनेभमेद्वन
 भकतुरमरि॥ १॥ केजं
 यल्लुपभं भवलेकभदेसु
 भ॥ भुहं भवकृतं ह्यव
 भं सतिभ सुति॥ १३॥ ७॥ मिमी
 कगवृत्तिभुपनिषद्वृद्धि
 ह्यंये गम भुमीनल्लनभं
 वामेव भये गेन भपदुमेवः

येदिभंभृच्चएकेगः।पयेन
याएवते॥ सुहृत्तुवतुःकेतेय
नतेधुग्भतेवृष्टः॥३३॥मके
तीदैवयःभेदुंभृक्कीरविभे
क॥३॥कभृतेद्वंद्वंगभ
युक्तःभभापीनः॥३४॥येतुः
भापितुग्भभुषतुलेतिरेव
यः॥भयेगीवृक्षनिच॥वृ
क्षुतेतिगस्तुति॥३५॥लकते
वृक्षनिच॥भुषयःकी॥क
नृपः॥क्षिप्तुतेयतद्वनः
भवकुतदिउरतः॥३६॥कभ

यमंपत्रेवृद्धं गविदभिति
 सुनिमैवसुपकेमपभित्तुम
 भरुजिनः॥०३॥ उदैवडैलि
 तःभजेयैपंभापुभित्तुमनः
 निद्विपंदिमभं वृद्धतमवृद्ध
 लिउभित्तुः॥०७॥ नप्रहृष्ट
 द्वियंप्रपुनेद्विल्लुपुमंभि
 यम॥ भित्तुवद्विगभंभुलेव
 कविद्वृद्धलिभित्तुः॥३॥ र
 हृम्वैपुमकृद्विद्वद्वृद्ध
 निवद्वृद्धयम॥ भवृद्धयेगव
 कृद्वृद्धयमकृद्वयमसुत॥३०॥

क.
 गी.
 ३३

नकडुं नकडलि नैकभुभु
 डिकुः॥ नकडुलभंवेगंभुठ
 वभुभुवतुते॥०८॥ नकडुकभु
 मिदुपं नमैवभुदुतं प्रकुः॥
 मल्लनैकडुं लुनैतं नभुदुति
 लुतुवः॥०९॥ लुनैतुतुमल्ल
 नंयेधं नमिडुभदुनः॥ उध
 भमिदुवल्लुनं प्रकमयडि
 उदुगभ॥१०॥ उदुदुवभुम
 दुनभुत्रिधुभुदुगयतः॥
 गल्लुतुपनगडुडिं लुननिरु
 उकनधः॥११॥ विदुविन

५

मयकमलिभङ्गदृक्कमेति
 यः॥ लिपुतेनमपपेनपद्म
 पद्मभिवभुम॥०॥ कयेन
 मनभावदुकेवलैरिद्रियैर
 पि॥ वेगिनैःकमज्जवतिभङ्ग
 दृक्कदृग्गुये॥००॥ युक्तःक
 मल्लेदृक्कमतिभप्रेतिनै
 ध्रुकीभा॥ अयुक्तःकभक
 ग्लेदलेभक्तिनिरुष्टे॥०३
 भवकमलिभनभभुभु
 मुभापेयसी॥ नवदुर्गपुरे
 ददेनैवज्जवकगयन॥

क.
 गी.
 ३३

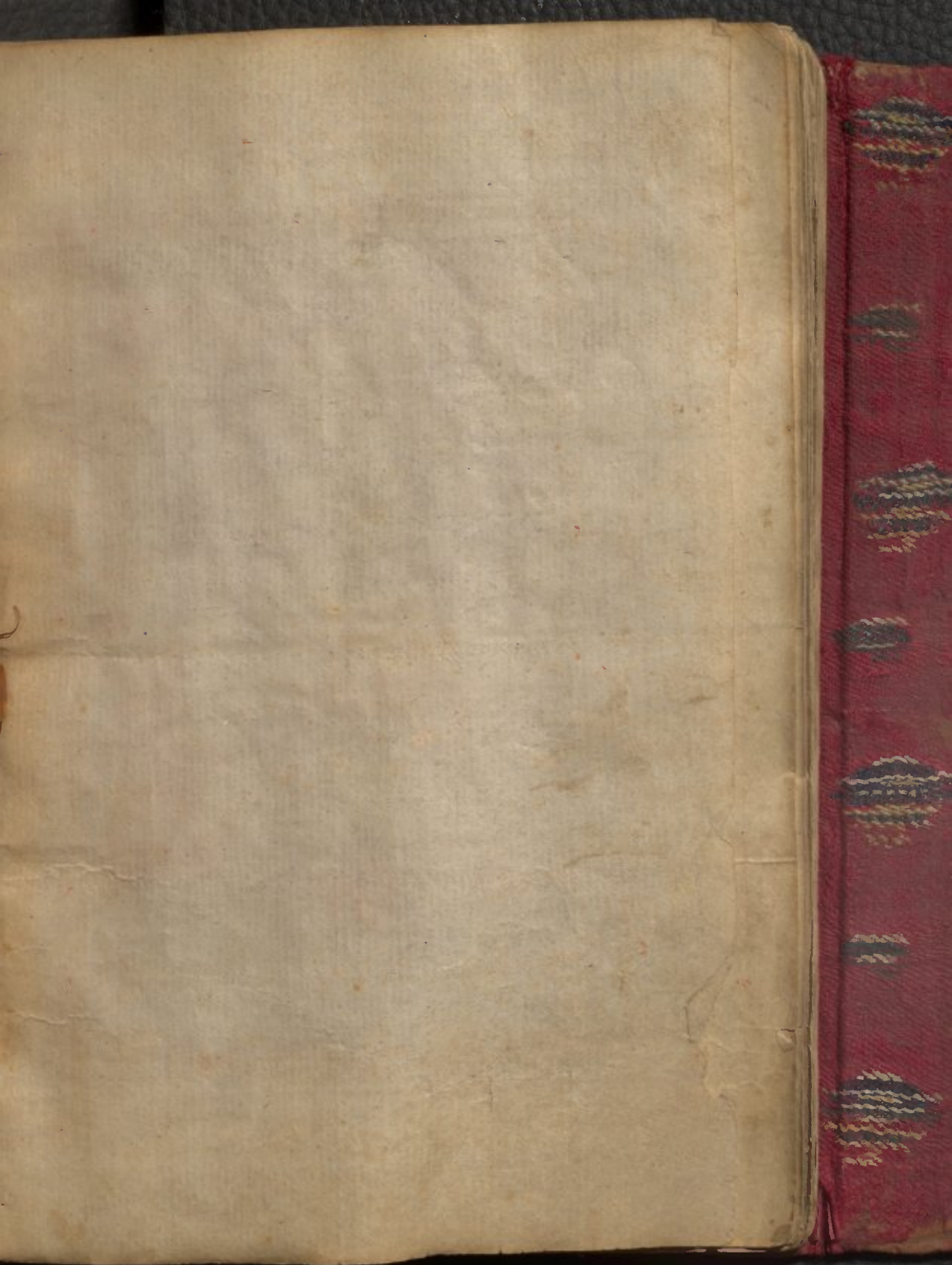
पुभयेगतः॥ येगयजेभनिः
वृद्धनमिरे॥ ठिगमुति॥
१॥ येगयजेविमुदुदुवि
लिउदुलिउदुयः॥ भव
कुउदुकुउदुकुववपिननि
पुउ॥ १॥ नैवकिदुदुगेभी
डियजेभउउउदुविउ॥ पसु
दुउदुमलिपत्रप्रनकुदु
पदुभन॥ ३॥ पनपविभ
एनदुउदिपविभिपत्रपि
उदिय॥ १॥ दियजेपुवउउ
उडिठगयन॥ ७॥ वृद्ध

223





224



भकरवुठे उयेभुकमभट्ट
 भङ्गयेगेदिपुते॥३॥ लुवः
 भनिट्टभंभुभीयेनङ्गुधिरक
 द्दुति॥ निङ्गुदेदिभदरदेभु
 त्वेत्तङ्गुभुमृते॥३॥ भंभुये
 नेपयगुलः प्रवमतिनय
 भित्तः॥ एकभपुभित्तः भ
 भुगुनयेचिन्नेत्तलभ॥२॥
 वङ्गुः प्रपुतेभुनेत्तुगे
 पिगभुते॥ एकभङ्गुमयेगे
 मयः पमृतिभपमृति॥१॥
 भट्टभभुभदरदेभुः पभ

गी.
 ३०

ननुः॥ सिद्धैर्नमं सयं येन
भतिष्ठेति धूठगु॥ २३॥ ॥ ॥

उत्तिमीनगवद्गीतुपनिषद्
रुद्रविष्टयं येन मभुमीनधु
लनभं व मेकं मभुमयेगेन
भमउत्तिष्टयः २॥ ॥ ॥ ॥

तिमीनधुलनभं नमः॥ मल
नउदम॥ मभुमं कं उद
धुपनदेगं मभं मभि॥ यमु
याउयेरं कं उदं वृदिभुनि
सुिउम॥ ०॥ मीनगवउदम॥
मभुमः कं येन सुनिमुय

इभिदविहृते॥ उद्युयवेगभं
 भिदुःकलेनद्विनिविहृति॥
 मद्रुवंल्लठतेल्लनंतद्रुःभंय
 उद्रियः॥ ल्लनंतल्लुपंरंमति
 भमिरे॥ ठिगमुति॥ १७॥ म
 ल्लमद्रुणनम्लभंमयद्रुवि
 नमृति॥ नयंलेकेभिनपरेन
 भुपंभंमयद्रुनः॥ २०॥ योग
 भंतुभुकदं॥ ल्लनभंमिउभं
 मयभ॥ मुद्रुवतुनकदं॥
 निरपुतिठनल्लय॥ २०॥ उ
 भद्रल्लनभंमुतं॥ हं॥ ल्लनभि

ठ.
 गी.
 ३.

पञ्चनभवय ॥ उपमेकृतिउ
ल्लनंल्लनभुडुमन्नः ॥ ३५ ॥
यल्लुडनपुनमेदमेवयभुभि
पभुव ॥ येनकुडतुमेपे ॥
रुडभुडुवेभयि ॥ ३६ ॥ मयि
मेमभिपपेकृः भवेकृः प
पदकुभः ॥ भवेल्लनप्रवेन
वदुल्लिनंभतुरिधुभि ॥ ३७ ॥
यवेठंभिभभिदुगिडभभ
कुडतेल्लन ॥ ल्लनयिः भवक
कमल्लिठभभकुडतेउष ॥
३८ ॥ नदिल्लनभमसंपवि

सुदमीनीद्विषादृष्टुंभयभयि
पुण्ड्रति॥सदमीविषयनृ
उद्विषयिपुण्ड्रति॥३०॥भ
वलीद्विषयकद्विषादृष्टुंभयभयि
लिमापरे॥सुदमीविषयनृ
पुण्ड्रतिद्विषयिपुण्ड्रति॥३१॥सुद
यपुण्ड्रमुपेयद्विषयनृयपुण्ड्रमुपेय
परे॥सुदमीविषयनृयपुण्ड्रमुपेय
भमिउद्विषयः॥३३॥सुपरेपुण्ड्र
तिपुण्ड्रमुपेयद्विषयनृयपुण्ड्रमुपेय
पुण्ड्रमुपेयद्विषयनृयपुण्ड्रमुपेय
भपरेयः॥३७॥सुपरेपुण्ड्र

225

[illegible]

五
廿
九

1134

द्वयकर्मलिङ्गतिः ॥ ०१ ॥ कर्म
कर्मयः पञ्चमकर्मलिङ्गकर्मयः
भवद्भिर्भद्रपृष्ठभयजः
कर्मदत्त ॥ ०३ ॥ यभुभवे
भभगभूः कर्मभद्रवलिङ्ग
हृत्पिङ्गुगुर्कर्मलिङ्गभद्रप
लिङ्गवृत्तः ॥ ०७ ॥ इक्ष्वाकर्म
लभद्रनिद्रपुर्निद्रमयः क
र्मलिङ्गपुर्निद्रपुर्निद्रमयः
लिङ्गभः ॥ ३० ॥ निद्रमोदुर्निद्र
इक्ष्वाकर्मचपरिगुदः ॥ मगीरं
कर्मलिङ्गकर्मचपरिगुदः ॥

उभृकडुगभपिभं विद्रुकडुग
 भवृयभ॥०३॥ नभं कद्रं लि
 भद्रि नभे कद्रं दले भद्रं ॥ ३३
 भं ये कि ए न उ क द्रं कि उ भ र
 ए उ ॥ ०४ ॥ ए वं सु द्रं न उं क द्रं
 चै ग पि भ भु द्रं किः ॥ ऊ र क द्रं व
 उ भ द्रं प्र चैः प्र च उ रं न उ भ ॥
 किं क द्रं कि भ क द्रं उ क द्रं ये पृ
 उ भे दि उः ॥ उ उ क द्रं प्र व द्रं
 भि य सु द्रं भे क द्रं मे सु रं उ ॥ ०५
 क द्रं ॥ द्र पि रं सु रं रं सु रं ग वि
 क द्रं ॥ सु क द्रं सु रं सु रं ग

क.
 गी.
 ३१

मेवं ये वेति उतः ॥ इत्थं मे दं
नलम् नैति भमेति मे लन ॥ ७ ॥
वीडा गठय रेण भन्मय भ
भयान्तिः ॥ उदये सुन उपभ
प्रभमन्मय भगः ॥ १० ॥ ये य
षभं प्रपदुते उं भुषे वर एभु
दभ ॥ भभव इ उव उं भव भु
पठ भवमः ॥ १० ॥ कं दः क
मं भिदि य ए उ उ द मे वः
दिपुं दिभ उ ये ले के भिदि क
वति कम् ॥ ११ ॥ मा उ च लं भ
य भ पुं गु क द वि क ग मः ॥

नि उवमालन ॥ उतुदंवेमम
 वलिनदंवेरुपरतुप ॥ ५ ॥
 अलेपिमत्रवृयदुक्रुतन
 भीसुरेपिमन ॥ पूतुतिंभु
 मठिपुयमभु^वभु^वदुभायव
 ॥ यमयमदिठदभुगुति
 कवतिठरत ॥ अकृकृनभठ
 दभुतमदुनंभुएभुदभ ॥
 १ ॥ परिइ ॥ यमप्रनंवि
 नमयमरुपुतभ ॥ ठमं
 भुपनरुयमंठवभियुगे
 युगे ॥ ३ ॥ एमकममभेतिवृ

क.
 गी.
 ३

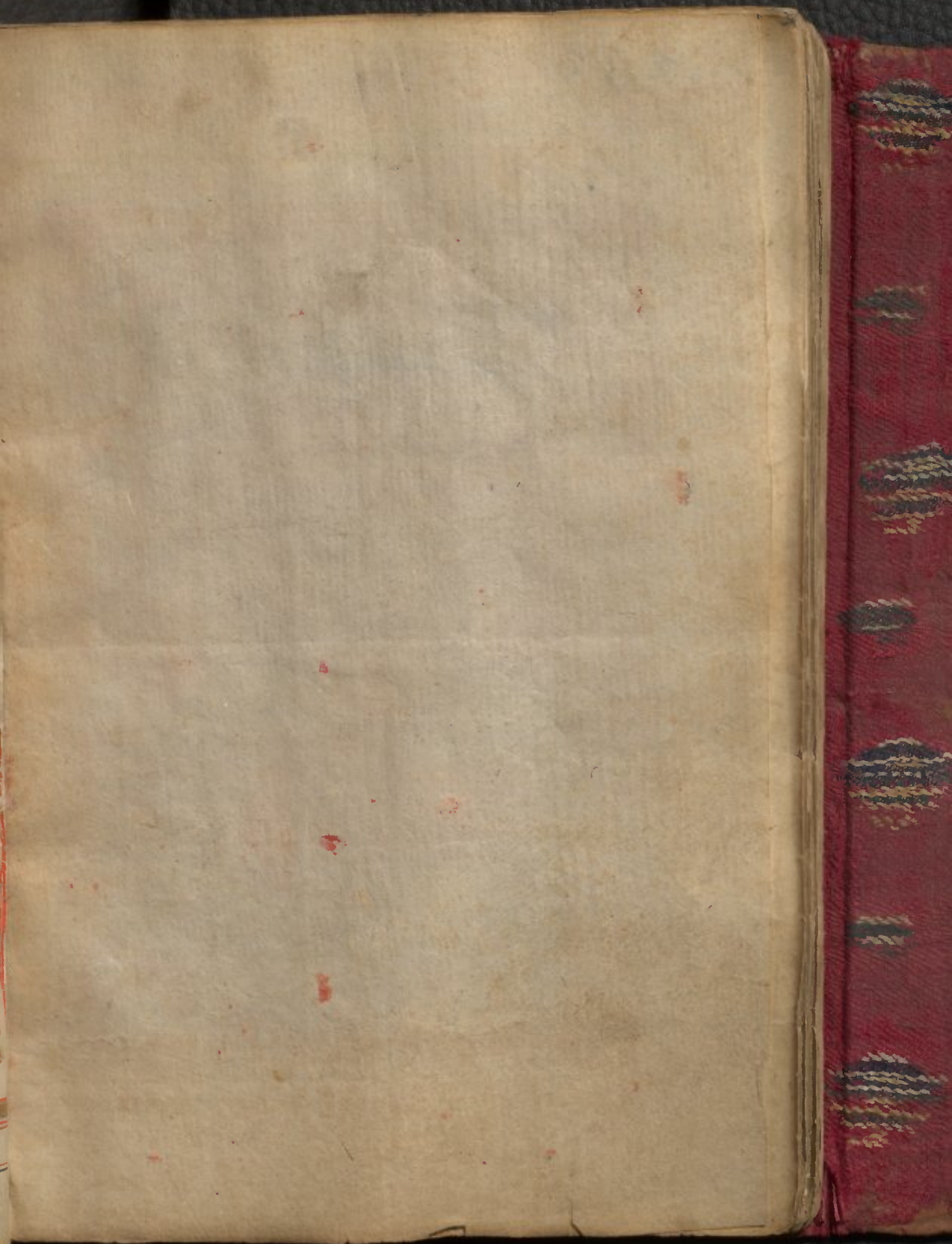
पुदभउरिङ्गकवैवदीउ॥३॥
तवंपरंभुपुपुभिभंगण
द्वयेविमः॥ भकनेनेदभद
उवेगेनधुः परतुप॥३॥ भ
तदवयंभयउद्वेगःप्रेङ्ग
पुगउनः॥ रुङ्गेभिभभापमे
डिगदभुंहुउदुडभभ॥३॥
अलुनउव॥ अपरंरुवडे
एदपंणमविदभुतः॥ क
षभेउडिएवीयंहुभाहे
प्रेङ्गवनिडि॥ श्रीरुगवउव
॥ तदुनिभेवृतीउनिणम

231





232



भनः॥भनभमुपगवृद्धिदेव
 दुःपरउभुमः॥८३॥एवंव
 दुःपरंवृद्धभंभुद्धनभं
 न॥एदिसंभदरादेकभ
 रुपंरुगभरुभा॥८३॥७३
 श्रीरुगवृद्धीउभुपनिधद्व
 रुविद्वयंयेगमभुमीरु
 लनभंवरुकरुयेगेनभरु
 उीयेष्टयः॥३॥॥ श्रीरुष्टय
 नभः॥ श्रीरुष्टयवृष्टय॥
 उिउभंविद्वभुउयेगंभुष्टय
 नदभवृष्टयभ॥विद्वभुभुष्टय

गी.
 ३५

नमः॥ यथेतेन वदते गुरुमुखा
 उनेन भवतु भा॥ ३३॥ सुवदं
 लूनभतेन लूनितेनितु वैरि॥
 कभरुपे॥ केतेय मधुरे॥
 नलेनमः॥ ३७॥ उच्चिया लिभ
 नेवद्विरभृष्टिधु नभसृते॥
 एतेविभेदयदृष्टलूनभवदृ
 मेदिनमः॥ ४०॥ उभ्रुभिदि
 यदृमेनियभृष्टउदृ॥
 पापुनंप्रदिदृनेलूनवि
 लूननमनमः॥ ४०॥ उच्चिया
 लिपदृदृगिच्चियेकृःपरं

मभागकुंठेरुभृपरिपङ्क्तिने॥
 ७८॥ मेयं कुण्डैविगुः पर
 ठमकुंठिउत॥ भुण्डैनिठनं
 मेयः परठमैक्यवदः॥ ७९॥
 अलनउदम॥ अषकेनप्रय
 केयंपापंमगतिप्रदयः अति
 सुत्रपिवकुंठयतलदिवनिये
 लिउः॥ श्रीरुगवउदम॥ ८०॥
 कभापधैठापधलेगुः म
 भदुवः॥ भदमनेभदपापुवि
 कुंठभिदवैरि॥ म॥ ८१॥ प्रभ
 नवि यउवदिदयः रुजेभले

एङ्गमेतम् ॥ निरसीविद्भेक
द्वयपृष्ठविगडगुणः ॥ ३० ॥ ये
मेभतमिहं निहृभउतिधुतिभ
नवः ॥ मङ्गवतेनभयतेभसृ
नुतेपिकमकिः ॥ ३० ॥ येङ्ग
मकिभयतेनउतिधुतिमेभतं
भवल्लनविभुमंभुविहिनधुन
मेतम् ॥ ३१ ॥ मङ्गमेधुतेभ
भुःपुनतेल्लनवनपि ॥ पुनतिं
यतिरुतनिनिगुदःकिंकरि
धृति ॥ ३२ ॥ उद्वियभुद्वियभु
ऊरगङ्गपेवृवभिउते ॥ उयेव

कदमद्भिनाभ॥ लिपयेद्भचक
 म्नि॥ विह्वृक्तः भभमरन॥ ३
 ॥ पुनतेः क्रियभा॥ निगुलैः
 कदमि॥ कगमः॥ अदह्वर
 विप्रमृद्भकतुदभिडिभतुते
 ३१॥ उद्विदुभदरदेगु
 कदमि॥ गयेः॥ गु॥ गु
 पुवतुतु॥ डिभद्वनभल्लते॥ ३३
 पुनतेनु॥ भंभ्रमृभल्लतेगु
 कदम॥ उरतद्विदेभम
 द्भुविद्विद्विमलयेत॥ ३७
 भयिभवलि॥ कदमि॥ भतृभ

क.
 गी.
 ३३

नमोपाशुभिकुवृंशिधुलेकैष
किंल्लन॥ ननवपुभवपुवृवु
एवमकम् ॥ ३३ ॥ यमिहृदं
नवतुये एउकम् टउमिउः ॥
भभवतु नवतुते भनधुः पशुम
वमः ॥ ३४ ॥ उमीयुगिभनेक
नऊदं कम् म्मदभ ॥ मङ्गाभु
मकतुभुभपदतुभिभाः पूए
३५ ॥ भऊः कम् टविङ्गं भेयष
ऊवतिळरत ॥ ऊदविङ्गं भुष
भऊः मिकीदुलेकभद्दभा
३५ ॥ नवदुिळं म्मनयेम्लुं

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ १ ॥
 नैव तमुत्तमं नैव तमुत्तमं नैव तमुत्तमं
 न ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कृष्णाय नमः ॥ ०३ ॥ उभयं नमः
 कृष्णाय नमः कृष्णाय नमः ॥
 भक्तिं ह्यस्य कृष्णाय नमः ॥
 नमः ॥ ०७ ॥ कृष्णाय नमः
 ह्रीं नमः ॥ ०८ ॥ कृष्णाय नमः
 भगवते नमः ॥ ०९ ॥ कृष्णाय नमः
 दक्षिणे ॥ १० ॥ यद्वा नमः ॥
 नमः ॥ ११ ॥ भगवते नमः
 कृष्णाय नमः ॥ १२ ॥

क.
 गी
 ११

भउभमृउभवकिचिपः॥कुल
उउउंयंपपयेपमउउकर
॥३॥०३॥अउमृवतिउउनि।
पलउमउमभुवः॥यलमृवति
पलउयलःकममभुवः॥०५
कमवृमृमृवतिउउमभ
मृवम॥उममृवगउउमृनिउ
यलपुतिमृम॥०५॥अउमृ
वतिउममृमृवउउयः॥
अपपुतिमृयमृमृयंप
मृमृवति॥०७॥यमृमृगति
मृमृमृपुमृमृवः॥उम

क.
गी.
१०

सुमकमः॥३॥यल्लुजकुम
 तुइलेकेयंकमरुनः॥उमं
 कदकेतुयभुजमःभभम
 ७॥भदयल्लुःपुएःभुपुपु
 वमपुएपतिः॥मननप्रभवि
 पुपुमेयवेभुपुकभपुक॥००
 देवकुवयउनेनउदेवकवतु
 वः॥पमभुगंरुवयतुःमेयरप
 गभवपुष॥००॥उपुकेग
 दिवेदेवमभुतेयल्लुविः
 उमउनप्रमयैकृयेकृमेन
 एवमः॥०३॥यल्लुमिपुमिनः

य

भट्टभरदेवभिद्धिंभभठिग सु
डि॥८॥ नदिकसिद्धंभपिल
उडिपुटकमरुत॥ कटउहुव
मःकमभचःपुनडिल्लेनुः
५॥ कदेद्वियलिभंयभृयसु
मुभरभभरन॥ उद्वियजंवि
प्रुठुभिष्टुमरभुउमृउ॥७
यभिविद्वियलिभनभनियभुर
कउलन॥ कदेद्वियैःकमयेग
भभऊःभविमिपुउ॥१॥ निय
उंऊरकमंऊकमएयेरुकम
॥॥ मगीरयइपिमउंनपुभि

258





237

भद्रिडीयेष्टयः॥ त्रिपुल्लन
 दम॥ त्रिष्टयभीमैकमुभ
 उद्वहिल्लनन॥ उद्वहिल्लन
 प्येभंनियेणयभिकेसव॥
 वृभिसेल्लववह्नैवद्विभेद
 यभीवभे॥ उद्वहिल्लनन
 येनमेयेदमप्रयम॥ ३॥ श्री
 नगवन्नदम॥ लेकैभिद्रिद्रि
 ठनिधुप्रपेकुभयनय॥
 एनयेगेनमल्लनं कद्वयेगेन
 येगिनम॥ ३॥ नकद्वयभन
 रभुवैधुमुप्रयपेमुते॥ नम

कः
 गी
 ३ः

भुम्भः प्रविमत्रियदुत्त॥ ३
दुम्भः प्रविमत्रिमवेभमत्रि
भवेति न क भ क भी॥ १०॥ विद
य क भ तः भ व द भं सु ग ति नि
भुदः॥ निम्भे नि ग द ह्मः भ म
त्रि भ णि ग सु ति॥ १०॥ ए प च
द्गी भु तिः प रु नै न प्र पु वि
भु ह ति॥ भि द भु भ त क नै पि
व रु नि व भ सु ति॥ १३॥
ॐ ति नो रु ग व न्नी त प्र प नि ध
दु व रु वि दृ व वे ग न भु न्नी
रु कु ल न भं व रु भ हृ वे ग न

भृगुवन॥ नमः भृगुयतः सति
 रमात्रुभृगुतः भाषम॥ ७७॥
 उद्भियः ॐ दिमरतं यन्नेन
 विणीयते॥ उद्भृगुगतिपूछं
 वयुत्रवभिवभुभि॥ ७८॥ उ
 भृगुभृमदरादेनिगुदीतनि
 भवमः॥ उद्भियः ॐ भृगुयते
 हृमुभृपूछपूतिष्ठित॥ ७९॥
 यानिसभचक्रुतं नं उभृएग
 त्रिभंयभी॥ यभृएगुतिष्ठित
 निभानिसपहृतेभृनेः॥ ८०॥
 सुप्रदभानभमलपूतिष्ठित

६.
गी.
७

पलवडं॥ मङ्गलपत्रकं मः
कर्मकृते किरणयुते॥ ७३॥ स्त्रो
कवडिभेदः भेदकृतिवि
कर्मः॥ भुक्तिं सद्भुक्तिं मेव
द्विजसद्भुक्तिं॥ ७४॥ रग
द्विधविषयकं भुविषयनिधि
यैस्त्रयं॥ सुखं सुविषय
द्विप्रभुभक्तिगच्छति॥ ७५॥ पु
नरभक्तः पदनिर्गम
पलवडं॥ प्रभवमेतमेव
सुखं पदवडिभुक्तिं॥ ७६॥
नभिवक्तिगच्छति नमः

[illegible]

भित्तनीः किंप्रकथयति भामो
उत्पलेत्किम् ॥ १८ ॥ श्रीठगव
॥ १९ ॥ पूणदडियमकभ
रुचदरुभनेगडन ॥ सुदुते
वदुनडुधुः भित्तपूणमुमेसु
ते ॥ २० ॥ दुःपेधुनद्विगभनः
भापेधुविगतभदुः ॥ वीतर
गठयतेः भित्तनीदुनिरुसु
ते ॥ २१ ॥ यः भवदुनकिभेदमु
उदुपुसुठसुठभा ॥ नकिनरु
डिनद्विधुडमु ॥ पूणपुडिधु
ड ॥ २२ ॥ यमभंदरुतेमयंरु

वल्लभ येगः कर्मभूके मलभ ॥
 ५० ॥ कर्मलं वद्वि वज्रदि ललं
 कर्मभीषि ॥ ॥ एतत्तु विदुः
 कर्मः पदंग सु वृत्त भयभ ॥ ५१ ॥
 यमते भेद कलिलं वद्वि वृत्ति
 उगिधृति ॥ उम गतु भिनिवेमं
 मेत वृभु मूत भूम ॥ ५२ ॥ मूति
 विप्रति पत्रते यम भुभुतिनि
 मूल ॥ भभ एव मल वद्विभु
 मयेग भव पृभि ॥ ५३ ॥ वि
 मल न उद म ॥ भिउ पृभु
 कठ प भभ ठिभु भूके मव

क.
 गी.
 ०१

मके॥ उवमचेपुवेमेषुन
मृविणनतः॥ ८०॥ कम्पेव
ठिकरमुभलनेपुकरमन॥
भकमलतदेउकुमउमनेपु
कमलि॥ ८१॥ योगमुः ऊरुकर
लिभनं टकाणनलय॥ मिहू
मिहूमभेकुवमभवं योगउमृ
उ॥ ८२॥ सुगं दुवरं कमवदि
योगदूनलय॥ वहुमरम
विष्णुनपः॥ लतदेउवः॥
८३॥ वद्विपुजेणदडीदउठे
भुनउदपुते॥ उभमृगय

वरु विपश्चिउः॥ वरु वरु
 उः पञ्चन वरु भूति वरुः॥
 २३॥ कभ वरुः भुज पग वरु क
 वरु न पग वरु॥ वरु विमेष
 वरु लं वरु गै वरु गति पुरि॥ २४॥
 वरु गै वरु पग वरु नं उव पग उ
 गै उव वरु॥ वरु वरु य वरु क व
 वरुः वरु वरु वरु वरु उ॥ २५॥
 वरु गै वरु वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु॥ वरु वरु वरु वरु वरु
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु॥ २६॥
 वरु वरु वरु वरु वरु वरु वरु

क.
 गी.
 २३

पिभभेदुललललललललललल
ये॥ उतेयुयययययययययय
भवापुमि॥ ७३॥ लपउकिदिउ
भह्वुद्विदेगद्विभं म॥ व
हुयैययययययययययय
भुमि॥ ७७॥ नेदकिभनमे
भुपुद्वययेनविद्वउ॥ भुन्यभ
पुभुपुभुपुभुपुभुपुभुपुभुपुभु
उ॥ ८०॥ वृवभयद्विकवद्वि
केदऊरुनऊरु॥ रऊसापहु
नउसुवद्वयेवृवभयिनभ
८०॥ यभिभंपुपिउं वमंपु

त्रिंसापि कृतानि कषयिष्यन्ति
 वृथा भ॥ मं क वि उ भू म की ति
 भ॥ म ति रि सु ते ॥ ३५ ॥ क य
 म॥ म प र उं मं भू ते दुं म द र
 षः ॥ ये पं म वं र रु म उं रु द य
 भूमि न प व भ ॥ ३५ ॥ म व म
 व मं सु र रु व मि पृ ति उ व दि
 उः ॥ नि रु तु भु व भ म रुं उ ते रुः
 प उ रं रु कि म ॥ ३६ ॥ द ते व पू
 पृ मि भु जं लि व व रु रु म म दी
 भ ॥ उ भू म ति पू के ते य य रु
 य रु उ नि सु यः ॥ ३७ ॥ भू प रुः

रु.
 गी.
 ३५

ॐ ॥ मदीनिहृभवष्टेयं देभ
वभृठगउ ॥ उभृद्वच'लि'कृउ
निनदं मेमिउभदभि ॥ ३० ॥ भु
ठभपिमवेद्वनविकभिउ
भदभि ॥ ठमुद्रियद्व'सु'येद्व
द्विउभनविद्वउ ॥ ३१ ॥ यद्व
सुय'मेपपवंभुनद्वग्भपव
उभ ॥ भुपिनःद्विउयःप'उ।
लठउयद्वभीद्वसभ ॥ ३२ ॥ भु
षमेद्वभिभंठद्व'भ'भंनक'रि
पुभि ॥ उउःभुठद्व'की'उं'मदिद्व
पापभवा'पुभि ॥ ३३ ॥ सुकी

तिनोपरलि॥ उषासगीरलि
विदयणीरुतृनिभंयति
नवनिरेदी॥३३॥ नैनंमिदुति
सभुलि॥ नैनंमदतिपावकः॥
नमैनंक्लमयतृपेनमेधयति
भरुतः॥३४॥ अमुहेयभरु
हेयभक्लहेमेधुपवम॥ नि
हःभवगतःभुगरमलेयं
भनउनः॥३५॥ अमुहेयभ
मिहेयभविकदेयभसृते॥
उभमरेवविमिदुनंननुमेमि
उभदभि॥३५॥ अयमैनंनि

यभृउभृदृहृभृठरउ ॥०३॥ य
 एनंवेडिदतुरं यभृनंभृउदउ
 भा ॥ उठेउ नविएनीउ नयंद
 त्रिनंदतृउ ॥०७॥ नएयउभ्रिय
 उवकममि नयंरुठविउ
 वनरुयः ॥ अणेनिहः सभृउ
 यंपुरले नदतृउदतृभानेस
 गीर ॥ ३० ॥ वेमविनमिनंनिहं
 यएनभएभृयभ ॥ कयंभ
 पुरुधः पऊकंप्पउयडिद
 त्रिकभा ॥ ३० ॥ वभंभिलीरु
 नियषविदयनवनिगुलु

ठ.
 गी.
 ०३

निहृभंभुतिहभुनरउ॥०॥
यंदिनवृषयत्रुतेपुनपंभुनप
हृन॥भभरुःपभुपंणीरंभे
भुउद्वयकल्दते॥०१॥नभ
उविहृतेनवेनरुवेविहृते
भतः॥उरुयेरपिहृपुत्रुभु
नयेभुद्वमसिनिः॥०२॥अवि
नमिउउसिनिहृयेनभचभिरं
उउभ॥विनमभवृयभृभृ
नकसिहृदुभदति॥०३॥अ
नुवउउभदेदनिहृभृऊः
मरीरिः॥अनमिनेभृभे

धीरुभिर्द्वयः॥ श्रीरुगवत
 दाम्॥ सुमेसुनरमेमभुं पृ
 दमं सुनधमे॥ गडभनगड
 भं सुनरमेमत्रिपदिताः॥ ००
 नद्वयदं एतुनभं नद्वं नभे एन
 ठिपः॥ नमैवनरुविष्टमः॥
 भवेदयभतः परम॥ ०३॥ म
 दिनेभिर्द्वयमेदकेभं येद
 नं एन॥ उषमेदं नुगपुपिः
 ठीरभुनभुदुति॥ ०३॥ भ
 उभचभुके उयेमीडेभुभ
 पदः पदः॥ सुगभापयिने

रु.
 गी.
 ०३

दृष्टमंभुक्तमैतः॥ यमुयः
भृत्रिष्ठितंरुदित्तुमिष्टुमुदं
मठिभंरुंरुपत्रं॥ १॥ नदिप्र
पमृभिभभापत्ररुमुकेकभ
मुधमभिद्रियमभा॥ नव
पुरुभवभपत्रमुरुंरुंभरा
मभपिमठिपटुभा॥ मरुय
उववभभुक्तुपीकेसंरु
केसःपरत्रुप॥ नयेरुःडिगे
विभुभुक्तुपीरुवद॥ ७॥
उभवमरुपीकेसःप्रदमत्रि
वरुगड॥ मेनयेरुयैरुष्टवि

द्विं सभयप्रमन ॥ ३ ॥ धुनिः
 प्रुतिवेदुभिप्रदवगिभुम
 न ॥ ४ ॥ गुकुत्रदद्वदिभदत्र
 ठवद्वेकेकुंठैकभपीद
 लेके ॥ दद्वरुभंभुगुनुनि
 देवकुल्लयकेगनूठिप्रमि
 गुन ॥ ५ ॥ नमैउद्विद्वःकउ
 रत्रेगरीयेयद्वएवेभयमि
 यनेएयेयः ॥ यनेवदद्वन।
 लिणीविष्टमभुवभिउः ५
 भापेठपुराधुः ॥ ६ ॥ कंदट
 मेधेपदउभुठवः ५ ॥ कृभि

क.
 गी.
 ००

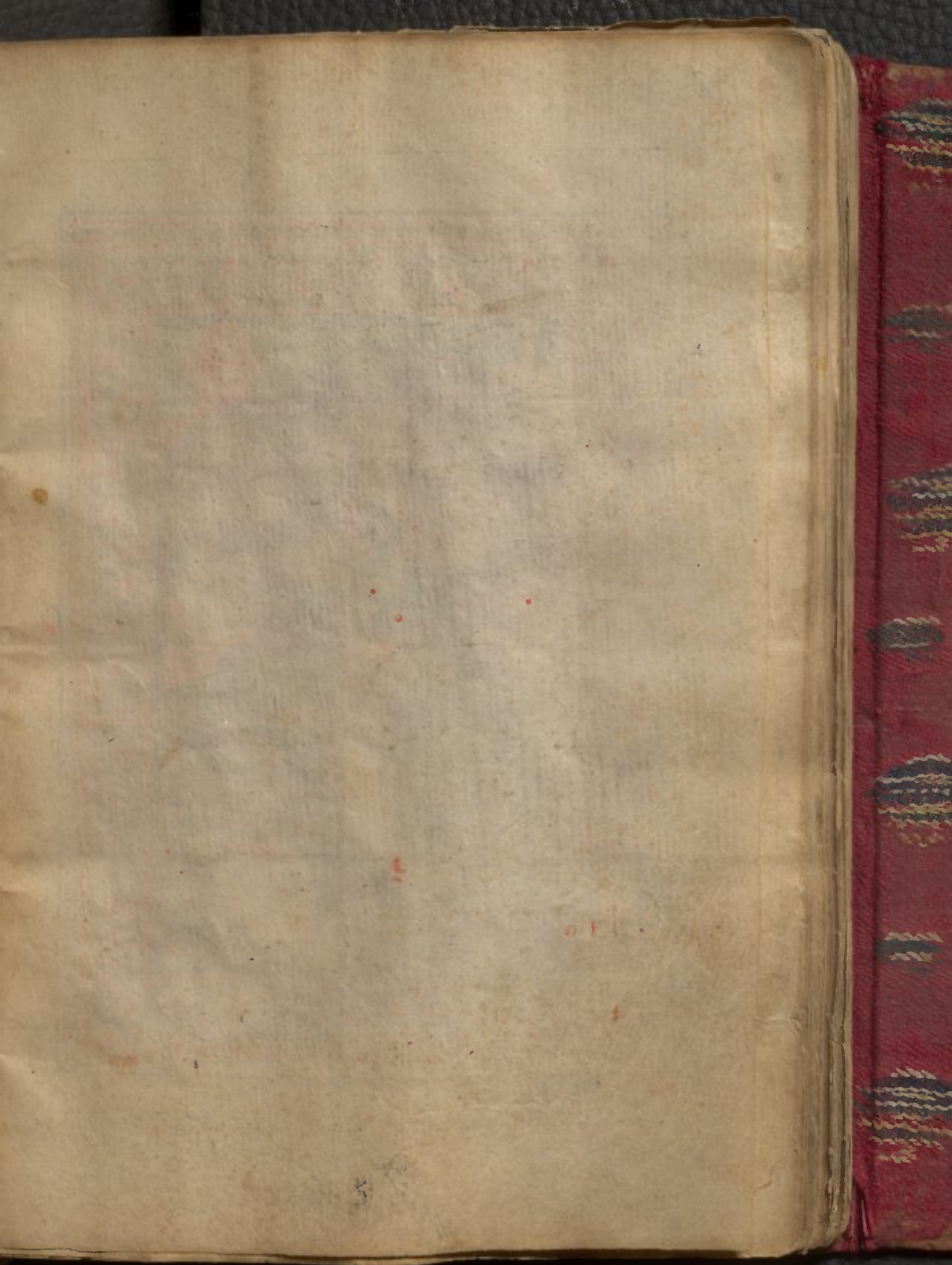
सिमीनधुवनमः॥सिमल
यउवम॥सिउउवदपव
विधुभमप्रलकुलेकाभा
विधीमनुमिमंवदुभवमम
पुभमनः॥मीनगवउवम
ऊउभुकमलमिमंविधमम
भपमिउभा॥मनदणधुम
भुतुभकीडिकमलन॥३॥
नैवमभगमःपऊनउडुयू
पपमृते॥कमंरुमयमेउतुं
हकेडिधुपरुप॥३॥मलन
उवम॥कवंलीधुमदंमलु

250





251



दपंकुं वृवभितवयभ॥ य
 दृष्टभापलेकनदुं भुलनभ
 दृडः॥ ८८॥ यमिभभपूडीक
 रभसभुं सभुपयः॥ ठगुर
 धूपलदृभुं केकभउरं कवेउ
 भल्लयउवय॥ एवभुल्ल
 नः भल्लरयेपभुउपविमउ
 विभल्लभसंसापं मेकभं वि
 यभानभः॥ ८९॥ मीठगवझी
 उभुपनिपकुवकुविहृयं ये
 गमभुमीदल्लनभं वदेल्ल
 न विपदेनभपूयभेष्टयः॥

क.
 गी.
 ०.

मैकिलवदुत॥ सुठम्लिकवदु
पुपुदपुतिजलभियः॥ ८०॥
भूपुदपुभवदुयएयउवल
भङ्गः॥ भङ्गेनरकयैवजल
अचंजलभुम॥ ८१॥ पउति
पिउरेहुधंनुपुधिदेमकरि
यः॥ मेपरतेः जलअचंवल्
भङ्गरकरके॥ ८२॥ उइहृतेए
डिठमः जलठमसुमसुतः॥
उइउजलठमंभनपुं
एवरुन॥ नरकेनियउंवाभेक
वडीहृउमुसुभ॥ सुदेवउभद

उयिनः॥ उभ्रवदवयंदतुं
 ठउरधुं सुतनुवन॥ ॐ॥ भु
 एनंदिकषेददुभुपिनःभु
 भभठव॥ यमृपुंउरपमृति
 लेनेपदउमेउभः॥ ॐ॥ ऊ
 नकयतउंमेधंभिडुमृदिम
 पाउकभ॥ कषेनलेयभभ
 ठिःपापमभुत्रिवतिउभ॥
 ॐ॥ ऊलकयतउंमेधंपूपा
 मृदिलनमृन॥ ऊलकयेध
 मृतिऊलठमृममृमृः
 ॐ॥ ॐ॥ ठमेनपुंऊनंरदुभठ

ठ.
 गी.
 ७

येषां भक्तैः कृष्णं तं नैराहं नैराहं
भाषा निम ॥ ३३ ॥ उऽमेव भि
उपकुं पू ॥ भुक्ता न निम
सुमादः पिताः पदः सुवैव
मपिता भदः ॥ ३३ ॥ भक्तः
सुसुगः पेशः भुलः भुगति
न भुषा ॥ अतः वदतु भि सुभि
अतः पिभपुभुन ॥ अपि
नेह गृह भुदः किं न भदी
दः ॥ निदः गृह भुदः क
प्रीतिः भुलः न ॥ ३५ ॥ प
पमेव सुवैव भुदः न ॥

पभित्तम॥ भौमतिभमगड् ।
 लिभुपंसपरिसुधृति॥ ३३॥ वे
 पषुसुमगीरभरेभददसुए
 यते॥ ग'लीवंभुंभतेदभु'डु
 कैवपरिरुदते॥ ३७॥ नम
 मकैभुवभु'दं'कभतीवमभम
 नः॥ निभितुनिमपसृभिवि
 पगीडनिकैमव॥ ३०॥ नमसु
 येउपसृभिददभुएभ'दव
 नकहूविणयेंदधुन'ग'ए'न
 भायनिम॥ ३०॥ किंनेरए
 नगेविन किंके गेलीविउंनम

क.
 गी.
 ५

ॐ प्रभातः भवेत् स भद्रो
द्विजम् ॥ उवाच पश्य पश्य
मम वैत कुतुनिदि ॥ ३५ ॥ उवा
च पश्य पश्य पश्यः पश्य पश्य
उवाच न ॥ सुमहत् सुमहत्
कुरु कुरु देव मां पीभुष ॥ ३६ ॥
सुमहत् सुमहत् सुवमेन येन
येन पश्य ॥ उवाच भद्रो भद्रो देवः
भवत् भद्रो भद्रो देव ॥ ३७ ॥
न पश्य पश्य पश्य पश्य पश्य
मम भद्रो देव ॥ सुमहत् सुमहत् ॥
सुमहत् सुमहत् सुमहत् सुमहत्

दक्षिण॥ भनयेरुनयेमृष्टेगं
 भूपयभेसुत॥ ३०॥ यवमे
 उत्रिगीदंयेदुकभानवभि
 उत॥ कैमयभदयेदुवृभ
 भिन॥ भभृम॥ ३३॥ येदु
 भानववेदंयेदुपतेउभभ
 गतः॥ ठतुरपुभृदुवृदु
 दुधियमिकीदवः॥ ३३॥
 भल्लयउवम एवभजे
 दूधीकेमेगुरुकेमेनरुत
 भनयेरुनयेमृष्टेभूपयि
 द्रवयेउभभ ३८ कीधुमे

क.
 गी.
 १

सुभाट्टकिस्स पराणिउः॥०१
दूपमेस्से पमेव सुभवमः
पविदीपडे॥ भेरुदुस्सभ
दराह सुह रुपुः पवकु
पका॥०३ मयेपेणुगधु
अं ह मय निवृत्तयत॥ न
रुस्स पविदीमे वतुभनेव
उत्तमयन॥०७॥ सुववृव
भित्त रुधुणुगधु कपिप
णः॥ पवत्तुमभुमं पाउत्तु
नदुभुप'दुवः॥३॥ हधी
केसंत्तमव'ह भिरुभादभ

उ३: सु३दयेदु३भदतिभु
 न३भि३ते॥ भ३पवः प३दुवः
 सु३वमि३वे३म३ले३प३म३प३दुः
 ०८॥ प३प३ण३तु३रु३धी३के३मे३
 र३व३र३तु३ण३र३ल३यः॥ प३र३दुं
 र३प३दे३भ३द३म३ल३की३भ३क३र३व
 के३र३गः॥ अ३न३तु३वि३ण३य३र३
 ए३क३ती३प३उ३य३णि३धु३रः॥ न
 कु३लः भ३द३र३व३सु३भु३पि३ध३म
 लि३प३ध३के॥ ०९॥ क३सु३सु
 ध३र३भ३धु३मः मि३प३दी३म३भ३
 द३र३वः॥ ए३धु३दु३प्रे३वि३र३ए

क३
 गी३

क्षिउभ पद पुं द्विभेउप
उलंकीभ किगक्षिउभ ॥०॥
मयनेधमभवेधयषठ
गभवभिउः ॥ कीधुभेव
किगक्षुठवतुः भवाव
दि ॥००॥ उभुभल्लनयद
दंऊरुवदुः पिउभदः ॥
मिंदनं विनहेसुसुलं
पेपुउपवन ॥०३॥ उउसु
सुसुकीदसुप वानकगे
भापः ॥ भदभेवहुदतु
भमवुभुभलेठवत ॥०३॥

भवावभदगषः॥७॥ अ
 भकंडुविमिधुयेउत्रिरेण
 द्विलेडुभ॥ नयकभभभतुभु
 भल्लुंउवृवीभिडे॥ १॥ कव
 नीधुसुकलसुदपसुभ
 भित्तिलयः॥ असुडुभुवि
 कलसुभेभरुडिभुषेवम
 ॥३॥ अतुमरदयःसुरभ
 मरुडुकुणीविडः॥ नन
 मभुपुदगः॥ भवेयुडु
 विमरुः॥ ७॥ अपटापुं
 उरभकंडुननीधुठिग

क.
 गी.
 ५

पसुतं पकुपुतं मम
भदंती मभुं म॥ वुं मपुम
पुतं उवमिपुं मीम
३॥ मरु मभुं मभुं
मलनमभुं मभुं
नेदिगट सुपुम सुभदर
यः॥ ४॥ यपुकेतु सुकिड
नः कमिरा सुवीद वन
पुमिपुति मी सुमैव सु
नरपुपुवः॥ ५॥ यपुमभुं
सुविपुतु उतुमै सुवीद
वन॥ मेकदुदु पमैय सु

मैनयत्रियंभभगः॥ एन
 वभिउउङ्गउनभनभपसुति
 पंयेगिनेयभृतुंनविरुःभ
 रभुरग॥ देवयउभनभः
 डिमीनपुयनभः॥ डिपउ
 रपुउवम॥ डिपमकेडुऊ
 रुकेडुभभवउयुयुवः॥
 भभकःप॥ रुवसुवकिभऊ
 वउभल्लय॥ भल्लयउवम
 रुपुउप॥ रुवनीकंरुऊरु
 देणनभुम॥ सुमदभुपभं
 गभुरएवमनभववीउ॥

क.
 गी.
 रु

गौडगुगुं कृष्टं ननष्टनक
कैमगंदरिकषभभुठनरे
ठितभ॥ नैकैमभूनपदु
रदरदः पेपीयभनंभु
कृयकृगउपकृणंकनिभ
लपुपुंभिनः सुयभे॥ वि
भुकंकगैतिवमलंपडुल
इयउगिगिभ॥ यकृपउभ
दंवरेपरभानकृभाठवभ
ठियंवकृवकृलकृकृभ
नतः भुवतिमिबुभुवैवै
कैः भाकृपकृभेपनिध

पंकेवद्भुः भुणीकृत्तुगुंगीउ
 भुंभदउ ॥ वभुमेवभुउंमे
 वंकंभमगुगभनभ ॥ मेव
 कीपरभनंरुधुंवनेणग
 नुदभ ॥ कीधुमे ॥ उएणय
 मृषणलगा नुगनीलेइलम
 नृगदवडीदपे ॥ वदिनीक
 लेनवीलकुल ॥ सुसुऊभवि
 कलुपेरभकरमुदेणववि
 नीभेडीलपलप ॥ रुवैः ऊ
 ननमीकैवरुकेकेसवे ॥ ॥ ॥
 पारमदवमः भरेणभभलं

ठ.
 गी.
 ३

भदकगउ॥ चकुतभउवदि
लीकगवतीभधुमसाष्टयि
नीभधुवभनभमठभिकग
बझीउठवकुधिनीभ॥॥॥
नभेभुउवृभविमलवकुकु
लगरिकयउपकुनेउ॥ येन
वयकगउउलप्रलः पूरुनि
उलनभयः प्रसीपः ॥ पूप
वपरिएउयउकुवेकुका
ये॥ लनभरुयनधुयगी
उभउकुदेनभः॥ भवेपनि
धमेगवेमेगुगेपलनरुनः

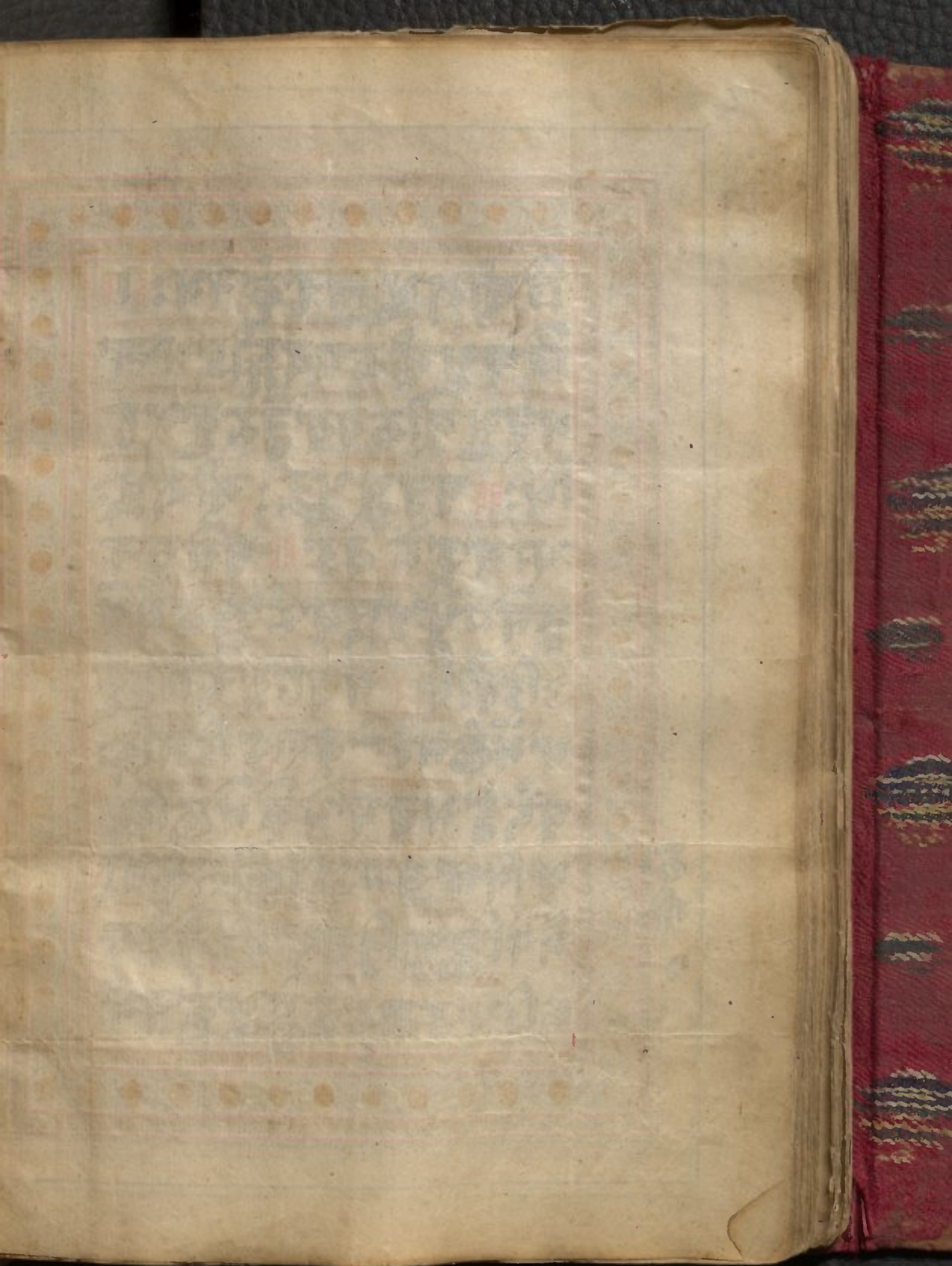
मयद्यनभः॥ नमो नैक मय
 नृप उडिमिरभेभु'द॥ नृमु
 हृयभम हृयभिडिमिपयै
 वधल॥ निहः भवगतः भु
 गमिडिकवमयद्रुभ॥ पमृ
 भपक्रुपलि उडिनेइकुंवे
 धल॥ ननविठनिमिबृनी
 इभु'यदल॥ मीरुधुप्रीहृ
 कुं पठविनिवेगः॥ ॥ ॥ ति
 पक्रुयभुडिरेणितं रुगव
 उ'नगयल्लनभुयं वृभेन
 गविडं पुरा॥ भुनिनभपृ

रु.
 गी.
 १

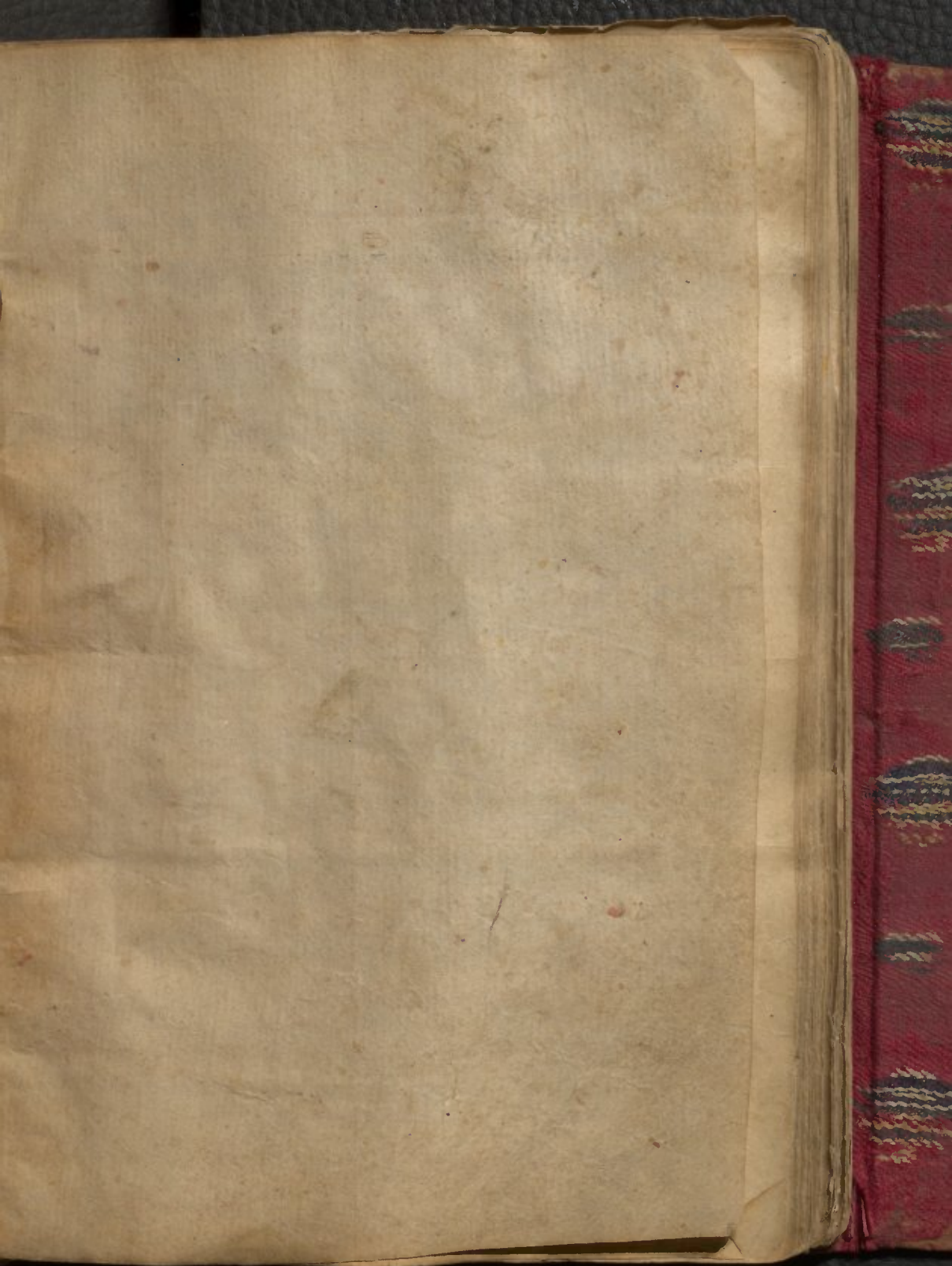
नमो नैऋतयतु पनमेधयति
भद्रतऽतिउत्तरीहं नमः ॥
प्रमुद्देयभद्रदेयभक्तै
मेधुपदमऽतिभद्रभाहं न
मः ॥ निहःभवगतःभुग
मलेयंभनतनऽह्नभिक
हं नमः ॥ पसुमेपङ्गुपलि
मउमेधभद्रभूमऽतिकनि
धुकहं नमः ॥ ननविठनि
मिदुनिननवल्लुतीनिम
ऽतिकरउलपधुहं नमः ॥
नैऋतमिदुतिमभुलिऽतिह

ठ
गी
०

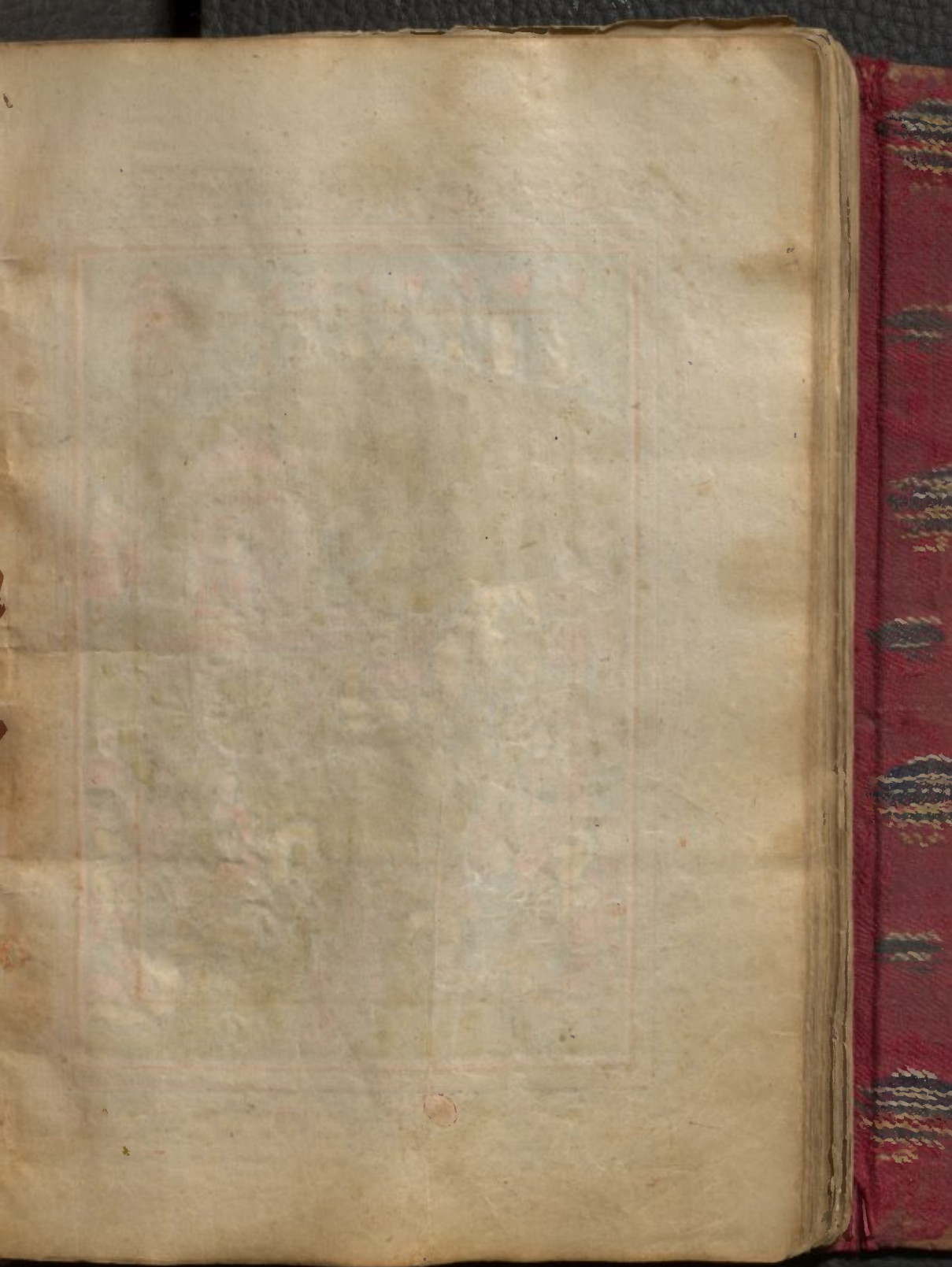
णिमीदधुलनकं नमः॥
 णिभृमीठगवङ्गीतभल
 भत्रुभृमीठगवत्रुमवृभट
 धिः॥ नत्रुधुधुः मीदधुः
 परभाद्रमे वत॥ नमेष्टन
 नमेष्टनपुष्टवमं सुठधम
 उतितील। भवठद्रदरिष्ट
 भभकंसरवृल उतिमजिः
 नदं दं भवपपे हे भेद्वि
 धृभिभसुम उतिकीलकभ
 नैवं चिन्नत्रिमभुलि नैवं
 दतिपवक उट्टुधुहं नमः



262







भापेपुंमविचरति ॥ एतदुक्तं
 ममभुक्तेतितीयेनीमभागते ॥
 ममभुक्तुमभवेवमभुपाम
 कभवेते ॥ प०उसुमुठेउभु
 कसमिदुविपुति ॥ यःकरे
 तिमउवतुंनिहंप्रयउभाभ
 मरींभमुतेउभुपापरेगमि
 उभुगता ॥ गदभेइमिहंप्रहं
 निपिउंकुलपडके ॥ कुलव
 ठगवेच्छीहमभिहिंप्रप्रय
 दगभा ॥ भदप्रठवमंयुक्तमि
 हंयःप्रयउःप०उभाभगेगभ
 केदीदुयुःभापेपुंमविचरति
 उतिरविपुंउवदुपुंभदकव

अ
 क

उल्लङ्घ्य उक्तं भाग ॥ १ ॥
लेख्यं दत्तं मेवैव पादं सुरैः
भावतु ॥ पादं तत्तं पादं यत्तं
पादं मेव भुयीतः ॥ २ ॥
नेमयनेयं नैपदं कथं
यति ॥ गच्छति भाग्यं गच्छं
दत्तं भवत्तं दत्तः ॥ विभुः
रिक्तं यत्तं नैकं यत्तं नैकं
उत्तं ॥ उत्तं यत्तं यत्तं यत्तं
दत्तं भवत्तं यत्तं ॥ ३ ॥
दत्तं भवत्तं यत्तं ॥ ४ ॥
पदं ॥ भवत्तं यत्तं यत्तं

मद्भुनेरद्वैतं दृष्टं देव नम
 नः॥ वभक्तुं दिं संभेदं भः पतु
 मदि... भदभ॥ अत्रु... ॥
 रप्रिं स पतु देवे दिव करः॥
 रेभरणी भुष के स च उ देवे
 भरी मिभान॥ उभेद रेन कि
 दे संभि इ सै वे रं भम॥ गुहं
 लिङ्गं उष देवः पतु भेद
 भगविः॥ कटिभु नं उष प
 पुं पतु भे भ पु भ पि भान॥ नि
 मारतिः भि सै पा य उतु म
 मि ति भ भु वः॥ एतु दे सं भद

अ.
 क.
 १

वभरमः मू गी पा उ ग ङे ग ग
न ग लि उः ॥ श्री लं श्री म श्री
पा उ व म नं वे म वा द नः ॥ उ दु
पा रि सु भ लि ङं क ङं क ङि
न दी णि डिः ॥ भू रे मि व कः
पा उ कु ए व भू णि नी पा डिः ॥ द
भु ग द उ भ मे वे नि ङं क भ ल
रा त्र वः ॥ क र सु व भू प भुं म
भ भ पा उ पू ठ क रः ॥ म सु ली
सु उ य सु भुं पा उ भ रि ण ग द
लिः ॥ मू य क उ न प द उ
व दे व द द व ल कः ॥ इ म

विभीषणपुत्रपुत्रमदंभय
भनभः॥॥॥विभृषीपुत्रक
वमभेइभरुष्टुवृष्टुपिः
मनपुपकः॥सीपुदेरुग
वनेवड॥भकलकभनभि
हुकुं प० विनियोगः॥॥॥
देसीपुभनभरुष्टुमपुसु
गवमंयडभ॥॥पुष्टुभदभ
किरं॥कवमंभभमीरयेज
विमिगिभेठभूरः॥पडमितं
भेवदिभहुतिः॥॥ललं॥क
सृपि॥वे॥ने॥इ॥मि॥न॥भ॥लि॥म॥

अ.
क.
३

यज्जेकिलपिउंरल्लवमेउर
वापुमि॥ वदमवंपुमभुमि
मपुपपुमभयउः॥ कलप्र
लकिणंमकंमभुउंयदद
नमे॥ मउचिणंउरंवापुम
दयंउरविपुति॥ अउंउवि
पलंउरुमिदुक्काउरणीयउ
नीरेगउंमगीरभुलवुगए
मउउमभ॥ भुजेदेवाठिपटं
मभुवभुभुउकीउरउ॥
उडिमीमदकरउंउरद
पचलिअदभुवःभापदः

मयभा॥ लठेउएडिभूर।
 उंभरनरः भूतिं समेणं।
 मभविउतेपुभान॥ उभे
 भुवंदेववरभृयेनरः पूकी
 उयेमुहुभनः भभादिउः।
 भभसुतेमेकठवगिभा
 गरलठेउकभा नभाय
 वेपिउन॥ देसंपायनउ
 वाम॥ उतेदिवाकरः पीडे
 मजयाभाभप'कुवभा॥
 सीपुभानंभवपुधंएलवि
 वहुतमनः। सीभटउवाम

पु
 पु
 पु

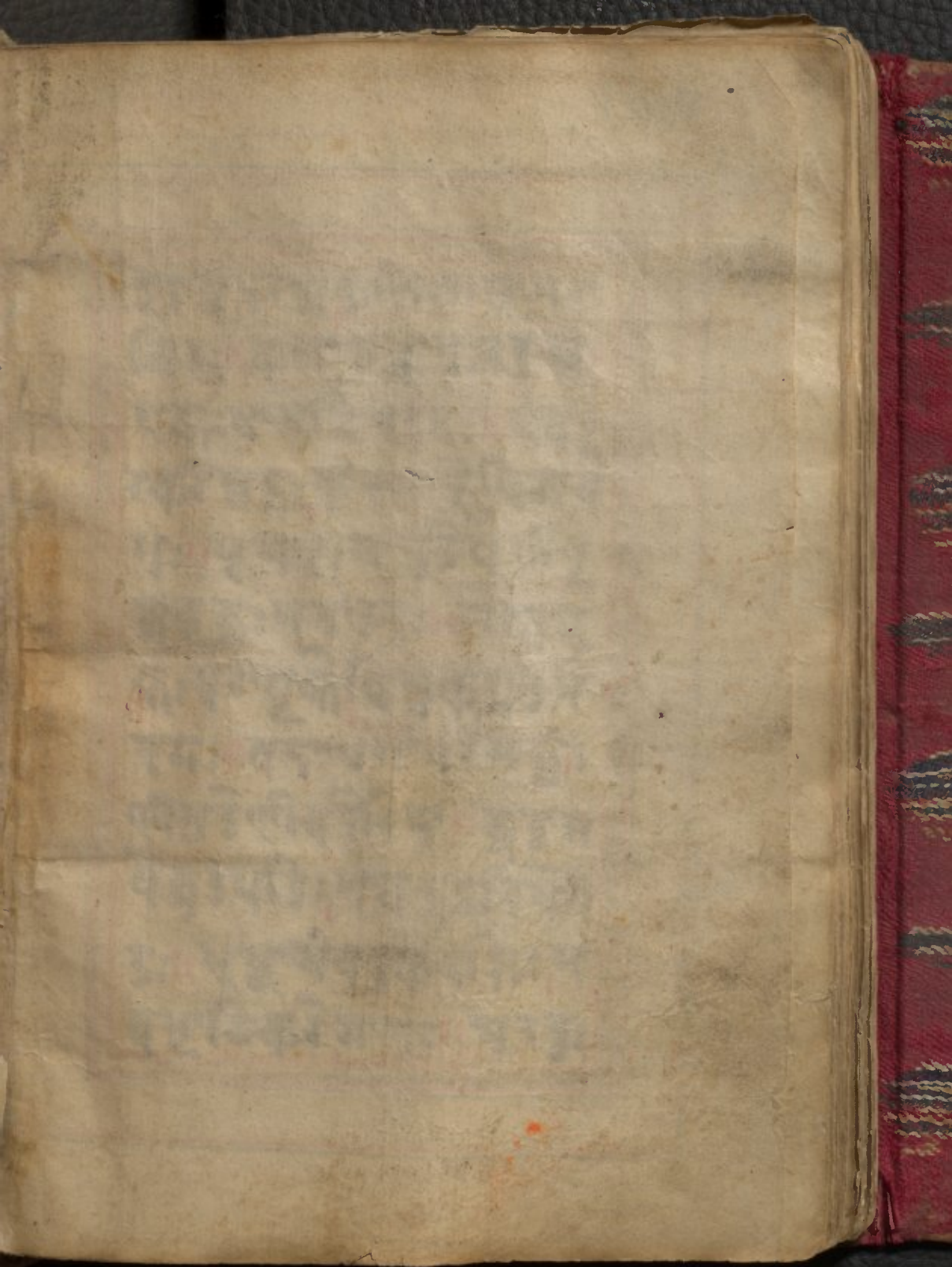
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
उत्तमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
महोत्तमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुनगरः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नगरः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
प्रभुमचक्रभवनवापुवन
भगवति गच्छ यद्वा मे विदुः ॥
भगवति गच्छ यद्वा मे विदुः ॥
वगवतकनकमनपूतं ॥
पिनभमुदितयनभुगभ ॥
मुदेवययः भुमभदिः
पदेवपुनरुत्तमः ॥

कपिलेनः कभमः भवते
 भापः ॥ एयेविषादेवरुः
 भवठानिधेवितः ॥ भवः
 भूपलेहुडमिः पूरुः पू
 ॥ ठरुः ॥ ठवुवुरिचुभ
 केडुगमिरेवेमिडेः भुतः ॥
 हुमसद्गरविहदाः पितभ
 उपितभदः ॥ भुनहुगंपूर
 हुगंभेदहुगंरिविधुपभ ॥
 देदकडुपुसतुहुवेदहु
 विमुतेभापः ॥ ठरुठरुहु
 विमुहुमेहुवपुपवितः

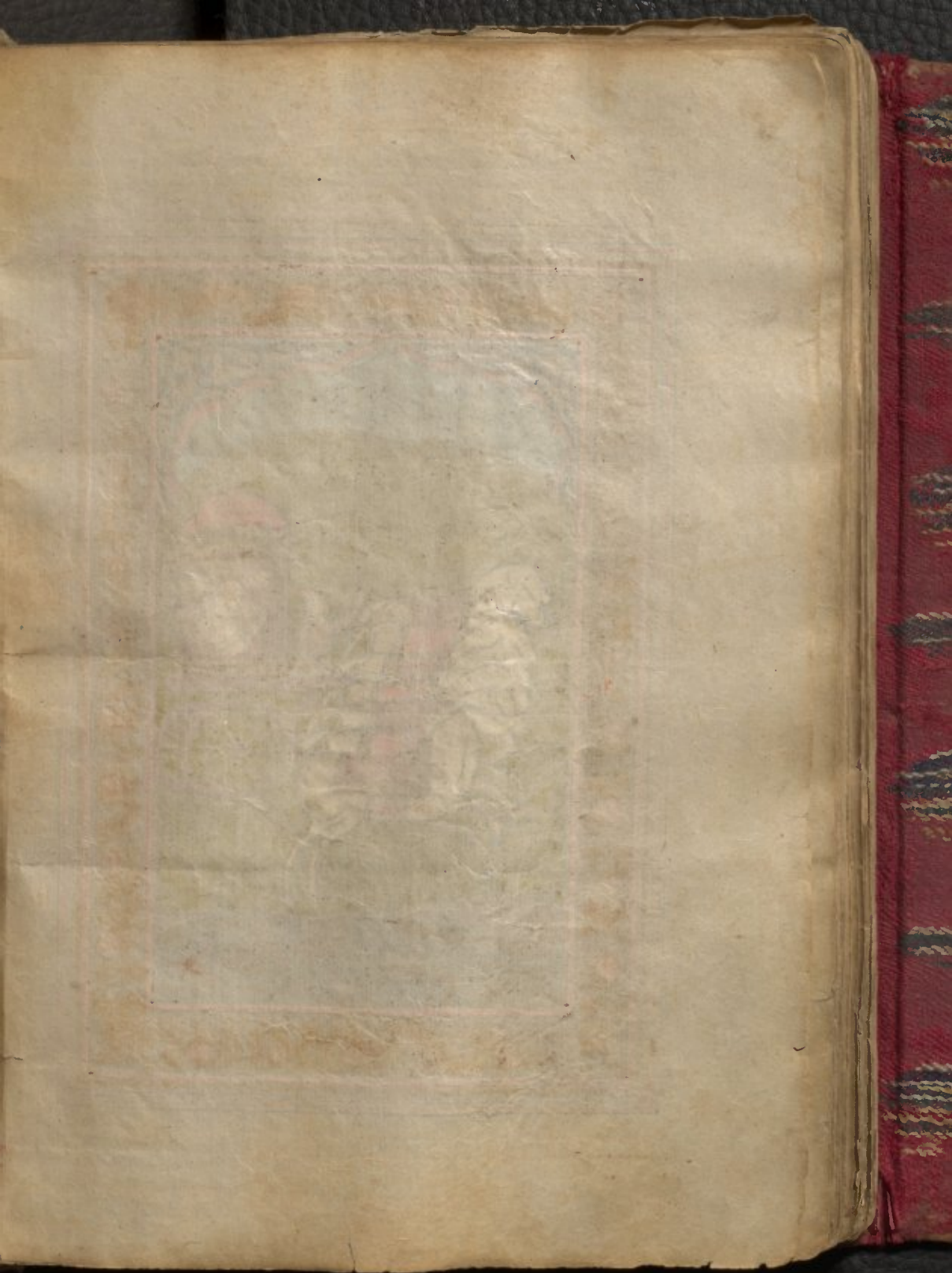
भ.
 भ.
 भ.

इउडुपरसुकलिःभचभर
सिउः॥कलकधुभद्रुसु
पदाःभभेदिनतुवः॥भंवद्र
रकरेसुद्रःकलमरेविठव
भः॥पुरुधःमसुतेयेगीवृ
ऊवृऊःभनउनः॥लेकाए
काःभगपृदेविमुकद्रुतभे
नमः॥वरुःभगरंमसु।
लीभुतेलीवनेरिद॥ऊउम
येऊउपतिःभचऊउनिषेवि
उः॥भधुभंवतुकेवफिःभ
वभुदिकरेमलः॥भनतुः

269







गभुधुप्रधकः भविउरविः
 गठभुभनणः कलेभुदुः
 ठाप्रठकरः ॥ पविष्ट
 पसुतेणसुपेव यसुपर
 लभ ॥ भिमेवदभुतिः सुते
 वपेसुगकावम ॥ उदेवि
 वभुमीपुंसुः सुमिः मेमिः
 मनैसुगः ॥ वरुविभुसुद
 रुसुभुतेवैसुवलेयभः ॥ वै
 रुतेणरसुगिरेनुनभेण
 भनिठिः ॥ ठमसुलेवैमक
 रुवैमदेवैमवदनः ॥ रुतं

अ.
 भु.

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथं ज्ञेयं
तुभ्यं भगवतः भक्त्या लब्धं विधिं
तु ॥ विष्णुं भगवतं त्रितयं तु
दभक्तुं त्रितयं भगवतं ॥ वैश्वदेव
य नमो वासुदेवाय ॥ मन्त्रं भगवद्वि
तेन लब्धं त्रितयं भगवतः
दत्तं भगवतः त्रितयं भगवतः
भगवतः ॥ ॐ भगवतः त्रितयं
प्रचक्षते भगवतः त्रितयं
भगवतः त्रितयं भगवतः त्रितयं
भगवतः त्रितयं भगवतः त्रितयं
भगवतः त्रितयं भगवतः त्रितयं

डिठवडिठवडिचकिंठवडिग
 भूरः॥ मभेमरुगनिगभन
 भनकमिभुनीचुउडिठव
 ठववलिउणिउमनवनव
 नीरुवळवळयभिद्वभा॥
 मभेमरुगभक्तिभुचुगव
 मरुगतिचुगेविच॥ ठवण
 लठिभयनभचुगपरभचुग
 भयनयद्वंभ॥ नरयक
 उभयसरकगवलिउव
 केयर॥ उडिधदमीभमी
 येहुयभरेल्लभमवभउ॥

प.
 भु.
 ३०

नपरिकेगधदुमनरे ॥ मी
पतिपमरतिरे ॥ कवकवकी
डिम्बिमेवरे ॥ भट्टपिकेसप
गमेन'यउवा'दंनभाभकी
नभुभा ॥ भाभुकेदिउरङ्गः
कुमनभभुकेनउरङ्गः ॥ भ
हुमिहिरवड'रैरवउरवड
वउवभुठ'भा ॥ नर'य'प
रिप'लेकवकवडा'कवडा'प
कीडेदभा ॥ उहुउनगनग
किम'न'ण'म'न'ण'कुल'भिडु
भिडुममि'रु'पु ॥ रु'पु'प'रु'व

प० उ० के० प० प० उ० क० म० द० प० उ०
 के० ह०ः० प० म० मृ० उ० ॥ भ० च० वे० म० प०
 र० य० ॥ प० ह० न० व० डि० । सी० न० र०
 य० ॥ म० र० ॥ भ० य० ह० म० प्रे० डि०
 न० र० य० ॥ म० र० ॥ भ० य० ह० म०
 प्रे० डि० । या० व० वे० म० न० र० य० ॥
 इ० प० नि० ध० उ० ॥ उ० डि० मु० न० म० ॥
 डि० न० वि० न० य० म० प० न० य० वि० धे०
 म० भ० य० म० ने० म० भ० य० वि० ध० य० र०
 म० न० धु० म० ॥ कृ० उ० म० य० वि० भु०
 र० य० उ० र० य० म० म० र० म० ग० र० उ०
 मि० वृ० पु० नी० भ० क० र० न० प० रि० भ०

य०
 मु०
 उ०

नं उभू मिट्टवठमभानभेउ
वमउं वृद्धे देवकी पुत्रे
वृद्धे भयभ्रमन उति म
चक्रु उभू मेकं वै नग य
पुनपभक गं परं वृद्धि
तउर यच मिरे ये तीउ
भपा पे पा पेठ वति भाव
भणी य ने ग रि रु उं पा पं न म
यति पाउरणी य ने मि व भ
रु उं पा पं न म यति भृष्टि
नभ मिट्ट नि भ पि ठी य नः
पाउरुः पाउक ति पाउक न

मं
३

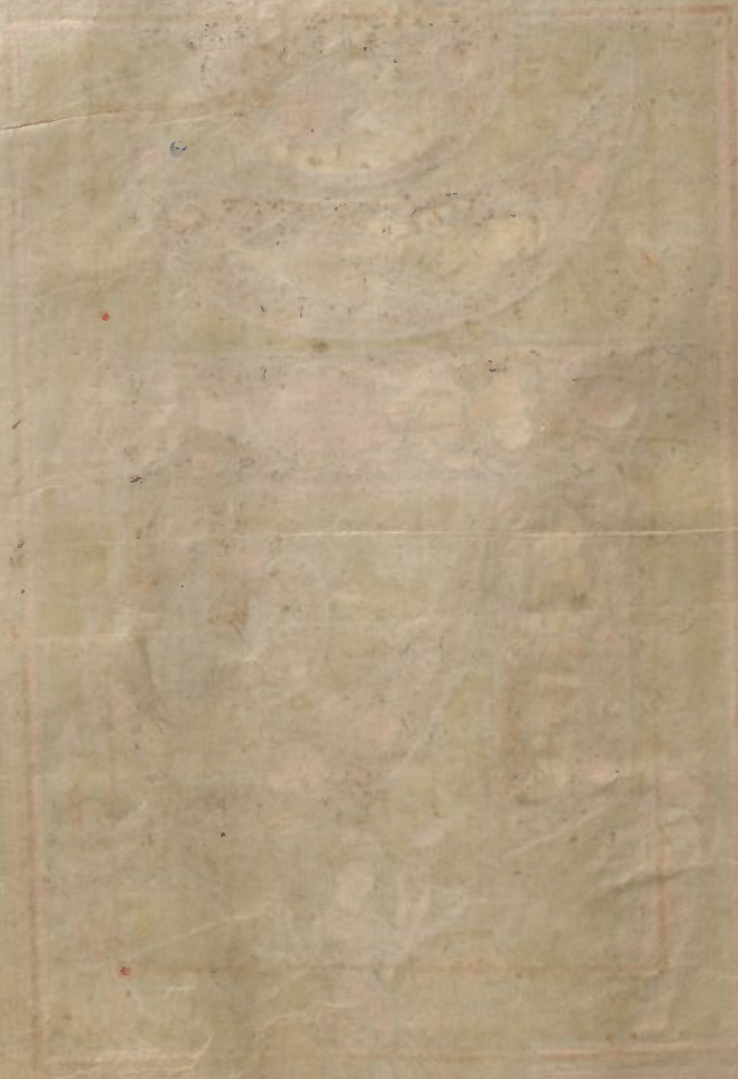
भवं यद्गुं यस्मिन् । निष्कल
के निरालं न निचिकले निरक
रे निरालं निरालः । सुदुमे
वाके न गयले न द्वितीये भि
कस्मिन् । यापयं वं भविष्कुरे
वरुवति । भविष्कुरे वरुवति ।
मिडति मृगैव दरेत । न भउ
ति पस्मत् । न गयले यति उप
निष्कल । मिडते कद्वरं न भउति
द्वेन दरे । न गयले यति पस्म
द्वरलि । पदुके न गयले भु
पुद्वरपदमणीते । येदवै न ग

वभवे नगय ॐ के क म म न
दू नगय ॐ दु म म मि ट्टः ॥
ददुषभवः भव ॐ सु कं मि
नगय ॐ दे व भ भ दू दू ते नग
य ॐ दू य दू ते नगय ले पू ली
य ते प्र ष प र थे द वै नगय ले
दू नगय ले व दू नगय ॐ
मि व सु नगय ॐ म रू सु न
गय ले, ण सु नगय ॐ उ वं
म नगय ले मि म सु नगय ले
वि मि म सु नगय ले, उ गु दि सु
नगय ॐ नगय ॐ ए वे मं

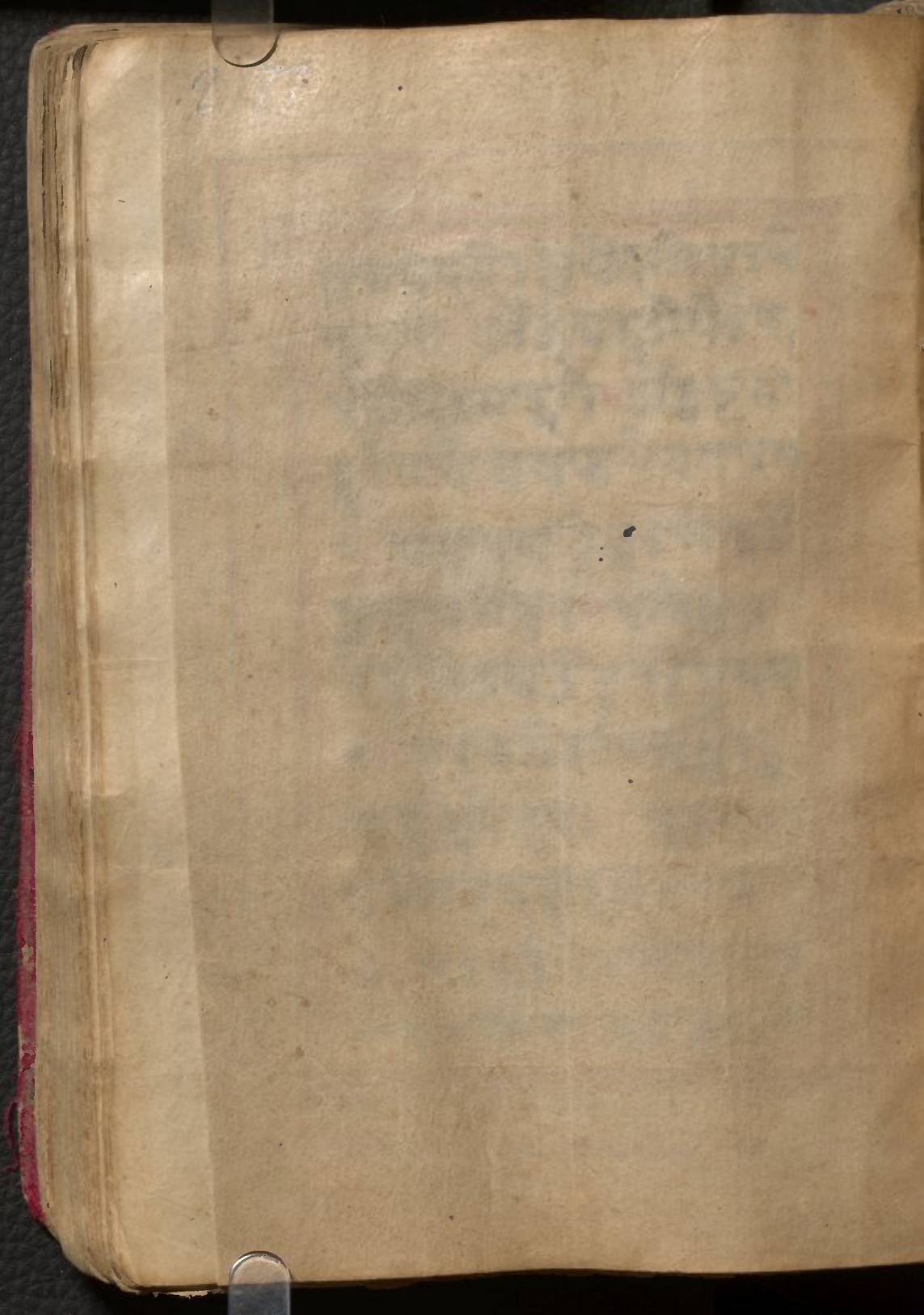
न.
३५.
३५

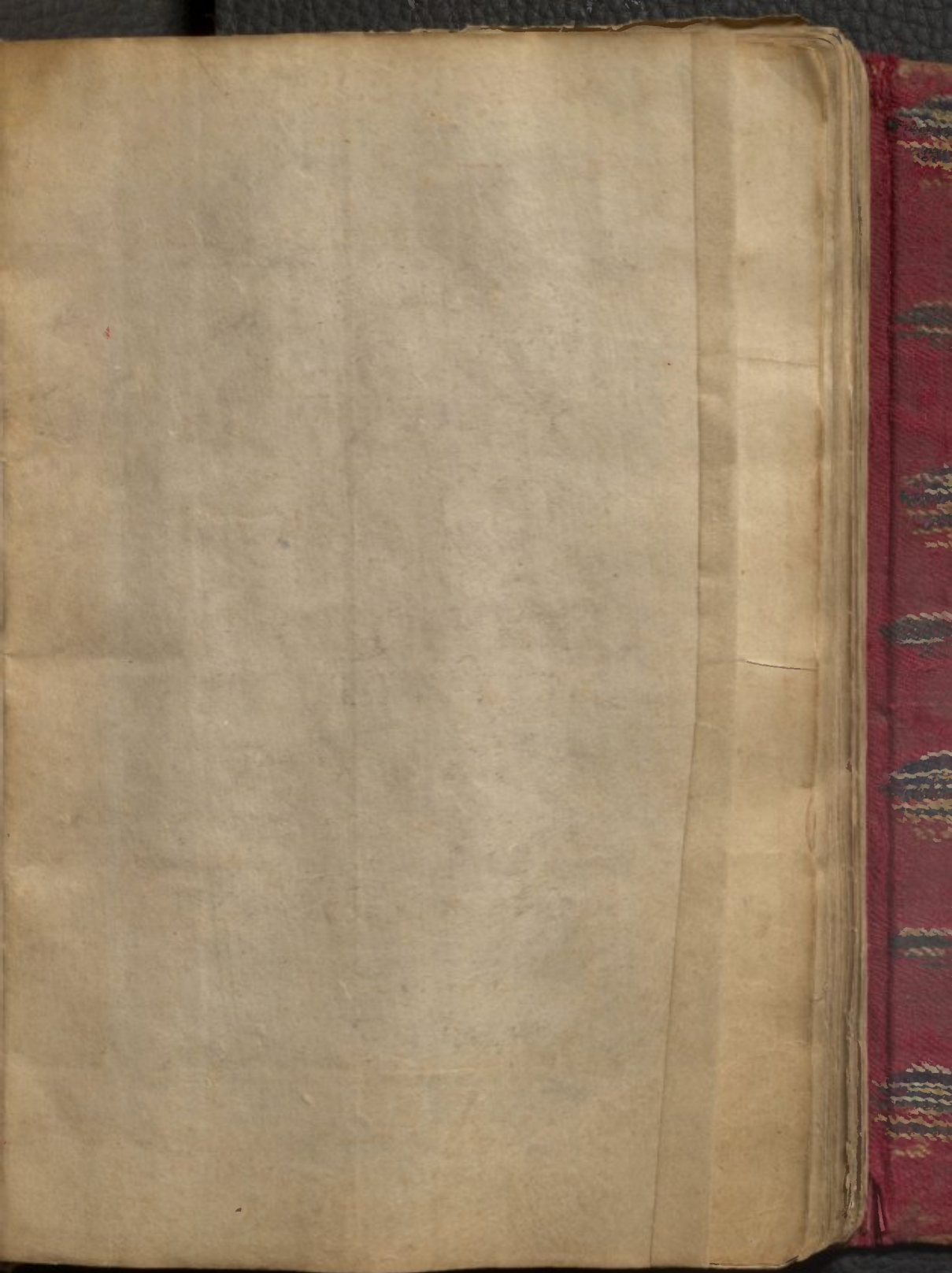
कन्दधनविभक्तिकदिमि
उ॥१॥ उतिमकुलेकिरुग
वउभा॥ विनभेनरय॥२॥
विम्वपुनपेदवैरगयले
कभयउपूरःभलेयेति॥ न
गय॥३॥ एयउभनःभवे
मियलिम।पेवयुलेतिग
पञ्चपुष्टीविम्वभृणरिनी॥
नगय॥४॥ एयउनगय
॥५॥ एयउ॥ नगय॥६॥
एयउःपूरयउ॥ नगय॥
मिमेएयउ॥ नगय॥७॥

2









स.
क.
३५

सुमदंयमेउसुवेवमिधुउमे
भुदभा॥८उउंयइतीयेउन.
पुतीयेउमइनि॥उडिइम
इनेभायंयषठमेयषउमः
८॥यषभदत्रिकुडनिकुउ
पुसुवमेधुन॥पुविधुपु
विधुनिउषउधुनउधुदभा
५॥उउवमेवलिहभुउउ.
लिहभुनइनः॥अत्रयवृ
उरिक्कंयइइचइमचम
७॥उउइउंमभाडिधुपम
मभाठिन॥कवकुलवि

यः॥३॥ कविभेभिडिमभुनेभ
वउस्त्रुभिष्टि॥ भवभुभम्न
स्त्रिभपुस्त्रेकीपकीत्रिउ॥७॥
उडिभपुस्त्रेकीगीउभभुल
नीनगवउवम॥ त्रिह्रनप
रभगुहंभेयडिह्रनभभत्रिउ
भा॥ भगदभुंउरुहंमगुद
गरुडिंभय॥९॥ यवउदंय
षाळवेयदूपगु॥ कम्कः॥
उषेवउडुविह्रनभभुउभम्
उगुदउ॥३॥ त्रिचदभेवाभमे
वगुनउरुहंमभुगभा॥ ५

सापभ, सुकं, प्ररुगवृयभा ॥ क
 मुंभियभृपलुनियभुंवेमभ
 वेमविता ॥ ५ ॥ भवभृमादंरु
 लिभत्रिविधुभतः भृतिचुनभ
 पेदनंम ॥ वेमैसुभवेरदमेव
 वेहेवेमउरुकेमविमेवमाद
 भा ॥ ७ ॥ भमनरुवभमुकेभ
 मृणीभंनभभुद ॥ भाभेवैधृ
 भिमहंउ, पुतिरनेप्रियेभिभ
 १ ॥ येभंगीउभभुदेनभेउ
 भिसुभिपदुय ॥ उभुदंभ
 पुकिः मैकैः भुदुपवनभंस

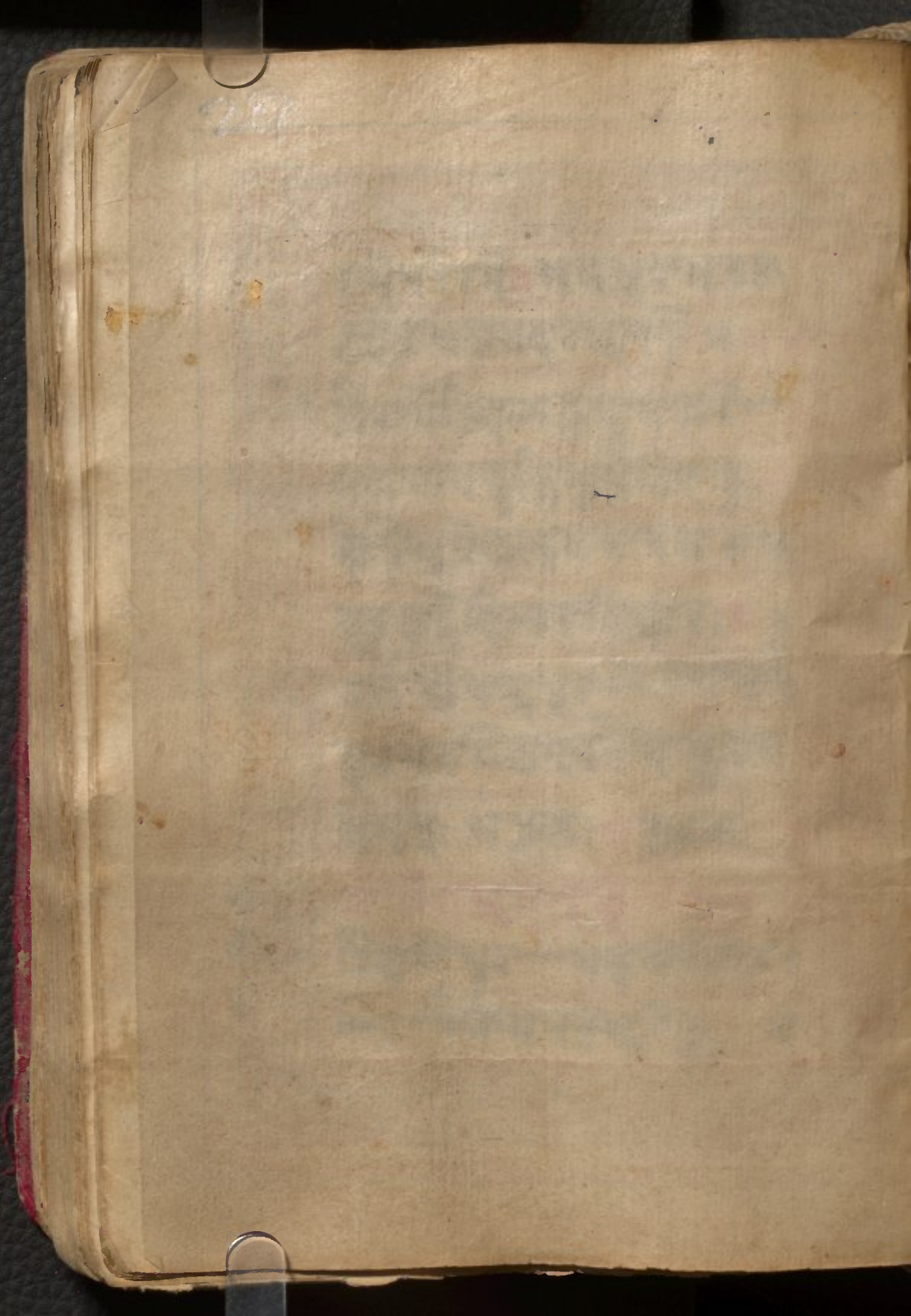
म.
 गी.
 ३८

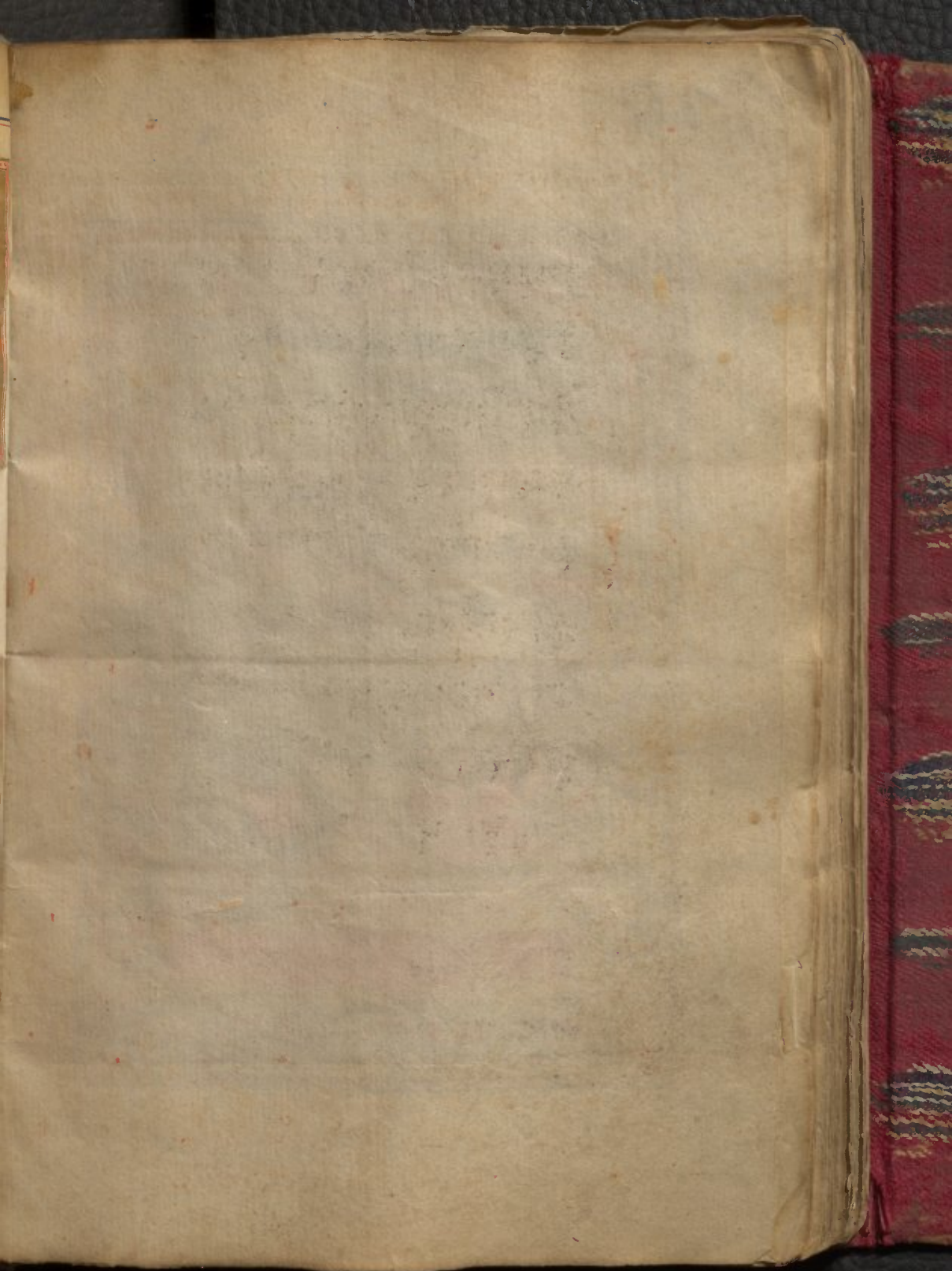
वभुठउरभमिनुकुपभरिह
वरुंउभभःपरभुउ॥०॥विभि
हृकंकरंवरुवृदग्मभउभु
न॥यःपूयतिहृणैदंभवति
परभंगतिभ॥३॥भुनैहृपी
कैमउवपूकीहृणगइहृपृह
नगणउम॥रदंभिनीउनि।
मिमैवतिभवेनभभृतिम।
भिसुभइः॥३॥भवतःपाणि
पांउइवउदिमिरेभापभा
भवतःसूतिभवेकैभवभव
हृतिपूति॥८॥उवृभ्रतभः

320









गभेभनेगभे॥ भदभुनभउउ
 उलुंगभनभवर नने॥ ॥ ॥
 विगभेतिवल्हवुभामरे॥
 भमणपद्मिभुपैडिणनुः॥
 कलेवुगेकल्हभनभनभ,
 नुउठद्दकिलनठिकरः॥ ॥
 उडिमीपद्मपुरल्लउभभदे
 सुगभंदमेठगवडेविष्णुभ
 भदभुः भंप्रल्लः॥ सुठभा ॥
 विमीदधुल्लनहंनभः॥ ॥
 ठिकविंपुरल्लभनमभिउभ
 ल्लेगलीयंभभनभुगेहः भ

भ
 गी
 ३

उपवस॥ कभामृभक्तुमिउव
किंतुभवैसुगपूके॥ इमयवदुभ
मसुमकेभिपठितुंनमेउ॥ वि
धुःभदभुनभैउदुदंरुपठ
पुण॥ नभैकेनउयेनभुउदुन
वुदिभैपूके॥ श्रीभददेवउवम
गकगलीनिनभानिमरउभ
भपाचउति॥ भनःप्रभत्रउभैति
गभनभक्तिमद्वय॥ गभउये
गिनेयउभननैमिदुदुनि॥
उतिगभपदेनभैपरंवुदुकि
ठीयउ॥ श्रीगभगभगभैतिगभै

वि.
म.
३३

पितृपापपुत्रपुत्रद्वयः ।
त्रिः ॥ भयदितृभृपितुः
पुत्रपुत्रपुत्रद्वयः ॥ पुःपु
मृः ॥ भयेपुत्रपुत्रपुत्र
कृः ॥ उयभविदिउमिन्न
कृतिमिन्नवममयः ॥ विल
भतिभममृः ॥ भभृमिन्न
तृवः ॥ उयविनकमवदं
कैसुदंकपरिगुदः ॥ भवेक
वतिणीवतेयउनभिवभं
भितः ॥ उभउनेवठमृक
भभेकनउरः ॥ कृतिउने

५

कुंमि त्रुत्त निहृदय वेग सुग
 दि॥ उतः परं किं भठिकं परं
 मीप्रुदधे उभात् ॥ उभव ह
 यकं भ्रुं कण्ठि ह्रिभ नि
 नः ॥ भधित भिद्वय नय मि
 रं यमय भी सुगः ॥ पूक मि
 तेन मेय भद्रुं हृदि वृम
 कुयः ॥ अदे भवे सुगे विष्कुभ
 चर वे तु मे तुभः ॥ कवम मि
 गुरुद्रुं ॥ मभा त्रुद वयी ह
 उ ॥ मदीय मं मभा दं हृं क
 लभ न कव त्रिये ॥ डिपते

वि.
 म.
 ३०

सुवक्रभगवचभुंभहभेउमये
मिउम॥ सीपावडुवाम॥ णु
भुउगदीउभिदउकुभिण
गइके॥ यमयेमंमउंभुइंउ
मदभंभुमउकभ॥ सुदेवउ
भदकभुंभभभुभापमेदरे॥
विहभनैपिभवेमेभुगळकि
मृतिभंभउते॥ यभदिमृण
गत्रंभंभदेमेपिमिगभुरः॥
एलीमभुनलिउ'मभुपभु
वेहुउएनैः॥ उउठिकेभिकेमे
वेनझीकउ'मपडिपः॥ यउ

विधुति॥ नभिविधुः परं भट्टं
नभिविधुः परं पद्मभा॥ नभि
विधुः परं लुनं नभिभेदभवै
पुवभा॥ नभिविधुः परं भु
नं नभिविधुः परं उपः॥ नभि
विधुः परं एनं नभिमनुभवै
पुवभा॥ किं उभुवदुठिमनैः
नभैः किं वदुविभुगैः॥ वलि
पेयभदभैः सुठिदभुएन
दुनै॥ भदगीरुभयेविधुभच
गीरुभयः पूरुः॥ भचरुउभ
येविधुः भट्टं भट्टं वदुभुदभा॥

वि.
म.
३.

भिक्षुहनेनवेभहःप्रहयःभव
कमभु॥ॐठइइयगेपुंभ
हंभुंजैकभिक्षुये॥नवेभुव
यमउवुंविकलेपदउइने॥
ठजिसुइविदीनयविभुभ
भहृमविने॥मेयंपुइयमिभु
यभुहमेदिउकभुय॥भहु
भहृमउनेमंगुदीधुवुत्तमे
ठभः॥कलेमभहृःऊनमेप
पहृयचउिप्रिये॥लेकभंठ
गुदीननंयेनहुःपंविनसुति
डिइधुवेभुवेभुउमदवउठि

कृष्णरुचं गेगिः भव गेग
 उ॥ वृत्तं भुतं म सुदी०
 नं लीदिउ प्रमभा॥ कुत ग द
 विषयं भिगद पीड निवउ
 कभा॥ भङ्गं पृष्टं भा वृष्टं प
 न सुव० लिपउ॥ भन
 मभुपिल देमः॥ भङ्गभु
 सुकेटिसः॥ पुर० मभुभु
 उयः सुतः भुः पठित भुष॥
 यभुभु कदं रं स्रकं पदेव प
 नडिपिये॥ उभुभि कूडिभवे
 धुभमिर कि भुत पिलभा॥

वि.
 म.
 ३७

मन्त्रिं पदं च ॥ भद्रं पत
किं न भवि ॥ भवेत्तं पुं लि न
भसु भवन्ती धूल पदमा
भमभुवि भ्रमभनं भवन्ति
विन सभा ॥ अथः पप्रम
भनं तीव्रं रिदुन मनभा ॥ ८
॥ इयं पदं गुह्यं न नृय
सभूरभा ॥ भवेत्तु पदं भव
भिदुं भवक भद्रभा ॥ ती
यल्लुत पदं नृय केदि ल
पदभा ॥ एग हृदय सभनं
भव विदु पदं कभा ॥ गणं

पित॥ भिदेभ गेदेन गेदेव
 भुक्तिवृत्तपः॥ वल्लभेवृद्ध
 ॥ सुतः कर ७ गुंनभनभः॥ ॥
 त्रि० हृ० सुभुदेवभृविष्टेन
 भभदभकभ॥ भवपराठम
 भनंपरंरुक्तिविवचनभ॥ सु
 दायवृद्धलेकदिभचभुनैक
 भठनभ॥ दिष्टुलेकैकभेप
 नंभवदःपविनमनभ॥ भ
 भभुभापमंभदृःपरंनिव
 दायकभ॥ कभरूठमिनिः
 मेधभनेभलदिमेठनभ॥

वि.
 भ.
 १३

गुपदरुतुभभा॥उमैःसुव
वलिगणगिरवउःकेसुरः॥
मरुतुहकपडीमेहुसुतेमेप
कदरुत॥मष्टुद्विहृविहृ
गुपुवःसुतुभंवरः॥भरुः
गिरिपडिमुनेभाभागुःकत
भतुभः॥दिनहृदुप्रचभि
दुःकपितःभाभवेरुगद॥उ
दुःपगेमुदुगुवभतुःकत
पादपः॥रुदुसुधुःकभठे
नरुतिप्रगुःभगेतुभः॥गितु
भाभिःगुदुसुधुभाउदिउतभा

कवीसुरः॥ भद्रदिग्गुरुवि
 भूगमिहमेरुनिःभृगुल॥
 दधचक्रिः सुमिमेधुः मद्र
 रिकुगुरुदः॥ विदुडभः॥
 मिदुरवेगवृचगृदरेडभः॥
 दलमिरगृभीगेगीमद्र
 गृमीसुनरैमः॥ देवदिग्ग
 दधुवगृलनेवमः पवम
 रल॥ पवनः पवनैमनेवम
 नेवमभं पडिः॥ गद्रुडी
 डेडभेडुडं मुलकगृवरेध
 ठभा॥ पवनं भुमवनेभुगृव

वि.
 म.
 ३१

मीरु कृष्णपदः॥ असुवग^{नय}
 दिरेवतुः॥ श्रीरुजतिरामनः॥
 भट्टः क्षान्तुलक्ष्मीरुजधुनिः
 मेपठदरु॥ अरुतुभुलया^{नय}
 गैकदेभप्रलपिलडिणः॥
 अभाष्टैकणगसुभुविमुव^{नय}
 तुणयसुणः॥ अरुतुडुणिपः
 कुरुमेधुविठिरुभापडिः॥ ठ^{नय}
 इमेधुः पूणेमगुभगीमिल^{नय}
 नकगुनीः॥ कसुपेदेवग^{नय}
 रिमः पूडदेदेहगुमी॥ न^{नय}
 दाइमेगविमुणमेधुः सुरुः॥

७० उक्तिः

नाम

नाम

अनेरुपुभेदनः॥^{कृप}देवैरुतु
 दिधु^{नये}वेरुमूडिगेपकः॥^{कृप}
 मेरु^{नये}नित्रुधुमिधुभापमः
 भमभद्वि^{नये}य^{नये}वेगृपि^{कृप}
 लरुपःभवमु^{नये}पिलेधुमः
 मउधु^{नये}रिधु^{नये}धु^{नये}पगभि
 डमु^{नये}गः॥^{कृप}प^{नये}ध^{नये}मु^{नये}डिभ^{कृप}ने
 मः^{कृप}प^{नये}ध^{नये}मु^{नये}डिगेपकः॥^{कृप}क
 विचिधु^{कृप}यमःपुःकलिक
 लविलेपकः॥^{कृप}भभमु^{कृप}भेमु
 मधु^{कृप}धःभवमिधु^{कृप}डिएडि
 ड॥^{कृप}भटपवडुकेदेवडिण

 वि.
 भ.
 ३०

निरुद्धे ददुर्गुपद्विभुमे
^{नय} दनः॥ ^{नय} मरुगुमरुचरुः मरु
^{कय} दगविणयकः॥ मरुचेरु क
^{नय} विमरुमवेरुधुं ^म सुकेरिभुः॥
^{कय} मधुममपुगुमिधुमः म
^{नय} पामदभुगु॥ ^{कय} भदभुगुगुनि
^{नय} मरुकवीरुगुगुयः॥ न
^{कय} मरुपयनः ^{नय} भचपुदधुगुक
^{कय} रेणकः॥ ^{नय} वेरुगुगुवुगुक
^{कय} वृल्लकः ^{नय} प्रदवंमरुगु॥ वृगु
^{कय} एनलिगुमेधमेवमेवुगुग
^{कय} दियः॥ ^{नय} निरगुगुगुगुगुगुः सी

उल्लनभमपदः॥ गुहभद^{दय}
डिवभुमीध^{दय}दृपिलकेगवः॥
पाऊऊपडिउमेधमिदृभुः^{दय}प
ऊभेदमिउ॥ गऊम^{दय}पसुनस
भुव^{दय}दवेवीऊगपदः॥ एग
वृण^{दय}गिगडिमः^{दय}भुउभ^{दय}इपि^{दय}
लेधुमः॥ क^{दय}भमेवेगडिपडिम^{दय}
मपः^{दय}मभुग^{दय}उकः॥ सुन^{दय}मे^{दय}एउ^{दय}
जेगीमेगडिकतुः^{दय}भमे^{दय}पिउः^{दय}
पये^{दय}धुचिसुविणयीभुग^{दय}क^{दय}
भेसुगीधियः॥ उध^{दय}पडिचिसु^{दय}
केउचिसु^{दय}पुणिप्रमधः॥ सु

वि.
म.
३५

भुमुऊरैकनिष्कलयवनेधुन
उ॥^३यभन^३पडिर^३नीउपरिली
नडिए^३रुणः॥^३मी^३मभर^३क
ऊऊऊ^३भुनीउ^३वैठवः॥^३दच
उमिसु^३पाल^३मिभु^३कि^३मे^३दुर।
कै^३सुरः॥^३सुम^३भुल^३मिक^३भु
पु^३दुरक^३निठिके^३रि^३पै^३उ॥^३म
रू^३रे^३दुव^३भपै^३क^३ऊ^३भु^३सू^३ऊ^३भ
कि^३मः॥^३भर^३ल^३भुी^३ण^३न^३री^३द
भउ^३व^३पी^३द^३उ^३ल^३वः॥^३व^३ऊ^३भु
म^३गु^३ग^३ऊ^३भु^३प^३गी^३दि^३प्ली^३व^३नै^३क
दउ॥^३परिली^३नडिए^३भु^३उ^३नी

५ वैकट्य ॥ क^नमिरण^नमिर
 मु^नउ^नरु^नम^नहू^नक^नभ^ननः ॥ विमु
 सु^नर^नपु^नभ^नरु^नक^नमिरण^नभ^नउ
 नः ॥ म^नभु^नपु^नउ^नरु^नवि^नसं^नभी^नक
 मी^ननि^नरु^नगु^नन^नय^नकः ॥ क^नमी^नम
 ग^नके^नटि^नपु^नले^नक^नमि^नदा^नडि^नए
 त्तकः ॥ सि^नव^नजी^नवू^नउ^नपे^नव^नमु^नः पु^नर
 मि^नव^नव^नर^नपु^नरु^नः ॥ म^नहू^नर^नक^नपु^नउ^न
 धु^नए^नडु^नम^नम^नहू^नर^नपु^नरु^नकः ॥ मि
 व^नक^नरु^नवू^नउ^नप^नउ^नतिः न^नधु^नरु^नप^नमि
 व^नरि^नद ॥ भ^नद^नल^नद्वी^नव^नपु^नजे^नगी
 उ^नउ^नवे^नरु^नल^नवि^नरु^नद ॥ भ^नप^नभ^न

वि.
 भ.
 उर

जिह्वे

उपट्टमउकनउकमिलिउ
मभभुनउकिउउमचक्रपति
केटिलिउ॥रुज्जिनीरभलेरु
ज्जिमासनेनरकउकः॥मभ
भुभुनगीकउभुरगिनरु
पुणः॥एककिणिउरुक
भरुमृपिलेसुरः॥देवेरु
मददकलरुभालरुउरुउ
नेः॥रु॥रुभदभुमिउरु
मिगकेटिलिउ॥लीनलि
उभददेवेभददेवेकपुणिउः
उरुउलननिरुणयमः॥

नय

नय

नय

गवेसुरः॥^{कय}रभे^{नय}रगेप^{यय}देय
मे^{नय}न^{कय}क^{यय}कः॥^{कय}क^{नय}निय^{यय}र
भनः^{नय}भचगे^{कय}पगे^{यय}धी^{नय}एन^{यय}पियः
लीन^{नय}गेव^{कय}ठन^{यय}ठरेगेवि^{नय}ने^{यय}गे
ऊले^{नय}इवः॥^{कय}अरि^{यय}धु^{नय}भ^{यय}षनः^{कय}क^{नय}भे
ऊडुगे^{नय}पीवि^{कय}भु^{यय}जि^{नय}मः॥^{यय}भट्टः
ऊव^{नय}लय^{कय}पी^{यय}रु^{नय}पु^{यय}जी^{कय}सा^{नय}र
भट्टनः॥^{नय}कं^{कय}भ^{यय}रि^{नय}रु^{यय}गु^{कय}भै^{नय}न^{यय}मि
गण^{नय}वृ^{कय}प^{यय}मि^{नय}डु^{यय}भरः॥^{कय}भु^{नय}ठ^{यय}म
कि^{नय}डु^{कय}ले^{यय}के^{नय}ए^{यय}रभ^{कय}रु^{यय}रु^{नय}रु
कः॥^{नय}रु^{कय}रु^{यय}गु^{नय}ए^{यय}रभ^{कय}रु^{यय}की^{नय}भ
भै^{नय}नय^{कय}मः^{यय}पु^{नय}रुः॥^{यय}भ^{कय}ट्टी^{यय}पनि^{नय}भ

सि.
भ.
३०

नाथ

नाथ नाथ

नः॥ उनिभंयुभनेजेरेरेदि
यः॥ पूतभुद॥ भुधुकभेद्वि
उदकलिनीदेमनेरनः॥ रेव
उीरभः॥ प्रवठक्तिपेमसुड
गुणः॥ देवकीवभुदेवदुकसु
पामिडिननुः॥ वदेयःभानु
उंमेधुःमेगिदुदुलकुदः
नारुडिपंगवदुभवभमिदर
पमः॥ वदुमिकभुलानिदुण
गमसुदमेमवः॥ पुउनपुः
मकटकिदुभललनुठहनः
वउभुगगिःकेमिप्रेठनुकरि

भगतीपडिसुदुइठविउः॥म
 भुः^{नय}रिपुगमदैकभुदुविमुगषे
 दुदः॥ठऊमभुलिउमैहभउ
 वपीभभभुपः॥भदपूलव
 विचैकडिडीयेपिननगर
 ए॥मेधमेवःभदभूकःभद
 भूभूमिरेकुणः॥८७भलि
 क७करयेलिउचुभुमदकिः
 कलपिददुणनकेभुभुलभु
 दलवृणः॥नीलभुरेवद
 मेभनेवकायमेधद॥मभउ
 धरुधुभउपाडिउकममन

गङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥
 भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥ भुङ्गाः॥

गङ्गाः

५

रा

मरभननितुउठरलीमकु
ले^{लप}यः^{येय} वृ^{ज्य}क्रमिकभृभत्रिष्ट
भनषीरुउमेवउः॥ वृ^{ज्य}क्रलेक
पुमकुल^{पाय}हृमधपु^{मय}लिभाउ
पः॥ भृ^{पाय}रीउगरु^उरुमु^{मय}मिःमि^{पाय}र
येष्टव^{मय}नैक^{मय}दउः॥ गभ^{मय}द्वितीयः
भेभि^{मय}त्रि^{मय}ल^{मय}कु^{मय}लः॥ पु^{मय}दउ^{मय}मु^{मय}लिउ
वि^{मय}भु^{मय}रु^{मय}कुं^{मय}मरभ^{मय}भ^{मय}द्वि^{मय}पा^{मय}दक^{मय}र
ए^{मय}नि^{मय}व^{मय}उः॥ क^{मय}रउ^{मय}भ^{मय}हृ^{मय}ग^{मय}नु^{मय}व^{मय}के
दि^{मय}भ्र^{मय}ल^{मय}व^{मय}उ^{मय}कः॥ म^{मय}रु^{मय}भ्र^{मय}वे^{मय}वै
हृ^{मय}र^{मय}दु^{मय}य^{मय}वे^{मय}र^{मय}ग^{मय}हृ^{मय}ध^{मय}ली^{मय}प^{मय}तिः॥
नि^{मय}हृ^{मय}भ^{मय}उ^{मय}क^{मय}रे^{मय}ण^{मय}नु^{मय}नु^{मय}रि^{मय}द^{मय}ले^{मय}ए

वि.
म.
उ.

पय

ववृ^{रु}न^{रु}भैक^{रु}म^{रु}उ^{रु}भच^{रु}भग
 त्रिउः॥ वृ^{रु}भु^{रु}दे^{रु}म^{रु}रु^{रु}मि^{रु}व^{रु}मृ
 दिउ^{रु}भ^{रु}उ^{रु}पि^{रु}यः॥ अ^{रु}ये^{रु}पि^{रु}ल
 ग^{रु}गृ^{रु}भ^{रु}च^{रु}रु^{रु}भ^{रु}ने^{रु}द^{रु}रुः॥ भु^{रु}भि^{रु}न
 उ^{रु}नु^{रु}न^{रु}प^{रु}म^{रु}दे^{रु}दी^{रु}ने^{रु}रु^{रु}भु^{रु}क^{रु}भ^{रु}दि
 यः॥ सु^{रु}प^{रु}कृ^{रु}मि^{रु}तु^{रु}य^{रु}म^{रु}जी^{रु}दी^{रु}न
 रु^{रु}ठि^{रु}क^{रु}भ^{रु}ठ^{रु}कः॥ व^{रु}ठ^{रु}वृ^{रु}ठ^{रु}उ^{रु}।
 मि^{रु}उ^{रु}न^{रु}उ^{रु}र^{रु}के^{रु}पि^{रु}ल^{रु}उ^{रु}नु^{रु}न^{रु}उ^{रु}॥
 प^{रु}च^{रु}रु^{रु}ठि^{रु}क^{रु}भु^{रु}ऊ^{रु}रु^{रु}पि^{रु}य^{रु}रु^{रु}ऊ^{रु}
 भ^{रु}ग^{रु}रि^{रु}लि^{रु}उ^{रु}॥ भ^{रु}कृ^{रु}उ^{रु}म^{रु}व^{रु}मृ
 रु^{रु}रु^{रु}यि^{रु}उ^{रु}उ^{रु}प^{रु}र^{रु}लि^{रु}उ^{रु}॥ के^{रु}भ^{रु}ले
 रु^{रु}वी^{रु}र^{रु}रु^{रु}भ^{रु}रु^{रु}रु^{रु}रु^{रु}भ^{रु}रु^{रु}रु^{रु}

प्रचैकरुमुमुदमेनिणिः॥ म
भाष्टम^{कय}ठकेलकभभुलेककम
दि^{उय}ः॥ वरमुपुणगमुलुपन
भुजलननुनः॥ गवल^{नय}िप्रःपु
दभुमिडुभुकलुकिरुगद॥
गवल^{मय}िकमिरमुडुनिःमकैमै
करणमः॥ भुजभुनडुविमु
मीमैवमुनिमुडुदरः॥ गदोमेव
इलुलुमठमवप्रःपरुपुडः॥
नडिभाडुमसाभुगिरुडुगण
विनीध^{उय}ः॥ भुणवधुभुड
मेपभुमैटेल्लीवनैककज॥ म

दि.
भ.
३

गदे^यप्रेकमरेकतउ^य॥पगरिः^य
 डिमिरेदनु^यइय^य॥पुणनरुनः^य
 एएयमेयिगडिमे^यगभु^यभच
 मुपाइर^य॥लील^यठउप्रेद
 पाभुदनुहृभिभदमयः॥भपु
 उलवृठ^यठपुसमुपाउलमन
 वः॥भगीवर^यएमेदीनेभनभै
 वरुयपुमः॥दउभदुदुभापु
 मः॥भभभुकपिरेदरुउ॥भन
 गरुहृर^यलेकवृकुलीठउभा
 गरः॥भभैसुकैटिर^यलेकमु
 धुनिरुमुभगरः॥भभदुदुउ

३

३

३

मदभुपिल'तिहउ॥^{ने}अगीमे^{ने}सु
नविहूनपर^{ने}म^{ने}सु^{ने}कभ'भु^{ने}ठिः॥
भवपुन^{ने}भु^{ने}सि^{ने}पु^{ने}पु^{ने}द^{ने}मे^{ने}क^{ने}ह
नकुलः॥^{ने}पि^{ने}र^{ने}ल^{ने}ह^{ने}कभ'भु^{ने}एः॥
भपडे^{ने}म^{ने}य^{ने}नि^{ने}ह^{ने}यः॥^{ने}गु^{ने}द^{ने}मे^{ने}म
दि^{ने}उ^{ने}सु^{ने}दः॥^{ने}मि^{ने}व^{ने}भ^{ने}र^{ने}ल^{ने}ए^{ने}ठः॥
मि^{ने}रु^{ने}क^{ने}ए^{ने}पु^{ने}र^{ने}ड^{ने}डि^{ने}ल^{ने}ग^{ने}मी^{ने}मे
वने^{ने}मरः॥^{ने}य^{ने}पे^{ने}पु^{ने}मे^{ने}प^{ने}भ^{ने}च^{ने}भु
मे^{ने}वे^{ने}रु^{ने}उ^{ने}न^{ने}य^{ने}दि^{ने}दः॥^{ने}व^{ने}रु^{ने}रु^{ने}रु
मि^{ने}न^{ने}उ^{ने}धी^{ने}के^{ने}भा^{ने}गी^{ने}म^{ने}प्रे^{ने}वि^{ने}र^{ने}ठ
दः॥^{ने}य^{ने}रु^{ने}म^{ने}प^{ने}द^{ने}उ^{ने}मे^{ने}प^{ने}रु^{ने}रु^{ने}क
र^{ने}ए^{ने}पा^{ने}वनः॥^{ने}म^{ने}रु^{ने}रु^{ने}म^{ने}भ^{ने}द^{ने}भे^{ने}रु

उवि

वि.
३.
०७

भुयज्भनकमिभुनिप्रपु
ठगवद्वजिवत्तनः॥वल्लभ
मिठम्कडुवज्प्रवडुकः
भुदवंसमुल्लेखभेग^{भय}प्रवःभ
कुल्लवः॥क^{भय}कु^{भय}कु^{भय}वीरग^{भय}कु
द^{भय}लेठम्पुग^{भय}रुः॥निटभभु
मयःभचठदुग^{भय}दीमुठैक^{भय}दु
क॥नर^{भय}रु^{भय}रु^{भय}ग^{भय}ठैठम्पु^{भय}दु
भदनिठिः॥भच^{भय}से^{भय}भू^{भय}सुयुःभ
वसभु^{भय}भुग^{भय}भवीदव^{भय}न॥ए
ग^{भय}कुमी^{भय}रु^{भय}मग^{भय}विःभच^{भय}रु^{भय}सु
ये^{भय}रु^{भय}पः॥भभभु^{भय}ठम्भुःभच^{भय}ठ

मः प्रमः ॥ ठीमः परमुरमम
 मियम दैकविमुरः ॥ मिय
 पिललूनकेमेठीधुमदेगि
 दैवतः ॥ मे ७ म दगुमचिमु
 लैडुपुनरुडुगिगु ॥ मडिडी
 यडपेभुगिगुमदैकमदि
 ॥ ७ ॥ भनः सुधुः भडुं भडुं
 दीयवृपठेविरल ॥ सुमिग
 एः दिडिपिडुं भचरडैकमे
 डरुडु ॥ पडुलमडैकमडे
 बीमीकीडिभुयं डतः ॥ एग
 डुडिधुमसुमयडिमेधुडुय

वि.
 भ.
 ७

वीदमिराणपुमेनपः॥
 विमुञ्ज'भुभिउ'सरे'रुतुये
 भनीसुरः॥परमक्तिभरुसिधु
 येग'नरु'भमे'रुमः॥भमभुमु
 रिउ'ले'रु'रु'भ'भ'उ'प'रु'पः॥
 मनभुय'ग'रु'रु'रु'ग'भे'रु'रु
 न'प'रुः॥ल'भ'रु'ग'रु'ल'रु'रु
 र'र'क'रु'उ'स'क्ति'रु'उ'॥भ'रु'
 द'रु'रु'न'ले'पः॥भ'रु'रु'रु'रु'रु
 र'रु'रुः॥भ'च'रु'रु'रु'रु'रु
 र'रु'रु'क'रु'वी'रु'रु'रु'॥भ'रु'
 रू'प'व'नी'रु'रु'मि'व'रु'रु'रु

५५

मय

मय

भाय

पमः^{मय} रिपु^{मय} मसु^{मय} दिवि^{मय} रुमः
 वेभ^{मय} पमः^{मय} भुप^{मय} मभुः^{मय} पवि^{मय} रि
 उण^{मय} गुड^{मय} यः॥ वरु^{मय} मसु^{मय} निव
 रु^{मय} दि^{मय} रु^{मय} उ^{मय} ठ^{मय} रु^{मय} दि^{मय} ठ^{मय} वनः॥ म
 मि^{मय} रु^{मय} रु^{मय} उ^{मय} वि^{मय} भु^{मय} रे^{मय} वि^{मय} सु^{मय} व^{मय} रु
 भ^{मय} द^{मय} र^{मय} नः॥ र^{मय} रु^{मय} भु^{मय} रु^{मय} प^{मय} र^{मय} रु
 मि^{मय} रु^{मय} गु^{मय} प^{मय} डी^{मय} मि^{मय} रे^{मय} रु^{मय} रः॥ प
 प^{मय} रु^{मय} भुः^{मय} भ^{मय} रु^{मय} प^{मय} रु^{मय} रु^{मय} रु^{मय} म^{मय} नि
 रु^{मय} य^{मय} रु^{मय} नः॥ पु^{मय} रि^{मय} उ^{मय} पि^{मय} ल^{मय} रु
 व^{मय} मे^{मय} वि^{मय} सु^{मय} रु^{मय} क^{मय} व^{मय} रु^{मय} रु^{मय} रु^{मय} रु
 भु^{मय} भ^{मय} य^{मय} नि^{मय} रु^{मय} गु^{मय} पु^{मय} रु^{मय} रु^{मय} रु^{मय} मि
 रु^{मय} भ^{मय} लिः^{मय} भ^{मय} रु॥ व^{मय} रु^{मय} रु^{मय} क^{मय} रु।

वि.
 म.
 ०।

मंगेपितृधूमः॥ भद्रमिवः
 मिव^३ मृते^३ के^३ र^३ वै^३ क^३ क^३ प^३ ल^३ क^३
 उ॥ मित्नीम^३ क^३ सु^३ रः^३ म^३ रू^३ मि^३
 वृभे^३ द^३ न^३ क^३ प^३ मः^३ गे^३ गी^३ भे^३ क^३
 ए^३ म^३ भ^३ य^३ नि^३ ठि^३ म^३ व^३ क^३ य^३।
 पदः॥ वृ^३ क^३ उ^३ ले^३ भ^३ ये^३ वृ^३ क^३ सी^३
 भ^३ य^३ ह^३ र^३ वी^३ भ^३ यः॥ भ^३ वृ^३ क^३
 ए^३ र^३ लि^३ सं^३ भो^३ व^३ भ^३ ने^३ मि^३ डि^३ क^३।
 पदः॥ उ^३ पे^३ के^३ च^३ प^३ डि^३ चि^३ ध्रुः॥
 क^३ मृ^३ प^३ वृ^३ य^३ भ^३ क^३ न^३ भ॥ र
 लि^३ भृ^३ र^३ ए^३ मः॥ भ^३ च^३ मे^३ व^३ वि^३।
 प^३ वृ^३ मे^३ सु^३ तः॥ उ^३ र^३ क^३ भ^३ श्री^३ क^३

लसकेटिमदभेदभदसुप
 गेइद॥ देवमनवदुष्टमेणग
 दुष्टकमदकः यमनीपकः॥
 भभभुदुनडिडड^{कय} एगदुष्टक
 ठदकः॥ उगे^{कय} मेभुरभलरः क
 नभुपिकठदकः॥ मनतुयुठ
 मेदु^{कय} देवभिदेवीरठदुलिउ^{कय}
 वेगिनीमरुगुहमः मरुगिप
 सुभंभडक॥ मरुनरय^{कय} मे
 धरुपमरुगवदनः॥ भधरुप
 मिदइड^{कय} दुधुमकिभदभुठ
 क॥ उलभीवल्लकेवीरेवभा

वि.
 भ.
 ०

भुवि न भु^भद^दद^दद^दगलिः
 भु^भउभ^उउ^उपिल^पउ^उउ^उउ^उभु^भद^द
 द^दरिः॥ व^वद^दम^मम^ममि^मरः॥ प^पद^दरि^{रि}
 क^कले^लव^वउ^उउ^उप^प॥॥ इ^इम^मम^मक^क
 मि^{मि}र^रउ^उभ^भद^दद^दमी^{मी}द^दक^कउ^उप^परः॥
 ये^{ये}गि^{गि}नी^{नी}ग^गभु^{भु}गि^{गि}रि^{रि}उ^उउ^उउ^उर^रव^व
 उ^उल^लकः॥ वी^{वी}र^रम^मउ^उउ^उउ^उउ^उउ^उर^रव^व
 भ^भरिः॥ क^कल^लम^मभु^{भु}रः॥ उ^उउ^उउ^उउ^उउ^उउ^उर^रव^व
 द^दम^मभु^{भु}प^परि^{रि}व^वर^रमि^{मि}द^दभु^{भु}उ^उक^क
 भ^भव^वद^दक^कउ^उउ^उउ^उउ^उउ^उक^कल^लभ^भ
 इ^इनि^{नि}व^वउ^उकः॥ न^नभ^भउ^उभ^भच^चरि^{रि}ग^ग
 अः॥ भ^भव^वद^दन^नद^दभे^{भे}भु^{भु}द^दउ^उ॥ ग

300

घ

७४

भदल्लिउदगा तु गृत्तिनीधः॥
केटिवल्लिकनपेण गदुधुदु
भुत्तिवत्त॥ भदुमरूपमयनेम
दभदुगल्लेसुरः॥ अग्निवृभेय
वीददुःभभभुभुरयभुरः॥
दिगटकमिपुम्मेनीकनः भदु
दलीपत्तिः॥ रुत्तुवदनः भदुः
भभभुठयनमनः॥ भवविभु
तुकः भवभिद्विदुः भवप्रकः
भभभुपत्तकपुंभीभिदुभत्तु।
ठिकदुयः॥ रुग्मेदगत्तिभः
कलकेटिदुगभदुः॥ रुदुगदु

वि.
म.
७१

वे५ः पी५षे५डि५क५ग५भ५मु
 दु५ठ५ग५ठ५ग५य५ल५मे५ठ५भी५ठ
 ५॥ दि५ग५ट५द५द५ः ५षी५प५डिः
 म५दु५दि५क५ल५कः ॥ म५भ५भु५पि५रु
 ठी५डि५भः ॥ म५भ५भु५पि५रु५णी५व५न५भ५
 द५व५क५व५क५रु५द५व५क५व५क५ल५ल
 म५य५कः ॥ ले५भ५भु५ग्री५न५ण५ल५णि५क५
 ठि५ड५मे५ध५भ५ग५रः ॥ भ५द५व५र५दे
 य५ल५भु५पु५ं५भ५ने५य५ल्लि५क५म५यः ॥
 न५ग५भि५ंदे५दि५वृ५भि५ंदः ॥ भ५व५रि५धु५
 रि५रुः ५प५द५ ॥ ए५क५वी५रे५दु५उ५ठ५ले५
 य५रु५भ५त्रु५क५ल५कः ॥ व५दु५दि५रुः

नय

नय

हुनमनेभवुभुमनः॥ मनेक
 भवुकेटीमः^{माय} मवुवृक^{उप} क^{उप} प
 रगः॥ सुमिवि^{लप} सु^{उप} वे^{लप} म^{लप} क^{लप} उ
 वे^{लप} म^{लप} सु^{लप} डि^{लप} भा^{लप} गरः॥ व^{लप} क^{लप}
 रु^{लप} वे^{लप} म^{लप} द^{लप} रः॥ भ^{लप} च^{लप} वि^{लप} सु^{लप} न^{लप} ए
 म^{लप} रुः॥ वि^{लप} रु^{लप} ग^{लप} ले^{लप} सु^{लप} न^{लप} भ^{लप} डि
 हु^{लप} न^{लप} भि^{लप} रु^{लप} ग^{लप} प^{लप} रु^{लप} पीः॥ भ^{लप} रु
 मे^{लप} वे^{लप} भ^{लप} द^{लप} म^{लप} मे^{लप} ल^{लप} ग^{लप} रु^{लप} पी^{लप} ए^{लप} व
 दि^{लप} रु^{लप} ए^{लप} उ^{लप}॥ ली^{लप} त^{लप} वृ^{लप} पु^{लप} पि^{लप}
 ल^{लप} भू^{लप} ठि^{लप} सु^{लप} उ^{लप} वे^{लप} म^{लप} प^{लप} व^{लप} रु^{लप} कः॥
 सु^{लप} मि^{लप} रु^{लप} मे^{लप} पि^{लप} ल^{लप} ठ^{लप} र^{लप} भु^{लप} पी
 रु^{लप} उ^{लप} ए^{लप} ग^{लप} रु^{लप} रुः॥ सु^{लप} भ^{लप} री^{लप} रु^{लप} उ^{लप} मे

वि.
 भ.
 ७८

स्ये पुण्य उये

ॐ विष्णुमन्त्रिः पराय ॐ
भा॥ मिदरिमुलविशंभीमी
ककैकवरपुनः॥ नरः दधु
दरिठदुनन० ठदलीवनः
अदिकदुभचभट्टः भवभी
गुमदद॥ डिकलणिकन
दउचमीभ॥ कुनीसुरः॥ सु
दुःकविदयगीवः भववगी
सुगीसुरः॥ भवरेवभयेवदु
गुरुवगीसुगीपडिः॥ अन
उविदुपुठवेभलविदुवि
नमकः॥ भवणुमेणगसु

ॐ ॐ ॐ

उः॥भमनवःभमनवःभ
ममनुःभमसिवः॥भम
पुयःभमउपुःभमपुपुः
भमतिउः॥भमप्रउःपव
नगुवमगुहवधकपिः॥
भमभनभडियुगःमउमु
उमुउमुः॥उउमवृठ
ववषेभमपुनपप्रवणः
नगयभमकेमःभच
वेगविनिभमउः॥वेमभ
रियणभरःभमभरभुपे
निदिः॥भमःमपुःप

वि.
भ.
००

नयकः॥ भभभु^{मय}देवता^{नय}दने
 पूषव^{मय}मनिपल्लरः॥ भभभु
 देवकवमं भवदेवमिरेभ
 लिः॥ भभभु^{नय}रुयुकिव^{नय}भान
 गव^कविपु^{पम}रमवः॥ विदु^{नवे}भ
 चदिउ^{कय}रुके^{कय}दउरिभुगडिप
 मः॥ भव^{मय}देव^{मय}उणीवेमेव^{मय}रु
 मिनिवैणकः॥ वरु^{कय}सभु
 परचु^{पुवे}य^{पुवे}वरु^{पुवे}ए^{पुवे}पुमिसु^{पुवे}मु
 रल॥ विर^{मय}रु^{मय}ऊ^{मय}पर^{मय}णीनभु
 हः॥ भु^{मय}रु^{मय}ऊ^{मय}भ^{मय}एकः॥ पर^{मय}ऊ^{मय}क
 उ^{मय}रु^{मय}हल्लः॥ भु^{मय}रु^{मय}हल्ल^{मय}भ^{मय}दे^{मय}लि

लेविमुरः॥ पूरपडिमउठि
 पः॥ मरुवृद्धिउपमः॥ मभु
 वृद्धिचभगः॥ भुदभेभेदः॥
 विमुक्तभचभुपगः॥ ए
 गउत्तमभुतेरेविमुपु
 वृः॥ निभुपिललेकेमेनिः
 भनेरुतवीदवः॥ वसुभय
 वसुविसेविमुक्तनः॥ भरेउभः
 भचमेयभडिदिवृनरु
 धः॥ रुधितः॥ भचलदः॥
 लदः॥ भचमेरुमुददः॥
 मभमुदेवभचभुं॥ भचमेवउ

वि.
 म.
 ०१

हृकेटिऊपःमिपिविधुःसु
मिसवःविमुभुरभीऊपा
मःपुष्टमवकीडनः॥सु
मिमेवेणगल्लेडेभऊऊः
कवेभिद॥वेऊडेननुभाद
इभदुवेगीसुरेइवः॥निह
ऊपुनभऊवेनिमऊऊरक
ऊकः॥मीननवेकमर
विमुकवभनपदः॥एगह
पदुभेनिहृदपनःभल्लन
मयः॥वेगीसुरःभदेदूले
कडिदयविवलिउः॥मुठेद

ध्रुवकेटिभदतलः॥केली
 दुल्लगद नलीसभुकेटिभदे
 सुगः॥ऊवेगकेटिनक्षीव
 दुल्लकेटिविलभवन॥क
 रुदकेटिलवटेरुनकेट
 रिभरुनः॥भभरुकेटिगभी
 रभीरुकेटिभभरुयः॥दि
 भवकेटिनिष्कभः॥केटिवरु
 रुविगदः॥केटिसुभेठप
 पप्रयल्लकेटिभभरुनः॥
 भुठकेटिभभुदेउः॥कभ
 पुकेटिकभरुः॥वरुवि

वि.
 भ.
 ००

द्विप्रियः॥ द्विप्रियः॥ द्विप्रियः॥
ऊलमेवेभगवतः॥ भवदधुतु
नम्रचमलननरुपातकः॥ भ
पुलेकैकल००॥ भपुलेकैकभ
दुनभ॥ भपुप्रिभुदुतुदुसुसु
म'रुठव'गम'ठरः॥ म'रुठव'
रुकीपदुपा'लिजदुदुव'द
नः॥ अनिदुसुवपुः भवपुः
इलेरुपा'वनः॥ अननुकीगुकिः
भीम'पेदुपः भवभलः॥
भुदकेटिपुतीक'मेयभकेटि
दुगभरुः॥ वरुकेटिगदु

सुवृत्तगङ्गाधराणां गङ्गाधराणां
ठिः॥ एगमेकभृगुदीदेनदं
वामीणगङ्गाधराः॥ भवसुदभ
यः भवभिर्गुः भववीरणि
गु॥ भवभेधेभृभवङ्गाधरा
गुधुमेतनः॥ सभुः पिताभदे
वङ्गाधरा मङ्गाधरा सुगः॥
भवदेवप्रियः भवदेवभृगु
वङ्गाधराः॥ भवेकमङ्गाधरा भव
देवकदेवभृगु॥ यङ्गाधरा
दलदेयङ्गाधरा यङ्गाधरा
यङ्गाधरा यङ्गाधरा भृगुभृगु

वि.
भ.
०.

भुङ्गत् ॥ चतुर्दशभोजनः
भाक्षीतिगुल्लं सुतः ॥ वेगिग
भुः पद्मनः सधमयीमिय
पतिः ॥ श्रीभक्त्यभुपद्मज्ञेन
तुमीः श्रीनिकेतनः ॥ निहं वदः
भुनभुमीः श्रीनिधिः श्रीठरेद
तिः ॥ दसुमीति सुनमीमेवि
धुः क्षीरविभक्तिः ॥ केभुकेदु
भितेरभुभाठवेणगदुतिद ॥
मीदद्वदनिः भीभकनु
गुल्लं नभ ॥ पीडाभुतेण
गत्रवेणगदुतल्लिड ॥ एग

॥ भवदरः कलः भवठयद
रः ॥ चरलडुभचगतिमदर
देदरभरः ॥ भुलपुठतिग
रः ॥ भुदुभेविमुभेदनः ॥ भद
भयेविमुगीएपरमक्तिभुए
करः ॥ भवकभेनतुलीलः भ
वकुउवमदरः ॥ मुनिरुदुः
भवलीदेहधीकेमेभनभुठि
निरुपठिधियेदंभेदरः भव
नियेएकः ॥ वृद्धपुलेसुरः
भवकुउरुदेदनयकः ॥ दार
लुः ॥ भुदुति सुभीपुनयेविमु

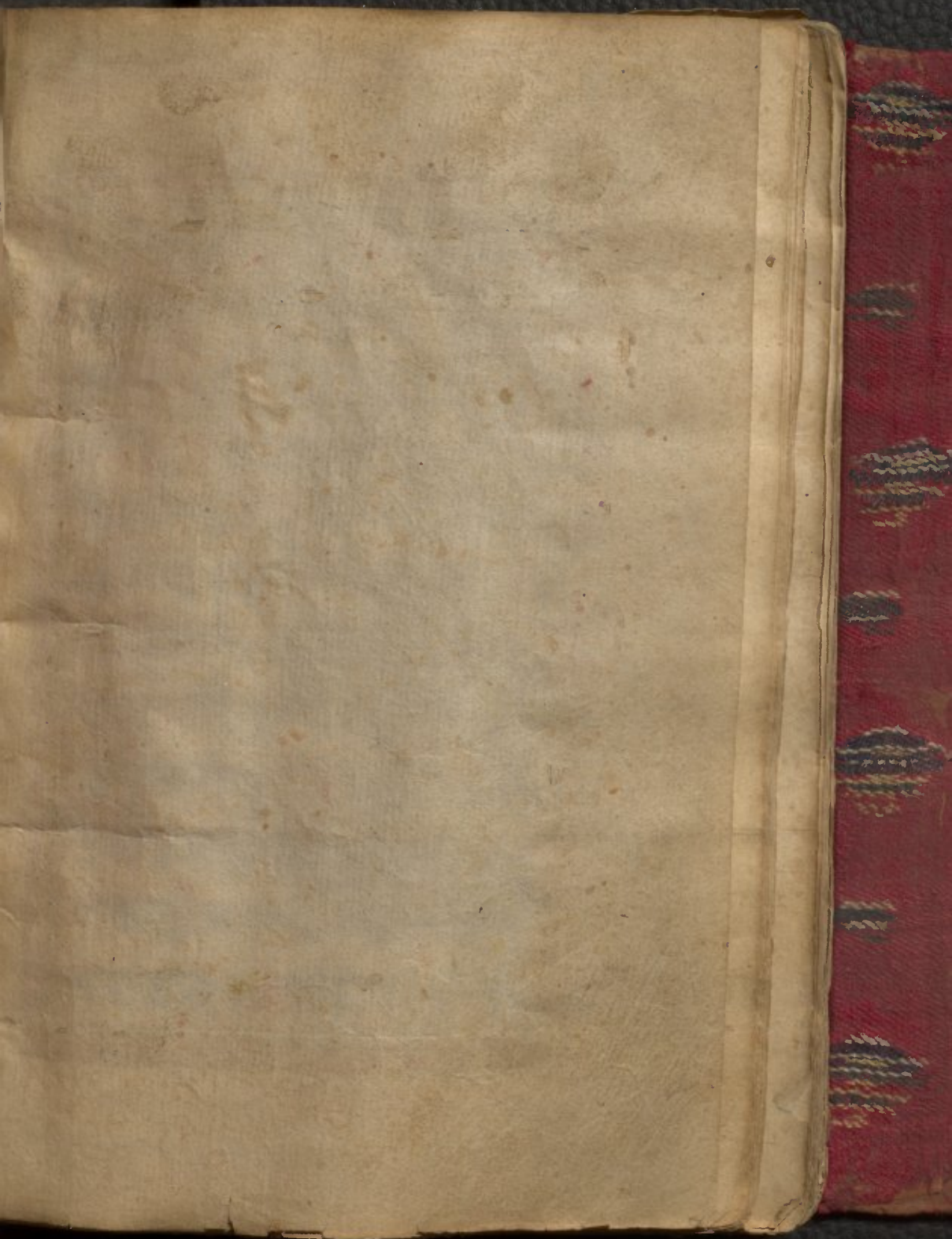
वि.
भ.
७

गीतेरुवाडिगः॥ प्रलुःभट्टःसु
सुवकुभुत्तपेनिट्टिमिदयः॥ ये
गिप्रियेयेगभयेरुवरुत्तकभे
मकः॥ पुग... पुदयःप्रट्टक
उत्तःपुदयेत्तमः॥ वेत्तुवेत्तु
रुत्तयःउपत्तयविवत्तितः॥
वृत्तयिदुमयेनदुःसुप्रक
मःभुयंप्रकः॥ भवेपयत्तम
भीनःपु... वःभवत्तःभभः॥ भ
वत्तवेत्तुदुत्तुपुभुगीयःउभ
मःपरः॥ कृत्तुभुःभवभंजि
पुवद्वनेगेमरडिगः॥ भकृद

वि.
अ.
३

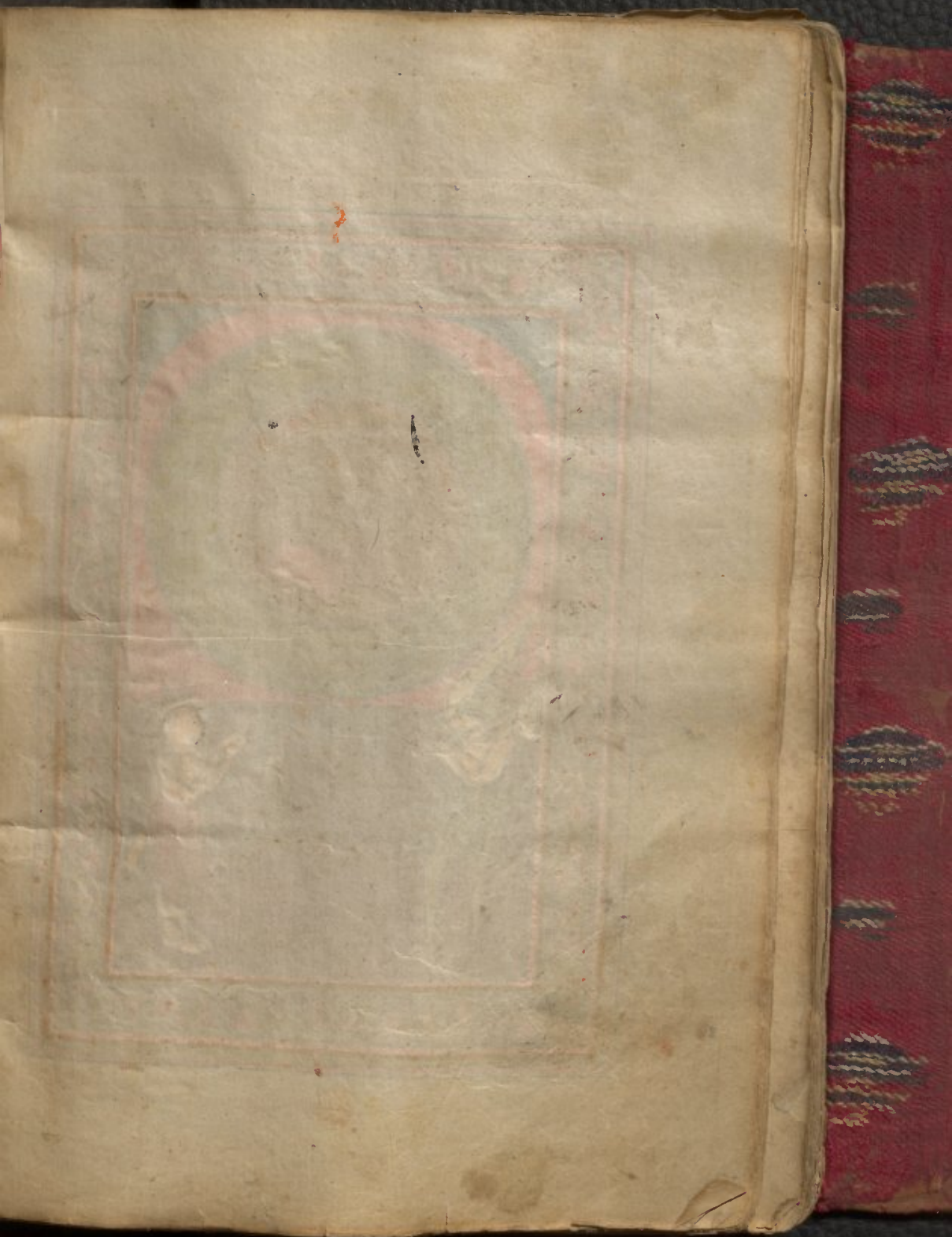
परंउतुं परं परं भ॥ परः सिवः
परं हेयः परं लुनं परं गतिः ॥
परं भाऊः परं मेयः परं ननुः य
रुयः ॥ परं वृजं दं वृभ पर
दि परं भुवः ॥ निरं भये निचि
कं निचि कले निरं मयः ॥ नि
रं न निरं न भु नि नै पो निरं व
गदः ॥ निरं न निरं न भु नि नै पो निरं व
मि नै म ले म उः ॥ म गी नि ये मि
उ परं नी मे नी दे वृ ये दयः ॥
भवः ॥ भवः गः भवः भवः ॥
भवः ॥ भवः म भु भवः

308



309





क्षेमलिभकभदज्जलभ।
क्षिउंभभा॥ दभेदृसुसुसु
भुणगदभभलंपीउकेमीय
वभेविदृउदुभंभुदृदिन
कभभदुसंपदुभंभुनभभि॥
विशदृउतलभउभीउभभ
प्रकसंदिदृभुरंकनकदुप
...दुधिउदृभा॥ विभभुकेस
भदउठभयउदंनधुंन
भभिभनभावभुदेवभुनभ
विदभदेवःपंगवृदुपरभदृ
परदृरः॥ पंगठभपंगेतिः॥

वि.
भ.
१

तिहृदययनमः॥ विभुसपु
दतिगननुऽतिमिगमेधुद
विभदवगदेयणुप्रसंभन
ऽतिमिणयैवधल॥ विभु
दवंसमुलेगभऽतिकवमय
रुभ॥ विवृरुमिकभुननि
हृणगम सुदमेमवऽतिन
रुहंवेधल॥ विपाऊऊपदि
उमेधदिष्टुभुऽहृभुयदल
नवष्टनमः॥ विविधुंरुभु
किगीलरुमवलनयगतक
नदरेमगदिमुंमीरुधंभुव

ध्रुवभददंभयणीभदि॥वि
 दंभुदेवःपंगवद्वेहृपुहं
 नमः॥विभुलपूतडिगनन॥
 डिउलनीहंनमः॥विभदवग
 देयल्लप्रसंभनडिभपृभ
 हंनमः॥विभुदंमसुलेगभ
 डहनभिकहंनमः॥विब्रह्म
 रिकभृलनिहृणगममुद
 मैमवडिकनिध्रिकहंन
 मः॥विपाङ्गुगपडिउमैध
 मिवृभुडिकगउलप्रपूहं
 नमः॥विदंभुदेवःपंगवद्वे

वि.
 भ.
 ७

भवमवदयपुंविश्लेगव
उःपियेनभंभदभंवदुभिभ
पुंतेहभजिमभ॥॥॥सुभृ

मीठगवतेविधुनभमदभ

भृमीठगवमदमेवकुपीन

गव॥॥॥विः॥नरपुपाकनः

विः॥॥॥पराभममेवउपु

दहो॥॥॥भेदंनजिः॥मैहो

कीलकनमीविधुपीरुं

मीविधुनभमदभपावि

नियोगः॥विचभेनगव॥॥॥यपु

भवमदइनेविमुहुमहुणि

प्रयस्त्रिंशद्वयः ॥ श्रीग
 वतुवः ॥ भद्रं न भद्रं भ
 मेयं वनं भद्रं वदमः ॥ उरु
 ननुमिनं मभे भवे सुदं यमी
 सुभिः ॥ श्रीभद्रं देवतुवः ॥
 उमेव उपमानिहं कलमिभे
 भिमिनुये ॥ उरु द्वितीयं भ
 दिभाणगदुलेभिपचति ॥
 श्रीपचदुवः ॥ उमेकषय
 देवमयषदभपिसद्वर ॥
 भवे सुरीनिरुपभा उवभुं भ
 रुमीपुमे ॥ श्रीभद्रं देवतुवः

वि.
 भ.
 १

षमभेगुदीधृभिवरंभम॥
सुपगंरियगेरुवकनयभ
नधमिध॥ भुगमैःकत्तिउः
वंरणनमृदिभापकुन॥ भं
मगेपययेनभृदुधिरुधेउर
उर॥ उउभुंपुलिपट्टदभवे
संपरभेसुगभा॥ मीभदद्व
उदम॥ वरुदट्टभदभृभृप
पंसभृदुयल्लन॥ नपनभुल्ल
ल्लनैकत्तकेटिसउंगपि॥ य
भृदुयिदउभृत्तपविशःभृ
कषंदर॥ उमेकषयद्वेस

निठयंविष्णुनप्रैवयवेधुं पम
 भागडान॥ मलकुं म'ईनः ५
 एंमभृगारगिउं दरिः॥ भय
 माभूमरिसेधुं व'डुता द ह
 उइन॥ उतः भा'क'ल्लगत्र'षः
 पभूत्रेककुवइलः॥ अंमंम
 नइनेवैउ'चुणय'भाभक'म
 वः॥ मेव'दिइ'मुए'द'वृक।
 वृ'हैः कम'भयः॥ उतः ५
 कृति'प्रणु'उ'ले'क'म'म'म
 उ॥ अं'मेव'मय'ष'भतः ५
 सु'धे'क'दि'धु'भि॥ इ'भ'ग'वृ'य

वि.
 म.
 ८

सुग

येविभुंभवेसुगभा॥भवठवैग
नसिहृपुगं॥पुनधेउभभा॥
अनृगउयेभहुठेगिनेपिप
गुपः॥सुनवैगगृगदिउव
रुमदमिवलिउः॥भवठवैः
णिउविभुंभभाउकएल्य
कः॥भुपेनयंगडिंयतिन
उंभवेपिठदिः॥भुउवृः
भउउंविभुचिभुउवेनएउ
मिउ॥भवेविठिनिपेठःभुग
उयेउवकिठगः॥किंउव
मिठिउवैःपुगमपुनिगंभ

वद्वैः पुरलैः भिस्तुतैः किञ्चैचि
 कृतुमेतभः॥ निस्त्रयं नरिगस्तु
 त्रिकिंतुं किंपरंपरमभ॥ उल
 पुरं न नैर सुभेठ मिनि
 तैः॥ वगल भीपुय गमिती
 रुभ्र नमिनिः प्रिये॥ गय म
 सुमिनिः पिडैवैरुपा नमिनि
 लपैः॥ उपेकिं नैरि यभैरु
 कृतुमयमिनिः॥ गुरुमुप
 लैः भैरुमै वल मभैमिडैः॥
 लुनष्ट नमिनिः भभृक्तु रिडैः
 लमलमकिः॥ नय त्रिउरुं सु

वि.
 भ.
 ३

कषयभुवत् ॥ श्रीभद्रदेव
॥ नमंकभृपिकषितुंगेपनी
यभिमंभभ ॥ किंउवदृभिउरु
रुंरुंरुंभिपियभिभे ॥ पुरभ
हृयगेदेविविसुदुभउयेत्पि।
लः ॥ यणत्रिविधुमेवैकंलुव
भवेसुरसुरभ ॥ पयत्रिपुगभ
भद्रिभेदिकभृपिकीपगभ।
यनपुपुभुरैःभचैरदयत्नेम
यलिता ॥ नतंगतिंपुपुदुवि
नरुगवतात्रगन ॥ भद्रापम
पिभंसुहृदेवविधुनदिद्रुपः।

५ सुमुभाप्रियभा ॥ श्रीपाच
 इवम ॥ रुगवंभुं पेरै देवः भ
 वल्लः भवप्रणितः ॥ इतिरुभ
 वृते देवैर्वृद्धभुदरि कैरपि
 इते लठते निभतं भिक्षुं भव
 वरं पूर ॥ इत्यमभुदगदितः
 भुयभुः भवमज्जिभान ॥ भम
 एवभिकिं भुभिक्षुभुभ
 रुनतुक ॥ उपसृगभिकभ
 इत्येतिले प्रलिप्रभरः ॥ किं
 एपभिमदेवमपरेके रुदलेदि
 भे ॥ मरुगहप्रियतेभिउहुं

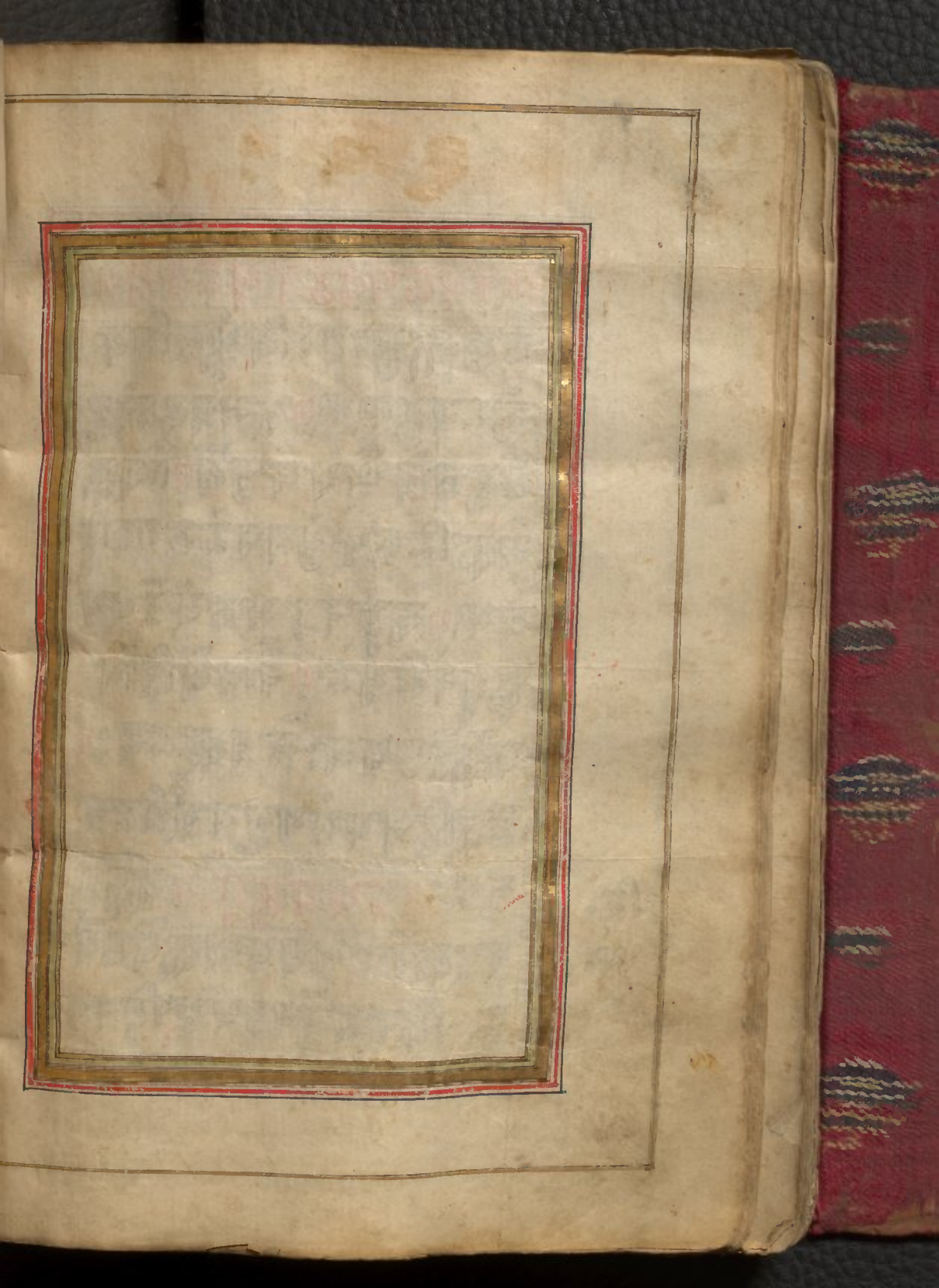
वि.
 भ.
 ९

श्रीकैविनभपैः॥ विनलुनैवि
नष्टनैविनमेदियनिगुदैः॥
विनसभुमभ्रदैः सुकवभक्ति
गवपुते॥ नरुतुयं॥ मे
वमिमेवेमेवेसभितुभुपमि
सङ्करः॥ विप्रुभंगणयनेवे
एपष्टनपर यः॥ उरुमे
वपुगपुः पावष्टपरमेसु
रः॥ यरुवामरुगुंउकुष
यभिमविभुगि॥ कैलभ
मिपराभीनंमेवेमेवेएगनु
रुभा॥ पुलिपष्टभदमेवेपट

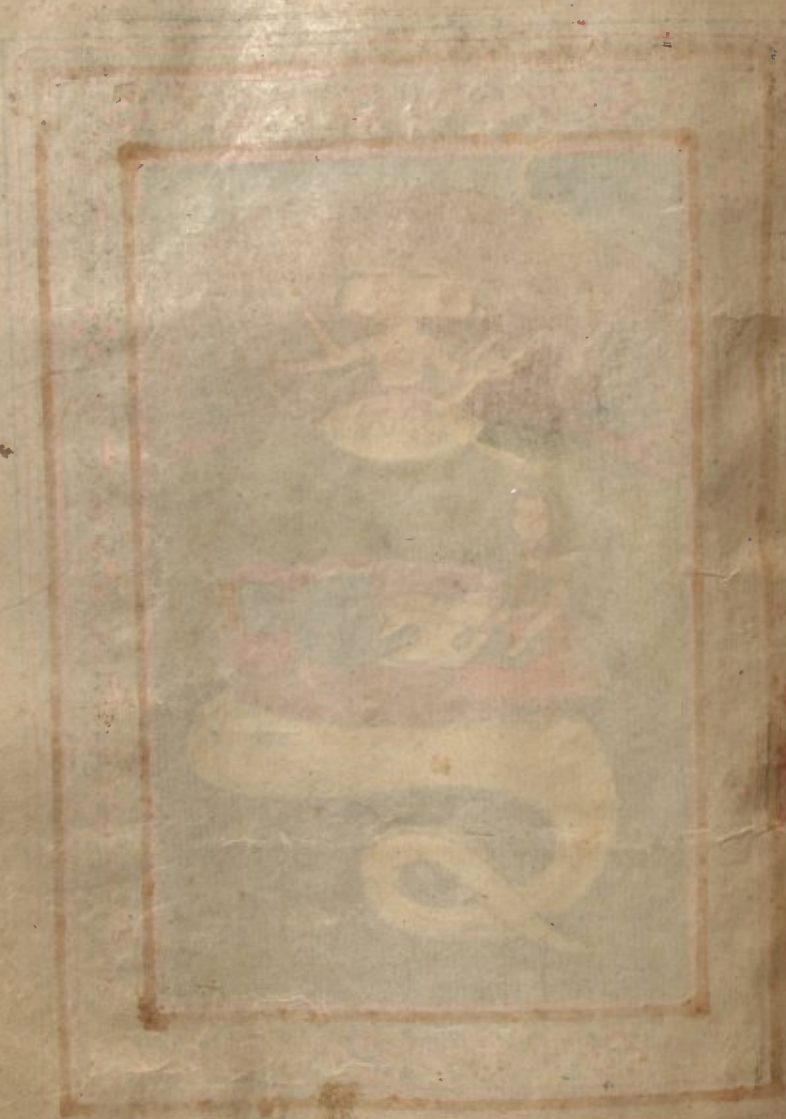
५१६
विनभरुगवउवभुदवय॥

विमुक्ताभुगठगंविभुंसमिव
कुंमउकुणभ॥ पुमत्रवमनं
येइचविप्रेपमत्रये॥ विदु
लेकमिदपुंनगरंरुगवदि
यभ॥ रुधुनदभरुयंउपप
कुमुनयेभुम॥ नैमियेनिभि
धदुइउपयःमेनकरुयः॥
रुददिभुपभंगभृपपुगिभ
रुउः॥ उपयउमः॥ वरुके
नपुकरुमचपपदयेरुवे
उ॥ विनरुनेनउपभविन

वि.
भ.
०

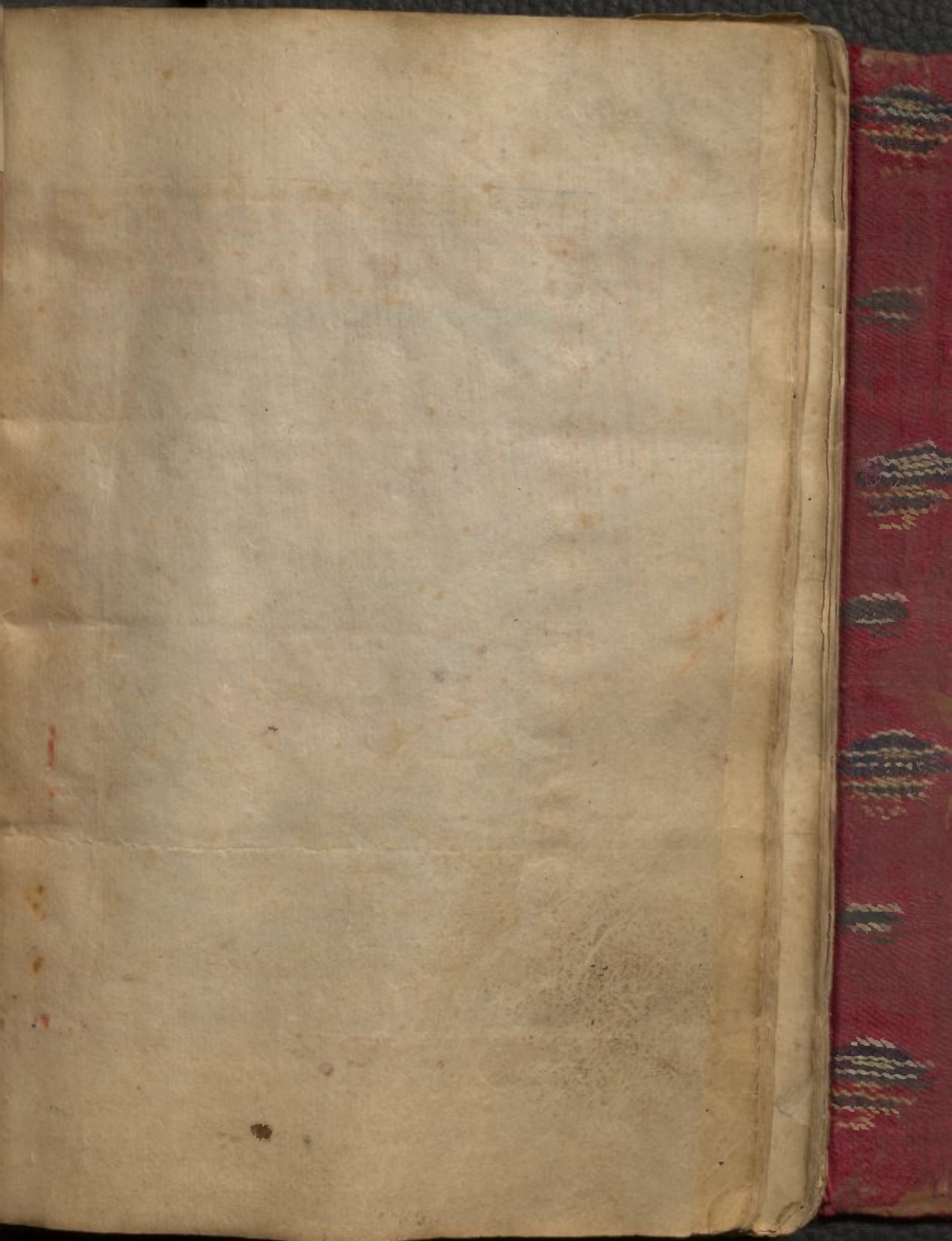


317

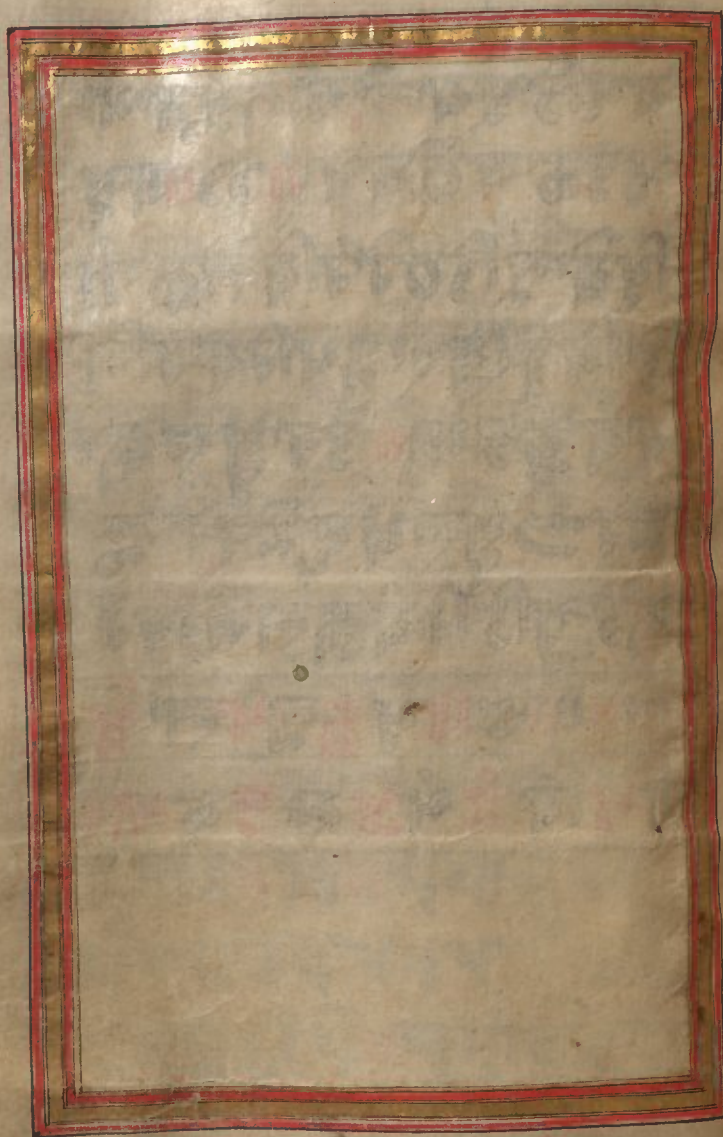




318



389



यमतिपूयां श्रीरघुनाथ
भउठगठेयभा॥३॥ यमु
धियेसूतिठरेगविलेकगी
तेभिइडिणनपरिवारमि
वावरुताभा॥ तेनभुरद।
सर॥ भुणपदमेनगह
तडाभुतिरियंकलमेपर
॥॥॥॥ डिभक्रुचभलाभु
हुंभाप मं मं प्र लं मु ठ भा॥

धं पि व त्रि ॥ न भ नि न र य
 ने म र लि ट क्क ट व मः ऊ द
 कः प ० त्रि ॥ ३० ॥ ल ली ने उ प
 टी प ये ठ र प्प ली री उ कु ली
 ने भु ली प ली र मू व व ल्प ने
 क वि नि मु र्ने नि न नी य डे ॥ ने
 वि र्ने डि ए न र्ने डि ए ग डं
 न वे डि क्क डि म वृ द र्ने म
 भ य भु र्ने क भ न भं पं भं परि
 र्भ भ डि ॥ ३३ ॥ म य मृ भ र्ने
 य भ य ड य भ भ प मृ भ क्क
 वृ भ क्क र्ने भ ॥ मृ भि व प ये

म.
 म.
 ३

[illegible]

पदं यमुतिनरयम्भ॥
 ३१॥ ठकुकेपिकुण्डगद
 भलिभुलेहरदभलिनेपी
 लेमनमाडकभुदभलिः मे
 नदभदभलिः॥ श्रीककुभ
 लिदक्किनीपनकुमकुद्वैक
 कुधभलिः मयेष्टेयमिप
 भलिदिमडनेगेपालमुद
 भलिः॥ ३३॥ मडमुदैकभ
 नुंभकलभपनिधकुहभं
 पुणभनुंभंभरेडुंभनुंभ
 दिउउभभंभनिदभनुं

भ.
 भ.
 १

पुंसेतेकणमीरं पालिडुडु
भभत्तयसुडकयं मेडुडुय
दुंमर ॥ दधुंलेकयलेमन
डुयदरे जकुडि यगलयं
लिपुपु ॥ भकुडुपाडुल
भीप्रचत्रभाठेकणभा ॥ ३० ॥
यहपुपुलिपडुप्रलिठव
लंडुडुमिरः भुसुडुं डेनेडे
डुभमेण्डुडेभरुमिरे वाकुं द
रिडुसुडे ॥ भावुडुडुवियभैद
भैसुविभलयाभाठवट्टावि
नीभालिडुभडवदिभीपुडि

भद्रनपरिदरभुक्तिंभरीये
 भनभिभक्तपदगतिरुप
 भि॥ दगनयनदम'न
 दमेभिभुगभिनमरूपग
 नभंभुगरेः॥१॥ दगवर
 कगवरभुउतेइलेयंविगि
 सिःभुउवेदभुवभुगगले
 कृदयनःप्रभादः॥ भुक्ति
 ऐल्लयिकलंगुवकीमे
 वकीतेभाउभिइंतलरिप
 भउभुउतेवृत्तएने॥१५॥
 लिङ्गीकीउयकेसवंभुगि

भ.
 भ.
 ७

प्रेमनगरवत्पुष्पकैरुपपु
वर्द्धितं पथिनेपि ॥ दनः
प्रवेदं कुवतु नतभिः भुन
पुपुंगवाममिदः अपम
११ ॥ भादृदं दीपुष्टु
मपि कवते ठक्तिदीनच
मल्लेभासेपं सवृत्तं
वमरितभपभृत्तुष्टु
एतम ॥ भादृदं भाववद
मपि कवतपेते सतभप
वनं भादृदं वदपदवृत्ति
कमदिने एम एम तुगेपि

एतन्मत्तभूमिनामभूमकंभ
रभीरुदक्षभत्तंभंपरुत्तं
लीविताभ॥०७॥उत्तुवृत्त
निपंगपरभूमदेक्षरुत्तव
भुत्तंपरनि॥उत्तुवृत्त
ल्लिगभिनि॥उत्तुवृत्त
रय॥गोमरलि॥३॥उत्तं
मरीरंपरि॥भयंसलंपत्त
उत्तुवृत्तसुषभत्ति॥ल्लिगभि
किभयपठैः॥ल्लिगभि
मुत्तुवृत्तनिगभयंरुत्तुवृत्त
यनंपिद॥३०॥मीभत्तभ

भ.
भा.
५

प्रलवर्कवयभ ॥ ०३ ॥ हेने
कः मरुतप्रभुतिभर ॥ वृष्टेः
मिकिद्रुभिभं येगल्लः भभम
दगति भनये यं यं लुवचुम
यः ॥ मनुहेतिरभेयभैकभभ
उंरुधुल्लभपीयउंउदीउं
परभेधठंविउउंनिव ॥
भट्टिकभ ॥ ०४ ॥ रहुनल्ल
लिननउंनमिरभागाहुः भ
रभेहुभैः कठनभुगगहुमे
ननयने झील्लनवधधुन
निहंरुमरुगविनुयगल

७२३
 त्रिविधपञ्चमेऽहम्, अमे
 पञ्चमगलितमेवः पञ्च
 पञ्च ॥ मेवः श्रीपतिरेवम
 चणगतमेकतुतः भक्तिः
 पञ्चमसुविहीनः सुकवि
 गद्यसुन्दरपूवः ॥ १ ॥
 नखेगीपुरुषेऽमेऽहम्
 मेकठिपेमेतममेवमुप
 मभुम् उरिमेऽहम् नगयति
 भूति ॥ यंकमिदुपपठमं
 कतिपयगुमेममल्लम्
 मेवमेवमगयमदेनमदे

म.
 म.
 ८

नरिसगलभ्रनंविनयदुम
दुदुभेददभंभुडिंविणयडेरे
वःभनरयः॥०८॥ सुनरु
गेविनुभऊरुभनरयः॥
ननुनिरभयेडि॥ वऊंभभडे
पिनवऊिकसिउदेएननंभु
भनरुभेदे॥०९॥ कीरभग
रउरुमीकरभरउरकिउ
गदभ्रुये॥ ठेगिठेगमय
नीयमयनीभणवयभपु
विडिपेनभः॥१०॥ वऊंनु
रुठयपुनभभयदु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

जिनवंप्रसिद्धि॥०३॥ पृष्ठी
रं रं रं पं यं भि क लिकः
ठ नुः भु लि झे ल भ भु ले नि
सु भ नं भ न उ उ उ रं रं रं भ भ
झं न ठः ॥ द्वा द्वा द्वा पि उ भ
द प रु उ यः की ए भ भ भु भ
ग रु धू य र भ उ द के वि ल य
उ रु भ व प्र उ व ठिः ॥०३॥
सु भ य कृ भि उ तृ ग ट न मिं
न रु व उ तृ व दं भ न सु न ठ
ल नि प्र उ वि ठ यः भ चै रु उं
ठ भ नि ॥ उी रु न भ व ग द

भ.
भः
३

करे मभभृकिं नक्षमः ॥०॥
ठवणलठिभगठे रुभुरंनि
भुरयंकषभदभिडिमतेभ
भगः कउरुभ ॥ भगभिए
रुमिरेवे उवकीठकिरेक
नगकठिमिनिध ॥ उगयि
पुटवसुभ ॥००॥ रुभुतेये
भमनपवने सुउभेदेमिभ
लेमगवते उगयभदणगूद
भदुऊलेम ॥ भभगणुभ
दडिणलठे भल्लउं नभिरु
भदरुभेलेदगमठवतेठ

मरुगविने मरुतिउभाल
 पिमिनुवाभि॥३॥ मरुभिण
 नयनेममहमरुभगिदि
 भादिग्भेदमिदुग्नुभा॥ म
 पउग्भपग्नुएनुएनेदग्
 मरुग्भग्नुभउग्नुभ
 ७॥ मरुग्भग्नुभनेदिमिनुग्
 रुग्भग्नुभिग्नुग्नुग्नुग्नु
 नःपूग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नु
 नग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नु
 यग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नु
 यग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नुग्नु

म.
 भा.
 १

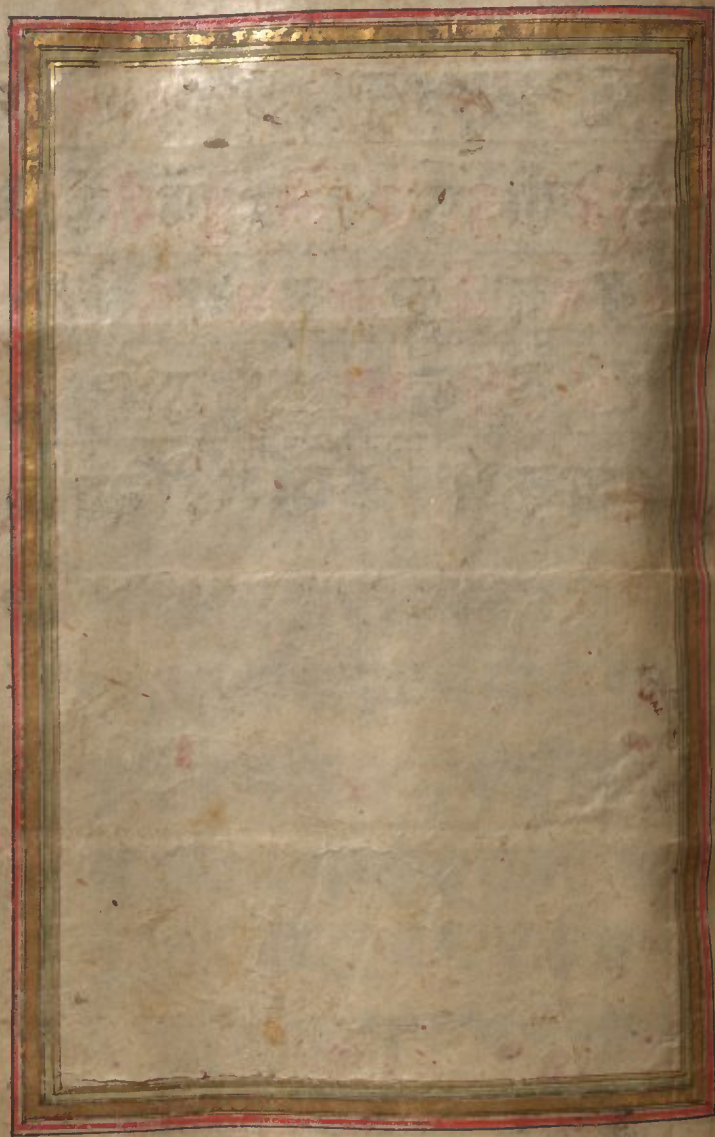
नगरकं न पने तुभा ॥ गभृगभ
भमृउउलउ नननेन पिरनुं
कवेकवे हृमयकवने कव
येयंकवतुभा ॥ ७ ॥ नभृठमे
नवभृनिमये नैवकभेपठेगे
यदृहृष्टंकवतुगवतुच
कमृउतुपभा ॥ ८ ॥ उदृहृभम
रहृभउंणमृमृतुरेपि वृदृ
मभृमृदयगगउ निमृलक
किरभृ ॥ १ ॥ निविवा कविवा
भभभृवाभे नरकं व नरकं
तुकपृकभभ ॥ सुवठीरिउ

यतुमप्यमृमलः केमलमे
 णयतुणयतुपुष्पीठगनमे
 भक्तः ॥ ३ ॥ भक्तभुक्पु
 लिपट्टयमेकवतुमेकतु
 भियतुभक्तम ॥ अविभुक्तिः
 इष्टगत्तरिक्तैकवैकवैभ
 भुक्तवदुभक्तत ॥ ४ ॥ श्रीभक्त
 कृपामभेणभयनः परमादु
 तम ॥ यद्विनेनभक्तुभ
 हृत्तियमपयिनः ॥ ५ ॥ नदं
 वक्तुतदमगयेदुक्तुभक्तु
 दैतेः ऊर्णीपकं गुहमपिद

भु.
 ऊ.
 १०

विष्णुगवतेश्वरभूदेव
विष्णुदेवमनेकुङ्कुमनेदे
हृमन्महा॥ मरुतिदेव
देवकुङ्कुमभिरुङ्कुम
वदेवकुङ्कुमभिरुङ्कुम
उदेवकुङ्कुमभिरुङ्कुम
गेपदेवमहा॥ उदेवकुङ्कुम
वदेवकुङ्कुमभिरुङ्कुम
नयमदेवभूदेवभूदेव॥ ३
एयउएयउदेवदेवकीन
कुनेयएयउएयउदेव
ध्रुवंमभूमीपः॥ एयउए

3 8/1



महामेकाभवाप्रयाग ॥ ॥ ॥

उत्तिमीदद्वयभलेउत्तुमेवीठे

रवमंवादेष्टुलचमभदभं

भंप्रलंमुठभा ॥ मुठभमु

लेपकप० कवोर्गिडिमिदं

ॐ कृष्णकवचकृष्णकृष्ण
नलिपिनिम्भमभुतेनमसु
कृष्णकृष्णमभमभकम॥ ५
हृदयेकवर्गभुतेभेदभव
प्रयत्न॥ सप्रकमभमभुते
वक्रवृमभुते॥ सप्रकमभुते
कृष्णकृष्णमभमभुते॥
गुरुकृष्णविदेनयमीहृदी
नयपचति॥ कृष्णकेप्रीकवे
लेकेपररनकं वृत्ते॥ म
दुष्टकृष्णकृष्णमभकवम
दृष्टे॥ मभमभमभमभिलय

सु.
भ.
५

मनिवारं कृणुमः पञ्चमम
दभूकमः ॥ मृद्वीरुनिंउभू
कभूः भवमिदुयः ॥ विनै
वेदुभाइ ॥ नरुंभाठकेउमै
कृणवः भममैविमृद्वलि
विठिनरः ॥ पञ्चकणवसु
लकैद्वनभउमः ॥ मनिवार
भमविद्वं कृणुमृद्वलि
रः ॥ कपेउभूभदेमनिपञ्चम
भदभूकं ॥ उरुदेवउतेनद्वी
नेकलुभिवनिद्वमः ॥ मउव
उंमरेद्वीभाठकेममनैलकै

अत्र उल्लसं गेपुं रिभं वृयः
 पठेदुणीः ॥ अलिभं मि। वे
 रुजीन भी सुगेण्मिकेठवे
 उ ॥ अत्र गेभभं वृयः सुते
 गेदेपठेदिमभ ॥ नभं भद
 भूकं मेवि रिवां भं एकेउभ
 कम् ॥ भनभावमं सुल
 भाष्टुभं उठवेउ ॥ भष्टुफेप
 हदंगदपुउकुमिं विठनदि
 उ ॥ नभभं नलिं म्दपठे
 वभभदभूकभ ॥ दिवृमेद
 एगि कुद विमरे कुवन इवभ

सु.
 मं.
 ७

भागभउभम॥भदभउभयं
 विहृभयंविहृपुमंपरभा॥
 पंग्वरुभउपंरुभाकटभ
 उरुपि॥भ॥सकुउरुपि॥न
 भंभदभंरुवेदिउभ॥यप
 ०६०येरुपिसु॥डिसूधवे
 रपि॥रुहुकजेभददेविभ
 रुवेरुवेपभा॥सिवरुं
 सभरुंरुगुद॥एरुवभरु
 रुवेरुंरुलिंदरुभलभरु
 ॥भरुिकः॥प०३भभदभं
 रुंदलभापुःभरुलभभा॥

भव ननु ननु इत्ययं वि
 द्दुर्दुर्दुर्दुर्धमं भद्रं एव
 कलविः ॥ एननी एनदनी
 मणभुगिवरमणः ॥ भ
 दभुनभमंप्रलुटेवीपुल
 भापीभुड ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥
 अतिनाभुभदभुडुलभ
 एमिवेदिउभ ॥ मउचन
 प्रमंनिहंती ए इयप्रकमि
 उभ ॥ भुपैकदेउभभलं
 उक्तिभक्तिप्रमंनउभ ॥
 भुहंसभठनीयं मभवभु

सु
 भ
 ७

[illegible]

कयपद । गल्लुगीरल्लुपुमये
गृयेगिनीकुवनेसुगी ॥ उगी
याउभभभदगळीकुळनीठ
यनक ॥ कलरगिददगळि
भदविहृमिवलय ॥ मिक्
भल्लमवभुमभभाठिगुमि
वदन ॥ मय्रीसुगीभरवृपि
तुनकरलतुपिनी ॥ वदक
मीवभरुपभरुभरुभैर
वी ॥ विप्रदपलदगव
कयककुसुठभुर ॥ रुउद
रुउएरुतुभाठवेसभर

हु.
भ.
जं.

भृषुभिनी॥ प्रभृद्गीप्रभृकैम
मकपितकलनमिनी॥ क
हृतीकलनुपामकलभ
उभनिभृमै॥ मच॥ नीरु
पद्मीमरेद्मीरुभृपिनी॥
भृरुभृभृभृभृभृभृभृभृभृ
दृपुदृविनी॥ कुलभृभृ
लेकैमभृवृभृवृभृभृभृ
भृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ
दृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ
मिभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ
भृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ

भीमली॥ केंवडीगणभीर
 डीरडिदुगदयदुगी॥ भदेग
 भदिउठलीठलदभुठय
 दुगी॥ डिल'ठ'डु'गक'डु'भु
 डुरिक'भट्टे'सग'॥ मिडु
 लेण'वभुभडी'भुडु'ग'झीव
 भुडुग'॥ देवड'पचड'भुम
 परकुः परभा'दडिः॥ परभु
 डिदु'डु'भाल'न'गय'ल्लिपवी
 डिनी॥ म'म'नक'लिक'म'म
 पूलय'द'पूलेपिनी॥ प्रभु
 भु'पू'भु'नी'प्रभु'प्रभु'सि'प्र

ड.
 भ.
 १७

लीविठिनभुगी॥कनकठो
अपठरभुगीवकनुरमि
मुमिभिडभभुदूधूममिनी
वमिनीभमक॥भवहभच
ममगीभनभभरकटुक॥
भनभनभुडमहीमहिनी
दटकेशुगी॥देरिकरिनी
लिहठगलिहभुधुपिनी॥
ठगभडमलिहपुनिहपी
डकलिहए॥उभगीयुवडि
पेरुनवेरुपेरुधुपिनी
रभुगएवडीगलीरलेलीग

: ॥

कतिः॥ विदल विणय मीम
 मीम भव सुकृती॥ मैट मी
 उलय मी पप इद भु दप
 वडी॥ क द ट वि सुभार म
 क द ट द प ट द प॥ पू लू
 न म प दु न प क भु प भु
 प्रिय॥ रे ली रे लु मि म ल
 नी म तु म रि द रि नी॥ भ
 ल म ठ भु र भु पृ भ ठ नी
 य म भ भ ग॥ भ पु भु र भ
 प्रि ठ र भ पु भ प्रि वि ले म न
 भि तिः दै भ कृ ती भु द व म

दु.
 भ.
 १३

वेमनवभवीवेसुप्रउरपु
धदभिनी॥ इमक्तिःमक्तिः
पमदुग्भडादगीदुग ॥
भनननकिनीभनननन
पडिवुड॥ कुडधुपल्लकुड
प्रीभुदकेभलवभिनी॥
वदिनीकुलिकलभुलभु
केमीभकेमिनी॥ उचुके।
मीविमलदीपिरपुष्टप
डिवुड॥ पंभलपडुदभुग
पदरीपदरयुठ॥ केकरी
ककिनीकुभीभललकेकर

कृति नु नु वी गरिधु गेजल
 नमी ॥ नदि नीतधि नीतधु
 भङ्गुली कुभिक कुभा ॥ विकृ
 णभा वडीकु मडीकु डीकु
 लपुम ॥ उरली डभभी पा।
 मविप मपा मठारिनी
 पमुपदर भनुधु कुकुली
 दंभवदन ॥ भवन विपुल
 कडीवेरक डीविमिडिनी
 भुप्रवडीभरिडिडा ठारिनी
 भङ्गुली मभुडा ॥ मउदुदु
 डीकदु रननु ननु मपिनी

सु.
 म.
 ५७

डुठऽदुलीकुलकेलिनी॥
कुलमरकुपमभुप
कुपवलिङ॥मदुठगम
यभनघभीयभदयदुमी
कभुलीभगुसिङुविउभु
गवडीमप॥मधिकभवि
कउडीवी७वैःप्रियंव
म॥कुडलिनीनिचिकर
गयडीनरकउक॥दधुभ
गभुडीडपीपयेधुमीमउरु
दिक॥गवडीमेदिनीदिभु
दी७देभीदभदयदाउ

भुलठगपूठधषः॥ नगप
 मठगचतु'प'मदभु'पूरे
 ठिनी॥ पूभ'मन'कलिष्ठाष्ट
 भमन'म'भपुद्व'॥ भपुवी
 र'भमनु'म'प'वनीवेमन
 भुतिः॥ ठेठिकठेठिनीप्रप
 क'मीव'र'नभीगय'॥ केमी
 मेष्टयिनीठ'र'क'मदीगीज
 दुभ^{भ'जुल}पुस'॥ रुभि'भिनु'पूठ
 भ'म'ग'ए'गेगीमुठ'सूय'
 न'न'विदु'भ'यीवेइवडीगे
 म'वगीगम'॥ गमदडुगीगए

दु.
 भ.
 २०

मल॥ मङ्गी कुली मभङ्गरद
द्विदरिदरे सुगी॥ दरिभेवृक
पिमेधु॥ मञ्जिड मङ्गुपिनी
मङ्गी सुगी मङ्गुपु॥ मङ्गुदभु
भनेगडिः॥ प्रउपेड पविइम
महभेष्ट भगविनी॥ भगव
पधली पधु॥ प्रुरिड पवनी सु
गी॥ प्रुडरुठ कुल वृभु वृङ्गर
भगवदिनी॥ भुडभुडी भपुभ
डीवेरुभाड भगभग॥ भङ्गु
भङ्गुपुपी० भु॥ वीरप नभम
उर॥ पधिवी डैणभीरुपुः॥

दिकीमेधि कीमेध ग्रीध
 कृतिरुपिनी ॥ ग्रीव ग्रीध
 नगकट कैलभ मलवभि
 नी ॥ भल्लीभतु रुतुपम पान
 दत्तीभनेरभा ॥ भविनीभन
 कर्तुमभनभीतपभीततिः
 पयः भुतपगंवृक्षभुतभुत
 प्रियतनः ॥ उन्नीतनतभ
 द्वाभुल सुप्रियठभा ॥ उ
 तुमभलि कृप मृभलिभ
 कृपभंभित ॥ भापाडीकाइ
 पमितु मडिक मजिक

सु.
 भ.
 ५५

जिःउजिःरतिप्रियठय।
उलपुभुननभामपुभुन
ऊलमीदिली॥परदेदकरी
पहुपरवरभुताऊग॥
ऊगप्रियऊजमिपदेन
दैभवतीसुगी॥देनकेधुव
टभुमवदभातावटेसुगी
नटिनीइटिनीउताभुभा
भारवतीभन॥भेठागुठ
गुठागुठेगठाऊःपुठ
वती॥मडिककलदशीम
हेकुमुमदिरादिक॥र

भिनीउष॥वेसु'नरप्रिय
 वेहृ'मिकिइवेहृप्रणिउ॥
 वेदिक'वा'परीमवयभृ
 वा'गुवीप्रभः॥रीउ'पद्म
 भनभिहु'भिहुलझीभर
 भुजी॥भहु'मेधु'भहु'भंभु'भ
 भा'तु'भभवायिक॥भा'वाक
 धु'मभइ'झी'भइ'झी'भहुल'
 मूय॥भभु'र'पु'भर'पु'तु
 परलेक'गतिः'मिवा॥पेर
 कुपा'पेरवा'र'भु'क'के'सी'म
 भु'कि'र'॥भे'द'र'रु'ल'र'भ

इ.
 भ.
 ५८

वि० ॥ द्वा० रि० क० क० लि० क० भ० ह०
भ० म० र० म० र० पु० पि० ॥ म० रि० शी०
म० ठ० रि० शी० म० मि० डि० र्दे० र्दे० चू० प्र०
लि० ॥ गु० लि० नी० गु० ल० कु० पा० म०
दि० गु० लि० दि० गु० लि० प० न० ॥ अ०
ध० ग० ए० न० न० धू० म० ग० ए० क० र०
ग० ए० पि० य० ॥ गी० उ० गी० उ० पि० य०
उ० वृ० प० वृ० दि० प० र० भू० रू० गी० ॥ पी०
न० भू० नी० म० र० भ० नी० र० भ० ल० धू० म०
भै० वि० नी० ॥ प० रु० प० रु० ठ० र० व० रु०
ठ० र० रु० रु० ठ० र० भ० प० ॥ भ० ल०
डी० भ० य० र० ल० प० भ० रु० ए० भ०

रुक॥भरुकरुवलिपुङ्गी
 भयभुतभयदूव॥सुरेधु
 सुरभुतधु॥सुरभुतदमेरु
 गी॥दधदधिरनदधिःल
 कृलेठविवलित॥लविष्णु
 ललनलललललीरभार
 भारतिः॥रेवारभुचमीवसृ
 वभुकिपियकरिनी॥मेध
 मेधरतमेधु॥मेधमयिनभ
 भूत॥सवृमचपियमभु
 पूमभुमभुमेविड॥सुसु
 कलिनेरुमका॥मका॥मे

सु.
 म.
 १३

कलीभरुमरुमरुमरुमरु
वदिनी॥भुपभंभीपियक
उकभिनीऊटिललक॥ऊ
मरुऊगडिमेएभएभएम
कसृपी॥रुदि॥कलिक
कलीकलऊरवप्रणिउ॥
नीकगीऊभडिचलीरु॥
भरुनिभरुनी॥निमभनिम
भेधुमनिगयेनिडिरमय
निचिकरनिगीहूमनिल
यचपप्रडिनी॥चपभेवृ
विरिह्रुविमिधुविमुभ

दीऊल्लिककरकररुन
 मेदम॥ उगुमेगउगेधु
 नभनृनगभिदिक॥ नरन
 गयल्लभुनृनगवदनप्रणि
 उ॥ नभनृनगभुनृनगभु
 उरिपुरेसुगी॥ दिवृषुठेग
 उरमहृदुडिपुरभालिनी
 रिनेरुकेटरदीमपदुन
 भुनृमेसुगी॥ रिभिकरिभि
 येनिस्सकलमभुनृकलम
 भुः॥ मभुभुनृमभुचदी
 मभुनृदीमभुनृ॥ नृ

सु.
 भ.
 १३

वीविष्णुप्रणितः॥ वःतुम् वः
नकवेष्टी इवेष्टुदभुवरा
इतः॥ विवेकलेमनःनपुः
नेष्टुयः॥ प्रणितः॥ नः
यःमीमभुभापीःकुलयाः
पदगिः॥ मेःकुलदः
मःकुलदःमीमकुधिः
वःइयीकःमीमकुधिः
लेपकःप्रणितः॥ लेपपः
मलेलःकीलःभुदभुधिः
यःकुमीः॥ प्रेमःप्रः
प्रमः॥ प्रःकुधिः॥ वः

पठिवड ॥ पुष्टिः प्रकममन
भु, देवी ठनम भेविड ॥ मय
डीमय डग डनिकटक
भिनी ॥ नम नन नन नन
किनी नके भेविड ॥ नभभं
रुत्रिगीरुम केगवी सुत्रभ
भिक ॥ सुभ सुभ भुगपी
डपी डयभु कल वडी ॥ उ
नुकी के डक मग जल ठम
पूक मिनी ॥ सभुवी गरु
नीविहृ गरु भनभं भि
ड ॥ विन डवैन डेधु वैधु

सु.
म.
१०

एनीवभिवाभनेइवमङ्कगी॥
मङ्कगीमङ्कगीधुमममङ्कङ्क
उमोपर॥ऊभीसुगीऊरश्री
मपकुवेधुपरदुर॥भदि
धभरभंदङ्गीभननीयभन
धिय॥मङ्कि॥मङ्कएमङ्क
दङ्कङ्कङ्गीदङ्कितर॥उमम
उमरलेधुउमभुउमपलि
नी॥उनमठनिकठहुपउ
कपचङ्गीधुए॥धुएवङ्गीधु
गीधुएधुःधुगीधुइवदिनी
पइदभुमभउङ्गीधुइकम

ह्रीः ल ह मीः सु ठ सु ग ॥ ए
 म री ए ग भु शी म ए ग ने इ ए
 ने सु री ॥ ए ङा ए नि शी ए भु
 म ए पृ ए पु ए र मू तिः ॥ ए
 ग ते ए द म ए भू ए भु व द उ
 ल भि उ ॥ ए भु न म पि य भ ह
 भ द्वि की भ द्भं भि उ ॥ भ च भ
 उ भ भ ले क ले क ए तिः न
 य द्वि क ॥ ल उ न उ न तिः न
 ह ॥ व ए ग व द नी पि य ॥
 ऊ ए ल ऊ द्वि उ व नी व रु
 नी व रु म यि नी ॥ व उ धू व

ह.
 म.
 न.

कङ्कल वनगीव युवेगिनी ॥
वरकी जलककष्ट जलेधु
जलकभिनी ॥ जुतु कभीसु
गीरुग जलक भतुकगि
॥ ॥ जुती जुतुग जलकधु
दरगल भापी ॥ भुनीभ
परभक भभतु वैवुवेसुगी
जुभगी जलक भु जलवगीन
रुजुवगी ॥ नगे सुगीन गव
भ नग पुशीन गरिद ॥ नग
कटु जलः जुती कन ॥ दप
यत्रिड ॥ ककरवरुड पटु

लघुठठरिणी॥ भन्तुभन्तु
 धूमभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 लिङ्ग॥ भेदकदरभाङ्ग
 भन्तुभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 गधियभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 रिनी॥ भेदधुभन्तुभन्तुभन्तु
 भन्तुभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 नकउरभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 भन्तुभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 कीमरभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 भन्तुभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु
 वन्तुभन्तुभन्तुभन्तुभन्तु

सु.
 भ.
 ३४

एननीवीरभुङ्गी वीरभुच
दलीव'तु'वर'ठयक'वपुः
व'नीर'उल'ग'व'भु'व'भ'म'
ग'ल'त'पु'म' ॥ वी'र'मे'द'क'गी
म'तु'म'कु'ल'दु'क्ल'म'च'गी ॥
म'ल'ठी'म'भु'भ'द'र'म'मि'व'र'
म'भु'र'तु'क' ॥ म'भु'र'गि'ध्रि'य'
म'भु'क'तु'म'मि'नि'ठ'न'न' ॥
म'भु'यु'ठ'ठ'र'णी'र'ह'डि'डी
पु'ल'ग'दि'य' ॥ ए'ग'डी'लि'दु'
र'ए'नी'भ'ल'गी'प'सु'प'लि
नी ॥ मे'द'भ'ए'ग'ड'मे'डी'भु'ध'

व'भ'इव'भिनी॥सम'दू
 ननीमीउ'मीउल'स'गिक'
 मिनी॥भूमिक'भपुभ'मृ
 इव'न'ल'र'यिनी॥इउ'
 इले'म'न'र'न'भ'र'न'
 डि'न'डिः॥प्र'उ'प्र'डि'वि'भ'न'
 म'भ'ध्रि'क'रु'भ'प'व'द'॥
 भ'प'र'भ'च'भ'ए'भु'ले'क'भ'
 उ'भ'दे'सु'गी॥ले'के'धु'वर'र'
 भु'ह'भु'डि'रु'उ'ग'डि'र'डिः॥
 न'य'र'न'य'ने'र'र'न'व'गू'द'नि
 पे'वि'ड'॥प'भु'व'रु'यि'नी'वी'र

सु.
 भ.
 २३

गिभडलमिपं। सुलभापी
नेष्टदभ॥ तिह्नी सुलभापी
लेडीमीलेकुणवमणय॥
उरुभुगभदनील सुरु
लपुसमीसूतिः॥ भयम
भयदडीमभ्रमसूधिय
हूगी॥ भानमभेदिनीभडु
भायतलतलबुर॥ कग
रुपकगवभकीरकुठय
प्राडिनी॥ कीडिठयनक
भृमरुःभुक्रुभापिनीभडी
मुनिनीमुलदभुममुलि

हुं नमः ॥ ति हुं चक्रधुं
 नमः हुं हृदय यनमः ॥
 हुं मिरभेधुं ॥ हुं मिरप
 येवोपल ॥ हुं कवमय हुं
 हुं नर हुं येवोपल ॥ हुः प्रभु
 यल ॥ प्रय ए नमः ॥ ति
 उहृत्तुभगीमिभत्रिठभ
 पीभेक म मारत्तुगं पाम
 भुणवरठय क्क रउलेभंति
 कूडीभामरउ प्रयेत्तुक्
 विलेमनं ममिकल मुं
 शिवनेष्टुलं प्रउभुं एतम

पु.
 म.
 मी

दविभुरवृष ॥ ॥ ॥ चभृमी
इलभापीमदभ्रनभमेरुभ
चभृमीकैरवठधिः ॥ रिधुपू
हः ॥ श्रीचक्रउकुपिनीइल
भापीदेवता ॥ ह्रींरीं ॥ श्रीम
क्तिः ॥ पूवः कीलकं ॥ भव
भिद्रुं नभमदभ्रपावेवि
नियोगः ॥ अष्टभः ॥ हूंअ
इधुं हूं नभः ॥ ह्रीं उलनीं हूं न
भः ॥ हूं मष्टभं हूं नभः ॥ हूं अ
नाभिकं हूं नभः ॥ ह्रीं कविधि
कं हूं ॥ हः करतलकरधधु

भुवेउभम॥यभ'हृत्तभापी
 देवीइलेहृत्तनीभुउ॥
 उभु'नभ'निवहृ'भि'रुत्तन
 निरुग'इये॥विन'निहृ'वलि
 भुइ'नग'हृ'भ'ठके'उभैः॥रु
 हि'हृ'म'इ'की'डे'म'भ'र'ल'भु
 भु'ने'प'ठे'उ॥भ'द'भु'ए'भु'वं
 दे'वि'भ'हृः'भि'हि'रु'वि'पृ'ति
 वि'न'ग'रु'हृ'उः'प'थै'रु'पैः
 मी'पै'वि'न'रु'लिः॥न'ग'हृ'भ'
 ठके'नै'व'दे'वी'न'भ'भ'द'भ'क
 भ॥दे'वि'भ'हृ'भ'य'पू'जं'भि'हि

सु.
 भ.
 म.

उच्चैः उच्चैः भवः ॥ नरवत्तवः ॥
भट्टभट्टयः प्रेङ्गवः वरयः प
वति ॥ उंचयः सुभिभंभिः सुभ
नभयः मलीपिः उभा ॥ श्रीदेव
वः ॥ सुनभः भृष्टभुयः देवः
भदभः लिमः उच्चैः ॥ प्रेङ्गनि
वृदिभः रुक्मयः मिभः रुक्मपः रु
वैः ॥ नरवत्तवः ॥ प्रवृष्ट
भिभदः मदीः सुनभः भृष्ट
उच्चैः ॥ भदभः लिमः रुक्म
वरः रुक्मयः मिभः रुक्मपः रु
रुक्मयः नरः उच्चैः भदभः भृष्ट

गद ग्री मभा मत्रिम मविक
मवुवि हृ मभा पउमं हुलप
विसुत्रुप ॥ ७ ॥ डं हुलप
यामुवेकजि यऊः पं हुत
दऊ यनि हं भउपुः ॥ भभच
रुभिडिं लके सुडिउं वै पं
यडिमभुः पं म सुउं यउ
० ॥ डडि मी हुलप भुं सुउं
मी देवुव म ॥ ॥ डिगव भव
उम हुल कऊ न भठ यऊ ॥ ५
रभेय डुव मउे वरः कैल भ
भउउः ॥ कपय परय न य

हु
म
म

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ १ ॥
धृमपुत्रं ॥ २ ॥ कुमारी
कुमारी एव प्रीतिपरी सुमि
वृद्धि मित्रं पुत्रं पठवती ॥
भद्रं कैरवी कैरव नक्षत्रं
भद्रपुत्रं ॥ ३ ॥ दयापुत्रं
पुत्रिणीपुत्रं सीता यमेव
विनीतवकी देवभद्रं ॥ ४ ॥
एषु विष्णु मवदुष्टिपुत्रं
भद्रपुत्रं पुत्रं पुत्रं विष्णुपुत्रं
३ ॥ कुलं गरीनं कुलीनं
कुलं गरीनं गरीनं गरीनं

गभृ॥ रभरभिनीर॥ अवीर
 अवात्तु॥ मरुपडुमं॥ ३॥
 वृणरेठिनीरेठिउवृद्धि
 शीभृणभगरनगगीनग
 कट्ट॥ ठवृत्तु॥ सुलभिद
 भुभभभुमरुपडुमं॥ ४॥
 उरीउरिक्क॥ नरिक्क॥ नरभिं
 दीयभ॥ यभिनीय॥ भिनीन
 यभंभु॥ एरएनकीएद्वी
 एद्वरद्व॥ मरुपडुमं॥ ५॥
 उद्विपिद्वलपेसगीवेद्वि
 द्वभुपभुभलनिनु॥ भक्ति

द्
 द्

विमीलभृष्टैः नमः ॥ श्रीगुरु
विठ्ठलविनीतनवीठवग
भृमिवसद्गुमीसभुवीसभु
पद्मी ॥ गिरीसदरीसविनी
सनिनीसभरुपउभंल
पविस्त्रुप ॥ ० ॥ पंगव
येधसरसुद्रुएद्रुठरठरि
लीठरठरभंभु ॥ परप
रुमरुमभचकडुमीभरुप
उभंलपविस्त्रुप ॥ १
एगलेडिद्रुपभद्रुपविद्रुप
कलभालिनीयेगिनीयेग

निवारिणी दारदरयुद्धात्मिका
भभुतभ ॥ मरिमुभुविनमि
नीभुततिनं लकुंदरुनीरुम
भल्लन'बुभउः कविद्वएननी
हुलभापीनेभुदभ ॥ १ ॥ रडु
पादकनभनंसीभुददःभुव
वरभ ॥ मवृजलंयः प० उ॥
मेठीपुंभिहिभप्रयउ ॥ ३ ॥
५ डिमीहुलभापीभुइंमुकभ

रुद्र

भवदुपगभलीमोभनगीवे
प्रुवीभीरुपेलगगदिभेदन
कंगीहुलभापीनेभृदभ ॥
५॥ देवनंरुयमयकेभक
विनेभभुनिभभुभुषनन
मभुठगेरिप्रुहुउकगेडेम
कुभकुकिडे ॥ महुमपृप
गलिडेविकभिडेडेगऊची
एविडेदहैवभुलंभुभव
मनंहुलभापीनेभृदभ ॥
भंभगलुवउरिनीगविममि
केटिप्रुंभुप्रुंपापउक

धनुर्जे... एतः क्रिया विरदि
 उल्लभं पीने भृदभ ॥ ३ ॥ व
 क्र... भयकै एते वणपरे भय
 भयत्रे परं न ननु पणर वडीव
 कयमे भुनेत्रडे भं यगे ॥ उद
 दविनिवत्रि उं दउ वडीउ केम
 भाभेदिनी भवेधं सुक मयि
 नीक गवडी हल भं पीने भृद
 भ ॥ ४ ॥ भेन नं भदिध भग्भृ
 भुति सं भिंद ठि कुं मउं न
 नक रवि मेध भे एण न नी मे
 दनु रं भं भिउ भ ॥ ठल भं ए

ह
 भु
 ०

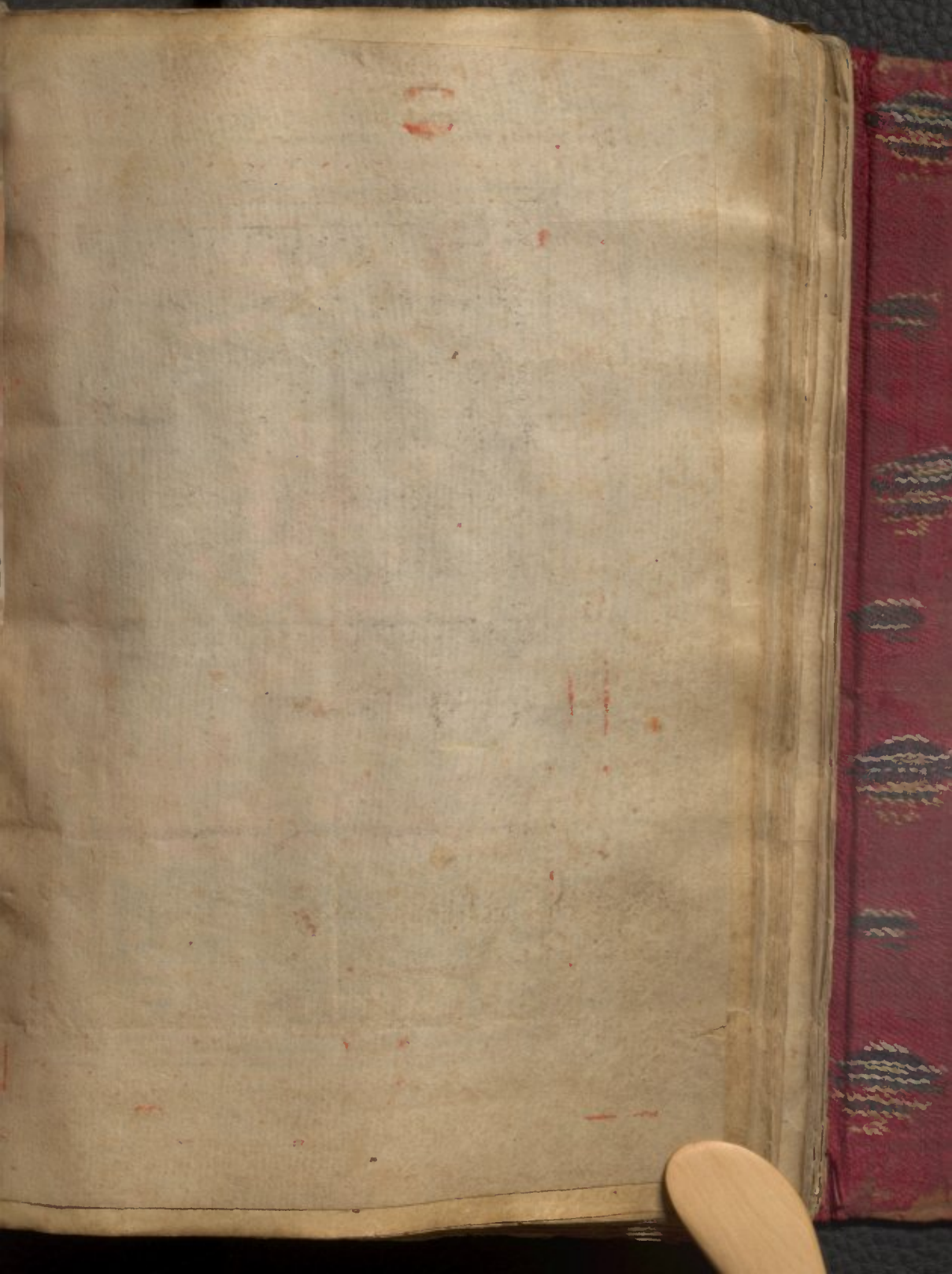
ॐ श्रीगुरुभ्यामीळगवटैरभः
विनतः भुविपगः भवेयभुः
भुजैदिवे कभः ॥ उभेददम
दुग्भुदुदुदुयदुदुमिव ॥ ० ॥
मीभुदुगीणगदुदुदुलदु
पुदिगनुगभ ॥ भुगैः भिदुः भु
उदुपैः भुभुपीने भुदुमिव
भ ॥ ३ ॥ दैदुनं कटकेटिकेटि
भुदुएटेपनठः कुचडीविश्र
नं कटकटुडीवकटकटुप
एयडुगीभुदुभ ॥ ककुनभकयं
वंगमदठडीमनुदुनं भचरु

354





335



मः॥ यभिमं कवमं भुवः भ
 मं भुवि मेव गः॥ भनिलि
 इति प्रवृत्तं कलुली गद
 भविमेतः॥ ७ मं तु मेव क
 वमं यः पठेत् यतः भमः॥
 भवपपविनिमुक्ते मेवीले
 के भदीयते॥ ७ श्री मेवी क
 वमं सु कं क वतु ॥ ॥ ॥ ॥



म.
 क.
 म.

कूपकैरवामयः॥ नमृति
मन्नतुभुकवमेहमिभंभि
उ॥ भनेत्रतिठुवेरुल्लभुएक
द्विकरंपरभा॥ यमभावर
उभेपिकीतिभमिउकुउले
एपेइपुमंतीमंतीरुवउक
वमंपरः॥ यवकुमेठरंठु
भमैलवनक'न'भा॥ उव
तिपुतिभेहिहंएपकतुसुभ
तुतिः॥ मेदनेपरभंभुनेय
इरैरपिरुलठभा॥ पूप्रेति
परुपेनिहंभदभायापूभा

विवलिउः॥ नमृतिवृणयः
भवेन्नउविभेएकमयः॥
भुवरांएकभंमैवदुडिभंम
पियद्विधम॥ सुनिमरा।
लिभचलिभत्रयत्रुलि कु
उले॥ कुमरापिमरासुवकु
लए सुपरेमएः॥ भदएः
दुडिभभलकुकिनीमकि
नीउष॥ सुत्रुगिदमरापेर
यिगितुसुभदरलः॥ गूद
कुउपिसामसुयदगनुच
रदभः॥ वृरुगदभवेउलः

ह.
क.
५३

कः॥ यंयंकभयउंकभंउंउं
पुप्रेडिनिस्त्रिउभा॥ परभैसु
दभउलंपुप्रेडिविपुलंपु
वभा॥ निरुवेएयउंभउःभ
सुभैपुपरणिउः॥ ईलेहैस
कवेरुणःकवसेनकउःप
भान॥ उंउंउंउंउंकवसेन
वचभपिरुत्तकभा॥ यःप
उंउंउंउंउंयडिभउंसु
यत्रिउः॥ ईवीकलकवेउं
भुईलेहैसपपरणिउः॥ एी
वेउंउंसउंभागुभपभउंवि

कटंगदुर्गवी॥ पङ्कनाविप
 पंगदुर्गनादुर्गवी॥ पङ्कनाविप
 एङ्गुर्गनादुर्गवी॥ पङ्कनाविप
 चउःभिउ॥ रङ्गदीनंउयङ्गु
 नंवलितंकवमनउ॥ उङ्गुचंर
 दङ्गुर्गवी॥ एङ्गुनीपापनमि
 नी॥ रङ्गमभचगङ्गुलि॥ रुज
 रुजपदगिलि॥ पङ्कमकं
 नगङ्गुङ्गुयमीङ्गुङ्गुङ्गुङ्गु
 नः॥ कवमनकङ्गुङ्गुङ्गुङ्गु
 यङ्गुङ्गुङ्गुङ्गुङ्गु॥ उङ्गुङ्गुङ्गु
 कङ्गुविणयःभाचकभि।

रु.
 क.
 २०

उषा॥ मदह्मं भवेवुं उं
मठह्मं रि॥ पु॥ ७५॥
उषा॥ वृ॥ नं॥ भ॥ भ॥ ने॥ म॥ न॥ मे॥ व॥ म॥
व॥ ए॥ द॥ भु॥ म॥ भ॥ र॥ द॥ ह्म॥ क॥ ल॥
भ॥ मे॥ ठ॥ न॥ भ॥ ॥ र॥ भ॥ उ॥ प॥ म॥ ग॥ न॥
म॥ म॥ व॥ भ॥ द॥ ज॥ म॥ ह्म॥ उ॥ नि॥ ॥ भ॥ उ॥
ग॥ भु॥ भ॥ म॥ व॥ र॥ द॥ व॥ र॥ य॥ ॥
उषा॥ सु॥ य॥ म॥ र॥ द॥ व॥ र॥ दी॥ ठ॥
ग॥ द॥ उ॥ व॥ ध्रु॥ वी॥ ॥ य॥ मः॥ की॥ उ॥ म॥
न॥ द्वा॥ म॥ भ॥ म॥ ग॥ द॥ उ॥ म॥ ह्म॥ ॥
न॥ द्वा॥ म॥ भ॥ म॥ ग॥ द॥ उ॥ म॥ ह्म॥ ॥
म॥ भि॥ क॥ ॥ प॥ र॥ र॥ द॥ म॥ द॥ न॥ द्वा॥

:

पम कुलीः श्री गीर के दु मे
 मभुल वभिनी ॥ नाप चं धू
 करली म के सं ज्ञे वे पु के मि
 नी ॥ गे भ कु पे प के भ गी दु सं
 व गी सु गी उ ष ॥ र कु भ ह व
 भा भं भ भ भि भे ठं भि प च
 डी ॥ सु कु लिक ल गी म पि
 डं म भ कु ए सु गी ॥ प रु व डी
 प रु के मे क के सु रु भ लि भु
 ष ॥ सु ल भा पी न भा ए ल भ
 के रु भ च भ भि भु ॥ सु रं र द
 उ व रु नी सु यं सु डे सु गी

द.
 क.
 र.

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भिकारं दुर्लभं नमः ॥ नमः
 लेशमीरदं दुर्लभं नमः ॥
 गी ॥ भुजे गदं नमः देवी भवः
 मेकविनामिनी ॥ हृदये ल
 लिङ्ग देवी हृदये सुत्रवामि
 नी ॥ कुतः नमः सभे नमः भगुदे
 भदिधवादन ॥ कष्टं नमः
 गदं नमः भगवतः ॥ न
 देभदरल गदं हृदये भगुदे
 नयिकी ॥ गुल्फे नमः
 दीसपामपधुं नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

कयं भगवत् सद्गुरुं प्रेमम
 चिक ॥ चण्डेयं भउकल।
 लिङ्गं चण्डेयं भउती ॥ म
 तु चण्डेयं भगीक ॥ मे
 ममदिक ॥ पत्रिकं मित्र
 पत्रमभयं मउल
 कभ ॥ कभाष्टमिव कं
 सुमंभमचमल ॥ गीदयं
 रुकलीमपधुवं मे उउ
 र ॥ नीलग्रीव रुदिः कं न
 लिकं नलकृदगी ॥ पत्र
 रिदं भुके व द्रुमेव लुण

तुवेधुवी॥ एवं ममिमेरद
सुभुभु मववदन॥ एवमे
मगुतः पतुविणयपतुप
धुतः॥ अलितावभपचुतु
दिलेसापराणिता॥ मिपभ
दुडिनीरदुभाभुविवृवभि
त॥ भानागीललहंभकुवे
रदुहृमभिनी॥ इनेइमकुवे
भहंयभपभुगमनभिकभ
महिनीमदधिदहंमेइयेदु
रवभिनी॥ कपेलेकलिक
रदुहृभुलंमुठदुगी॥ तभि

म॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भद्रं कुरु
 देवदेव भद्रं कुरु यो नमिनि
 इति भगवते विष्णुपुत्रे मङ्गलं
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 उभयैर्भगवतः प्रभुभ्यां
 वरः ॥ मङ्गलं ॥ भगवतः
 नैव ह्यप्यङ्गुलिः ॥ प्रसी
 मं वरः ॥ मङ्गलं ॥ भगवतः
 गदाधरः ॥ उभयैर्भगवतः
 भगवतः ॥ मङ्गलं ॥ भगवतः
 उभयैर्भगवतः ॥ मङ्गलं ॥

न
 क.
 ३३

सुगीढध कुठ के भरी मि ।
पिवादन ॥ वृद्धी दंभभ
कुठमच हृस्नेवभ उः ॥ भ
चरुग ॥ मेठ कु न न र डे
पमेठि उः ॥ रु सु उ र य भ
कुठ मे वृः रे ठ भ भ कु लः ॥
म हं म रं गं म किं द लं म
भ भ ल य ठ भ ॥ पि ट कं डे
भं मे व प र सुं पा म भ व म
कु तु य ठं डि सु लं म म ह्म
य ठ भ कु भ भ ॥ मे ह्म नं रु
दन म य रु कु न भ न य य

भविष्यत्काले वभद इतः ॥
 मयि नरुह भवतु मयि भ
 एगड सुये ॥ विषमं न
 मे मेव न यतुः मरुंगडः
 नतं यं एयते किं हि न सुतं
 न भवते ॥ न पदं ते दिप
 मृति मे कडः पद यदु गी
 ये भुक्तु भुक्तु न तं यं व
 हिः पू एयते ॥ पूतं भुक्तु
 मा भुक्तु व गदी भदि धा
 भन ॥ तं मी गण भभा तु
 वै धूवी गदु भन ॥ भद

द.
 क.
 ११

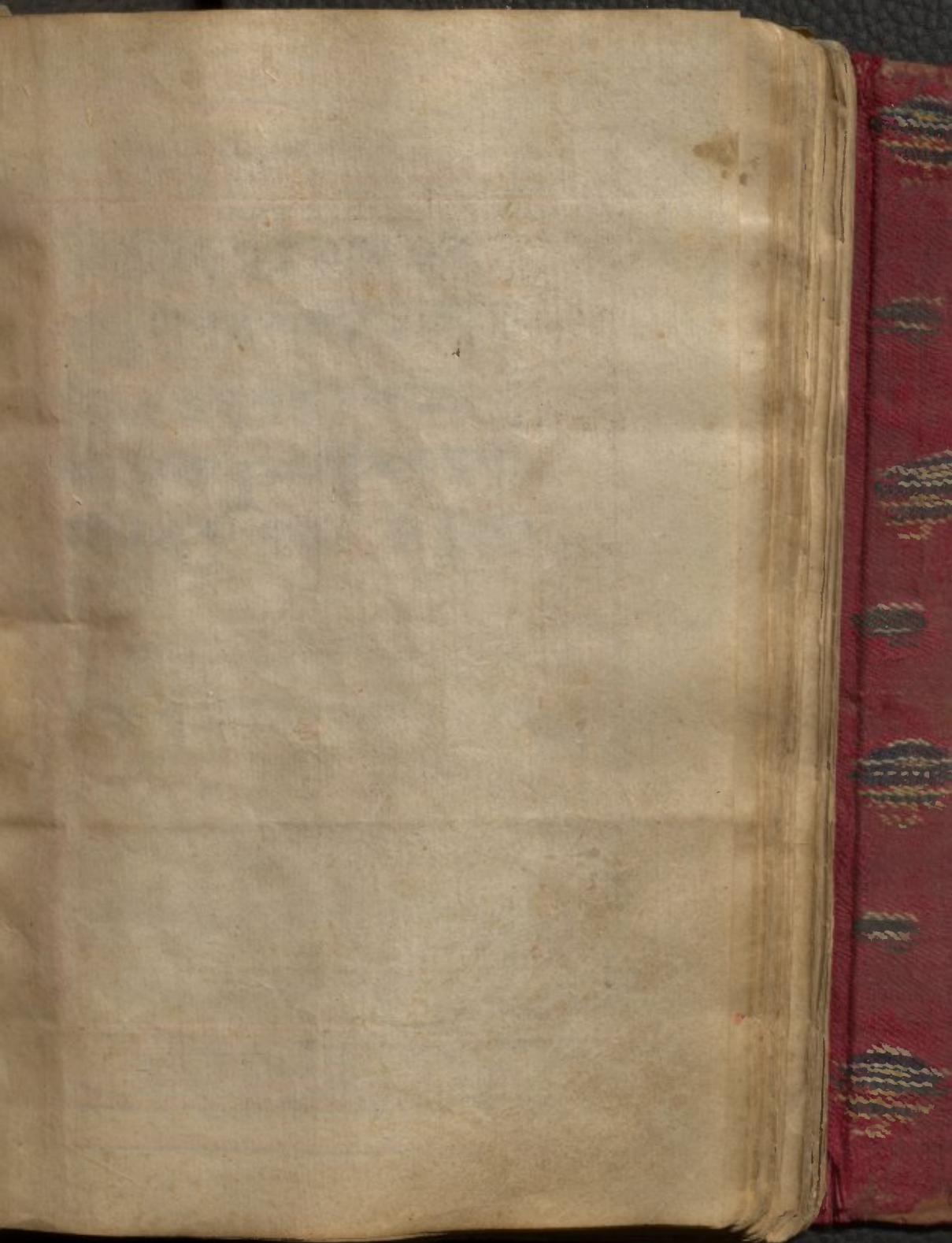
सीवृद्धेवम ॥ चभिगुह्य
भंविप्रभचक्रुतेपकारकभा
देवभुकवमंप्रष्टंउसु
धुमदभते ॥ प्रथमंमैलेप
शीतिद्वितीयंवृद्धमग्नि
द्वितीयंमध्यमंउत्तिष्ठ
उत्तिष्ठउत्तिष्ठ ॥ पद्मं
भुक्तभतेतिधुंकाटयनी
तिष्ठ ॥ मधुमंकातरशीति
भदगेरीतिमधुमभा ॥ न
वभंभिष्टिणशीतिनवद्वि
प्रकीर्ति ॥ उत्तिष्ठति

३७५
 तिनभेठवट्टे ॥ तिमभुभंभु
 पत्रयदुपदगर्विणेभेद
 नेत्रगुदेपिभवेपभजलनं
 निणभदिभवमरुभमेव
 यालभा ॥ निहंहीरुपभज
 रमयतिभकलंभुदमहुप
 पल्लभनभुयदुयारु
 ठिभउदलमठरुकलीम
 कली ॥ श्रीमउनीकउवम
 यहुहंपरभंतेकेभवगदा
 कंरुभा यत्रकभृमिद
 एउंउद्वेदुदिपिउभद ।

मं
 कं
 उ

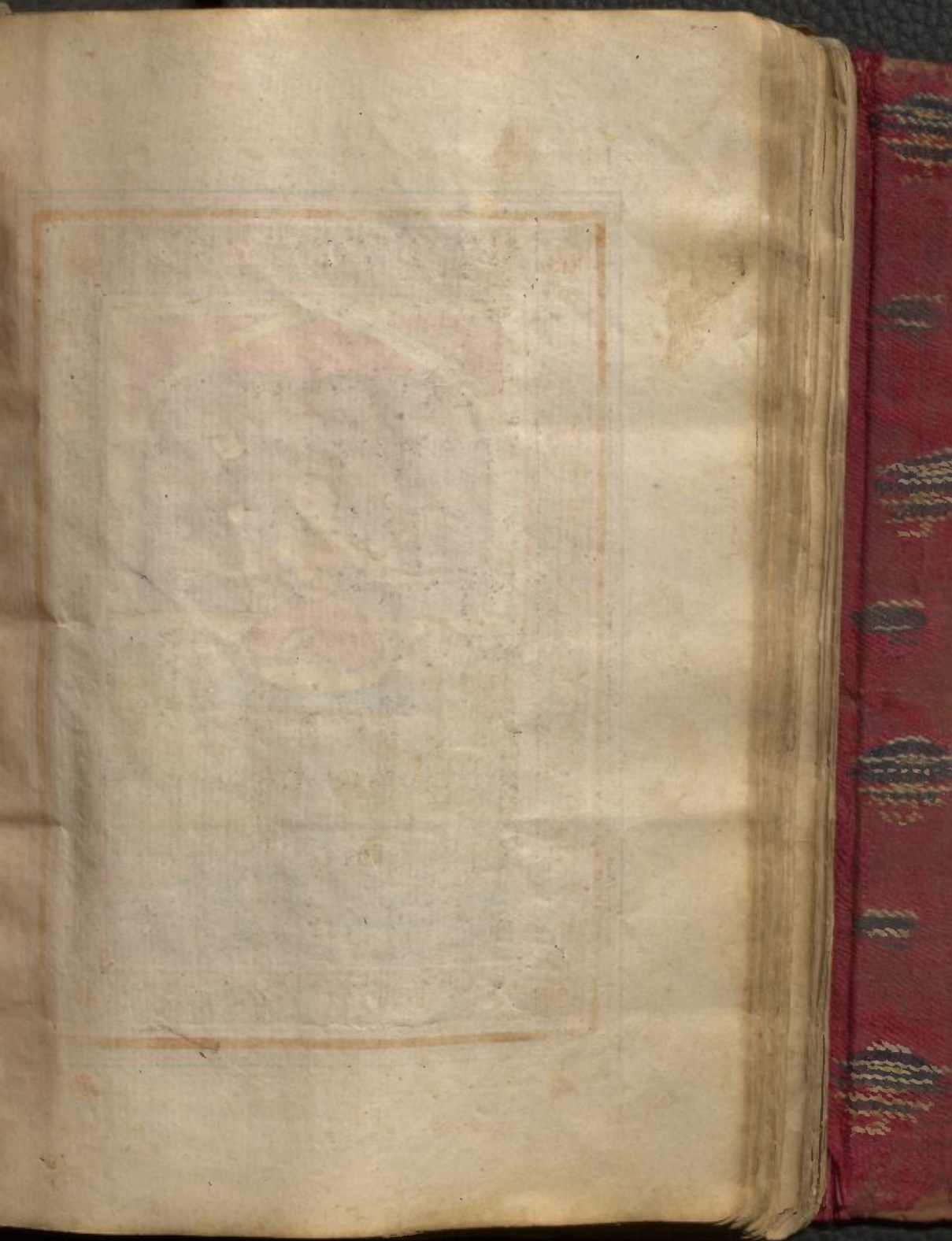
विष्णुपुं० भृङ्गं पामे सुगि० वि
भुभुभुभचणगङ्गं परदिङ्
निगङ्गं कवतु कुङ्गः ॥ ८
धः पूयतु मात्रिं भवत्तु
पीठवतु तेकः ॥ विमुठभ

365



366





भक्तुपनिचप... भुठानमी
 भा॥ नरुत्तुभाठकः भवेवि
 नसृत्तुविडधकः॥ अदभु
 माभूदीमिभुपमत्रेभुगुद
 भम॥ विठिदीनंरुददीनं
 भक्तुदीनंमयङ्गुतम॥ उरु
 वंरुपयमेविदभुनगुदं
 ऊरु॥ सुङ्गनंनैवएनभिने
 वएनभिप्रएनम॥ विभल
 नंनएनभिदभुतंपागमेसुरि
 यमदगपमरुधुंभाइदीनं
 मयङ्गुतम॥ भयामभेन

भ
 क्त
 उ
 त्त
 म
 ॥

पयभिरुमारेभादउपेस
साहैभविउरियलभापेपुषु
ठमकिरेक॥ वदडिऊमठ
रकुंयावनभुवलयेभकल
एननिभाहं पादिभाभिहवसु
भा॥ ३३॥ उडिमीपंमभुवुं
भकलएननीभुवःपंमभः
ठिऊचनहुपमभनीएपाहु
हुविनमिनी॥ पुणिउरुःप
रेऊगुदगडिपरभरुगी॥
नभाभियाभिनीनयलेपल
हुउऊतुलभा॥ ठवनीठव

नैःकमनिलयइउणमउउ
गुरुवपुषभभभृगिरिमं॥
मृवापुहंमैवीरुभउउगधि
इविमिउवा नयेयइइए
भुडिविरमनेवमिबभभ
ॐ॥ यइइइंकभलभमि
उंउभृवाकलिकपृयेनिः
भृःपृषिउभमरेयउमेह
गपी०भ॥ उभिन्नउःकुम
ठगनउंउकुलीउःपूवउं
मृभाकगंभकलएननीभ
उउंठवयभि॥ ७॥ कुवि

प
भृ
भ

द्वभद्रुंमीकाद्वभयभभभ
मिनुगः॥ अविहृद्वि
हृद्वभभिमिपितं दंकिभप
रंयय ऊद्वुडेकगवतिन
वीकाभदभे ३२॥ द्वाये
एनीउरमयतिठवहृवभउ
उंद्वयैवेसुहृभुद्वभभिमि।
पिलायभुउनवः॥ गउंभ
भुंसभुवदतिपरभवेभठव
गीउषा पुदंदिद्वविदगति
मिदभुतिकिभिरुभ ३५॥
सुभहृः पूमीनैलननिणन

दउभादभीवपपउः॥उमे
 हेमेहभुवुयिभदनिलैःभ
 द्विकगुलैःकृणुतेउडुः॥प्रम
 भभनकलंपरवमः॥३३॥
 विषविष्कुरुप्रदतिग
 गद्गमिनकरःभुठवेलैनेरु
 भुगउभनिरक'सभनिलः
 सिवःसक्तिज्ञेतिमूतिविष
 यितंउभपगउं'विकलैरे
 किभु'भक्तिरुण्डिभनेरुग
 वडीभ॥३३॥सिवभुंसक्तिभुं
 इभमिभभय'इंभभयिनी॥

ये.
 भु
 ३३

दवीयेनेदीयः भक्तभक्ति
विभुंनगवडीभक्तपसृत्तु
सुवदभिकुवनदेनएननी
भा॥३॥ पूर्विसृष्टंभजंभ
दण्डययमैमिकदुसप
दुससृत्तेअस्मिदुगगान
डीउकरुभ॥ परनरुकरु
रंभपमिमिवयतीभपितुं
भुभदुनंठतुःमिग्भपलन
तुंनगवडीभ॥३॥ भगुपः
प्रधुवीवणुलनःवउदुधि
कलिकःपयेठेकलेलपुति

दृत्तमभेगपवगपिमक्ति
 गवतीविवदहयभीदृद
 दसरिउंवेडिउवकः॥१३॥
 क॥भुम्हीप्रीनंगविममि
 दधगपूकउयःपंगवृ
 द्दुंउवनियउभानक
 क॥मिवमिदिहउंइवल
 यउनेःभवभरउयभुक्त
 भुम्भुगभिहमिमिउंरगव
 रि॥१७॥पगःपुस्तमउउदि
 रपरिमयंपरिउंपंगभुलेभ
 द्धंभक्तलभक्तलंगुहभगुदं

एननेपिपूठवडिनदेदीर
दयितुं मरीगदहूरंतवभभ
वराहेगिरिभुते ॥ ३० ॥ पित
भाउकूडभुहूरुमगभरु
गदिनेवपुःकैरुंभिउंएन
भपियरुंभंविणदति ॥ उरु
भेठिऊनभपुठिऊयभेद
रुउभभंभदएकुंभाउठवक
नयभत्रिठिकरी ॥ ३१ ॥ भुउ
रुदभुंमोकिलभकलभउ
वभुऊरुःभमेधंउंदिदुउरु
रुगिरिगणभुदुदित ॥ अरु

पदाकभलयेपाचडिप
 रभा॥३३॥ उदिदुल्लीनिह
 भभउभरिउं पांनगदिउं
 भदेडीलंएकुं पूदडिभ
 गुलं गूडिगदिउं भ॥ गिरं
 दुरंविहृभविनउकुसंवि
 सुएननीभपदउं लक्ष्मी
 भकिरुदडिभउं रुगवडी
 भ॥३५॥ मरीगंदिहृभः
 पूरुडिगसिउं केवलभिमं
 भपंरुःपंमयंकलयडि
 पुभं सुउनउडि॥ भुदए

पं.
 भु.
 ३०

विगिह्वाष्टभउभुणभिद
गिभंलुङ्गभवमिडिलेकीर
दृष्टदगमिविदठभीसु
रदमभ॥ठवतीभ'द'ष्ट
मिवयमिमप'मे'भ'द'ल
नीवभेवैक'नैक'ठवभिद
उठेनैतिगिभउ॥१३॥भनी
नंम'उ'ठिःपूभ'दिउकध'
यैगपिभन'गम'ह'भंभूधुं
मकिउमकिउ'र'भुभउउभ
मूजीनंभुठ'नःपूद'ठिक'ठि
नःकेभलउ'र'क'प'उ'वि'उ'उ

हृविहृविषिठभभयवमगु
 लिकेविमिहृविषुहृविनय
 भुलकेवेरुएननि॥मिवहृ
 मुलभुमिवपमवमहृमिव
 निठमिवभउमहृदयिवित
 रकज्जिनिरुपभभभ॥३०॥
 विठममुददयमऊरुप
 इकरउलेदरिमुलभेउंयम
 गभयमंभभभउभ॥मुलं
 महेकठंयमपिगरलेन
 भुगिरिमःमिवभुयसुऊः
 उमिभभपितंउवितभितभ

पं.
 भु.
 ३३

गवठिमिवे सुदवपुधं नर
कगहनपूदतिभपगिष्ठि
कन०॥ भविंरीलेकनं
निरतिमयठाभाभदपमं
ठवेवभिदेवठवउठवडीभ
वठणताभ॥०७॥ एगकूये
दवउठपिहमयेउसुपद
धेपुभंभंसिमुमुंउभपिवि
यमपुमगदने॥ उठउहु
नपुउठपिपरभा नरुगद
नेभदवृभाकरुमउठव
मीनेविणयउ॥३०॥ विठेव

गभं गुह्यपारभ्यदं विनयभ
 पदे संमिव कथं ॥ पूभा
 लं निचलं पूरुति भवतु कृतिं
 परगुह्यं विधिं विदुः भाद्रभ
 कलणननीभेव भवतः ॥ ०१
 पूलीनेमवे अउरु विरते
 विदुः विरते उउभुवे सपू
 यनियपुमपाठिदुपगते ॥
 मिउे सऊपचट्टकलिउ
 मिदुइगदनं भुमं विडिं ये
 गीरभयति मिवापुं परउ
 उभ ॥ ०३ ॥ परनक्तकरं नि

पं.
 भु.
 ३७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
धैः॥ इमं भूते किं भुंक्ते दमि
परां नमो भगवते नमो भगवते
इति मन्त्रं नमो भगवते नमो भगवते
॥ यन्त्र ॥ ०५ ॥ भद्रीया देव
किं सुभन विद्यमानं देवगवि
किं च भक्ति नृभुं सै गपि उव
किया न भुभदिभा ॥ सप्रवृत्ते
कृते नगवति न कृते पृष्ठे उभा
भवभुं पृष्ठे निवृत्ति उपर
भवभुं पृष्ठे ॥ ०० ॥ कलभा
इति पृष्ठे भवभुं न कृतिं भव

केटिनुठिउभा॥ कएदुसैर
 इऊमनउवभाउःकमय
 मरीरीमहेयेंवृणडिपरमप
 नुउउउभा॥०३॥ प्रियकुष्ट
 भाङ्गीमरुउगवभाङ्गीम
 लयंभभमीलकुऊढलर
 दननेपवृऊमभंभुनड
 कुभरभुवकनभिडंकल
 लडिकंभदकुयउभुंरठ
 डिमिदमिनुभलिपमभा॥
 ०३॥ धरुठगरवडुंगपरि
 भिउभनेदिपटलैसुनकुड

धं.
 भुं.
 ३३

उत्तरः मैयं किं भविष्यति
वर्गमिः ॥ ऊर्ग हृ भ न भू
वपुष्यक गेविण्यते ॥ ०० ॥
प्रका मान न हृ भ वि मि उग
गी भ हृ प म वी प्र वि मृ उ दु
ग वि म मि भ भ अ क व न य
न ॥ प्र वि मृ उ न म न य म
द न रु भ दी न उ कुलः ॥ ५ भ
म उ ए नुः मि व भ कुल भ भु
वि म ति ॥ ०१ ॥ भ न भु भि द
हृ भ न उ उ ति ने क इ य भि मं
क व भू ठे भ यं दि गु ल द री

मलभयदुर्ममलंकल
 मंगदुमंगउवतिनभभुगि
 गिभुते॥७॥ कुलंकैमिदुदुः
 वपुगकुलभतेउवदुः॥
 पगेउंठेमभभकिमठउ
 कैलभपगे॥ मउलभपुप
 भपगिकिभपिपुदुगपगेभ
 दभयेउंउवकषभभी
 निष्ठिउभदे॥०॥ पदुपुग
 हनीपुलवगविकेदिप
 डिदमदमठभीदहभप
 मकभलपुदुमिगभभवि

प.
 भु.
 ७१

उत्तेतुम् यद्विनभिउभ
मेधं नउमिदे ॥ १ ॥ उत्तिके
टिलेतिदुडिमलिउधु
त्रिप्यहनं प्रविधुंभुणं
पनगपिभणकधिवपुध
किमपृधुंमिंमकिंभक
लीकृतभनिमंनलेणभमृ
भंऊमननउंरुवरकमभ
उ ॥ मउधइतुःधदुलका
पलतुभिवलयभुगडिदु
दुकिःदुभनिनियतंनदुडि
यउ ॥ धरुमंकिद्वमेदम

षां मे उः भकल ए न नी भे व
 मर भा ॥ ५ ॥ म न हृ त्तु के म भ
 ॥ य ग भि क पि पू ॥ वि नी ॥
 मि व भृ भी दं पु रि ॥ य वि
 ठे मे वि ग दि ॥ ॥ भ वि शी
 कु त्त न भ पि य रु रु रुः मै ल
 उ न य ॥ उ मे उं म र पू ॥ य म
 भ द न द क भु प भ ॥ ॥ वू व त्तु
 के उं रु ग व डि भ रु त्तु वि रु र
 भ रु मे भ उः ५ ॥ रु भु व भ रु भ
 रु त्तु भ क व यः ॥ ॥ प र ने उ रु
 चं भ भ कि रु उ मे वि भ ठि यः

पं.
 भुं.
 ३०

रभदभत्रुभिसरभ ॥३॥
भियःकेमकेमिपूठनरिठ
नभुकभनरुमरुठकिः
पूयविधयसुपुविधयः
पूभीरुपूटकीरुयगिरिभुते
मेदिमरुनिरलभुमेठःप
गिन०डिपरिपुवभिरुभ
॥ सुनं ववकेचापगपरि
धमेवयममनंकककेनके
डिकमिमपिनकसिडुलय
डि॥ सभधिडिसुभंविणदि
दिभभ'रुयवपुधिपुपट्ट

344

भपयभरुगवडीभ॥०॥व
मभुङ्कगभृभुग्भभग्भान
विठवपुतेणकरुयदुडिउ
लिउनीलेइलमम॥मिवभृ
गणयभुनठगविनभूयभ
उउंनभेयभूकभूमनठवउ
भगुयभदभ॥३॥लु०हु
हुदग्भुनठगनभमृएलति
कभमृहुहुमभूःक०गु
लिउनीलेइलमम॥मि
वंपाहुइ०पूव०भगयक
रगुलिउंमिवभनृगुंतीमव

पं.
भु.
३५

ऊवलयलनीलंरुग्भि
गुकेमंषुउरकुमरक्त
उकतुवलप्रभा॥ किभिद
रुद्रिदकुभुक्तुपंपंगः
भकलकुवनभातःभतुतंभ
विठतुभा॥३३॥ॐतिमीपं
सुभुवभभुभुवःमनुतः
अलनतेयत्रिदयभवसभ
हेतुकलदैरभीभायगुतेउ
वपरिनु०तुःभभयिनः॥ए
मउल्लमणरठयउभःकेभ
मिदयंनभभुक्तुच॥३३॥मर

उकिलभवेतिडिडिदि उवृ।
 भा॥३७॥कलपिकेटिरमि
 मभुधरुसुसुसु'वा'भवने।
 पुठवडीभभडे'अवधुभ
 मृभं'अनउएंभकलीनडे
 मएयनुपवणगउं'गुरवे
 रुवडि॥३०॥विहृ'पगंकडि
 मिरभुरभभुकेमिरनरु
 भेवकडिमिडुडिमि सुभ
 यभा॥इं'दिसुभा'रुगपरेव
 यभा'भनभभा'रुगप'रक
 रु'गुरुभुडिभेव॥३०॥॥

भं
 भु
 ३५

गृहे ॥ उवद्विकल्पएतिलः ॥
तिलपुमगभुक्गदः भभयि
नंपूलयंनयति ॥ ३१ ॥ यद्वेव
यनपिउयनविदग्भकेरु
दुभनः करभभुनभचने
भभ ॥ यननिवेसुउवकर
पल्लकभुपचलिपचतिन
यतिनिभनद्वभ ॥ ३३ ॥ भु
नभभुतिभुभदीभुभापभ
सभुः कभुसुनपिउववेरु
वभभुयभुः ॥ पट्टगिरभ
पिनसक्तुताववकुंभपिभु

देवउभतुगद्गुल्लुनंरियकर
 भाभनएलभिस्तु ॥ तिसुदभ
 यउनभावर ॥ निमद्वंकिंत
 त्रयद्वयभिदेविसमाद्वभे
 लेः ॥ ३५ ॥ कुभेनिकडिदमि
 तापयभिपूडिधूविद्वनले
 भदडिमडिरडीउमडिः ॥
 वेथ्रीडियाः किलकलः क
 लयडिविमुंडाभंदिद्वरडा
 भभुपमंद्वमीयभ ॥ ३६ ॥ य
 वद्वरंपमभरेणयगंद्वमीयं
 नल्लीकरेडिद्वमयेधणगमु

पं.
 सु
 ३३

गङ्गाः भुक्ता नवति ॥ ३३ ॥
केग यम विठव डी दडिनः
पुष्प भुक्ता किङ्करी दडभरण
गुद भदभः ॥ मित्र भलि पू
मय कलि उके लि मैले क
त्य भू भे पवना वमि रं र भु
३३ ॥ दनुं दभे वरु वभि द्रु
पीन भी मे भं भार ड प भ पि
लं य व प सु न भ ॥ वै कतु
नी कि र भं द डि रे व स कु ड
पं नि एं स भ पि डं नि ए य पि
व धू ॥ ३४ ॥ मक्तिः मरी र भ ठि

सुतभिभलिलेमिपिनिदु
 शुभनिभुभवेनिपिलंद
 सुतेयमिभुत॥३॥लेतेधि
 यद्विदिमरत्रियरुतुरिदं
 भुतेपयंभियरुदिचरं
 मठते॥यद्वुडिवयुगनले
 यद्वुमजिरभुतेद्वुवभभुत
 वकेवलभाण्यैव॥३०॥म
 केमभिभुभियरुगिरिलेउ
 मनीयकुकेयेभुभभिभुभि
 रभभुप॥यद्वुदिकभभभ
 यभियरुउमनीद्वुवभभुप

प.
 सु
 ३३

लेडिगुदगगीडिकहृयनीडि
कभलेडिकलवडीडि॥एक
भडीठगवडीपरभाऊडेपिभं
रुसुभेरहुविठनननुकी
व॥०३॥सुनरुलदाभनद
उनधिरुमेनरुनपरि
उंडवहुपभीमे॥पुहुहुपेन
भनभापरिसीयभावेसंभति
नेरुभनिलैःपुलकैसुठहुः
०७॥हुंमडिकममिनिडि
गुममेरुमिभुंहुंमेउनभि
परुयेपवनैरलहुभाहुंभ

नेभि सवंगी सवग्भृएयभा
 ०५॥ सत्तेन किं नवल उललि
 उनभगुंजी उंवि केः पदप
 भत्तभि मं द्वयेति ॥ सुलीएन
 भृपरिदभ वमं भिभट्टे भन्
 भिउन उवमे विण्णी कवति
 ०७॥ वृक्ष भुवदु मक मभु
 कभङ्गलेयं भाये मठिचिवि
 ठदः पउर म्भालः ॥ सुसुद
 भभृरुति डिपुल यं प्रयति
 ददू नभउ उभद वरु वभाण
 ये ॥ ०१॥ मद्र यली डि कुटि

पं.
 भु.
 ३०

उसुंगीद्वभा॥ उलड्ययतिनर
भाउलड्यनीयं वक्रमिभिः
भुगवैरपिकलकद्वभा॥ ०१
यः भुटिकद्वगु॥ प्रभुकज
भिकद्वद्वष्टमभुद्वकं
मरिद्वमुद्वभा॥ पद्वभनम
द्वयैरवतीभुपभुभाउम
विभुकविउद्विकमरुवती॥
०२॥ वद्वयउंभयउरुद्वकै
मपमं गुद्ववलीद्वउपनभु
नद्वमेद्वभा॥ सुभं प्रद्वल
वद्वनं भुजभगद्वभुं द्वभेव

कम्भभृनिष्ठेषामपटल
 छिद्रगनिभेषात्॥ कन्तु
 नैमिककटक्षभभामये
 कन्तुतेनवभिसभुववे
 मीक्ष॥००॥ भक्तविक्रप
 वतीनवविक्रभानयसुत
 भिभुगभिडगकिउवभक्तु
 एकःभापवकुवनश्यभु
 नगी॥ कन्तुतेनवभिसभु
 पुसंगीदिनपि॥०१॥ येन
 वयवुभुतवदिनिसुल
 लैरपुयभनकुवनभभ

पं.
 सु.
 ३

वकुण्ठिगिरिगणकतृ॥३॥ स
मभुरंममवकभुविलेपनं
मठिहृदनेमनदनेमपरे
कुभे॥ वेतालभंदतिपरिगु
दताममभुः मेकंठिरुतिगि
गिलेउवभादमद॥ ७॥ क
लेपभंदरकैलिधुपति
उनिमभुनिपधुपरमेर
पित॥ ८॥ वनि॥ सुलेकनेनउ
वकेभलिउनिभाउ॥ ९॥ भु
इनापरिभतिगगदिकुह
०॥ एतेरपस्त्रिभउनेरपिक

निउमिल्लउव॥ कृयेपिउउवि
 मभियूवभुलेमुनिःपृरुभ
 रपरभभुउउयउप॥ १॥
 गुंयमभनभेकभनेकठेउ
 भयुःकएकविठिरडुयं
 मकर॥ एउउमभुउउमवि
 ललएनेउंभउंदिवेवभउ
 लीदउभिमुभेलिः॥ १॥
 उमभुवभनकलिउउवयं
 ठिदं कपलिनभवभभभ
 डिडीयभ॥ प्रचंकरगुद
 भइलउकवटःमभुंकाव

पं.
 भु.
 ११

इलकभंदतिनिःसरीरिः
धृत्मानभलितैरयनैस्त्रि
हभ॥वगिस्त्रगस्त्रपम
किरुपामतेयपतेउवाभु
कुवनेषउपवण्टुः॥५॥व
कुंयकुहृउभकिधुउयेठव
हृभुकुंनभेयमपिरेविमि
रःकर्गेति॥सउस्त्रयडुयिप
रय॥भभुउनिकभुपिकैर
पिठवतिउपेविसेधैः॥५
भुलालवालकुदरकुमिउ
ठवनिनिठिहृधदुगभिए

वीभननुमरः मरः पूष
 हु॥०॥ अभुभुवेषु उवउव
 मककुकाः कुकुनी कवत्रिव
 मभभपिगुभुननि॥ दिभु
 भुमेभुतिगभावमभभभ
 पिवाङ्गुलभगुहमयं कवती
 ठिनेति॥३॥ वेमेतिविमुगिति
 नमउतीकुलेपकुपेतिव
 गुयउत्रगितिभाङ्गुकेति॥ निः
 धुभनभुपरेठभुणभुउ
 पविहेउमेभनभिरुगुव
 उंएननभ॥३॥ सुविहव

पं.
 भु.
 ०३

दत्तपद्मभुक्तगलक्षीः पूरे
 णवति ॥ ०३ ॥ यामेनकं मनन
 कं मननं वल्लयभिमेवेन
 कं मननिरभुभभभुमेवः ॥
 मल्लवभेभयरभदिठणेव
 गभीमेवीहमिभुडभेऊ
 नकभठेवः ॥ ०७ ॥ ३ डिपं
 मभुवृं पटभुवभुडीयः ॥
 त्रियभभनतिभनयः पूरु
 तिंपरलीविहृतिवेंमूति
 गदभुविमेवमति ॥ ३ भेठ
 पल्लविडमहूरुपभुंमे

रयभिभुतेव॥००॥लक्ष्मीव
मोकगं मुलुभदेमरलि
वृद्धमपहृणरंभिमिगंण
यत्रि॥यानिपुत्रमभिलि
उनिचुललतलभदत्रि
मैवलिपिउनिरुदरलि
०१॥रेभुलःकिभयंकषेव
उपभामेदःपरिलिमुते॥
यल्लेचरद्रुदिल्लिक्किभित
रेगिजीरियनेगदः॥ककि
मुमदिनमिनीकगवतीपा
मइयीमेवउभुल्लुभुद

पु
मु
०१

भृगुतेणवति॥०८॥ किं किं
दुःखं नृणामस्तनिदीयते
भृगुयं कक कीतिः ऊलक
भलिनिपु पृतेन भृगुयं भा
कक भिद्विः भृगुयं नृते पू
पृतेन नृति यं कं कं ये गं
द्वयिनमि नृते मि नृभा लभि
नृयं भा॥०५॥ ये नृदि नृतर
नृनृ भृगुयं नृभा ये क नि
कल नृनृयं मनि नृनृरुः
ये नृदि नृगुयं कल नृयं मि
नृभृगुयं नृदि नृभृगुयं मि

पु'नेग' रूपयतिरिप्रदति
 विप'ने'रुद'ह'णी'वृ'णी'सु'भ
 यतिभा'प'नि'पु'उ'उ'ते॥ द'न
 रु'नु'मुः'पं'रु'ल'य'ति'धि'न'भूी
 भू'वि'र'दं'भ'द'सू'उ'रु'वी'कि
 भि'व'नि'र'व'सुं'न'ऊ'रु'ते॥ ०३ ॥
 य'भुं'हृ'य'ति'दे'ति'व'सु'उ'ए'प
 हृ'ले'क'उ'मि'नु'य'हृ'वृ'ति'पु'ति
 प'हृ'उ'क'ल'य'ति'भु'हृ'म'य'हृ
 ज'ति॥ य'सु'रु'भु'क'व'ल'ठ'उ
 व'गु'उ'न'क'रु'य'हृ'रु'उ'भु
 मी'उ'ग'द'रु'पै'ति'वि'ण'य'भु

पं.
 भु.
 ०३

1
भपुतिभभुपुपुनेरेदुलेग
रुनेरुमभचयति०० भुभभु
वमभवृकुंदिभकुंरेरेमिध
भाकभभुभालंरिह००भ
पमउललभिनीभा०००भु
तृदेःभितपहुएभनगउं।
पुलेयपुहुविपंवदुतीभ
भउंभरेददकुंवेवकुंपिरकु
पिस॥ ससिउमभनेदरम
लनिउमडिपुभत्रपिसहु
मेवभ्रउंभ्ररिगविउव
ज्ञाचेडेवन्नति००३॥ ममती

भुपि कुंरिव ॥ पूलेयैरिव
निद्रितं उववपुत्राय त्रिये
दिनस्त्रितं त्रिदत्तं त्रिपति
परमं भुपं पदं त्रिकुटि ॥ ३ ॥ ये
भंभुगति उगलं भदमेवम
त्रीवं गति पल्लव कलिं उरु
ॐ कमे ॐ भ ॥ गगलुवैरद
लगगिनि भल्लय त्रीदं कुण
गदुणति मे उभिडां गगलुः ॥
७ ॥ लादगरभ भुपि उपकुण
उनु उत्री भुतः भुगदुत मिनेठ
वड्डीठवनि ॥ यभुं भुगपुतिभ

पं
भुं
७१

कङ्कदलेरठिउं वृद्धनपि
नक्षिन्धि मरुणभुम्बुवि।
सिउंभदउ ॥ ७ ॥ उं चैमृगं
भगदभममसूयंभनेद
सिन्धिपकु दलभनेदभन
गउंभिगुपमीपसुविभ ॥
वदुतीभभउंठवनिठवती।
एवतिवेमेदिनः उनिमुज
लेठवतिविपमः प्रेणुतिउकु
गउः ॥ १ ॥ प्रलेकेः सकलेरिव
तिठदलेः पीयुपप्रगेरिवदी
गवुल्लदगीठगेरिवभुणपक

五

एवमिदं भूयः ॥ १ ॥ उक्तं
उवमगूद उवविषयमक्तं
भूक्तं उवपुत्रं उवपुत्रं उव
त्रिविदगुभु उवपुत्रं उव ॥
वेष्टवमिदिमैलर एतयं
एष्टभुलवगुत्रभुक्तं पठि।
विद्वत्तगभमैष्टवमिदिमै
भूयः ॥ १ ॥ एष्टवमिदिमै
विपुत्रमिदिमैलवष्टवेव
एष्टमिदिमैलवष्टवेव ॥ उवि
भूत्रिलनितायलेमन
नंमिद्वैककिडिलिपिउपुति

कृमातः मिदं सच लिखि पर
 भद्रुनियगमे सद्रु लिख कट
 यनि ॥ क्रीमे क्रीमे विमद्वि सच
 गिकले काल दायै सुतिनि ।
 दृष्टमपुत्रं तानन नृभनमः ॥
 पदकुल ददिनः ॥ ० ॥ मेवि
 दं भद्रमेव यः पुत्रं भद्रिदे
 रुतुभुनभद्रं एव भद्रुगमि
 पी० विल० क्रीपुग केदिमु
 एः ॥ यभुभद्रतिभे नृउभ
 गगलै दभुतिभभुयते ॥ य
 भुंष्टयतिउं भुगतिविपुग

पं
 भु.
 ०

वसुभुतिस्त्रेताभि॥ वृद्धमृदु
मातुर्गैकरयगेवृद्धीतुनंदमि
भेऊरपिद्वरुपभनवृभनि
तुभेदेविभामाभुत॥१७॥
यःभेदुभेउमउवभरभीसु
रयःसुयभुंरंप०तिवयमि
वामुलेति॥ उभृपिउंऊल
तिगएकिगीरुतेभेएवेउभ
पियउभेदरिलेकाउवभा
३०॥ उतिपंमभुवृंमचभु
वेयंतिडीयः॥१॥ विदेवि
हृभुकपडिपचतिभतिउंले

पभिउधदुकरभा॥भेददि
 पेनुकरनेहृउतेणभिंदली
 लगुदंठगवंडीरिपुगंनभा
 भि॥३१॥गलेसवदुकरभुउर
 डिभदयकभात्रिउभुगरि
 वगविपुगकुभुभरारालै
 दुउ॥अनङ्गकुभुभामिठिपै
 रिठउमभिहुँभिठिःकरभु
 वनभट्टगदिपुगठैगवीपाउ
 भाभा॥३३॥दुपैकरिउप
 लपुयिउरनेरुमेभुहु
 गुभाकरनगरिउसूवये

पं.
 भु.
 ३

ॐ नमः ॥ १ ॥ वृषिनीतिभु
भनडतिऊकुलीति वृकभिनी
डिकभलेतिभगभुडीति ॥ वृभा
लिनीतिनलिउट्टिपगलिउ
डिरेविभुवतिविणवेडिणवे
दुमेडि ॥ १५ ॥ उडभुदेभरुमि
गडिपुगपनीदिमडस्रिगनुन
भभेप्यवनलनीदि ॥ करग
देनिगरुवरुनपीरुडभुवृ
भुडेस्रिडिभेनिगरुभुट
ति ॥ १७ ॥ उरुभकभपगभेऊ
भरेणपकुसकुडिडुडिभ

ननु कलभलेदिनेः भूणिभि
 भनृगिवागुलभभा ॥ १३ ॥
 ननु निविदुभभंवी प्रति
 भभिवदं येमिनुयतुद
 कतिभनतुपभा ॥ उनेद
 पद्मलमः प्रभकं कएते
 कठवभकभदरुल
 उभुदः ॥ १३ ॥ इदुपभ
 लभिउमदिभपधरुभ
 नुवयेननमैवउभदं
 यः ॥ उंउपदीनभपिभुन
 वकुमदुमुलेकयतुउभ

पं
 भु
 ००

भक्तिभट्टयमतिरुद्धि॥ एव
उभक्तिवनेकगुरुभुक्तौ
मेवःमिवेपिकुवनउयभु
एरः॥३॥ येयंमकभुगग
नरुवरडुभिमुटेयंभुगभु
गुरुःपुरुषःपुरुषः॥ यहु
भमलभिरुभक्तुभुक्तुभु
मेविदुभेवउमिडिपुडिप
मयति॥३॥ एउभिदैभव
डियेनदिभंमुगमिभाल
भलदुडिरकलपभानभ
न॥ उभुयिनभुभनवदुभ

इमेऽनूदीभिः कलभः कल
 नमभुः कलभः कलभः कलभः
 लेकयतुः ॥ भः कलभः कलभः
 ठियः कलभः कलभः कलभः
 नदिः कलभः कलभः कलभः
 ०३ ॥ मः कलभः कलभः कलभः
 उपः कलभः कलभः कलभः
 विः कलभः कलभः कलभः
 पः कलभः कलभः कलभः
 दंभिः कलभः कलभः कलभः
 एनभुः ॥ ०७ ॥ डः कलभः कलभः
 कलभः कलभः कलभः कलभः

पं
 भुः
 ०८

पुःपुद्भभीभिभठगद्व
गुंउरुः॥०५॥सुठभ
रुडनिरैठवमेनयेपंभिनु
गगल्लितभरेणगुंउरुगि
दीपंरुभिभुगडिमेविवपुः
द्वलीयंएयत्रितनिदभभी
दिउभिहभएः॥०६॥येपि
उयउरुभभुलभएवति
उपंडवभुनवयवकपद्वपि
हभ॥उपंभमेवउभभय
ठरुकिउवदःभुलभ
गरुमेवमगठवति॥०७॥

पिउभिदेवीभा॥यःपसृति
 दा॥भपिदिपरेविदयवी
 कुंभरुनिभुरुसमुभउरु
 वति॥०३॥कुपंतवभुगितम
 रुभरीमिगेरभानेकउमि
 गभिवगठिदैवउंयः॥निः
 भीमभुक्तिरसनभउनिज
 रभुउभुपुभारुभपुगःपुभ
 रतिवामः॥०८॥भाउरुकुउ
 भपियःभुगतिभुरुपंतदा
 रभपुभरउनुनिठठवटः॥
 एयनुनरुभनभभुभनरुउ

धं.
 भे.
 ७

दिनापरत्रकुवेभयुपःप्रह
गुमेज्जिकरुमेभरुभद्रुदति
मेव नडिदृडिकरुभरुभ्रमी
ॐभीभतिभीभिकुभभभुव
कयिउंयैः॥००॥भुतिभ्र
डुदिनमीठिडिडिकतिरभुं
भट्टेललटभभरुयुठरमि
मिडभ॥हृस्त्ररुभ्रिडुडु
क्लिकरुकरिण्टिडिडुडु
मिडभभुडवभ्रुपभ॥०३॥
भिडुरपंभपटलकुगिड
भिवहुंहुडुलभलडुगभभः

पवी... यत्रिविहृणः करक
 मैलगुदगदेषु॥३॥ लक्ष्मीव
 मीकर... मुलभदेरगलिह
 द्रुपदुणरभंभिमिरंणय
 त्रि॥ यानिपु... भभिलिउविल
 लएपदुलभदत्रिमैवलपि
 उनिदुगदरलि॥७॥ लक्ष्मी
 वमीकर... कदलिकभिनीन
 भकद... वृडिकरेधुमभिदुभ
 त्रुः॥ नीरवृभेदतिभिरष्टिदुग
 पूमीयेमेविदुमद्विणनिउण
 यडिपुभमः॥... मेविदुम

प.
 भु.
 उ

गभृउभृविहृणरपू॥ डिमुभि
उपामपी०ः॥ यज्ञरुवतिपर
वीपू॥ यःभाणधवृदमपक
णरणःक॥ लःपूभाः॥ ७
वृदमपकणरणःपूलिपाउपु
उःपूहृगनल्यभतिनिःरुतिनि
कवीचैः॥ क्षीरक्षपाकरुगु
लदिभोवमउकैरपृवापकु
वचरिउयेधिकीतिः॥ १॥ कल्य
रूपपूभवकल्युमिडुपुए
भृहीपिउप्रियउभाभमरु
गीउभा॥ निहंरुवनिरुवतीभ

:

रुक्मिण्यः किमपि भेभापये
 करोति॥३॥ भुतेण गतिरुवती
 रुवतीरि रुक्मिण्यः गतिरुवती
 रुते रुवती रुवति भेदं किञ्च
 तिरुवती रुवती रुक्मिणी
 लयितुं यतिमिदं भिन्नं रुव
 दः॥४॥ यमिदं न गतिरुव
 भुक्त्वा पदं गेहं गेहं प्रभुम्
 यरं रुक्मिण्यः भिन्नं भिन्नं
 रतु रभनं सरपूकीरुभी।
 भतिनी नयनभुक्त्वा पदं
 ५॥ ५॥ श्रीकृष्णपुत्रयनप्रव

प.
 भु.
 १

पडिकल्ड उरवभिपुगेलयति
एउकविद्वजभमप्रकरवते
एप्रलेद्वभुविएगल्लननि
पु०भाः॥०॥ सेविभुडिवृति
कगेदउवद्वयभुवमभदतिप्र
रुउयेधिएलीकवति॥ उभ
विभनएलिभाकउभेदभउ
भेउंउवडिप्रगउपनपडिक
रुभा॥३॥ भाउभुषपिकवडी
कवडीवृउपविस्तिउयेभु
डिभदल्लवकल्लरः॥ भेउं
कवनिभकवस्त्रगउगतिरु

भल्लुदरे मरेडु गविठिविमे
 पभदिउः भकुं पूरुय त्रिउः
 ३०॥ भावहुं निगवदुभ भुयमि
 वकिं वनय मित्रुय त्रुं भु
 इभिमं पठिपुतिनरेय भुभि
 कजि भुयि ॥ भल्लि त्रु पित
 पदुभा इनिरुं भल्लयभा
 नदण्डु कुरु भापरी दतेन
 गमिउं यभ मय पियवभा ॥
 ३०॥ इति सोपानुमुदं ल
 पभुवः पूषभः ॥ विभे नुद
 विकुभ कुवे कुवन ठिपटुभं

प.
 सु.
 २

भाउऊभागीहृभि॥०३॥ सुरे
पल्लविउः परभद्रयउडिउि
रूभाहृदरैः कहुः कतुगउः
भरमिहिरयकउे सउेभुः
भुरैः॥ नभनिदिपुगेठवति
पलयातुहउगुहनिउेउेहे
कैरवपडिदिंसतिभदभेकः
परहेनभः॥०७॥ रेहुवनिप
वठैभुतिरियंदवभनभुन
उंठरहृभिपुगेहनभनभे
यइहृकउेभुदभ॥ एकडि
दिपमरूभेकविउभुदम

लयं रं भुवि द्वाभङ्ग गी भयुनि
 रुद्रु मद्रि पभरु कलि मवंगी
 कतु ररु जे गिरे ॥ रुद्रु प्रु उ पि
 मा मल भुक रु ये भु द्वा भद रु
 रवी रु भे द्रि प रं उ र त्रि वि प
 रु भु रं म उ ये प्ल वे ॥ ७१ ॥ भा
 य रु रु लि नी रु य भय भ ती
 कली कल भ लि नी भ उ रु
 वि ल य ए य रु ग व ती रु वी मि
 य मा भु वी ॥ म रु : म रु र व ल
 रु रि न य न व रु मि नी रु र वी
 रु की रु री रु प र प र भ यी

पं.
 भु.
 ५

द्वः के सवदाभवप्रकृतयेष्ट
विभुवतिभृष्टभा। लीयतेप
लघइकत्तविग्मेवक्रमय
मुष्टभीभाद्वंकमिमिमिदृष्ट
भदिभासक्तिः परगीयमे०
५॥ देवानंतिउयंइयीनउकु
एंसक्तिइयंतिभुरभुलेहंति
पमीतिप्रभुरभयेतिवक्रव।
रुभुयः॥ यद्विद्विष्टगतिरिष्ट
नियमिउं वभुतिवज्जइकंउद्व
चंतिप्रगतिनभरुगवटुतेति
उउद्वः॥ ००॥ लक्ष्मीगणकुले

कः॥ उरुमुमुसमपुमरु
 कुलिममीवडुभृद्विउरय
 उरुपिबीकुणः कयभिवभे
 एपुनैः पालिनिः॥०३॥ विपुः
 केलिकुलेविमभुमिउरुदीर
 एभपुभवेभुमेविदिपुउप
 मपरभयीभनुदुपुएविणे
 यंयंपुऊयउभनभिरुठियं
 उधंउएवपूवंउंउंभिदिभ
 वपुवतिउरभविप्रगवि।
 श्रीरुतः॥०४॥ सवुनंएननी
 वभउकुवनेवगुमिनीदुसुभे

ध.
 भु.
 =

नउद्गुनीभट्टनिश्रवलिइय
किउउउंउदूपभंविउये॥००॥
एउपुल्दपरिमुक्तदिउिकुएं
भाभाउभाइकुलेनिःमेधव
निमरुवतिपरंवीलनुपुउ
पेउउः॥ यडिउठगकनवमि
उपरःमीवइगलेकवमुवि
इस्रगभुएपुतिणःभ
यंपुभादेमयः॥०३॥ मडि
इस्रगभुएनविणेविनी
मलेस्रनइइककके।
टिभिःपरिमयंयधंनएगुं

武

उः॥१॥ ये वं पादुगपुदुगेकपट
लभधुठिगभभुंभिदुतीभभ
उरुवैरिवमिरेष्टयतिप्रतिभि
उभा॥ चमृतुं विकटभूदर
परनिदातिवक्रभुएउं पंर
डिठरतीभुरभरिदुलेलले
दिवउ॥३॥ येभिदुगपरगप
लपिदिउं दुउं एभृमिभभ
वीमपिविलीनयवकरभभ
भुरभभभिव॥ पमृतिदभ
पुनरुभनभभुपभनदुग
क्रातुभुभुऊरदुसवकरुमे

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गतं यद्वा भित्तं दृष्टुं भाग ॥ यं
 कभभवेद्वा येन विठिन के
 नपि वसितुं एतुं वा भद
 लोक गेति उरभ उं उं भभभुं
 ॥ भा ॥ १ ॥ वभे प्रभुकण
 लीभनयनं भादभुं एमदि
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 रंकदुर्गुने एतुं भा ॥ उल्ल
 भुभुणपदुं नयनभित्तु
 भूठलेकिनी येन भभुनमी
 लयति भनभ उं पंकविदं ज

पं.
 भो.
 १

वि॥ सुष्टु नंप्रतिपचमस्तु
पमेवकीतुयतेदिलः प्राग्भु
पु॥ वाभ्युप॥ वि३ नीवे
सुगतिभुत्त॥ ८॥ यद्भुदेव
मभंप्रवृत्तिकर॥ दधुपठ
वंप्रभुगीयंतमदंनभाभि
भनभा॥ द्धुगीलभिमुपठभा॥
मभुचेपिभगभुतीभनगतेर
दधुविमि३ उय॥ ने॥ सवे॥ गि
गिवतुतेभनियंतवेगंविन
मिहि३ ॥ १॥ एकैकंतव
मेवितीलभनभंभवृत्तवृ

ननवृपगठडेदृभं। सुवेकं न
पुनः भुमत्रिणनचौगठेठक
द्वंनगः॥३॥ सुधुभं कृभक रि
वभुभदभ। ते। ते। डिवृहृउं
येन कूउवम। पीवगठेति
मुंविनपृदागभ॥ उभुपिप
वभेवठेविउगभ। एउउवउ
गदेवमः भुजिभठगभद्व
भुमेनिटात्रिवकृभुएउ॥३॥
यत्रिहृउवकभगणभपंगभ
त्रुदगंनिधूतंउद्वगभुउभिहृ
वैडिविगतः कस्मिद्वुठस्मैकु

पु
मे
०

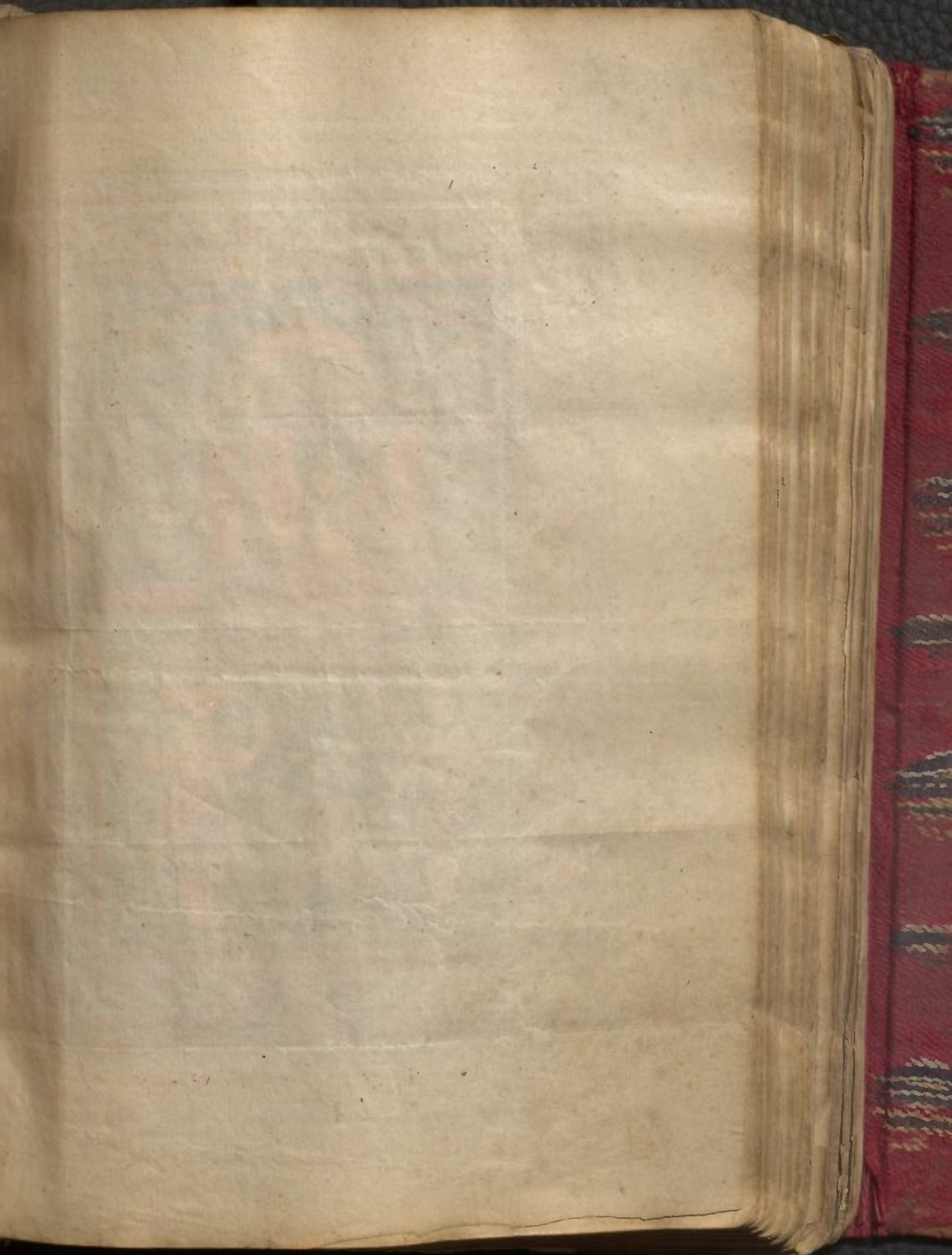
तिरभभिपुगभुद्धे ॥ तिर
कुभेवमगभनभृमठजीभष्टे
नलटंपुठं मेत्तीकत्रिभउ
पुगेरिवमिरभृउउजीभवउः
पधभेदिपुगहृमिहृतिरि
वेधुंमेभमदभित्तुहृ
वःभदभापमभित्तिरभ्ये
तिदयीवद्वयी ॥ ० ॥ यभाउ
उपभीलउउउलभउउउति
भृतिनीवगुीलेपूषभभित्तु
उवभमउंभमदउवयभा ॥
मक्तिःकुभृतिनीतिविसुण

1403





2104



405



ॐ ति प ग म न कृ सु कृ मि तः
 पु भ तः ॥ भ न ति मि द ले क
 न न त नृ भु षा इ वि म ग ति भ
 ठ न युः की ति भ दुर दं सु ॥
 ॐ ति नी प ध म नु वि र मि तं म दि
 भः पा र भु ई मं प्र रु म सु ठ म

व
 २



अभिउगिग्भिभंभृङ्कुल्लंभि
 वृपडीभरउरवरसापत्ताप
 नीपडुभवी॥ लिपडियमिग
 दीवमरमभवकनंतमपि
 उवगुत्तनभीमपरंनयति
 ३५॥ मीदामनंतपभीजंष्टनं
 यागमिभडियः॥ भदिभःभु
 वपा०भुकनंतनृत्रिपेकुमी
 भ॥ ३६॥ भदेसत्रपरिदेवभ
 दिभःपरःभुवः॥ नृपेगत्रप
 रिभत्रेनभ्रिउडुंगुरेःपरभ॥ ३७
 नदरदरनवहुं प्रलटः भेइभउ

भ.
 प.
 ३

घनभेनभः पभदभिपदेनिभु
गुहमिवाघनभेनभः ॥ ३३ ॥ द
मपरि... डिमोतः क्लमवमुं क
मोमं क्लमउदगु... भीमेवदि
नीमसुदुहिः ॥ उडिमकिउभ
भमीरुहभं क्लिगम क्लुगमम
... येभुव क्लुपुधे पदगभा ॥
भुगुल्लगनरे क्लुगतिउभुभु
तेः भुविउगु... भदिभ्रेल्लनक
ददभुतुः ॥ भकलग... वरदः
पुधमनुनिठनेदिमठमल
भदुतैः भुइभेउक्लीयः ॥ ३४ ॥

॥ ३३ ॥

उतगदभगैपुनतिभद्दे स
 कतुवुंउमिभपगठहुयभि
 डि॥३॥ नभेनेमिधुयधिय
 मयमदिधुयमनभे नभेद
 दिधुयडिनयनयदिधुयम
 नभः॥ नभःकेमिधुयभग्द
 गभदिधुयमनभः॥ नभःभ
 चभैउउमिभभतिभचयम
 नभः॥३॥ ठदलगभेदिसे
 इउेठवयनभेनभःपुठलउ
 भभेउहुंदरदगयनभेनभः
 एनभापठउभवेदिजेभरु

म.
 म.
 ३३

संज्ञानभक्तिः भवभुवभुव
सगमगमगमभित्तिपद्मभा
३३॥ कवः सचेददः पसुपति
रवेगुः भदभदभुवालीभ
मनेदिडियमकिठनधुक
भिमभा॥ अभधिरुहेकंप्रवि
सगतिरेवसुतिगपिप्रियाय
भैठभैप्रुलिदिनभभुभि
कवते॥ ३७॥ वपुधुदकव
मनुभित्तिमिदंननिपुगपु
गरेवदंनमिमधिकवते
पुनउवन॥ नभनुकः भंप्रु

रुमउयनिभल्लभउभये मठ
 इउभुङ्किभ पि यमिनभुङ्कि
 तनवन ॥ ३० ॥ इभकभुमेभ
 भुभभिपवनभुङ्कउवदभुभ
 पभुवेभइभठगिराङ्कइभि
 डिम ॥ भगिष्ठुजभवेङ्कयिप
 रिउंठिठुडिगिरंनविभुभु
 उङ्कवयभिददियङ्कनवनभि
 ३१ ॥ इवीडिभेठडीभिकुवन
 भवेडीनपिभुगनकरुं व
 ल्लभुकिगकिमठडीलुविद
 डिः ॥ उगीयंउठभसुनिकिगव

भ.
 प.
 ३३

युठभपि॥ यमिभुं॥ देवीयभ
निरउदेठभुं॥ देवीउदभ
हुवउवरभभुं॥ युवउयः॥ ३५
ममनेषु॥ श्रीभुं॥ दगपिम
मः॥ भदमः॥ मिउठभुं॥ लेपः
भुगपिचक॥ लेपगिरः॥ ३६
भुं॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥
पिने॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥
भुं॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥ लेप॥
उभविठभवठ॥ यउभउः॥ ३७
हुपुदेभः॥ ३८॥ भुं॥ लेप॥
हुपुदेभः॥ ३९॥ यमलेहुपुदे

मधुमुवपुष ॥ पत्रपुल्लितं
 दिवमपिमपइतमभंइम
 तुंउमृपिहृणतिनभगदृण
 ठमः ॥ ३३ ॥ मप्रचंलदं वि
 यमनउनेमुचिभपउंभनीनं
 मगंभमणनिभकेपवृति
 कः ॥ यउठयेगुहमठम
 पिमपदंदिमठउंयुवंभेके
 मीलंकिमपिपुनधरुपुम
 विउ ॥ ३३ ॥ मुलवदंमंभ
 पउठउधमइयइवदु
 रः पुपुंरुपुपुगभवनपुध

म.
 प.
 ३३

डिपुमधगठनभुते॥ अउभु
भुइकु रउपुढलनभुडिउ
वंसुतेसुंरहुदउपरिकरः
कदभुएनः॥१॥ क्रियमक्षेम
हुःरउपडिगणीसभुउरुउ
भुपी॥ भुडिगुंमर॥ मभ
मभुःभुग॥॥ रउकुंमः
हुतःरउढलदिठानवृभनिने
पुवंकतुःमहुविपुगभनिस
गयदिभापः॥१०॥ पूरगवं
नषभुभकभठिकंभुंरुदि
उरंगउंरुदिहुउंरिगभविधु

411

षाङ्गै मङ्गकै रवमर... पाणिः
मरउति॥ मिठके मुके यंशिपु
रइ... भारुभुगविणिचिठेयैः
स्त्रीरुत्रे नापलपगउरुः प्रकृति
यः॥०३॥ दरिभुभादभुंकभ
लरनिभा मयपमयेरुके
नेउभिद्विणभरुदगत्रेइकभ
लंभा॥ गउेरुकुइकः परि... ति
भभेमरुवपुपुइय... रका
यैइपुगदगएगति एगउभा
०७॥ रुतेभुपुएगइभभिदल
येगेरुउभउं ककमपुसभुंदल

म.
प.
३

दभभंसयपमं पमं विप्रेरु
भृकुणपरिगरुगुगदगभ
भृकुदेभुंयहृनिरुउणएउ
दिउउएणगदुदयैवुंनटभिन
ववभैवदिकुउ॥०॥ वियकु
पीउरगगुलिउदेलेनभ
ममिः । पूवदेवगंयः पपउ
तभ्ररुधुः मिरभिते॥ एगदुी
पकरंणलठिवलयंउनरुउ
भिरुनेनेवेनेयंयउभदिभदि
वुंउववपुः॥०१॥ रघः केनी
यनुमउयउिउगेनेठउरवेर

कयसकिउम्वभुरनपविठ
 यभुभीदडिनयनविधंभंहु
 उवउः॥भकलपःकठउव
 नकुनउनमियभदेविकगेपि
 स्र'प्रेकुवनठयठहुवृभनि
 नः॥०८॥सुभिहु'रुनैवकुमि
 मपिभम्वभुरनगेनियउउ
 निहुंणगडिणपिनेयभुविमि
 णः॥भपसुत्रीमहुभिउरभुर
 मठग'भहुहुःभुहुहु
 नदिवमिधुपधुःपरिठवः॥
 ०५॥भदीपम'अउहुणडिम

भ.
 प.
 ३५

गविभुल्लितभिन्मभ॥००॥सुभ
धृष्टैवभभठिगउभरंकुणव
नंतरलकुलभेपिद्वरठिवभडे
विरुभयउः॥सुलहृपउनेपु
तभवलिउसुधुमिगभिप्रतिधु
दृष्टभीद्ववभपमिडेभुदृडिप
तः॥०३॥यमृद्धिंभुदृभेवग
परभज्ञैगपिभडीभठसुस्तरः
परिणनविठयभिठुवनः॥नउ
सिद्धंउभिन्नुरिवभउरिद्वसुग
येकभुद्ववटैठवडिमिगभधु
धृवनडि॥०३॥सकद्वद्वद्व

वंनपनननरुधुभापरित
 ७॥ उवै सुदंयइरुधुपरिवि
 गिह्मिदगिरठःपरिमुकुंवाउ
 वनलभनलभुनवधः॥ उडे
 रुक्तिमूकुरुगुमगुमुंमि
 रिमयइयंतभुउहंतवकिभ
 नकडिइललति॥०॥ अयइ
 मभाहृडिउवनभवैरिहृडि
 करंरुमभुयमुद्रनकडा
 कहुपरवमाउ॥ मिरःपद
 मुंरिमिउमगुभुमदर
 लःभिरयःइरुकेभिपरद

म.
 प.
 ३३

पं० ७० मेकेगभृभुभभिपय
भाभरुवडव॥ १॥ भदेकःप
दुङ्गपरगुगलिनंठभृदलिकः
कपालंमोडीयडववरमउते
पकरमभ॥ भगभुंउंभृदिं
मठडिउठवदूभृदिदिउंनदि
भृदगभंविधयभृगउभृद
भयडि॥ ३॥ पूवंकसिद्धचंभ
कनभपरभृपूवभिडिपरये
वृपेवृणगडिगमडिवृभुवि
धये॥ भभभृपुउभिदुरभय
नउविभिउडवभुवलिहृभि

उक्तं सुदेवपुत्रवभगदः भेदः
 ठियः ॥ ऊक्तं यं कं सिद्धापय
 डिभेदयणगडभा ॥ ५ ॥ वण
 न्नेलेकः किमवयववत्तेपि
 एगडभाठिधु उरं किं न वदिठि
 रनमृदुवडि ॥ वनीमेवकु
 दमुवनणननेकः परिकरेयते
 भद्रं भुं प्रहभगवरभं मेरुतुभ
 ॥ इयीभां ह्येगः पमुपडिभ
 उं वैधुवभिडि प्रकित्रेधुभुनेपा
 भिद्रभद्रः पवृभिडिम ॥ दमीनं
 वैमिद्रुद्रुणकुटिलननपवण

भ.
 प.
 ३३

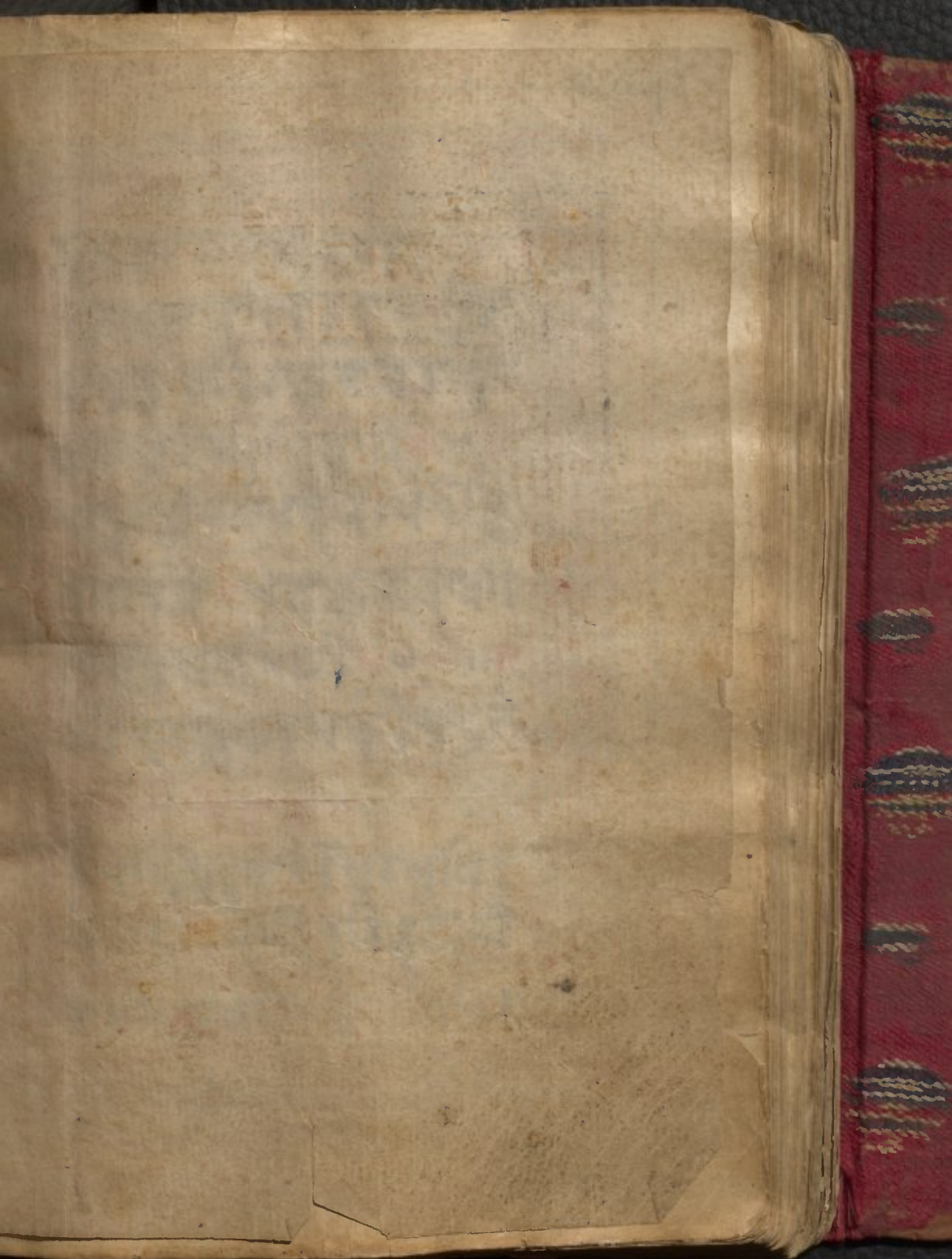
भूयपमभ॥ मभद्वेउं व॥
गु॥ कषनप॥ नठवतः पुन
भीटुं भिद्युगभषनवद्विच
वभिडा॥ ३॥ उवै सुदं यडुग
मयगद॥ पुलयन॥ इयीवभु
दुभंतिभ॥ पुगु॥ नित्रभुतनप
मठवृनभभि॥ वृगमभ॥
यभगभ॥ विदुं वृ॥ मीवि
मठउ॥ दैके॥ एरुणियः॥ २॥ कि
भीदः किंकयः॥ भापनकिभप
यभिरुवनं किभ॥ ठरेठउभ
एतिकिभप॥ म॥ न॥ डिम॥ सु

अष्वसूः भवः शुभतिप
 रि० भवतिग० रुभापु०
 पभेइदगनिगपवः परि
 करः॥०॥ अतीतः पत्रुनेतव
 मभदिभावाइनभवेरतवृ
 वृष्ट्यं सकितभक्तिठडुसू
 डिगपि॥ भकभुभेउवृः कति
 विठगुः कभुविषयः पम
 वृचमीनेपतडिनभनः कभु
 नवमः॥३॥ भयभूतीतवमः
 परमभभुडंनिद्रितवतः उव
 वृद्धकिंवागपिभगुगेचि ।

भ.
 प.
 ३३

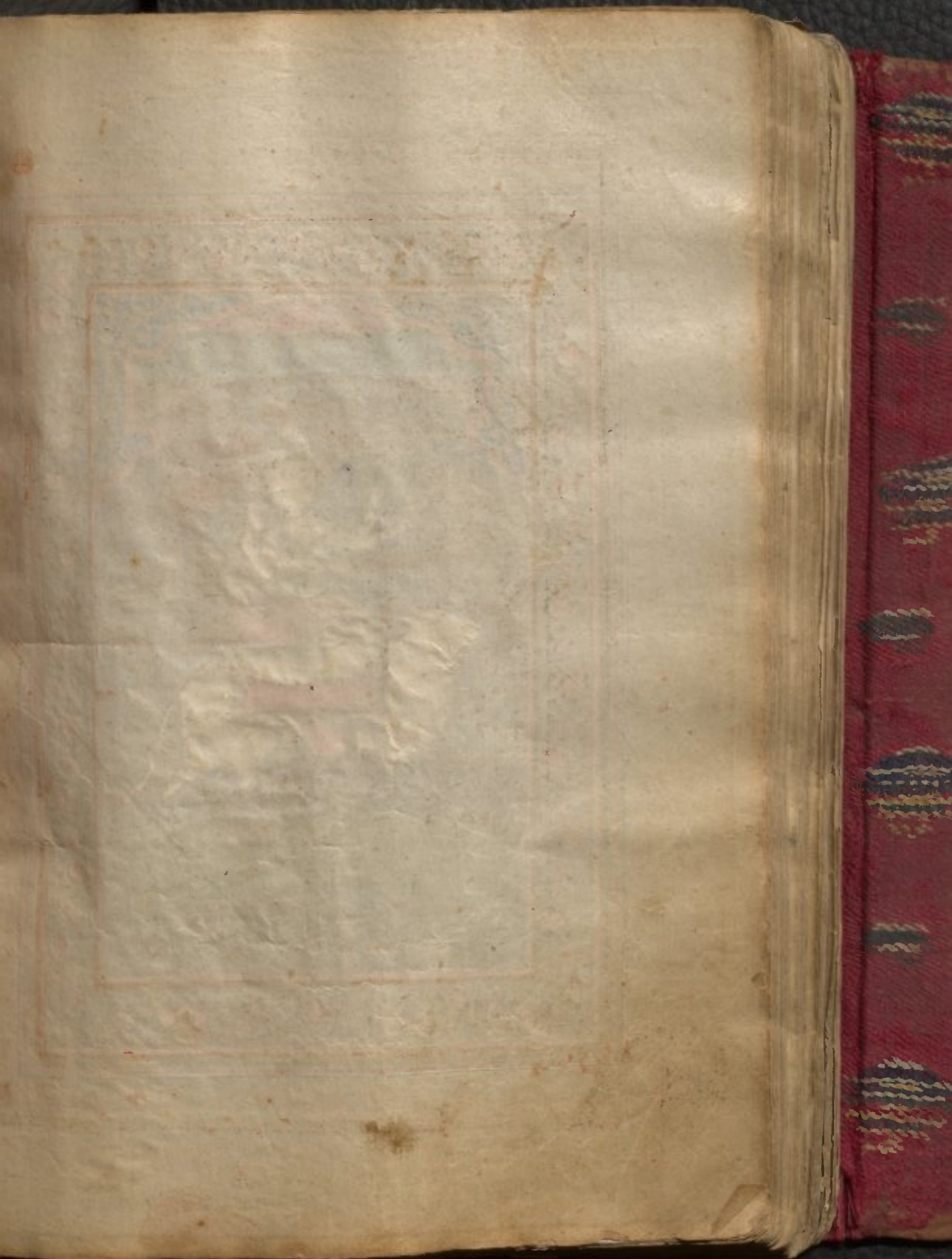
लुभुपयणएठराय। पित
नकदभुयभनउनय। निह
यमुहुयनिगल्लनयउभय
कगयनभःमिदय॥ ५॥
पल्लरुभिहंभनेयःपरमि
वभत्रिणे॥ भवकुभवाप्रेडि
मिदेनभदभेउते॥ ७॥ ॥ ॥
उतिरुपल्लकेनभभुइंभभुहं
तिनभःमिदय॥ ॥ ॥
तिभदिभःपरंउपरभविह
धेवहृमरुमीभुतिवृहली
नभपितरुयभनभुयिगिरः

415



416





भुगुपयभभुगीच
 गञ्जिडय॥ ईनेरुनषय
 पुगुकयउभभकरयन
 भःसिदय॥ ३॥ सिदभुप,
 भुणविकभनयमकभुय
 मृवृनमनय॥ मृकयैसु
 नरनेमनयउभभकरय
 नभःसिदय॥ ३॥ दभिपुज
 भेकृवगेउभभिभनीचव
 मृयगिरीसुगय॥ मीनील
 कञ्जयकपसुएयउभभ
 करयनभःसिदय॥ ५॥ य

सि
 ३०

एनैः भभयल्लभ ॥ ७ ॥ वभुगभ
पेपेदधुमभृभनितवगुपुः
भुवभिभभकरेड ॥ येनविरुद्ध
वभनभतुपं सभयतिरुति
एनभृमयनः ॥ १० ॥ उट्टमद
नितवगुपुविगमिडं मीनैरव
मुडं भभृमभ ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥
नितभः सिदय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
दगयडिलेमनयनभृम
गयभदेसुरय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वयमिगभृयडभनकर
यनभः सिदय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

निनिवृत्तिमभि॥१॥ भनभगे
 मरभेति यमैवक्ते मरमाउर
 तापविण्णी॥ नयउमैवभभ
 इमकैमभेइपरभउवधि
 मरैति॥१॥ मरुभभमिंरु
 उमनभनउपेठवतापवि
 नमि॥ उकवकसभुपर
 भउमिनुभृत्तिमैउभिनि
 वृत्तिण्णीभ॥३॥ नृत्तिग
 यतिहृत्तिगमंभंविदि
 यंभभकैरवराय॥ वृत्तिय
 भपृभुमवनभेकंरुनकभह

के.
 भु.
 ३.

विष्कम्भगल् ५॥३॥ मत्तक
भंप्रतिभाम्भमभंरंरकर
लतभंविमठदि॥ मद्गरभ
वनमिनुनरीरैकीधल् नैर
वमक्तिभयेभि॥४॥ उक्तुभपे
रुठवन्मयभंविस्तीठितिम
रित्तुगितभिभुः॥ भद्रवभ
उक्तकम्भपिसम्भ्रवनभेभु
नएउविठेभि॥५॥ प्रेमिउम
इविठेठभगीमिः प्रेमिउवि
सुपमम्भमउक्तुः॥ ठवपर
भउनिठरप्रल् इष्टुदभउ

तिनभः सिद्धय ॥ तिवृपुम
 रसरुदविसेधं सिद्धयमे
 कभननुभनदिभ ॥ किरदन
 यभनयसरुदुदयमिनु
 उयहृदिदु ॥ ० ॥ दुदयमे
 उरुमेधभिनुनीठतिभभदु
 रुगुदसकु ॥ वंसभदेस
 भदेवभभदुभुदुभयंभभ
 उनभभभुभा ॥ १ ॥ भुदुनि
 विसुगउदुयिनयउननभं
 भुतिनीतिकषभि ॥ भुदुपि
 दुठगदुःपविभेदुभविठ

॥ भुदुः ॥

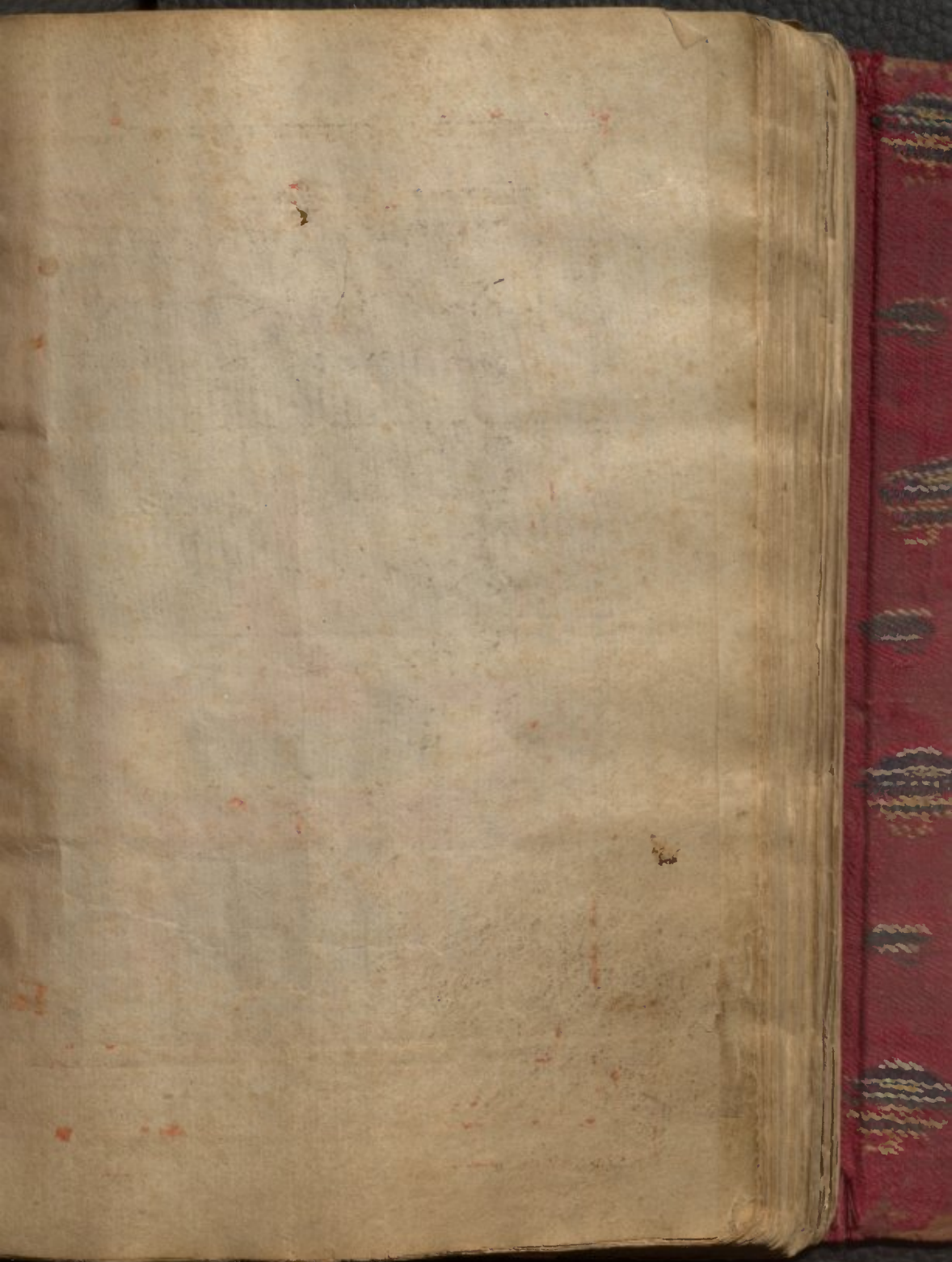
येनक्तः सत्तुभुक्तभारमः
उपंमभभुक्तभेदकृपंण
मनिणमनि॥११॥ नभभुक्त
मिभंयुक्तमिवउद्वक्तकृपं॥
लिक्तगैवउतयभुक्तलंतभु
लीविउभ॥१३॥ यदुतंयदु
गिधुभिउद्वक्तंनभयदुतभ
द्वयदुतंउद्वक्तकृपंवपर
भेसुर॥१७॥ यद्वक्तपदकृ
पुंभादुदीनंसयक्तभ॥भ
यद्वक्तभेनविण्णुंयदुतंपरम
सुर० उतिगैरीसुरमुतंसुतं

420





421



भभयसउविलपुंठजिदीनं
ऊमेलंभलिनदभनगइंनि
नुंॐपापसीतभा॥गविए
कूऊटिनीउंगेगिंॐपूपुसु
ह्वपलएनपरिकुउंगदभंभ
वसऊ॥१८॥सुपवेभृमगटे
भिभचवभुभिभचरु॥ठ
गवंभुंॐपूपवेभिगदभंमर
ॐगउभा॥१९॥एउभृएव
भानभृगळभृभृपिमिदिनः
भकूउउऊलेएदयउमभु
नदेवउभा॥२०॥मकूरभृम

ने
३
०३

दुसदुसदुसरां भभुपगजेभि
१०॥ सुमिपतुं निभयेभिदु
भुगवकरुभे॥ पूभीरुप
यसभेपाम् गेलेदुरभुभा
भा॥१०॥ सुदुभेकवलीउभुन
गवक्कनगिरः॥ उषऊरु
यषऊयेनरठतुनवधरुः
११॥ सुः किंनरदभिनयदृय
भतुकेभंदेलवलैपभभयः
किभयंभदेस॥ भानभऊकु
नयदुमयभुपीरुवीरु
पिनभिसरगउभुऊउभे॥

विमेषतः॥ भृहद्भुजभृमव
 भृकिभृदृषयभिडे॥०१॥
 भाउपिडुविदीनभृदुः।पमे
 कतुगभृम॥ सुमपमनिर।
 दूभृगगइधयउभृम॥०३॥
 देवदेवभददेवमरग
 उवइल॥ नतृभृउभिमेक
 सिद्धदुतेपरभेसुर॥०७॥
 कीडेभिदकलवमगेभिनि।
 रसूयेभिभयेभिदुः।पए
 लठेपडिडेभिमभे॥ सुडे।
 भिभेदपटलेनभभादुडेभि

गो.
 सु.
 ०१

यमिनभिभदपपीयमिन
भिठय'त्रितः॥ यमिनेद्वि
भउपुभुकेरुः सरं भभ॥०८
भुतिभइरुमेरुभुतेरुः
नप'परः॥ उतृएववयेदे
गः कषेन'षनप'दिभभ॥
भुकलुय'भुनप'भुवमं
भिभभुसुवेभिन'षरद्रुतिः
नउएरुवैः॥ भुपुएय
मिइयं'ऊरुयेनमेद्वेद्वतःप
रंकषयकंसरुव'एभि॥०९
हुपेदंभचएनुनं'रुनुनंम

डिकर ऊन मे उनेभिः रग
 दिनेपनिकरैः पगीदतेभिः
 भट्टमिमे मनिघमैः प
 रियत्तिउेभिः ॥००॥ एङ्गट
 दीकभमभदतपेदिउेभिः
 निट्टभयेभिः मरभुमभ
 लभेभिः ॥ सुमनिगडुमधि
 ममिकयदिउेभिः दभेभिः
 दपमुपउेमरगडेभिः ॥
 ददउेभिः विनपुेभिः रुपुेभिः
 मपलेभिः यैः ॥ रुवः रुवनि
 भयेभिः किंशुं भभनदभिः ॥

मे.
 सु.
 ०३

दमदेसुरः ३॥ भंभरपमरु
रुतुनपीडितभुभेदरुकर
विषभेधनिपडितभु॥ कभदि
उभुनयगगपिलीतउभुमी
नभुभेज्जदयं परलेकनय
७॥ मीनेभिभनूठिधलेभि
निरस्येभि॥ रुभेभिभयण
नउपरिवलिउेभि॥ सुधेभि
सुनूगउभेभिगउइपेभिठमे
णिउेभिदिकलेभिकनकि
उेभि॥ ०॥ मीउेभिठडुगउ
भेभिठयज्जलेभिमहुमउवृ

ॐ नमो भगवते ॥ १ ॥ विष्णु
योगेश्वर ॥ २ ॥ भूतेश्वर ॥ ३ ॥
भूतेश्वर ॥ ४ ॥ भूतेश्वर ॥ ५ ॥
भूतेश्वर ॥ ६ ॥ भूतेश्वर ॥ ७ ॥
भूतेश्वर ॥ ८ ॥ भूतेश्वर ॥ ९ ॥
भूतेश्वर ॥ १० ॥ भूतेश्वर ॥ ११ ॥
भूतेश्वर ॥ १२ ॥ भूतेश्वर ॥ १३ ॥
भूतेश्वर ॥ १४ ॥ भूतेश्वर ॥ १५ ॥
भूतेश्वर ॥ १६ ॥ भूतेश्वर ॥ १७ ॥
भूतेश्वर ॥ १८ ॥ भूतेश्वर ॥ १९ ॥
भूतेश्वर ॥ २० ॥ भूतेश्वर ॥ २१ ॥
भूतेश्वर ॥ २२ ॥ भूतेश्वर ॥ २३ ॥
भूतेश्वर ॥ २४ ॥ भूतेश्वर ॥ २५ ॥

मि.
सु.
०५

कवयः॥ सवयः॥ असमन
 यदपसुल्यः॥ यदकल
 दनयनमः॥ सिवयः॥ ॥ म
 वेसुगुं॥ मतिठम॥ सायिने॥ उ
 भापति॥ मतिमे॥ सुगुं॥ उमे॥ वि
 उमकृ॥ मतिम॥ दम॥ मने॥ नि
 दतु॥ गयनमः॥ भुपसिने॥
 ठिक॥ विदीन॥ मुनि॥ उभुति
 ग्रमे॥ उमः॥ उ॥ प॥ उ॥ य॥ यि॥ उ॥ पु॥
 मु॥ उ॥ उ॥ उ॥ म॥ द॥ सु॥ ग॥ ॥ ॥ क॥
 य॥ पे॥ य॥ म॥ उ॥ मु॥ ग॥ मे॥ क॥ उ॥
 ग॥ मु॥ म॥ क॥ व॥ ल॥ व॥ नि॥ म॥ ग्र॥ मु॥

भाकंडलीयभा॥ चनेनददुभ
 नृप०॥ कगवन॥ सुधेरः॥
 उदुदधः॥ भद्रेलतः॥ दभमे
 वः॥ चभगरलद॥ कृभुकः॥
 दिनेरः॥ दिभुनदभुः॥ मउद
 मेभुगः॥ भनृमरः॥ प्रीयतं
 प्रीतेभु॥ ॥ ॥ सुठभभुले
 णकपा० कयेः॥ ॥ ॥ ॥

उडिमीददुभनृः॥ भभुलः॥
 तिनभः॥ सिदय॥ तिनैरीसु
 रयकुवनइयकग० यठ
 क्रिप्रिययठवलीडिठिरे

ਪ੍ਰਸੰਨ੍ਹਸਦਾਕਿ ॥ ਸਮਪ੍ਰਤੀ
ਸੀਨ੍ਹਸੇਲੀਸੀਨ੍ਹਸੇਲ੍ਹਸੇਲ੍ਹ
ਮੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹ
ਘੇਘੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹਸੁਤ੍ਰੇਲ੍ਹ
ਲਠਮਿ ॥ ॥ ॥ ਮਹੰਪੀਥਗੁਰ
ਲਗੰਸੁਗਦ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ
ਹੰਥਿਠਧ ॥ ਨਮ੍ਹਸੁਨ੍ਹਨਮ੍ਹ
ਸਹੰਸਧਾਨ੍ਹਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ
ਤਮਵਪਾਪੈ ॥ ਨਿਹੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ
ਹਧਲ੍ਹਪਵੀਤ੍ਰੀਨਿਹੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ
ਮਨਕਦ੍ਹਰਤ੍ਰੀ ॥ ਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ
ਵਮੀਸਾਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹਸੁਧੰਨ੍ਹ

म॥ पूतीसीरुस॥ सीसीरुस॥ सु
 मुहेनभेशु॥ उनेभरुयतु॥
 उयसुधे॥ यसुनेदुधितुमेधं
 एभेरुठभि॥ ॥ ॥ ॥ तिनभेशु
 रुहे॥ येसुतिरु॥ येधंरुत
 उधवमुहेरुस॥ पूतीसीरुस॥
 कि॥ ॥ ॥ पूतीसीरुस॥ सी
 सीरुस॥ मुहेनभेशु॥ उने
 भरुयतु॥ उयसुधे॥ यसुने
 दुधितुमेधं॥ एभेरुठभि॥ ॥ ॥ ॥
 तिनभेशुरुहे॥ येधंरु
 वं॥ येधंभत्रभिधवमुहेरुस॥

द.
 म.
 ७३

दिङः॥ उधं॥ येनैष विविष्ट
त्रिपुत्रैष पिठते एतन्न॥ उधं॥
येनैष उन्नमति पतये विमिष
मः कपटिनः॥ उधं॥ येनैषी
नं पविशत्यतस्तु मम यद्वृष्ट
उधं॥ येनैष निष्सारति मक
वते निषङ्गिः॥ उधं॥ यात
वते वक्रयं भवति मे मद्रुविड
धिर॥ उधं॥ भद्रयेण नैव ठु
निडमभि॥॥॥ तिनमेव मुद्र
मेवै॥ येनैष विधेयं वदति धव
भुक्ते मम प्रसीद मम किञ्च

॥

भदभूभदभूलि॥ दउयभुव
रुकेः॥ उभाभीमनेरुगवः५
गमीनभूपाऊरु॥॥ सभहू
उःभदभूलियेददुसपिऊ
भुंउंभदभूयेएनेवठउवि
उंमि॥ येभिददुरुवेउरि
होरुवसपि॥ उं॥ येनील
गीवःमिडिकठ॥ मिवंददु
उपासिउः॥ उं॥ येनील।
गीवःमिडिकठःसवम
ठःरुभागरः॥ उं॥ येवने
धुमधिहूरनीलगीवविले

द.
भ.
०३

कैधली। सिद्धरुतभुकेधली।
उपनेभसुलीवभे॥परिलेद
रुभुदेडिठ॥कुपरिद्वेधभु
रुमउरप्पयेः।अवभिरुभ
अवदुभुउधुभीरुभेकय।
उतयवभरु॥भीरुधुभमि
वउभमिदेनःभुभनरुव॥प
भेकदुसुयुठविठयठडि
वभनउसुगपिनकंरिदुद
सुग॥विकिरिदुदिनेदिउन
भभुअभुठगवः।यभुभद
भुदेउयेवृभिदिवधनुतः

नंदुमयेकै॥ नभेविमिचकै
 कृ॥ नभेविदी॥ कैंकै नभउ
 निदउकृः॥ दूपेचक्रभभउ
 मरिदुनीनलेदिउ॥ सुभंपु
 एनभेपंपुदध॥ उभेपंपु
 मुनभा॥ भकैदुगेद्वनः किं
 लुनभभउ॥ उभरदुयउव
 भेकपरिनेदयदुीरवपुन
 रभदेभडीः॥ यषनः सभभ
 दिपदे सउ॥ देविमुंपुपुं
 ग॥ भेचभिन्नचउरभा॥ यउ
 नदुमिदउउः मिदविमुद

न.
 म.
 ००

कट्टयमपुव'दुयम॥ नभः
मृयमनिवेधुयम॥ नभः
कट्टयमगङ्गापुयम॥ नभः
पुयमदरिदुयम॥ नभः
पुयमेलपुयम॥ नभः
भट्टयमगणभुयम॥ नभः
भट्टयमेदुयम॥ नभः
यमपल्लस'दुयम॥ नभः
पिळुतेमपुपिळुतेम॥ नभः
निष्पुतेमपुपुभा'दुयम॥
नभःपुपिळुयमविपल्लव
म॥ निभेवःकिरिक्के'दुयम

य नमः सभूवे सभये नवे स॥
 नमः सङ्गाय सभयभूय स॥
 नमः सिद्धय स सिद्धय स॥
 नमः किंमिताय सङ्गाय स॥
 स नमः उरि सङ्गाय स॥
 स नमः पुलभिने सङ्गाय स॥
 नमः नमो गेष्टाय सङ्गाय स॥
 स नमः भुक्तय सङ्गाय स॥
 नमः पदय सङ्गाय स॥
 स नमः पुत्राय सङ्गाय स॥
 नमः भूक्तय सङ्गाय स॥
 स नमः भुक्तय सङ्गाय स॥

न.
 म.
 ०

यसभाभुयस॥ नमः कृष्टयस
वहयस॥ नमेवदृयस वहृयस
नमेष्टयस विदृष्टयस॥ नमेवी
पूयस उष्टयस॥ नमेवष्टय
सरेष्टयस॥ नमेवभुष्टयस
वभुष्टयस॥ नमभेभयस न
दृयस॥ नमभुभुयस न
यस॥ नमसुष्टवेसपसुपउये
स॥ नमउगूयस नीभयस॥
नमेदत्रेसदनीयमेस॥ नमे
गैवठयस उगैवठयस॥ नमे
कदेष्टदरिकेसेष्टे॥ नमभुग

उवदयसापलृयस॥ नमः
 मैरुयसावभृयस॥ नमः
 मवयसपूडिमवयस॥ नमः
 वृयसकृयस॥ नमः
 रुयसादनृयस॥ नमः
 पुवेसपूभयस॥ नमः
 धर्मिसेपुठिभडेस॥ नमः
 भूकृपवेसायुठिनेस॥ नमः
 भुयठयभुठनेस॥ नमः
 भृयसपष्टयस॥ नमः
 हयसनीष्टयस॥ नमः
 यमवेसतुयस॥ नमः

न.
 म.
 ३

नमो नृपयमज्ञीष्टयम॥ नमो
ऐष्टयमकनिष्टयम॥ नमः
प्रचल्यमपगल्यम॥ नमो
ष्टयमपगल्यम॥ नमो
वष्टयमपगल्यम॥ नमः
मेष्टयमपगल्यम॥ नमो
उमुष्टयमपगल्यम॥
नमोतिनिष्टयमकनिष्टयम॥
नमोवष्टयमपगल्यम॥ नमः
मः मुष्टयमपगल्यम॥
नमः मुष्टयमपगल्यम॥
नमोवष्टयमपगल्यम॥ नमः

यम॥ नमो वृषुकैस यमक
 पद्मिनेम॥ नमः भद्रभूदा
 यममउठनुनेम॥ नमो
 गिरिस यममिधिविधुय
 म॥ नमो भीरुधुभ यमोभुभ
 उम॥ नमो ह्रुभ यमवभन
 म॥ नमो कदउमवदीयमेम
 नमो कदुयमभककुनेम॥
 नमो गूयमप्रभयम॥ न
 मनुमवेम गिरयम॥ नमः
 मीरुयममीधुयम॥ नम
 उदुयमवभुटयम॥ नमो

म.
 म.
 इ

हृक्कहृस्त्रवेनभे॥ नभेयव
हृत्रुमिनेहृस्त्रवेनभे॥ नभः
हृःभद्दीहृस्त्रवेनभे॥
नभभुद्धेगवकहृस्त्रवेन
भे॥ नभःऊललेहृःकद्गहृ
स्त्रवेनभे॥ नभःप्रलिष्टेहृनि
पद्गहृस्त्रवेनभे॥ नभःसुनि
हृभगवहृस्त्रवेनभे॥ नभः
सुहृःसुपडिहृस्त्रवेनभे॥ ति
नभेठवयमद्गयम॥ नभः
सवयमपसुपडयम॥ नभे
नीलग्रीवयमसिडिक॥

शिषूकृणवदृष्टवेनभे॥ नभःभ
 कृःभकपडिहृष्टवेनभे॥ नभे
 सुहेसुपडिहृष्टवेनभे॥ नभसु
 वृणिनीहेदिविष्टृष्टवेनभे॥
 नभउग॥ कृष्टिदडेहृष्टवेन
 भे॥ नभेवृडेहृष्टपडिहृष्टवे
 नभे॥ नभेग॥ हृष्टग॥ पडिहृ
 ष्टवेनभे॥ नभःन॥ हृष्टःन॥ सुप
 डिहृष्टवेनभे॥ नभेविष्टुपेहृष्टवि
 सुष्टुपेहृष्टवेनभे॥ नभःभेन॥ हृ
 भुननीहृष्टवेनभे॥ नभेगवि
 हृष्टवृष्टिहृष्टवेनभे॥ नभेभद

कृतिपंभकृमपुतं पतयेनमे
नमः भिमकृनकृपुतः पतयेन
नं पतयेनमे॥ नमउपुपिपि
गिरिमपयकृनकृनं पतयेन
मे॥ नमउपुतकृपुतकृपुत
नमे॥ नमउपुतकृपुतकृपुत
पुतयेनमे॥ नमउपुतकृपुत
उपुतकृपुतयेनमे॥ नमउ
यकृपुतकृपुतयेनमे॥ नमपि
भकृपुतकृपुतयेनमे॥ नमः
भपकृपुतकृपुतयेनमे॥ नमः
यकृपुतकृपुतयेनमे॥ नम

नमो॥ नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं
 ध्यायन्मन्त्रं पठयेत् नमो॥ नमः
 नमस्तुभ्यं नमस्तुभ्यं पठयेत्
 नमो॥ नमः भद्रं कुरु
 निवृत्तिं नमस्तुभ्यं पठयेत्
 नमो॥ नमो निवृत्तिं कुरु
 यन्मन्त्रं पठयेत् नमो॥ नमो
 नमस्तुभ्यं पठयेत् नमो॥ नमो
 नमो निवृत्तिं पठयेत्
 नमो॥ नमो निवृत्तिं पठयेत्
 नमो॥ नमो निवृत्तिं पठयेत्
 नमो॥ नमो निवृत्तिं पठयेत्

धिष्ण्यवद्विधीभउपवीनंप
उयेनमे॥ नमेठकुपयवृठिने
त्रनंपउयेनमे॥ नमेदरिकेस
येपवीतिनेपधुनंपउयेनमे॥
नमेठवभृदेहृणगउभउयेन
मे॥ नमेठदूयउउयिनेद्वृ
उंपउयेनमे॥ नमःमुउयद
वृयवननंपउयेनमे॥ नमेरे
दिउयभुपउयेद्वृउंपउये
नमे॥ नमेभत्रिल्लवलिणय
कद्वउंपउयेनमे॥ नमेठवउ
येद्वरिवभूउयेधणीनंपउये

भिषिठेदिउं॥ नभंभित्तुय
 णयनउउययपुवे॥ उरुह
 भुउउनभेतरुहंउवणउने॥
 अयउउणउभुंभदभूदसउ
 पुठे॥ निमीटसन्तुनंभापंसि
 वेनःभुभनरुव॥ यउउपुः
 सिदउभसिदंरुवउठउः॥
 सिदसगृयउयउयनेभ
 रुणीवभे॥॥॥ तिभेदिगट
 रादवेभेनउरुसिंमपउये
 भने॥ नभेददकेदरिकेमेक
 पसुनंपउयेनभे॥ नभःम

रु.
 भ.
 ५

गीवाय मदनमूकयभीरुपे॥
अवेयेमभूमद्वेदनेहेकर
त्रमः॥ ५५॥ ७७॥ ७७॥ ७७॥
हं य सुतेदमुऽयवः परत
कगवेवपविण्णुतः कपदि
ने विमलेरुद्वत्त॥ अत्रे
मनमुपय सुक्रमृनिधम
षिः॥ य उदेतिमीरुप्रमदम
रुद्रतेतः॥ उयभ्विसुत
भुमयद्वेपरिकुणपरित
७७॥ ७७॥ ७७॥ ७७॥
उः अवेयऽपठिमुदरः अ

लुगज॥ मयङ्गु भभन प्रभउ॥
 मएवेमम ठिवङ्ग॥ पूषभेदेवृ
 ठिपक॥ मदी सुभव लभुय॥
 भव सुय उठ तेठग सीः पर
 भव॥ मभेयभुभे मरु॥ उउ
 रकूः भभङ्गनः॥ येमेभेरु
 मठिउमिङ्ग मिउः॥ मरुभुमे
 वैधं देसुं भदे॥ मभेयेवद
 डि॥ नील ग्रीवेविनेदिउः॥ उउ
 नंगेध मरु मउउ नभमद
 दः॥ उउ नंवि सुङ्ग नि॥ मरुपु
 मरुय डिनः॥ नभे मभुनीन

म.
 म.
 म.

मंभारभारंकुणगैरुदरं॥भर
भतुंरुमयगतिरुंरुवैरुवनी
भदिउंनभभि॥**तिनभःसिवय**
तिनभभुंरुभतुवैरुंरुभ
उउंनभः॥उउंउःपवैरुभः॥य
उंरुमिवउतुगपेगपपक
मिनी॥उयनभुंरु॥सतुभयगि
सतुकिमकमीदि॥यभिपुंगि
सतुदभुंरुकिरुंरुभुवै॥सिवंगि
रिउंरुंरु॥भदिंभीःपुदधेण
गउ॥सिवैरुवमभुंरु॥गिरिम
सुवमभभि॥यषनःभवभि

दि

द्यौरुदेवतुः॥ शिषुपुत्रः
मयनेविनिवेगः॥ नभभुमे
वः॥ गेदुभत्रपुनभादृगव
श्री॥ पदुभधधु॥ पदुभद
पदुभनैकपद॥ लंगदृन
धुधुधुभदवदश्री॥ यवभ
ए॥ रुदेदेवत॥ मभभुधु
भचपपद॥ यजं॥ भचदेध
निवग॥ जं॥ भचभिदृजं॥ रु
रुदेवत॥ भत्रेध॥ जं॥ रुभ
त्रुप॥ लपे॥ विनिवेगः॥ ॥ ॥ ॥
सिकदुगैरंकद॥ वदरं॥

म.
भ.
७

सुगंधवतीपतिभा॥ दधक
भनभकुंरगकग॥ कृधि
उभा॥ श्रीयतं यणभनभृउ
पुंरुयल्लगदुतिः॥ सुक्तव
लेभदतेणः सुक्तभृगुभृ
धितः॥ तल्लिपुधं मरुं मेव
प्रपेयं पूतिगुहृउभा॥ ति
उरुदधयविदुदेभदमेव
यणीभदि। उवेरुदः पुंरु
याउ॥ ३॥ तिमउददियं मे
वनं रदुमभनं ठव यमवी
यसु। पदुइउउवके। मेव

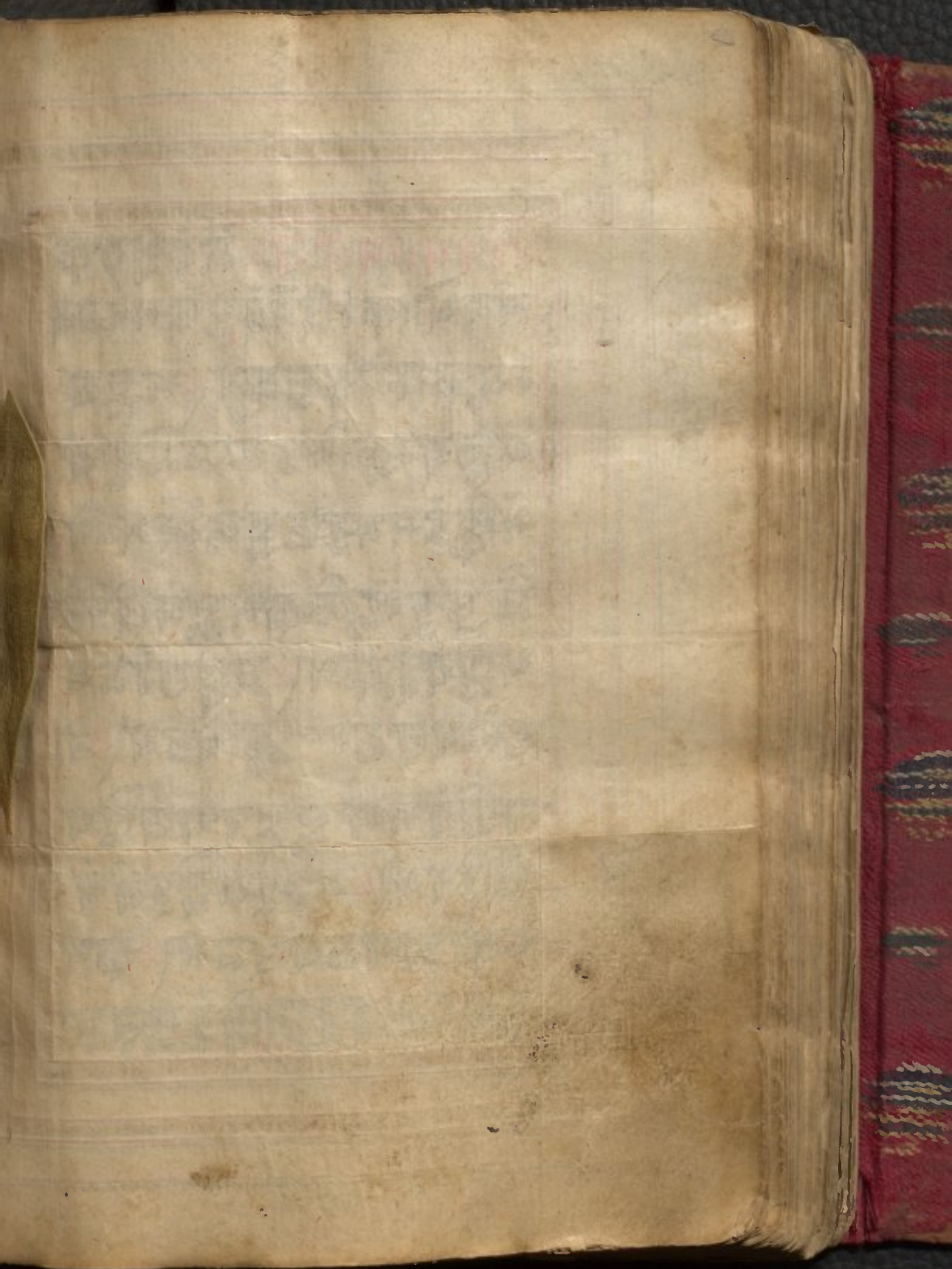
ॐ इ प्रवृत्तम +
 तद्भुक्तं यत्तद्भि भुक्तिं प्रवृत्तमभुक्तं
 तद्भुक्तं यत्तद्भि भुक्तिं प्रवृत्तमभुक्तं

三

लिकभ ॥ लुनतुपिङ्गलल ॥
सिपभ ॥ उकरि ॥ भ ॥ अम
उरपुतं हपुभ ॥ दठठ
रि ॥ ॥ दिवृभिंदभनभी
नंदिवृठेगभभविउभ ॥ ॥ दि
गुवउभभयुंभुभुगभ
भुउभ ॥ निहंमससुतंसुं
पूवभदभवृयभ ॥ भववृ
पिनभीसंनंरुंवेविमुंधि
भ ॥ ॥ एवंपृदुडिणःभभुं
उेप्रंभभगठं ॥ भदुय
भददेवपादिभं सरग

मिन्नमःमिवय॥ देवंभुठक
नमभेमकंरंदिनेरं पद्मभनंमव
रुठयंभुमुकभ॥ मल्लठ
यल्लवगकुधितयामदेवृ व
भेदितंमभनठङ्गदंनभभि।
तिमुकुभटिकभहुमंरिनेरं
पल्लवकभ॥ गल्लठरंम
कुलंभवठरं कुधितभ॥ नी
लगीवंममहुहुंनगयलेप
वीतिनभ॥ वृष्टमदेउगीवं
मवरेष्टभठयप्रमभ॥ कभ
भुनुदभुइवृभतिउंमुलप

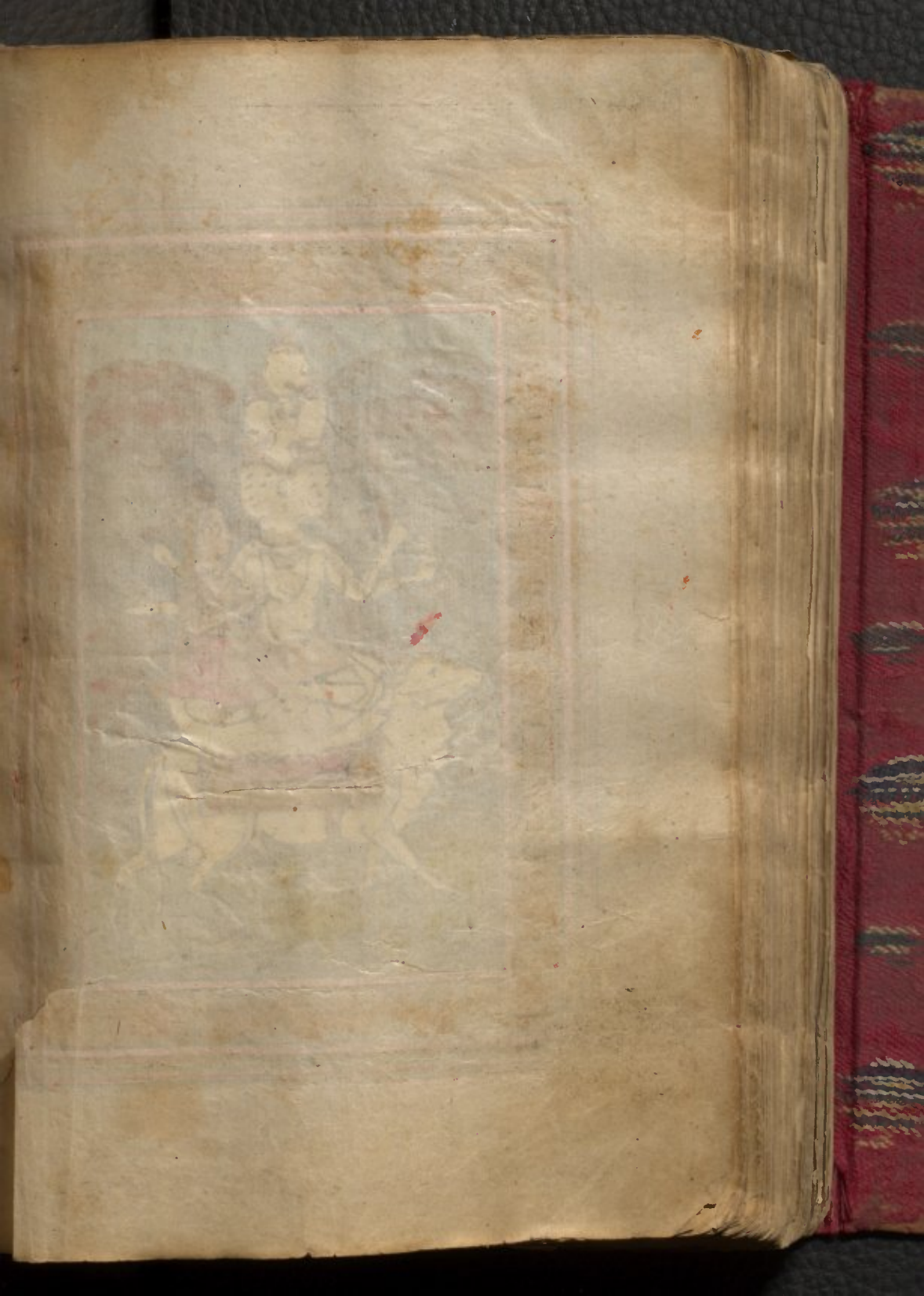
म.
भ.
०



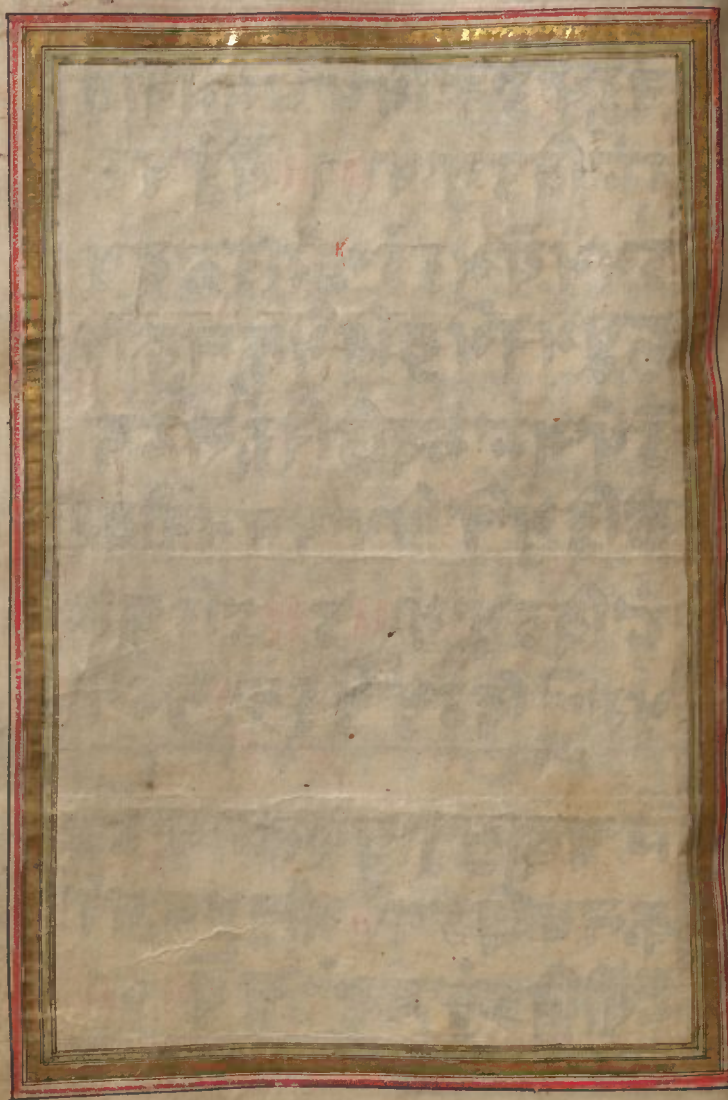
442

443





41421



ननुपं० उंने भिपपसमनीव
रं विउमुभ॥१॥ येदुं पठ
उमभयेभउउंभुगतिठवध
हपुभनमेठविभेकनकीम॥
उधंभनठवडिनिमलदेद
कतिमुंने भिपपसमनीव
रं विउमुभ॥३॥ उडिमुदि
पगलं विउमुभेइभ॥ सुठभ॥

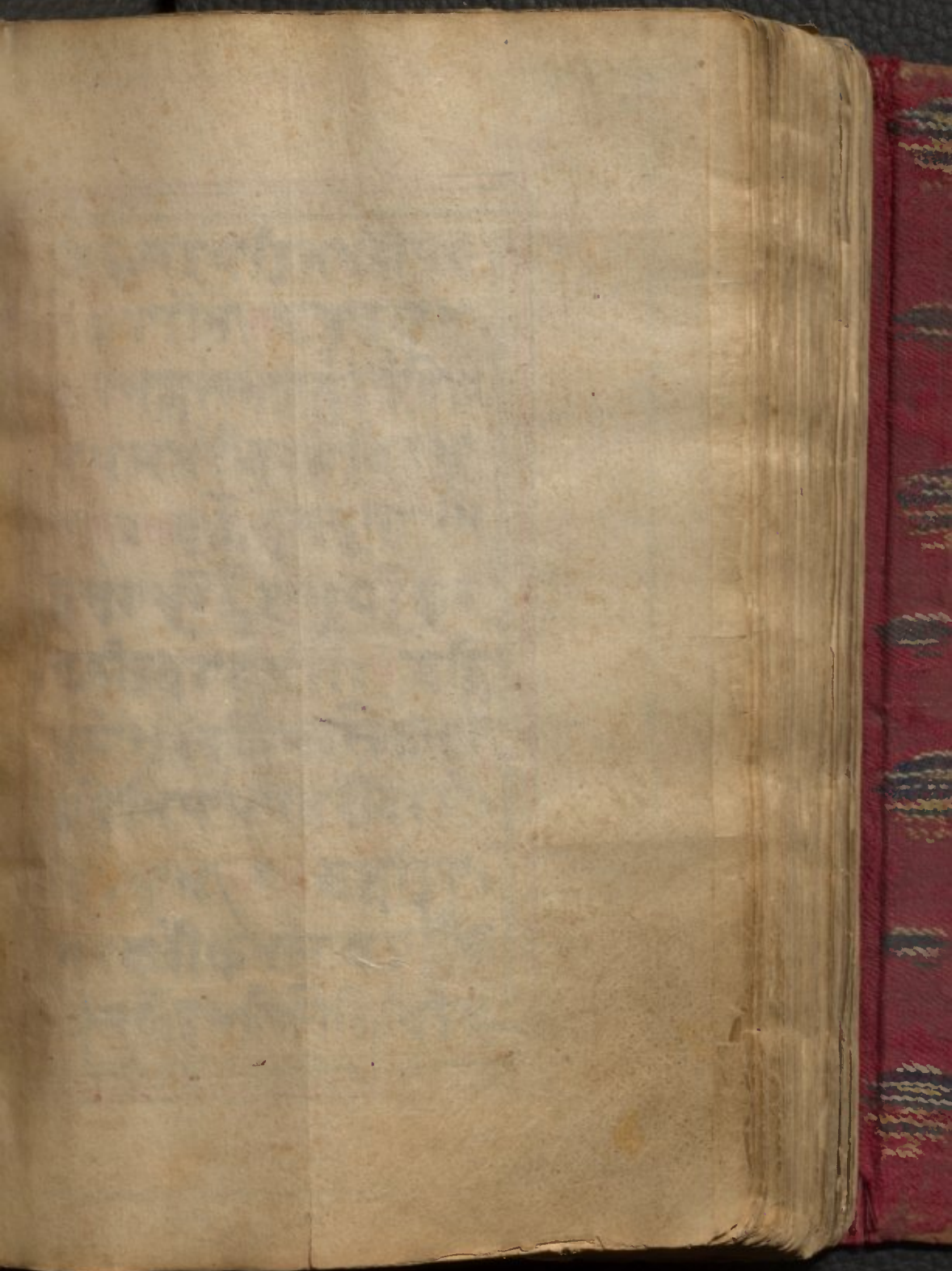
उिमुदमुइमुएकरभा॥ दल
कनधाडिउभ॥ भीनपदभनं
देवीविउमुं सरलं मूये॥०॥

४५३
 वेगउ॥ महुनयेरप्यनभं
 सुयरेरुप्रतिउंनेभिपप
 मभनीवरं विउभुम॥१
 डीऊँ सुकेटिगुलिउैः मद्यु
 पयडि गहुपुय गगयने
 मिपपुपुगहुः॥ प्रउभन
 डिपरभाभउतेयकुपंउंने
 मिपपमभनीवरं विउ
 भुम॥२॥ पाउलभुलविद
 रहुवसुक्कुपंभुहुमिउं
 कगवडा ममिमोपरे॥
 भेठ गुंउदिनसकुक्त

दि.
 भे.
 २७

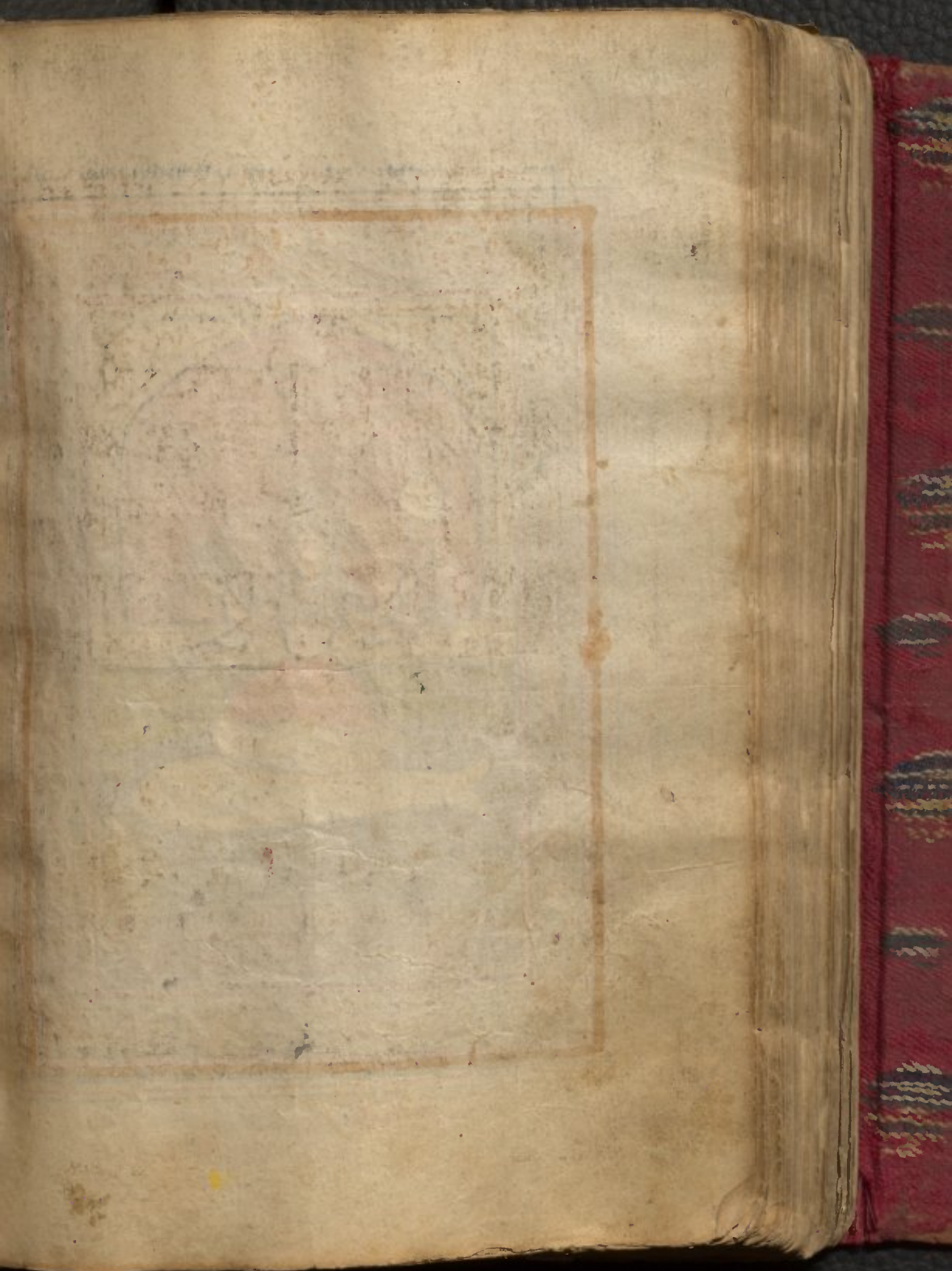
ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय
लेकण्डीभ ॥ नमः शिवाय नमः
कनभल्लभारकुण्डं नमः
पापमभनीवरं विजय
भ ॥ ३ ॥ वृद्धे नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय
नदीतवरं नमः ॥ नमः
पुनः नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः शिवाय
विजयभ ॥ ५ ॥ नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय

446



447





यत्तेनयद्वयदगीहृमदत्रग

वि.
भु.
५३

कै ऊरु मे लयभा । पूरु प्रमिता
गभीरं भाद्रु मरु प मे किउभा ।
पीठ सुगीमिन कुपं सगिकं पू
भा भृदभा ॥ सुभा मे वउकभा
मम चक्षी एह ठारिनी ॥ उरम
पचडी मे वयदिनी सगिक
धुभी ॥ भृद के टि पूरु मे वीभ
दमे भयिले मरभा ॥ भृद मि
मे वच सुं उं सगिकं पू भा भृ
दभा ॥ उ डि सी स गिक भृ उं
मं प्र रुभा ॥ सुठ भ भु ने पक
प० क येः ॥ डि सुठ भा ॥ ॥ ॥ ॥

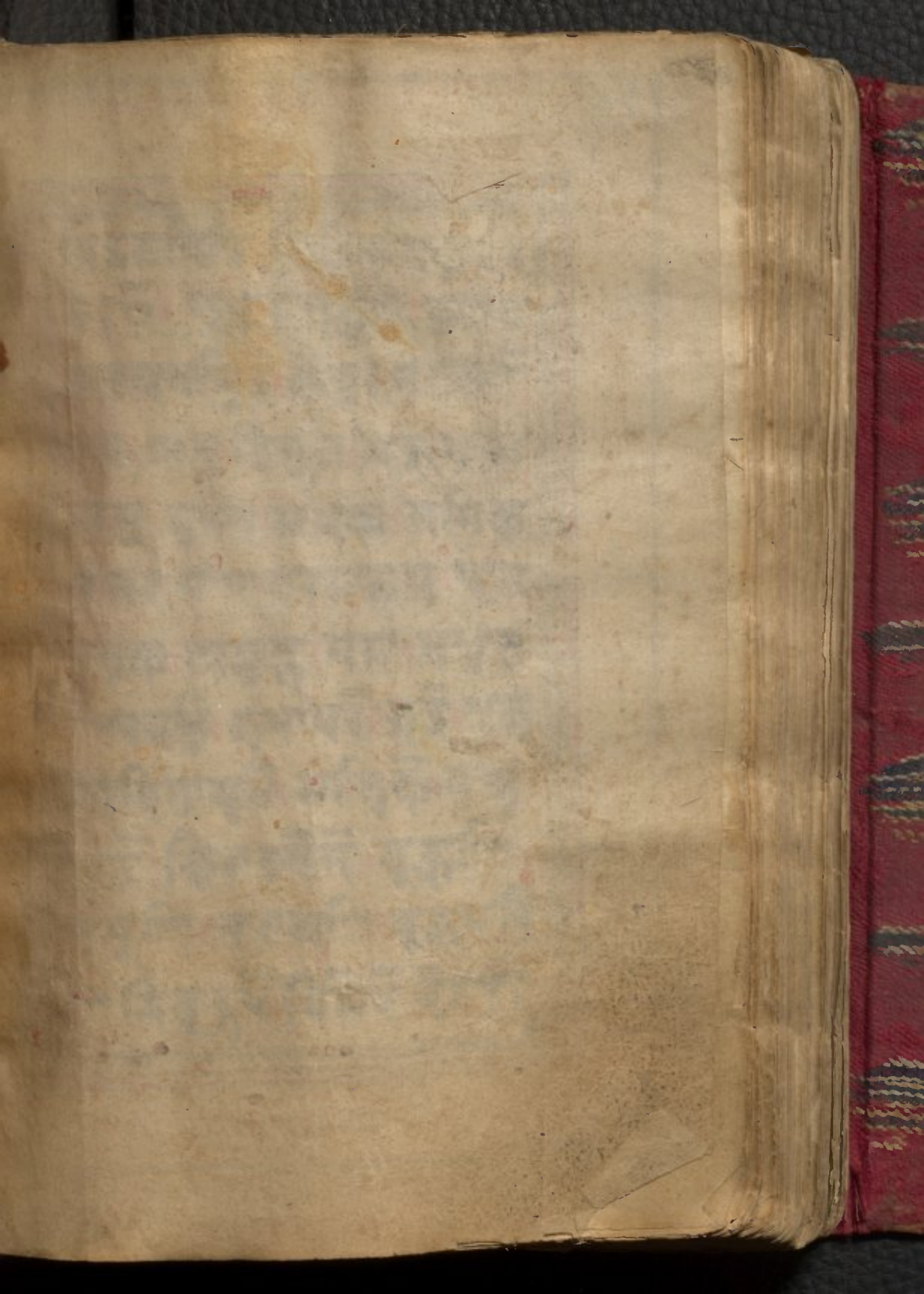
भदि।

म.
भु.
८१

गयडि। भयिडि। भग्भुडि। भव
 ठगै। भवेसुगि। विसुकतुः। भभ
 ठिविसु। भुभयि। मिभुयि। मिभु
 भलिभुभुपे। कैवन्ते। कैवन्तुभ
 भुपे। मिवे। निरसूये। निरपयि
 यद्भविभुभदेसुगनभिडे। भेदि
 नि। डेपलि। भवठयनमिनि॥
 मिडिभुडपुभयिनि। कले। कल
 ग्रिमिपे। कनरडि। मल्ले। निहू
 भिंदरवे। येगीसुगनभिडे। रुकु
 एनवडुले। भूपपियकरिलि।
 मुजे। रुलये। दिरहू। मरहू। मरि

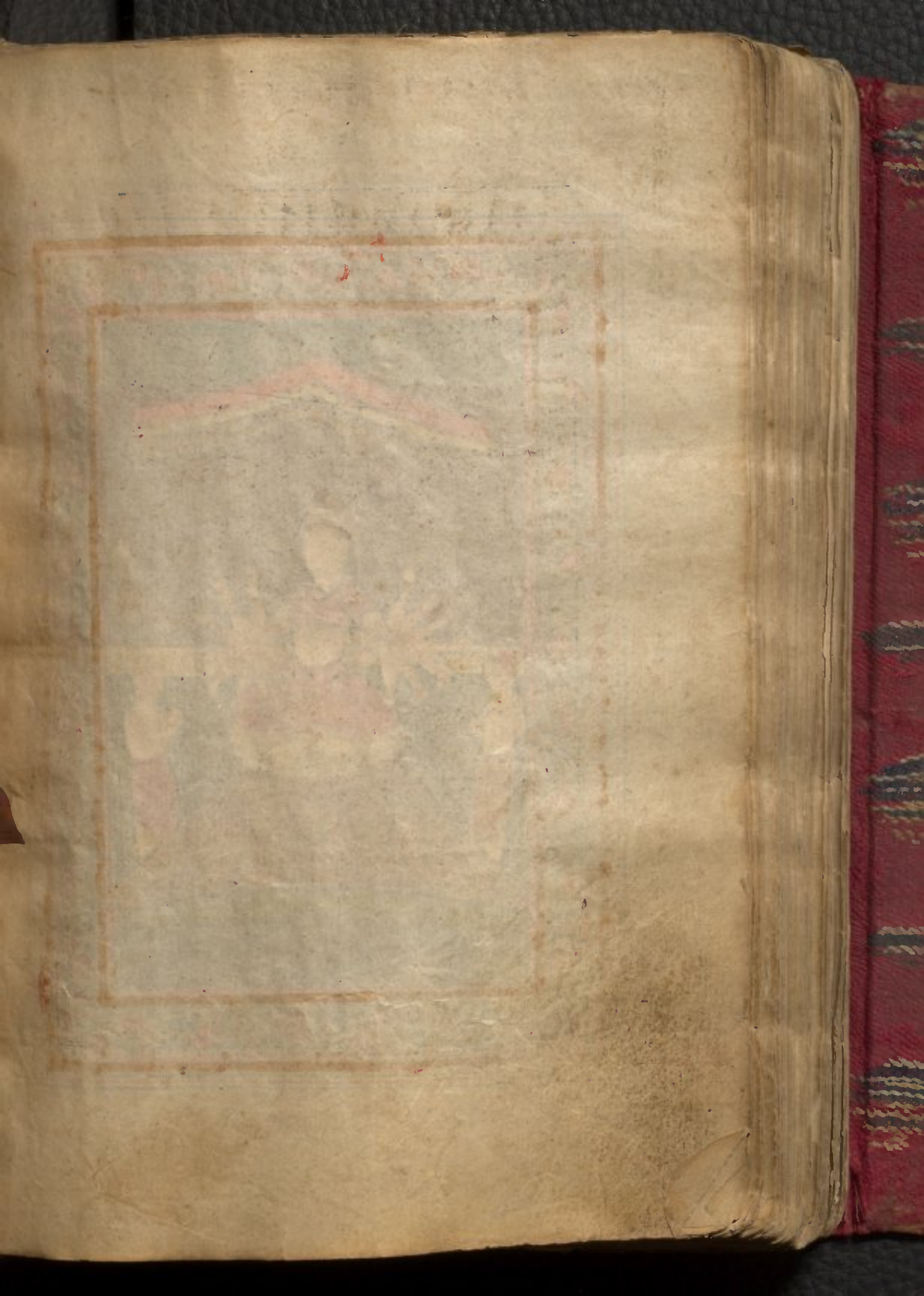
विदुःकगिनि। मिडिकुडकड
कगले। अथुदसकुले। कुलग
वलयभडिउ। केयुरदगकले।
लय। पङ्क। डिमुत। मरु। भङ्ग।
पामु। रुभन। मधक। समिक
नमर। मप। वरु। रुय। पम।
पमुक। पङ्क। गम। भभल
उभरदमु। रुपापरे। रुते। पङ्क
उविदिठ। यठे। मडिके। मरु
पङ्क। किरउवेसे। वङ्कलि।
रङ्कलि। नपायलि। वङ्कमरि
लि। दिवृङ्कपे। विरेपे। वेरुभाउ।

450



451





विभीषणिक रुगवतु नमः॥

विभीषणः भपुठि मल्लतुडिर
 मेय भपुभपिदुडिः भपुदिपु
 उडिपदुणयगय भपुले
 कडिदुड ॥ कसुगपुवरमभ
 एनगरपुदुधपीठिउरुवी
 भपुकभंयउरुगवती सुभरि
 कपडुनः॥ विणय रुगवति
 विदुवभिनि कैल भवभि
 नि सुमनयभिनि रुदुगि
 नि कलयनि कटुयनि दि
 भगिरिडनये कुभरभाडः गे

म.
 पु.
 २३

१
इकलं प० उनिहं ठनठ वृमिभं
पमः ॥ अतर इप० विहं भुसुते
पपठवृनत ॥ तं भुभुमिहं प
हं एपेडुलवठनभ ॥ विन
मयतिरेगनभपभदृदरय
म ॥ गहृजीलठउरहं ठनजी
विपुनं ठनभ ॥ उमुकभं उक
भजीठमजीठमभदयभ ॥ वि
मृजीलठउविहं भेदजीलठ
उपमभ ॥ उमुकविउं भुउं
भहृभेउत्रभं मयः ॥ ॥ ॥ ॥ श्री
॥ मृदीभे ॥ भं ॥ लं ॥ भ ॥ सुठभ

यप्रलभानभुषपरणित॥ क
 वनीपवडीदुनदेभवदृभिक
 सिव॥ गउडभपमैद्वैःभुत
 मऊ॥ णीभत॥ सुवुरगेगुभ
 सुदभुपभभुतिकरकभा॥
 दयपभुगऊपूठितपणुगवि
 नमनभा॥ सउभवतुयेदृभु
 भुसुतेवृठितरुनत॥ सुवतु
 येदृदभे॥ लठउवठिउंठ
 लभा॥ गएवसुभवप्रेतिभव
 भेवनभंसयः॥ लदभेकंण
 पेदृभुभादद्वीकविधुति॥

ॐ
 श्री.
 ५५

भापीकलरहीउपभित्ती॥ मेध
सुभभदभूदीविष्णुभायएने
रगी॥ भदेठगीभुक्तकेसीपेरु
पभदरल॥ सुनरुकरुएन
रुगेगदहीसिवधिय॥ सिवद
हीकरनीमपुटकापरभेसुगी
उम्नीमेरुपमहैरुसजि
परय॥ भदिपाभुगभंदही
सभभुगगुरुवउ॥ वरदी
नगभिंदीमहीभकैरवनदि
नी॥ सुतिःभुतिवुतिमेठवि
हृलहीभरभुती॥ सुनविण

ग... भेदिता ॥ श्रीगुरुं भेभु
 वरुनं पामदुमठरं परभ ॥
 इलेकभेदिनीं देवीकवनीं
 ... भभुदभ ॥ श्रीगुरुं देव ॥
 विउमुदीनभभदेवीदेवत
 भभमदुत ॥ गेगीसकभुगी
 देवीरुननभूतिविमूत ॥
 कट्टयनीभददेवीसकुप
 कभदउप ॥ भवित्रीभस
 गायत्रीवृद्धनीवृद्धवदिनी
 नरायनीकदकलीरुदनी
 दधुपिदल ॥ अगिदुलगेद

ॐ
 दी
 २२

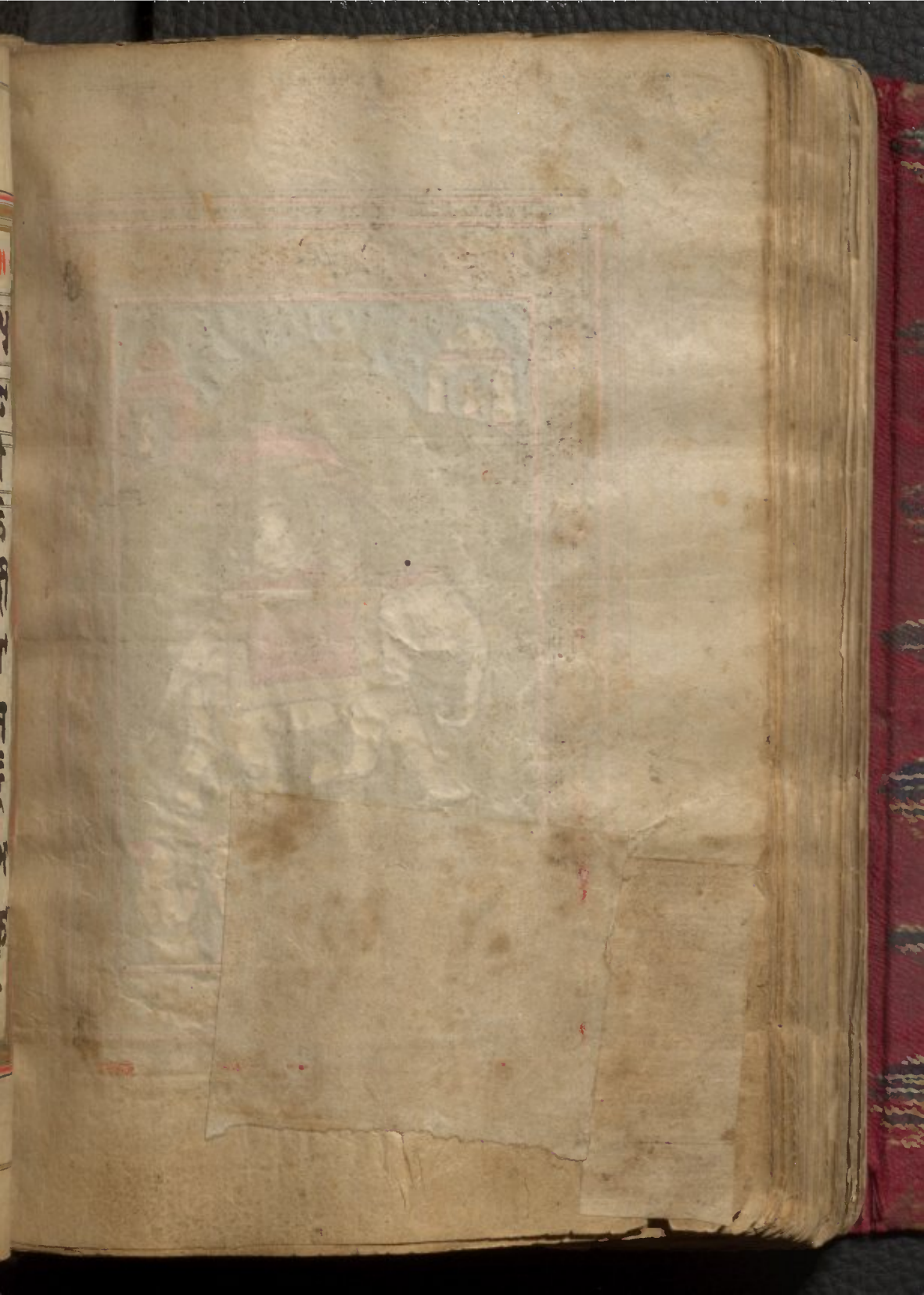
ध्रुवकृत्तमः॥ ॐ ह्रीं रुगवटैक
 गलपध्रुवकृत्तमः॥ तिलह्रीं रुग
 ययनमः॥ रुवने सुदैमिरभेभु
 द॥ भदे सुदैमिरपयैवधत॥
 वण्डभुयैकवमयद्रुम॥ भ
 दभूनवनयैनेरुंवेधत॥ ॐ
 ह्रीं रुगवटैकभुयदत॥ ॥ ॥ ति
 ॐ ह्रीं रुगवटैकभुयदत॥ ॥ ॥ ति
 रुयं भुठभ॥ वभेवण्डरंभ
 वृदभुठयवगधुमभ॥ भदभु
 नेरुंभुदकं ननलहृगुधित
 भ॥ प्रभववमनेनिहृभप्रु

३

436

457





विभुमि श्रीगले सयनमः ॥॥

विभुमि श्रीगले सयनमः ॥॥

रुद्राधिपतः पूषः श्रीः

शुक्राकवनी मेवता ॥ श्रीग

ले रुद्राधिपतः पूषः श्रीः

लकभ ॥ भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

भद्रगयरी भाविरी

ॐ
श्रीः
६३

८८:॥७३ श्रीरुद्रिकेश्वरभं
 वदेदमृगभलतत्रुभदप्रकवे
 ठवनीनभमदप्रमुदगलः
 मभुलः सुठभा ॥॥॥ ॥॥
 विणपुंपापदं नुतंरलकरं
 मंप्रलितं मीकरं एतंभानक
 रंमुतंठनकरं मंठाधितंभिदि
 र्मभ ॥ गीतंभुन्रिवदिउंप्र
 उतउंउपाठपदुयंकु
 नंठवनीतिठल्लनकरंभिः
 दूधुंमपाउभाभ ॥॥ सुठभा

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नतः परतरेभने नतः परत
 रभुवः॥ नतः परतरविहृ
 तीकं नतः परंपरभा॥ उठ
 नुनउपुष्टमुतावकुवि
 पुणितः॥ एककवंधुमनि
 हुंये जयतिभदे सुगीभा॥
 मवतनं मवतयवृद्ध ह
 दमपुणितः॥ कृयं इवर
 मनेकेभप्रनं विसुभङ्ग
 ल॥ एतमेव परवृविहृ
 डिपरकैरवीभा॥ इलेक
 भेदनं उपभक्तदीकृगव

न.
 म.
 ८३

रुचीरभउमवीरभुचीरन
किनी॥ एयमीलयमीकम
एयमएयवतिनी॥ भेठगृ
भुठगकगभचभेठगृव
तिनी॥ केभहमीभिद्धिउप
भह्मीतिःपविदेवउ॥ भच
गीउभयीभुतिःभचदेवभ
यीपुठ॥ भचभिद्धिपुठम
किःभचभह्लभह्ल॥००००
विपुठंभहभूभेठभभुवः
मिवठधिउभ॥ मउचनपु
मंभहंनकिकेनपुकमिउभ

तठिनी॥ निविकर मनिवैर
विगडिः भट्टवत्तिनी॥ पुमप
एमकिव मकातिः कैवल्यम
यिनी॥ विविक्तमेविनी पल्लव
नयिनी रत्नमूतिः॥ निरीदम
भभभुक्त भवलेकैकमेविउ
मेवमेवपुष्टमेवमेवदल
विदतिनी॥ कलेकल्लिपुष्ट
कलीरुपुष्टमेवविनमिनी॥
पुष्टमपुष्टदधिःपुष्ट
रुष्टनतिः॥ अष्टपुष्टिपुष्ट
नमभलिः भट्टवत्तिनी॥ वी

क.
म.
२०

ठिऊपमभानगुभमिलासु
मिः॥ भूतिःभंभूरुपमभंभं
भूरुभंभूतिः॥ पूतुतुम
ठधमगवगीतिःपूदेनि
क॥ उरुमपिङ्गलपिङ्गभुध
भुभदवदिनी॥ समिभूवम
उनुभुककिनीभुतणीविनी
भरुपुतुदरूपनभुपु
गुरुभिर॥ भुवरणभुभदेवी
तउकदुलपुम॥ विधयक
तुमदमनिचिमेषलिउमिय
विमुपुमिमनरुपुवदुपु

पनिष्ठतिः॥ प्रकगवलयवेल
भदममभदेमठे॥ पेधिनीसे
धिनीसक्तिदीउकेसीभुनेभ
म॥ लनिउभंभलउवीवेम
वेम॥ ठगिनी॥ नरभऊन
भडुम॥ नरभऊभिरुप॥
मदारीरुगतिः मरीमरिक
मुकठधिनी॥ मभुगीगरु
नीविहृवमनीवम॥ छित
वगदीउकुदभुमंभूदुउ
वभुऊर॥ भीनप्रतिठगेभुतिः
वमहृप्रतिभसूय॥ मभुतुनि

क.
भ.
२.

भभिठीनीमभुमहुमहुमेवउ
भउभउभदौरुपिःपिउभउ
पिउभदौ॥भुधमेदिउनीप
रीपेरीनप्रीमिसुप्रिया॥भुन
मभुनमगमविमुयेनिभुनरु
यी॥मिसुहुहुगरमेलमेल
रीरुठिनरुनी॥उवमीकम
लीकैकविमिपमिपिनरु
नी॥पहुहुगरिनीपहुग
पहुनवरुनी॥लहुप्रपिःक
गलहुलहुममुनलहु॥
वरुनीभुपषमगपरिपम

वरिनी॥ पद्मवत्तगतिक्लिन्नपद्म
 स्रग्मयाम्॥ पद्मपित्तवती
 युक्तिः॥ पद्मभुवनवरेष्ठिनी॥ उरु
 कृमकपभृतीरदिः॥ पूभूवि
 ल्लेडूदभा॥ गणः॥ सुकूपरमक्ति
 एगयुनरुठगिनी॥ इकल
 हृदिनिहृदिभृतिभिपुगभुक्त
 मी॥ अरगमिवउडूमकभउ
 डूवरगिनी॥ पूसृवमीपू
 डीमीदिगुमीमीमिगुमिगु
 मः॥ अदहृतिगदहृतरल
 भावातलिपिय॥ भूक्तव

४०
 ५०
 ३९

भङ्गलवभिनी॥ ऊभरणनीरू
रभभापीरुगनमिनी॥ अत्रीउवि
दृभनमठविनीप्रीडिभङ्गनीभ
वभेपृवडीयक्तिगदरपरि॥
भिनी॥ निठनं पङ्गुडनं कव ।
भगरडगिनी॥ अरूगमगद
वडीविगदगदवलिउ॥ गदि
नीरूभिगकूमकलरूःकन
वरिनी॥ कलरूगदिउनगीम
उधपूनिठवडी॥ एलीरूमणी
रूवभुमउउननवदल्लरू ॥
अरए सुगडिः प्रीडिगडिगवि

वसभुवतीविहृभुभुतिरु
 वरिनी॥सूतिःसूतिपरएधु
 सुधुपाउलवभिनी॥भीभा
 भउकुविहृमभुठकिठकुव
 इल॥भनकिटउनएतिन
 भूगठववलिउ॥नगपम
 परभुतिगठनगकुमुल॥
 भमरुमरुभएभुमरुके
 निदभिनी॥भवभनुभयीवि
 भवभनुकरवलिः॥भपुभु
 वभुवतीमरुभगीरुभगल
 क॥भरुभकुलभएभुभरु

क.
 भ.
 ३३

नीकलभनः भक्त्युभयुतिः
भवलेकभयीमक्तिः भवसव
गेमर ॥ भवसुनवतीवकु
भवउडुवरेठिक ॥ एगुतीमभु
पुपिस्तुभुप्रवभुउगीयिक ॥ व
रभक्तगतिद्वन्द्वभक्तिभेद
गिनी ॥ पानरुभिः पानपादुप
नमनकरेहउ ॥ सुप्रलुद
नैरसकिष्टिमवृत्तधिल्ली
सुमप्रगसमीक्षमरुक्षमी
क्षिउप्रलित ॥ नगवल्लीनग
कटुठेगिनीठेगवल्ली ॥ भ

नक्षीकुमुकुमुभपिय॥ उउ
 लमउलकेटिः केटिभुकट
 रमय॥ सुयभुसुभुपमभु
 कुपकुपवतिनी॥ उणभुनीभु
 किदमरुनमरुनमयिनी॥ भ
 दकेसीभदवगुवुदुः मरुभ
 रुदिक॥ भदगुददरभेभुवि
 मेकमेकनमिनी॥ भद्विकीभ
 दभंभुमरणभीमरणेदु॥ उ
 भभीमउभेयुगुगुयविन
 विनी॥ सुवुकुवुकुपमवेम
 विहृमनभुवी॥ मरुगकलि

क.
 भ.
 ७१

गभिनी॥दिंभादंभगतिदंभी
दंभेणुनमिरेरुद॥प्रलुमम्
भापीसृभभिडभृसृभऊड
ल॥भधीमनोपनीनोपुभने
पलोपकप्रिय॥महिनीमह
दभुमणलभुणलदेवड॥ऊ
रुदेइवनिःकसोभषगकसु
वत्रिक॥अयेष्टुगकभाय
गीऊगीऊकप्रिय॥रिपूक
प्रभेयामकेसभुकेसवभिनी
केमिकीउऊमवडुकेसभी
केसवचिनी॥केसमपदके

मदभुमः प्रलुङ्गुणरुणः॥
 अनीरुणदीनीरुणीभद्रिपु
 रुणदी॥ भद्रुङ्गुसंगुमीम
 भद्रुङ्गुवपुणितु॥ निद्रुङ्गु
 दधिनीमङ्गुकरलममनन
 न॥ करलविकरलममे
 रङ्गुङ्गुनमिनी॥ रङ्गुङ्गु
 केसीमरुङ्गुङ्गुभुभुन॥
 कङ्गुभुगीपलभुमकङ्गुमी
 उङ्गुभुपिया॥ कङ्गुङ्गुभु
 वलुमगङ्गुङ्गुभुवलुम॥
 भाङ्गुङ्गुनीवरुङ्गुभुभुङ्गु

ठ.
 भ.
 ३

डिवतिनी॥ सीरुडिवभनसैव
कङ्कलीकलिनमिनी॥ रङ्गरीए
वठेरुपुभुउतुडीएभउतिः॥
एगल्लीवएगडीएएइयदि
उधिनी॥ सभोकरुमिसुमी
भदयधेरुधीकल॥ यउरु
मउरुमयदिनीठनरु
मिउ॥ मिडिनीमिडुभायम
विमिडुठवनेसुगी॥ सभुडु
भुडुदभुममभुभुवठे
डुग॥ सुभुभुकरुमीप्रलन
वभीममउरुमी॥ सुभकल

भक्तनंपरभागतिः॥ नगभिंदो
 भुएदमदिवतदलमयिनी॥
 उदमउनममैककभमभेद
 मरुतिः॥ भक्तिनीदमम
 दमदएकेटिपुपिनी॥ उतः
 कट्टयनीभुसुभुसुदमक
 विधिय॥ भट्टगभरदिभुम
 कट्टमक्तिः कविदम॥ भीन
 पुत्रीभत्रीभक्तभैरकठगिनी
 उदिउ॥ भोमभिनीभुठभा
 मभुठभाठभमलिनी॥ भो
 कगुमयिनीहे सुभुठगदु

क.
 भ.
 ३

कमपथप्रतीकमसरुभु
मलेमन॥ कुतकवृकविष्टम
मैलएमैलवभिनी॥ वभभ
नरडवभमिववभमवभि
नी॥ वभमगरपियाउधिलेप
भद्रपूठेठिनी॥ कुतद्रपंगभ
द्रमकुतकवृकविष्टनी॥ भ
द्रलमभुमीलमपरभकुप
ठेठिक॥ मदिमदिमभु
तिःभुमदिमदरिपियाये
गिनीयेगयकुमयेगद्रुन
मलिनी॥ येगपद्रुणभक्तिः

मकिनीमिष्टदकिनीमरुदकि
 नी॥ मिडमिडपियभुङ्गभकल
 वनमेवड॥ गुमरुपणगुची
 भुङ्गभगीविसगरु॥ भदभगी
 विनिद्रुमउरुभुङ्गविनमिनी
 मरुभकुलभङ्गममरुभकु
 लदमिनी॥ अलिभामिगुले
 पेडभुङ्गदकभकुपिनी॥ अ
 भुमिद्रुपुमपेठमभुमनव
 प्पाडिनी॥ अरमिनिठनपुष्टि
 मउरुद्रुसुउरुपी॥ मउभुभ
 रुमयनमउवनठनपुम

क.
 भ.
 ३५

धृष्टधृष्टनवभिनी॥ अद्भुत
 भिनीप्रीतप्रेतभननिवभिनी॥
 गीतचतुष्टयकभतुष्टिप
 धृष्टद्वय॥ निधुमहृष्टिप
 पूष्टनेकेमीमभरेतभ॥ भुवि
 धातुनिनीष्टलविषभेदत्रि
 मिनी॥ विषारित्रगमभनीऊ
 ऊलभतेद्वय॥ कुतलीतिद
 रद्वकुतवेमविनमिनी॥ रद्व
 श्रीरद्वभीरतिद्वीरुनिद्वमि
 वगतिः॥ मद्रिकमद्रिकतिद्व
 भदकतिद्विममरी॥ दकिनी

भङ्गतिः भङ्गु भयिरी दिपदसु
 य ॥ दिभङ्गु दिपदी ठरी भु
 पचभभगयन ॥ पङ्गुली
 ठलिक ठल ठलरी रुभ
 नतनी ॥ गङ्गु ठग ठग मुटु
 गङ्गु मय निवभिनी ॥ भुरगि
 पङ्गु तीरुटु प्रउर मडिलेडु
 भ ॥ लङ्गु भवडी नरु रुवनी
 पपनमिनी ॥ पङ्गु भुरठग
 गीतिः भुगीडिलु नलेमन ॥
 भपुभुगभयी उडु पङ्गु भट्टभ
 देवड ॥ प्रङ्गु नगु भभभुम

क.
 भ.
 २३

करीषिय॥ भदिधीरुपभापु
मरुभापुपनरिनी॥ रुप
पद्मयीपुपुनपुविव
रिनी॥ मउचलुभयीप्रतिः
मउचलु सुप्रणित॥ भवपद्म
भयीभिदि सुउर सुभवभिनी
वृक्षनीरुडिय वैसु सुद्रुम
वरवरुए॥ वैमभनरुय
लुवमिचि सुविकविनी॥ म
भुसभुभयीविहृवरुमभुभु
गरिनी॥ भुमेठभहृमेठम
कद्रुक नृपरणित॥ गधरी

विहृमभुजलजलप्रणित ॥
 कलमरुदभिदुतुविहृमभु
 नमिनी ॥ दहृलिनीभेभभ ।
 लभुवधुःभभुवतिनी ॥ अ
 करमःकरमउकरेकरु
 पिनी ॥ द्वीकरीतीएगुपम
 लीकरभुगवभिनी ॥ भवद
 रभयीभुतिरदरवलभलि
 नी ॥ भिदुरदवलमभिदु
 गतिनकपिय ॥ दहृमवसु
 तीएमलेकवसुविठविनी
 रुपवसुःरुपेःभेवृरुपवसु

क.
 म.
 ३३

मय॥ देवप्रभुमनभुप्रुत्र
प्रभुलेकुत॥ लपठिचैह
भउम॥ सुवृमजिपूठेठिनी
वैहवैहमिकिइमभुपष्टरे
गनमिनी॥ भगवभगभंभ
मभगइइगलेमन॥ वगुग
वकुपमवठकुपवठकुत॥
वन्नीवन्निभुतकरकरव
विभेमिनी॥ मइलनपलद
विहृहुवठकुविभेदिनी॥ म
भिकभुनिकमभुभुदभ
मएनजित॥ केनिकीऊन

रमयिनी॥ प्रेक्षमद्गुप्यम्
 मन्त्रिन्लभन्तिनी॥ भु
 लठरनिरकरदक्षिऊ
 ठडलय॥ वयऊभुप
 भीननिरठरनिरमय॥
 सुभेसुभगडिलीवगुदिनी
 वक्षिभंमय॥ वल्लीउतुभभु
 ऊनधरुभभुसुलेनन॥ उ
 पमिनीउपमिद्विभुपमःमि
 द्विद्विनी॥ उपेनिधुउपेय
 ऊउभीमउपःधिय॥ मपु
 ठउभयीभुतिभपुठदुतुग

क.
 म.
 ३०

मय ॥ मेदभधिरुनभुधिरु
प्रधिरुलेदुड ॥ मधिरुवैदु
भडम ॥ मृदुमजिप्रतेठिनी
वैदुवैदुमिकिदुमभुपधुगे
गनमिनी ॥ भगवभगभंभ
मभगदुगलेमन ॥ वगुग
रुडुपमवठुपवठेदुड ॥
वद्वीवदिभुडकरकरु
विभेमिनी ॥ मृदुनपनद
विदुदुदुवदिभेदिनी ॥ मृ
धिकभुनिकमभुभुदभ
पुणनजिड ॥ केनिकीऊन

रमयिनी॥ प्रेक्षमङ्गपुष्पम्
 मनकिशलयुगलिनी॥ भु
 नठरनिरकरदक्षिऊरु
 ठउलय॥ वयऊरुभाप
 भीननिरठरनिरसूय॥
 सुभेसुभगडिलीवगुदिनी
 वक्षिभंसूय॥ वल्लीउतुभभु
 ऊनधरुभभुनलेनऊ॥ उ
 पमिनीउपमिद्विभुपमःमि
 द्विऊयिनी॥ उपेनिधुउपेयु
 ऊउभीमउपःपिय॥ मपु
 ठउभयीभुतिभपुठदुतुर

क.
 म.
 ३०

भद्रवद्विपतेचिनी॥ धं॥
मरिके॥ डिनेइ डिपुगभन
री॥ वधधियवधकुम्भदि
धभुरप्पाडिनी॥ भुम्भद
रम्भुमीपुपवकभत्रि
कपालरुध॥ कलीकपा
नभलठगिनी॥ कपालज
भुलमीइमिवदुतीप्पनस
विः॥ भिद्विम्बद्विम्बनिदुभ
दुभनपतेचिनी॥ कधुगीव
वभभतीकुइकुयदडलय
एगनठजुलिनीकुएएक

भमरुट॥ वभुठवभुठर
 मणयमकभुगीमिव॥ वि
 एवमणयतीमभुभिनीम
 इनमिनी॥ मनुचतीवेमम
 क्रिवमवगठरिनी॥ मी
 उलमभुमीलमठलग
 दयिनमिनी॥ केभागीम
 भुपचमकभाष्टकभव
 न्निउ॥ एनरुगठरननु
 कभरुपनिवमिनी॥ कभ
 तीणवतीमट्टमट्टपरा
 य॥ भुनभनभुउभु

ठ.
 म.
 ३.

सपिनी ॥ रज्जुभुगठरठीर
ऊपध्वतंभिनी ॥ सुकभुग
ठरठीरभदसुतवभुधि
य ॥ भुवेलिः पद्मदभुम
भज्जदगविकुध ॥ कपु
भेदनिः सुभापद्मिनीपद्म
भक्तिर ॥ अपद्मिनीमरुदभु
मकुभुकीपरिप्पायुठ ॥
सपिनीपामदभुमरिसु
नवरठरिल्ली ॥ भुव ॥ म
ज्जिदभुमभयुगवरयदन
वरयुठठरवीरवीरपन

कदललया॥ कलकधुभु
 तुमविभेधकलकुपिनी॥
 भुकलरभननभमदभज
 वज्रीरभ॥ गजुधियाभुगजु
 मभभजमभनेगतिः॥ भु
 गनकिमुगक्षीमकदुरभे
 मठारिनी॥ पदुयेनिःभुके
 मेमभलिङ्गनगुपिनी॥
 येनिभुभदभुभुपिसगीप
 गगभिनी॥ भवस्रीपठवीव
 लीभपुभभुभेदुत॥ भउझी
 सुकदभुम॥ पधरालेदु

कीमदपरकूभा॥ गेगीभुव
रुवरुमभित्तिभंदरकरि।
ली॥ एकनेकभदीहृममउ
रुद्रदकुल॥ कुलद्रुध
उरुधुधद्रुद्रुभवभिनी
धद्रुकेदिनीसुभकयभु
कयवलिउ॥ भभित्तिभु
पीकभभुनपुनतिगीसुगी
अरुमवद्रुवरुमधरुध
रुधुवतिनी॥ रुद्रनीलभित्ति
सुभरुधुपीउमकवुर॥
रुद्रुधुएगवद्रुउरुनी

दन॥ भतीपडिवडाभाप्रीभ
 मद्रः ऊडुवभिनी॥ एकम
 द्राः भदभूदीभुमेलिहग
 भानिनी॥ मेनमेलिः पडक
 मभुवदयडुकंदिनी॥ प
 डकिनीमयरभुविपल्ली
 पडुभपिय॥ परपरक
 लकडुडिमडिरेकमयि
 नी॥ ऐडुीभादेसुगीवकीके
 भरीऊलवभिनी॥ ७ सुठ
 गवडीमडिः कभठनः लप
 वडी॥ वरुयठवणुदभुम

ठ.
 भ.
 ३३

दंभवादन ॥ गणलक्ष्मीवध
द्वरभुठकरभुठद्विक ॥ ग
लनीतिभुयीवदुमदुनीतिः
रियावडी ॥ भदुतिभुगिनी
मदुभदुतिभुद्वरय ॥
भित्तुदुदकिनीगद्वयभुन
मभरभुडी ॥ गेरुवरीविप
ममकवेरीममउदुम ॥ भ
ग्युदुदुगमकेसिकीग
दुकीमुमिः ॥ नदुमकदुन
मममदुधद्वयमेविक ॥ वे
द्ववडीविउभुमद्वरमनरव

भभडिकरिनी॥ नगरयनी
 भदनिद्रुयैगनिद्रुपूठव
 डी॥ पूछुपगभिडपूछुडर
 भयुभडीभयु॥ क्षीरलवभु
 ठदरकलिकभिंदवदन
 ठिकरवभुठकरसेउनके
 पनरुडिः॥ अठरिद्रुठर
 ठरविभुभडकलवडी॥
 पद्रुवडीभुवभुमपूवद्रु
 मभरभुडी॥ ऊद्रुभनल
 गद्रुडीवद्रुभडलिनेसुगी
 लिनभडलिनेद्रुमसारम

क.
भ.
३७

हृतिः ऊभरुदभिनी ॥ रुतभ
रुलरु विरुभुजतिः प्रगव
भिनी ॥ अपलरुमभुगीभय
भरुगभुदभिनी ॥ ऊन
वगीसुगीविहृविहृक्किव रु
मेरुगी ॥ कभेसुगीमनीलम
गीरु रुवद्विदभिनी ॥ लभे
रुगीभदकनीविहृविहृसु
गीउष ॥ नगीसुगीमभहृमभ
वभेठगृवतिनी ॥ महुदि।
॥ नगरभिदीवैधुवीमभदेरु
गी ॥ कट्टयनीममभमभव

चभङ्गल॥ दिङ्गलमङ्गिक
 मङ्गुपङ्गलङ्गोदगिप्रिय॥
 डिपुगवङ्गिनीनङ्गभनङ्गभ
 रवङ्गित॥ यल्लविङ्गभदभ
 यवङ्गभङ्गभुङ्गयङ्गिः॥ प्री
 तिः प्रवप्रभिसुमभुङ्गनी
 विङ्गुवभिनो॥ भिसुविङ्गु
 भदमङ्गिः पङ्गुनीनङ्गभेदि
 त॥ पङ्गुङ्गुतप्रियकङ्गुक
 भिनोपङ्गुलेमन॥ पूङ्गुमि
 नीभदभङ्गङ्गुनङ्गुनङ्गुतिन
 सिनी॥ एङ्गुनभापीभुङ्गुङ्गुम

न.
 म.
 ३

सङ्गमे मंगसुपंणयंती
मिदं कले ॥ ॥ सुते सुमेनि
मभलमभरति वसुभभू
एष मभलिङ्गकपालद
भुभ ॥ रङ्गङ्गरगरमनठ
रङ्गिनेङ्गं एये सिवभुव
निङ्गभमविङ्गलङ्गीभ ॥
मीरं सुगउव ॥ ॥ विभदवि
सृणगङ्गङ्गभदलङ्गीमिव
पिय विङ्गभयमुठम
उमिङ्गमिङ्गभरभुती दभ
कतिः पूरुण्डुपचतीभ

क.
भ.
१५

पगभेसुगभ **सीरन्नि के सुग**
उदम ॥ ठगवन्नेवमेवेम
लेकनखणगइउ ॥ ठकेभि
उदमभेभिप्रभमः क्रिय
उंभयि ॥ मेवुभुवभिभं प
टंरुल्लकंयइरैगपि ॥ मेउ
भिसुभुदंमेव प्रलवभापि
मभुउ ॥ **सीरगवन्नेव म**
मगन्निददठगभुवग
णभिभं सुठम ॥ भदभुवभ
ठिदिदुः भिदिदं भुपभेद
मभ ॥ सुमिदिः पूउरुइय

मभुतभम॥उडुठवमय
 मभुंलगमउसुरमभम॥भ
 भुरभुरगववयदरदम
 भानवभ॥मपत्रगंमभभु
 मंभमैलवनकनभ॥भ
 रमिगदनदुं पडुकुउगु
 उत्रितभ॥नरिबभभद
 भुंभुवेननभचम॥भु
 वेपरपगंसजिंभभनग
 दकरिल्लीभ॥उडुकेपर
 उंमवंमरमरगुंविदुभा
 पूंभुमिगभननीपुवम

ठ.
 म.
 ३५

यिनी॥ उयैउरुणुतेविस्वभ
नणरंसणरुते॥ उयैउरु
लुतेभचंतभुभेवपूलीयते
सुज्जितपूलाउणुतभचन
वैचिनिस्सितैः॥ सुगणित
भुतभैवभवभिक्षुपूलायि
नी॥ उभुभ्रगूदमेवउ
भेवभुतवनदभ॥ भदभैः
नभक्तिवैभैलेकपूला
प्रणितैः॥ भुवेननेनभनु
पूभाभेवपूविवेसभ॥ उ
मरुभयपूपुमैसुदप

प्रनप्रदतिभंष्टिउ॥ उभृभदं
 मभद्वत्रभुद्वैभुद्वदममिनिः॥
 मउनेतिउतःसक्तिमंकपुलि
 दूउभुपी॥ देउःभद्वन्दएन
 भृभनेतिभृयनीमुठ॥ उभृ
 तिपरभसक्तिरुमिभीनउतः
 परभ॥ उउवगितिदिपुउ
 सक्तिःसवभयीपर॥ पूदुर
 भील्लगदुउवेमभाउभरभु
 उी॥ वृद्धीमवैधुवीरेकीके
 भगीपचउीमिद॥ भिद्विद
 वृद्धिदसवभचभद्वलम॥

ठ.
 मं.
 ३०

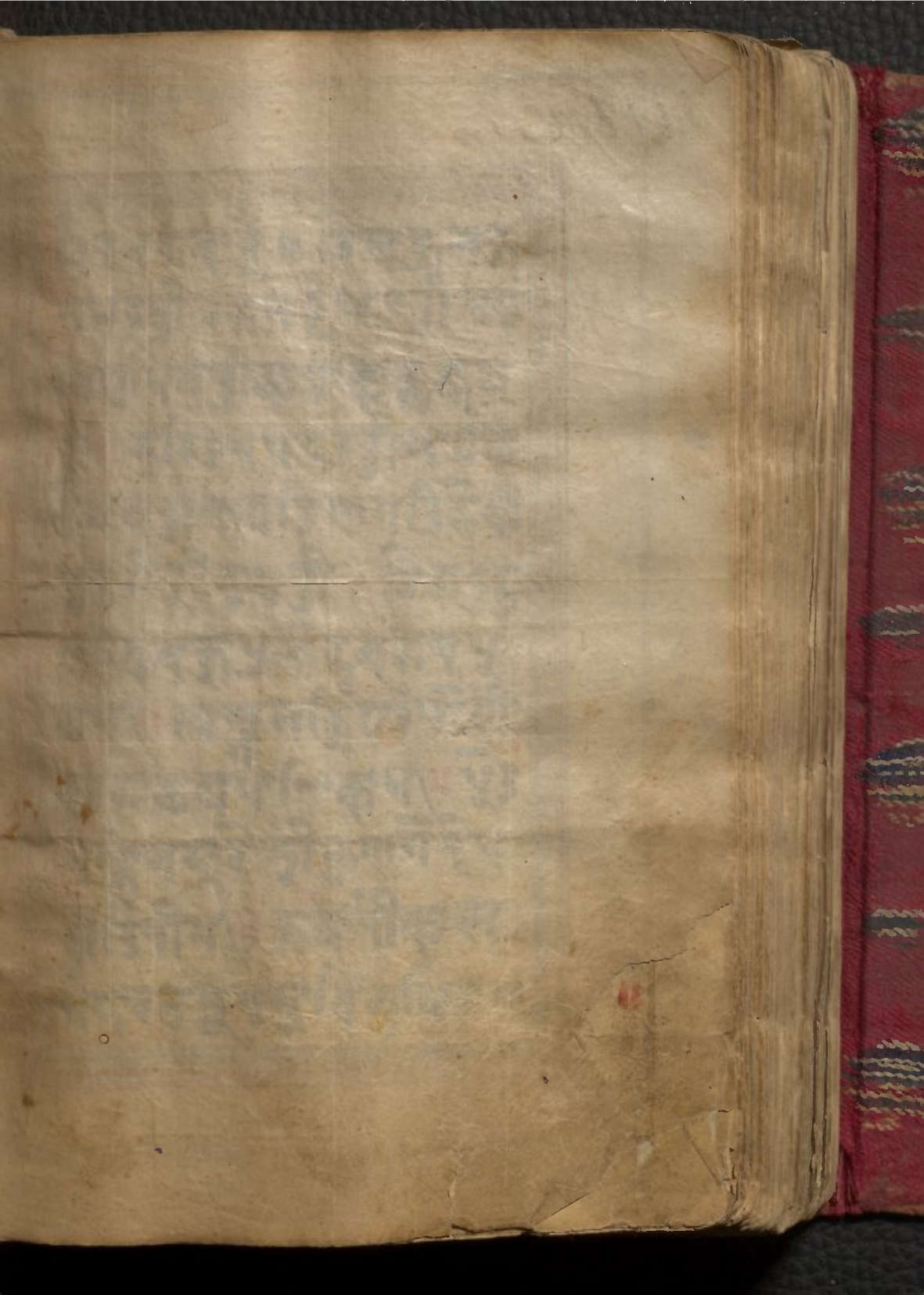
भि५पुंठंठऊवङ्गनभ॥ देवता
यः दयकभुः भुइ भउदिवावि
सभ॥ ५१ उविगुंन षडुः
किमपरः परः॥ ५३ उयपुभु
ममेवेनकि केनएगहुः॥
पेवमठगवनेके विकभने
उपङ्कणः॥ सौठगवउवम
भापुभापुग॥ सुधुपुधुव
भियमभ॥ भुऊभुपिमवने
पुंरदभुंकषयभित्त॥ पुग
कन्दकवेनेकमिभुदुदु
मउनः॥ पु॥ उयभयीमकि

एगद्विडिकं गीवृद्ध विष्णुद्व
 मिनिः भुरैः ॥ भुड्डं पंग म
 मं नी रे भुदं विष्णुद्विनीभा
 तिनभेठवत्रै ॥ कैलभमि
 पंगभुद्वेवमेवं भद्वे सुभ ॥
 एवेपंगभभीनं प्रभवभाप
 पङ्कलभ ॥ भुरभुरमिगेडुर
 द्विडद्विषगंप्रभुभ ॥ प्रभु
 मिगभनलीरुह्म निगठ
 धउ ॥ श्रीनरिह्म सुभउवम
 देवदेवणगत्रषभंसवेभि
 भद्वमभ ॥ गदभुमेकभिह्म

ठ.
 भ.
 ३३

विनभेठवत्तै ॥ विमकुनज
नपउत्तीमरुभट्टेभृत्तीभप
मपुपिवत्तीकककककय
त्ती ॥ सुगितभपदत्तीभठकं
देधयत्तीएवडि एगडिरेवी
भृत्तीगीत्तीरुयत्ती ॥ विमउकु
एभेकवत्तीप्रल्लुवमनप
ठभ ॥ एवमत्तीठरंरेवी
वमठयपलिकभ ॥ पूउ
भंभंभदरेत्तीरुएगेनेप
वीडिनीभ ॥ ठवन्नीकल
भंदररुभृत्तीविदुधितभ

482



483





गणेश्वरभिरुवमनभृभुभि
 नैष्टुमरे ॥ गुरुवरमर
 ॐ गुरुविरुद्वरल्लं प
 िउभिद्वरेष्टं पेरवि
 प्येय्यमावै ॥ ७ डिमीठ
 विष्टुगुरु ॥ नमि कै सुगमं
 वमिमीभदग ॥ पडिमु
 वगणः मं प्रलः ॥ सुठम

ग.
 सु.
 ३०

लपन॥ भवंतुदुभभ्रिदि
यदृमिसुडिम सुडभ॥ भुव
नभपुमेधं वरिधुयंय
उःभुवः॥ भुवगणउडिपु
डिंभचलेकेधुयभ्रिदि ॥
मीनदिकेसुगउवम॥ उ
उमेधभुवःपुऊःपुसभुःम
भुनभ्रयभ॥ उभ्रमनेन
भुङ्गं भुवगणनमेववउ
भुडिंलपंभ्रिडिंमैवऊचनि
व॥ भ्रिसुडि॥ ॥ ॥ उडिवि
रमयडिभ्रिभ्रकःभुङ्ग

नमिंल गइयेष्टुभिनभष्टन
 मरुधूरभ ॥ उभइवप्रयइ
 नमुवगणंणपेवरः ॥ मरुण
 धूलकैरुकिंरुः भुप्रैधुठये
 धुपि ॥ भवंउगतिपाधुनं
 रुकुतेरुवेवरः ॥ उभइप्र
 णितेहृथठरुकभरुभुठवे
 मुवगणभिभंमुवेडुभंभूण
 पंमैवप० रुगवपि ॥ रु
 रुतेमुठकरुभनवः सुठभ
 रुहृमुठनिमसुते ॥ रुहृ
 नउकिभरुनमुवगणभिभं

ग.
 भु.
 ३.

उद्गुहभपुमं वंमं रुभुर रुव
भगरु ॥ कलुनेन विभाने
नमउनगयुतेनम ॥ विमर
हृपिलं लेक रुम गैरेग
ॐठिपः ॥ भद्रिय सुकवेम
रुः भचमेव प्रिये भुषा ॥ प्रि
येविनयकभृपिप्रियेभ
कंविमेषतः ॥ भद्रुत्तमिद्रि
भचलः भचरुतदिउरतः
भद्रिय सुकवेम रुः भुद्रुद्रि
भदभेद्रु ॥ भुवराणापा
भक्रुवयक्रुभृणीभतः ॥

:

भवपपपुत्रमनभ॥ मित्रु
 मेकपुमभनभायुगरेगुवत्त
 नभ॥ नपुत्रमभउतंगकुडि
 एनंमविसेधतः॥ वःपु०
 सुगयकुपिभवपापःपु
 पुभसुते॥ पुपवीदंरलंपु
 हंयमसुयभभत्रितभ॥
 भनीपंभिदिभरेगुंसिय
 भपृकयिपुतभ॥ भव
 लेकपिपटंमभवदेवपि
 गणतभ॥ पुपुपुगुमै
 सुदंपुपुकुडिंसमसुतीभ

ग.
 भु.
 ०७

[illegible]

विमः वंभुगत्रियउयःभन
 उनः॥ पंभुगं गुलिनंभ
 दतुंदिगं यंभुदं येगिग
 भुभ॥ यभभनतुंभुवंभ
 नीधिं विधसुतं कविभ
 भुदंयं॥॥ विगंनदु
 गं पतिंभुतं कविं क
 वीनभतिभेठविगदभ॥
 लुधुगंभ पंकेतुभेकं
 उनःमधुततिभिःभीम
 मसुत॥॥ नभेनभःकं
 कंय नभेनभेभन

प्र.
 भु.
 ०३

सभुविमलैषु ह्यहैकवतुं
उवभरुगगगुचिलिप्र
रुदेमः ॥ रलेरलपरुभः
भुगलैः भंप्रहमेदविमं
गयकिंप्ररुधनविगमि
उमेरुगकिभुयमे ॥ ददरु
रुकउधुप्ररुकिभिभुग
यमेनरुमेरुमुउमेधि
उः प्रुतिमिनंप्रुप्रुमेभभ
किः ॥ इंनभत्रिभुगभिरुम
रुभुयणत्रिनिपिलदिए
उयः ॥ इंप्रुत्रिभुनयः प्रु

कवटः मुकविलभितकवंच
उलीलं विषय ॥ वमलमुदि
उरुमुदुभट्टिभुदुचिउरु
पदगभिदंच उरुदुपकगभा
कुलगवलविडेनेपभुमुद
लिचदंभगठभभषठङ्गिउ
गलेनिवसु ॥ कलभपुरभ
गीउंच उभलेकयंभु कलभ
विकलउलं मुभुउदमुपद
ऊवल यमउमीउ कुगिकल
गहुहुमुवभङ्गगपिगउभ
मनः भंभुपुन ॥ विपडि

ग.
भु.
२१

यकय ॥ अपिलकुवनरुते
भभरुभेकमते ॥ निपिल
तिभिरुते निधूलयवृयय
पुत्रभनएगे पुत्रुलिं
इकरुभकल विवसभे
विस्त्रुपेनभेभु ॥ मसनकु
लिमकिवैविजते मिमएनं
विलभितमुठमते मेजिकैः
मद्रुगेरेः ॥ कुवनभुपभर
तुपेद्रुगेगीठवतुभुठम
यकरुं सिधुतिपुभनव
भरुनिललितगीतेउलरुं

५१
 मभभुठिनषयकडुनभ
 भुभभभुदविभुगठले॥
 नभभुभभभुठिकयडि
 रुभेनभभुपुनचुभुविट
 भुठभे॥ पडभुगंउपुभ
 घेसुगंउसभुनसभुभ
 मरमरभु॥ नेडेपुनेडेम
 मगीरठलेठडेवरंठव
 उरभेभु॥ नभेभुडेविअवि
 नमकयनभेभुउठकुठय
 पदय॥ नभेभुडेभुकुभनः
 भिडय॥ नभभुकुयेगं न

ग.
 भु.
 ००

यकयभनयकयकयपि
लनयकय॥विनयकय
ठयमयकयनभःसुठन
भुपनयकय॥ग॥ठि
एयग॥नमभुगएठि
एयगएननय॥सठनन
वभिडभननयनभेनभे
ठुविनमनय॥अनभय
यभलणीभययभुभयय
विधुएगनयय॥अभेय
भययिकभनययनभेन
भभुभुभनभयय॥नभभु

हुंभुत्तुं ललरुयिने॥ ली
 लयलेकरुं विरुजुनि।
 एभुत्तुये॥ भुयंसिदयमेव
 यलेकहेभात्तुपलिनै॥ नभे
 नभः कृभात्तुनभः हेभत्तुभा
 यम॥ मयभययमेवय
 भवत्तुत्तुमयलवे॥ मयव
 तुंमयकत्तुभवकत्तुनभेभु
 तु॥ नभः कृत्तुमेवयवी
 तयसुत्तुत्तुने॥ नभभुभ
 भुगीच॥ यत्तुत्तुत्तुयुग
 यत्तु॥ तिनभेनभभुगत्तुन

कुतः कुवनः नमः पतये पप
दगिल्ल ॥ भवः भूनिदत्तुम
विभाषः नः निरुद्धने ॥ नभ
नभेगल्लमः यविप्रमयन
भनमः ॥ डिप्रः नुसुकभन
प्रलितुयडिमुलिन ॥ विन
यकयवैतुं विरुडयनभ
नमः ॥ नभभुंणगकुडन
भभुंनिपेगिने ॥ नभभुं
डिनेडयडिनेडप्रियभनवे
भभुकेटिभदभनैरुडितव
यवयड ॥ भनयभडिनि

पुष्टयचम ॥ वृक्षप्रवृक्ष ॥
 यैववृक्ष ॥ प्रियतरुवे ॥ य
 लयवृक्षगेपुमयल्लनंल
 मयिने ॥ यल्लदुयल्लकडु
 भवयल्लभवायम ॥ भवने
 दुष्टिवाभयभवे सुदप्रमय
 म ॥ गुदमययगुहयये
 गिनंयेगठरिल ॥ ॥ ॥ गितु
 नपयविदुदे वरुउरुय
 लीभदिउत्रेडुतीप्रमेमया
 उ ॥ ॥ गिरककरपम
 यैवभयिनेवृक्षमयिने ॥

ग.
 भु.
 ०८

द्रुमकयम॥ एनकुठरुपा
मयप्रएठेर॥ ठरिले॥ मे
भक्तविभुषणकुम्भिकगीत
विगेठिने॥ पुकमभरभेभ
ट्टेहीदुगदनमालिने॥ भु
भेदमकुकेमयपयिबीभु
लगयम॥ भुपेययभुकी
भयभुगकुल्लरकेमिने॥ दे
भक्तिकुल्लेकेमैहमन
वप्याडिने॥ गएकगयमे
वयगएगएयडेनभः॥
वृद्धप्रेवयकुपयवृद्धगे

वेगठरिल्ल॥ वेगिं० हूमि
 भंभुयवेगगभुयउनभः॥
 एनयएनगभुयमिवएन
 परयम॥ ह्येनभपि ह्ये
 ययनभेह्यउभयम॥ भंभु
 पाउलपामयभपुसुपेद
 एडिने॥ नभेमिगुदवेमै
 ववेभमैदयउनभः॥ भंभ
 भुदगिनेइयवूद्विहृभ
 मभुमै॥ वूद्विहृभुपी
 ० यभभयेथपरयम॥
 ह्येतिहृदुनपुसुयहृमय

ग.
 भु.
 ०

यमुगयपरसुठठरयम॥
भुलिदभुयणीरयनभःप
मभिपय॥ ठरयनभ
मुहुंठरकिरउयम॥ ठ
रठहभयुऊं॥ पुगभुं
भित्तुने॥ पुहुदगयवैउहुं
पुहुदगरउयम॥ पुहुद
रउनेउपुहुदगभित्तुने॥
विभ्रएकयमकयलेकए
कयणीभउ॥ रुउएकयम
वृयग॥ एकयवैनभः॥
वेगपीनउगभुयवेगिं॥

देभदा रुद्रुं कीध ॥ यम
 वरु ॥ सुमिरेदु विवभु
 वुन यम ॥ अग्रे सुवभरभु
 हुं रुभुमरलसिमे ॥ कैर
 वयभुकीभयनयनकर
 वयम ॥ विनीध ॥ यकी
 धुयनगरु ॥ ठरिल ॥
 प्रभुयप्रम ॥ यव ॥ उ
 रुयवैनभः ॥ देरभुयन
 भभुं पुलभुण ॥ यम ॥
 सुप्रवदय देवयमैक
 रुतुयवैनभः ॥ सुदकल

ग.
 भु.
 ०३

यनयऊवभभगनपरवम
रूदायमवरिधूयनभस्रित
मिपदिने॥ कपदिनेकर
लयमद्वगधियभनवे॥ भ
उयदेभवटसुदरेमभर
विदिधम॥ तिरवमि
किदिवेदिमलेभुमुउयम
भुवेदिउपरिउभुनभभुभ
ऊदेउवे॥ ऊधुउगन
वयगननपउयेनभः॥
वदिमगणितयेववदिव
एनिवरिले॥ प्रभुमनुकि

॥

॥

ठकुनंदिप्रदरिल्ल॥ विप्र
 सुगयदीगयविमुसयन
 भेनभः॥ कुलदिभेदकै।
 लभमिपरं प्रहृदिने
 मनुठिचकुभलयकरिग
 एयउनभः॥ किमीटिऊ
 कुलिनेभनिनेदरिल्लउष
 नभेभेह्रीभनषयणदिने
 वृद्धमरिल्ल॥ म्मिदिभुङ्ग
 यमङ्गयकभङ्गुणय
 म॥ म्मिदिनेमैवभङ्गुयन
 भेष्टयनमुलिने॥ वैमष्ट

ग.
 भे.
 ००

भिकमनैः॥ वसुं हृकुलिक
भट्टेष्टनगभुंनभभुदभ॥
ष्टेष्टल्लेयभसुं उं इयीभ
गंडिलेसभ॥ सुदुनंतिप्र
गगतेः प्रियभुंनभभुदभ
भुदप्रियंभुदगुदंभुदभुः
गुलभेदस॥ भुदंनभदिउं
मसुत्रभभिभुदवदुलभ॥
नभभुदिप्रगएयककुवि
प्रदिनमिने॥ विप्रष्टुद
यदिप्रनंनिदनुविस्त्रम
दुधे॥ विप्रमइपुठुनं

सुद्धनंभमभहुकुंठतरंभ
 ~भाभुदभा॥ कुमपुंभभु
 उंमेवंनमभपुतिपुिउभा॥
 हुचपुमीपवडंभुवनेभ
 चभुभपुगभा॥ हुचकुगी
 कनिलयंभदभहुलनिधि
 उभा॥ उरकतुरंभभुनंत
 रकंतंनभाभुदभा॥ लणसि
 नंदिक्कतुरंभचकर~कर
 ~भा॥ रुक्तिगभुभदंवने
 पु~वपुतिपुमिउभा॥ सु
 उदेगरउइकुःकन्दिउभु

ग.
 भु.
 ०

करंतभाभिस्मरं गतः ॥
अननुदुधिलेकस्मिन्ननु
विदुमपूठम ॥ अथउतु
भनिरुसुनिरलभुनभभु
दम ॥ कुतलयंगगमुनि
भलीयंभभलीगधि ॥ भुभं
वेदुभभंवेदुवेदुवेदुनभ
भुदम ॥ विमुकरभनक
गंविमुवभभनभयभा ॥
भकलनिधूलनिहुनिहुनि
हुनभभुदम ॥ भंभुगवेदु
भवलुभवठेधलठेधलभ

५०
 नमो भूदभा ॥ वि सु भग् सु
 व सु भग् ठां ए ग ड भ पि ॥ पु
 ॥ भ भि ग ॥ ए दं पु ॥ उ
 सु न भे म न भ ॥ मि प गे सु
 म म सु लु भि उं भु टि क भ
 वि ठ भ ॥ गे द्वा र ठ व ल कं
 पु ॥ भ भि ग ए न न भ ॥ सु न
 ठां न व ठां भ न तु ठां भं
 मि उ भ ॥ ठां उं म वि ठां उं
 उ भ भि म र ॥ ग ड ॥ पु भ
 ॥ पु टु य डी उं दं भ भ वृ क
 ल द ॥ भ ॥ सु न रिल भ न

ग.
 भु.
 ७

तुगीतं पुरुषं वरेण्यं भूय
पुरुषं ॥ दिगं य पुरु
मुं उभयं सरं गतः ॥ मि
रुमं ननु भूतं पुरुषं ननु
रुपि ॥ निष्कलं निष्कलं
भाक्षं त्रिं यकं भूयं भित्तं
सुनपायं मयं रुतं रुतिमं
रुतिवत्तं नमः ॥ नमः भिम
रुविष्टं नमः ननु रुद्रं रुपि
॥ नमः ॥ सुनं रुतं भद्रं मव
प्रियं पुरुषं नमः ॥ त्रिं
पानं नं विष्टं नमः रुतं

भद्रभूत॥ विसीदतेभभूत
 त्तुंतेनतेभिगत्तुपिभ॥
 विभापयइरुसृतेकूप्वी
 दःपरसूतः॥ निधुनवि
 वृत्तभूतभूप्रपद्विनेय
 कभ॥ यदुपूलिदिउंल
 क्रीलनतेवभवायः॥
 भुतभुमेकंनेतंविप्रगण
 नभभितभ॥ यदुपंभु
 निमयंरिक्तंभलिभेनि
 पु॥ सुभगरुभभूतेन
 भभिगत्तुपिभ॥ वेरु

ग.
 भु.
 उ

वृभंगवाभुंनभभिगल्लि
पभ॥ गभूरीगळीभनिनरं
सद्वयकुंदितं द॥ ७७३॥ प
उतुभुरनगेदुभुंवरेडिर
ननभ॥ ये। केनडिगिरी
कुच। जेगनिउतुकेरवेः॥ ११
वेःभत्रुभएननेभुंनेभि
डिगननभ॥ लीलयापु
दतयेनपमकुंठरलीद
७७३॥ भंसीदडेभसैले।
भाभुंवरेसकुविभभ॥
यडुगउरुनेडिभभुःसउ

विनयकभा ॥ विठयकृप
 ल्लिखितैवेमकदभनेदरभा
 यंदुष्टपसृतीमनीउंयप
 हृविनयकभा ॥ लीलया
 यःभएल्लेककिरुवपिभ
 रुद्रुः ॥ मझीरुतेभदभ
 वृभुनभभिगल्लिपिपभा ॥
 भिदुरितभदजभुमुद्रुतु
 भुकरवः ॥ किनडिरेटक
 रिभुंनेभिदुरिगननभा
 यभुभुतिवृणवृमुभमभे
 मवृपदिः ॥ कभरभुी

ग.
 भु.
 १

यकभा ॥ मिष गेडु रुमडु
लेभि, उंभडु उंभडु विरुभा ॥ य
लुत्रियंभगी मृमृ मुंनभभि
विनयकभा ॥ लौलयलेक
रकां, सुिठरु उंभडे सुगः ॥
यः भुयंभरुभडु क्षी उंनभा
भिविनयकभा ॥ विप्र सुगं
विठ उंरं उंरं एग उंभापि
पूभाभि गल्ल एडं, पू उं
विनयमनभा ॥ उंभडु उंभडे
येम वृकव वृक्षी रु उंभडे विरु
रलेदर रुनभुभु मुं प्रपडु

:

उडिमक्तिः ॥ एदुक्कभमे
 द्वाउप ० विनियोगः ॥ १ ॥
 सीरं सुगउवम ॥ उिकभ
 भउंरुद्रमिवभद्गरभव
 यभ ॥ यभभनत्रिवेदेपुते
 प्रपद्विनयकभ ॥ यतः
 प्रवडिणगउंयः भद्दीरु
 मयभितः ॥ सुणरकुडेवि
 सुभुतं प्रपद्विनयकभ ॥
 यभप्रभम सुरुद्वः प्र
 ॥ त्रिनिभिपत्रिम ॥ प्रवतु
 केयेलेकनंउं प्रपद्विन

ग.
 सु.

यंभुवनं सभुनिद्रितः ॥
श्रवतीलेयममेवेविश्रु
लेविनयकः ॥ उमलेके
पकरं पुं जेयं सभुनभु
यम ॥ विनयकपिंकगे
मेवभुद्रुमयद्भुमः ॥ एष्टः
भुवेयं यद्भुन उद्रकभ'रुभ
जुये ॥ ॥ ॥ श्रुम्रीभदग
पडिभुवगएभु ॥ भम
मिवटपिः ॥ न'न'व'डुनिद्रु
कुंभि ॥ भदग'पडिमेवड
उद्रुमपेगीएभ ॥ एकमडु

भवतः॥ समेध किन ॐ एकाः
 भंपदिगकिधिपुति॥ समुत्प
 ॐ लक्ष्मीः कलक्षविठयि
 नी॥ किङ्करेभीतिवैकीडपर
 भुत्तुत्तिपुति॥ उभविः मे
 यभंगतुभतिठकुविमकाः
 भुवरणपेकुकुठमकभकु
 भक्तये॥ सुठिदृष्टुसभुमि
 उभः पदुद ॐ मिधु॥ कयेधु
 तृधुमपुत्तुगमुकेठवेत्र
 यषवरिधुमेवनभमेध ॐ
 विनयकः॥ उषभुवेवरिधु

ग.
 भे.
 ५

वभेदं निदति द्विपतिमपरिव
मंभट्टउरवृवजैः॥ अपिल
भपिमलेकं क्लमउभामुनीव
वृणतियतिकिरीकुंमसुउंठभ
भट्टः॥ येणपतिमुवरणभ
मेकः क्लमउभंपरमेतिभउ।
पुः॥ मारमिदुमुगैरिक्व।
केयतिपरंपरभंभविभुजः
एपेदुःमुवरणएपुमिभंपुउ
मुवेउभम॥ उभपमरंक्लम
उभचरैवदिनयकः॥ भवं
निदतिवैविश्रविपरसुभ।

:

गयनिव'ह'रु'व'भृ'उम'र'रु'वे'उ'
 भुव'ग'ण'ण'पि'ह'यै'भ'ज'ग'सू'ति
 भ'न'वः ॥ न'र'उ'ए'य'उ'उ'भृ'म'र'
 वृ'भृ'मि'कि'रु'य'भ ॥ भुव'ग'ण'
 भ'रु'ल्ल'पु'भृ'सृ'उ'भ'व'कि'लि'पिः ॥
 भ'व'भि'दि'भ'व'प्रे'ति'पु'न'हृ'भ'पु'
 भं'कु'ल'भ ॥ न'म'यै'दि'प्र'भ'इ'
 उं'उ'न'वै'न'य'कं'भृ'उ'भ ॥ भुव'
 ग'ण'भ'उ'भृ'ग'ल्ल'प'रु'रु'य'गु'वि
 नि'प'द'०'त्र'पि ॥ अ'भृ'ग'भृ'ग'
 भि'रु'म'र'ल्ल'भृ'नि'कि'पु'हृ'द'भ'व'
 भे'वृ'उ' ॥ उ'ग'ति'म'रु'व'स'रं'भ

ग.
 भृ
 =

उडुभम ॥ भवकुभवरः पूपु
कुङ्कलेगवृषेभिडन ॥ भम
गीरः भुरेभुपमं वृभुडिभुत
नि ॥ पूपुपुगु ॥ भैसुदं पूपु
कुडिंसमसुडीभ ॥ अकये
वीडमेकसुनिगडकेनिगभत
णरभर ॥ निमुकेवेरुसभुड
केविमः ॥ भिहूमर ॥ गनुव
मेवविहृठरमिळिः ॥ भंभु
यभनेभुनिळिः ॥ संभुभनेमि
नमिने ॥ विमरहृपिलंलेकं
तनुवनैः भभंनरः ॥ एवंमि

॥

प्रवदवडुभुवगिहुडिविण
 भुडे ॥ वदभडिभभेवहुप्र
 नभभःसिवा ॥ उणभमि
 हभहमेकनवेनभभेनये ॥
 एनमेनभभेननेउषविडुप
 गिगुदे ॥ एणभभेनये ।
 सिवककेभयभभः ॥ पूड
 पेवदिभहसः ॥ पूभमेसमि
 नभभः ॥ वलेनभरुडउलेक
 वडवहुवचमे ॥ भवउहुहु
 विहनेभयपिभभडंवुलेउ ॥
 एवभेउडिभभुवैणपचुवभ

ग.
 भे
 ७

मंभरंकभवलिउः॥ मरुसु।
एधुमुवगएभुउमंउरुसंपंठ
वपमपल्लरभ॥ विभसुउमं
भुतिभगरत्रेविळुतिभपे
तिभुरैःभुल्लरभ॥ यल्लं
लळुतेएधुमुउपंमपियारु
सभ॥ यःप्रउरुळुतेविळुव
ळेवपिभुळुउके॥ विमुवय
नकलेधुपएवमभयउरु
मचमवएपल्लुमुवगए।
भुवेउमभ॥ यल्लंलळुतेभ
रुभुसुउधमउरुप॥ गल्ल

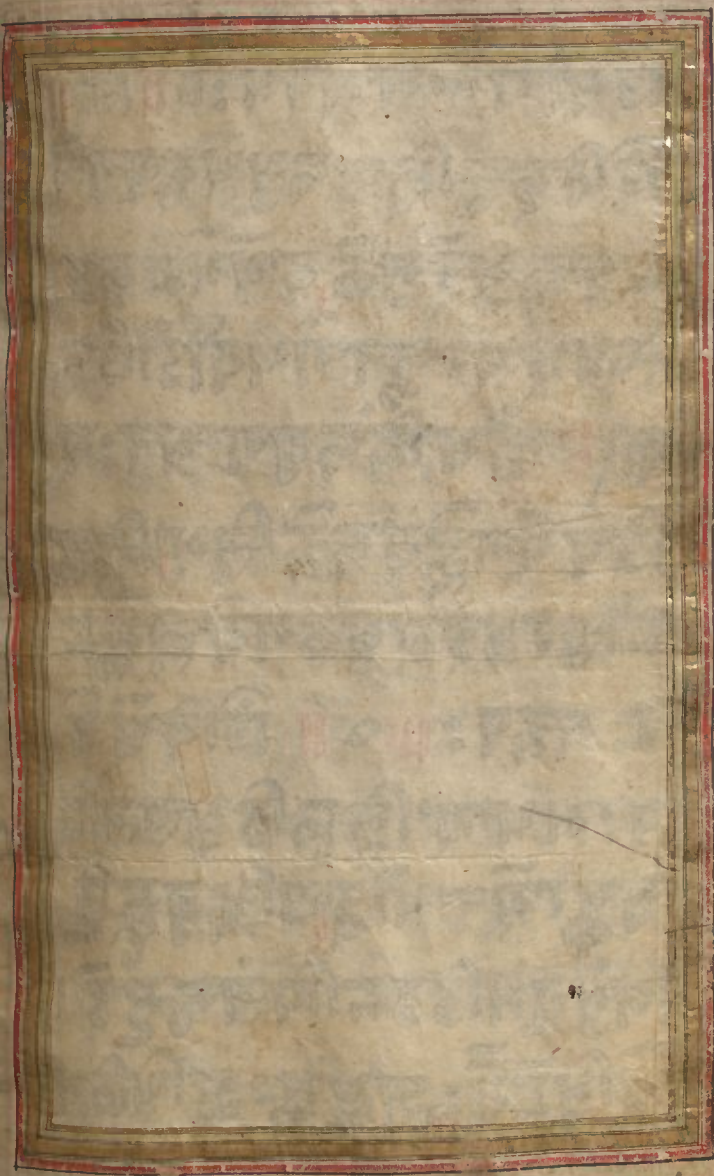
भाभृणभीमनंयेगसभृविम
 गम्भ॥ निःसेधगल्लुभृ
 नयकंभृविनयकभ॥ सी
 वृद्धउवम॥ कगवद्धिउभि
 सुभिविभुरेयषयषभ॥
 भुवगणभृभदंभृपंमवि
 सेधतः॥ सीनक्ति कसुरउव
 म॥ भुवगणभृभदंभृपवद्ध
 भिमभभतः॥ मृधुवदिउ
 कृदभचभिद्धिकरंपरभ॥ क
 म्भनभवमयेपुपत्रवि
 नयकभ॥ उउगत्रिभदपेरं

ग.
 भृ
 ३

कमलकमलकः कृत्तुः कम
नीः कृत्तुः कृत्तुः कम
नमल्लिगलः कृत्तुः कम
दः ॥ विविधविशुद्धि
मिदुयेयनगदम ॥ भट्टम
ववैठकपित्तुः विप्रलितेन
मः ॥ मज्जरभूट्टयरीण
रूपेतिधुते ॥ ठट्टकट्ट
लभयगल्लिपित्तुः नमः ॥
गल्लिपित्तुः नमः ॥ पूरुवत्ति
भुल्लकनवे ॥ मित्रं पूरुवत्ति
उविप्रोपित्तुः नमः ॥ पूरु

तिस्रीगले सयनभः ॥ ॥ ति ॥
 तिरिहूद्विदभुपद्वयगले
 मनुद्वभुद्वसुके वभभेम कप्र
 रूपप्रपरमुनगेपवीतीतिरु
 क ॥ श्रीभमिंदयगाभनः सु
 तियगेमलेवदमेतिभान्निमृ
 मीसुरप्रशपकगवंलभूम
 रः मदनः ॥ ० ॥ तिविधमे
 नः भपयान्निहूतिधुलति
 पधुगमेपीद्वयभिन्नहूति
 दभुवभतिउमपिलंरुमुते ।
 वृधिमैवैः कप्रभुः कपिविधुः

गः
 मु
 ०



509



5/0





उरुउकम्ः॥ निरुपुठउ
 कलेउमिनुयेदिप्रनमनं।
 एउमुं पविं मभल्लुप
 पनमनभा॥ मभुपत्वेर
 वेउल यदरदेरयपदभा
 मोरगृरुयवृपुवृठिउ
 ठिदनमनभा॥ कृदृमिभा
 यमभनंभवमइविभन
 भा॥ इमनुं पउं यभुभेमि
 रदृपठगुवेउ॥ गल्लेसुर
 पुभादेनलठउमदृपठं।
 उदृमिपुं गल्लेसभुइभा

ग.
 ३

मेदिनंदमुनाफे कि। धृतराष्ट्रमुत्तरे ५५

गभगरभङ्गमे॥ भदपये
विज्जपदं मिडमेनं उपपुनं॥
सुलयेयभनडीरेभुभुनंग
बुभामेने॥ सभुगीपंठरुवदे
तद्वयेमविनीधम॥ क
लिङ्गेवरमं सैवविज्जपमे
भङ्गएभा॥ ससुङ्गमउरुपे
धुमीनेमङ्गएयवदभा॥ व
एदभुंकेभलेधुमदिउरे
उरेदिउभा॥ सुलेहउकरं
सैवभएमेमपकीउिउभा॥
एकमंभुंपसिभवेउचमेमे

५५

५५

ग.

५५

可

ॐ नमो विष्णु दे भलये दे भ
 ऊ भूक भ ॥ नयकं प्रभु गृही
 पे विष्णु मं सत्त ले भि उभा ॥
 उल क उ वि सु उ पं द गि व द्ये
 प टे र ग भ ॥ इ ने उं भिं द ल
 डी पे सु उ डी पे उ व भ न भ ॥
 उ ल वि टं म ल भु पुं भ ल
 वे सु द क रू क भ ॥ मे ग पु
 व र मं नि टं क मी ग ठी भ उ
 पि र भ ॥ भि सु भा ग र ये म
 ट्टे वि ल्ले यं भ न न य क भ ॥
 द द दं य द न व नै कै ल भे

ग.

३३

मद दं ठिं विं पुं प म्म र ग ॥ न भ नि ॥

लकीयुगे मे निमि सुविउ न
कैः ॥ ठ हौ ठे लै ग पु पै सुभ हू
भं भै सुभे म कैः ॥ प न कैः ठ
न प्र लै सु दे भै म उ मि नि भु ष
ठि ग हू हू मे उ ग हू यं श्री मे
ने उ ग लै सु ग भ ॥ व ग लै भुं
ग ल भायं ग य यं ट हू ठ रि
ल भ ॥ पू य गे उ ग लै हू कं
कै म गे वि क ट न न भ ॥ ल भु
मं कु म हू हू नै भि मे म भ मे
हू ट भ ॥ ल भु कं म उ क र ट
ले कं मं दि भ व नि रे ॥ वि सु

सिवय॥ सिमसिद्धगभी
 रंगभगभपदेष्टिउभा॥ गद
 नकमभहसंवदेदेवंगले
 सुगभा॥ श्रीभननुभगउवम
 मङ्गरुङ्गपुं पद्मवे
 नेदयपुंके॥ उरुदंकीउयि
 धूमिभुंउपगभरुत्रुभा॥
 मउरुं पधुं मधुं मउरुं
 मरुक्तिः॥ प्रणयेतुगउरु
 दंसुङ्गुक्तिमभविउभा॥
 मरुः॥ पयैभुषप्रयैमीपैः
 भालैसुमभरुः॥ वभुः॥ ऊरु

ग.

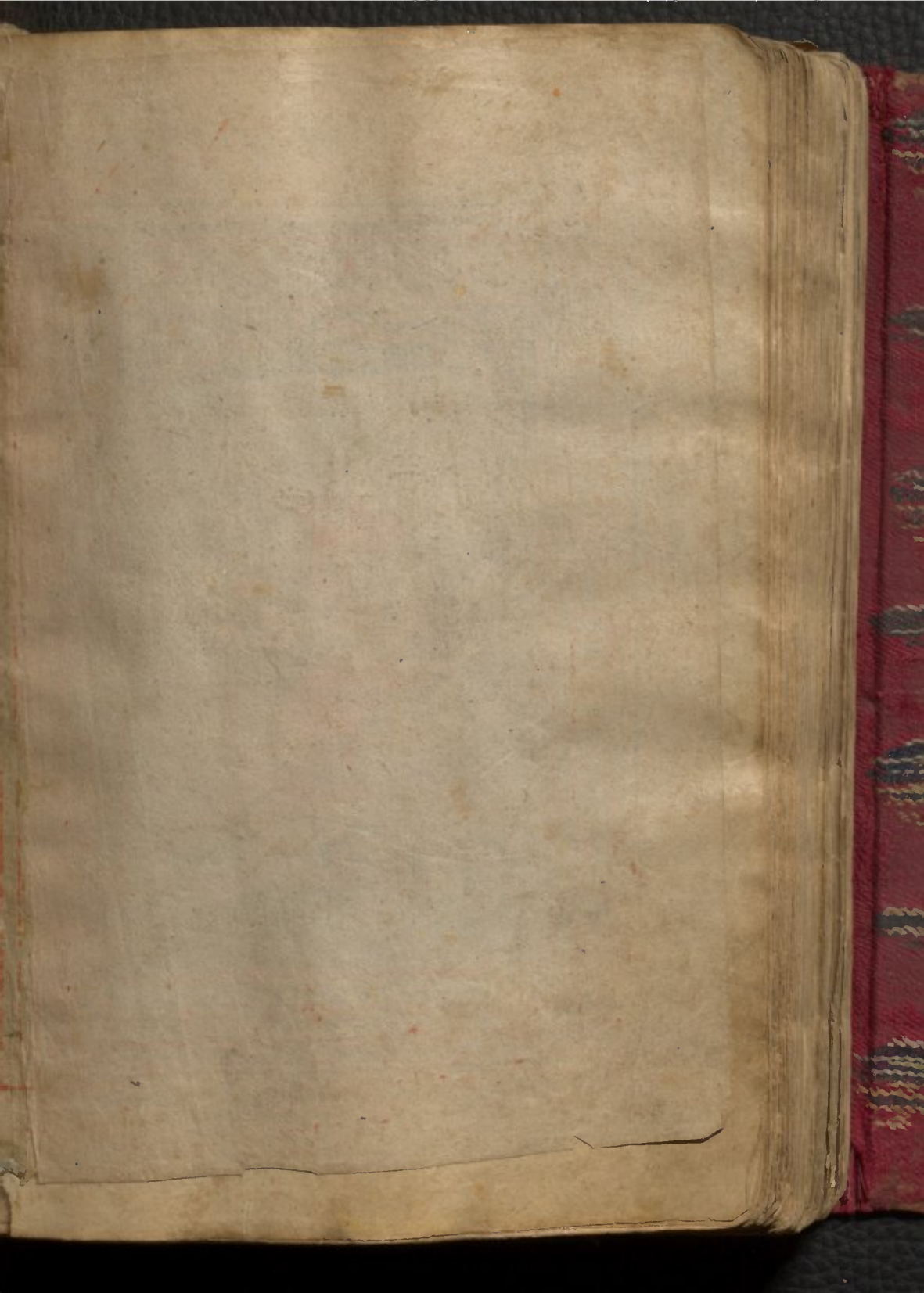
३१

विभीगले मयनभः॥ विरिक्त
दुद्धिदभुपद्वयगलेरुतु
दभुइमुनेवभेभेरुकप्रल
पउपरमुनगेपवीडीरिद
क॥ श्रीभंदिदयगभनःम
डियगेमहेवदमेनिभक्ति
मृमीसुरपुइरंमरुगवेल
भुमरःमदनः॥ भिदुगकु
भरुतमनयिदुभकरकुल्लम
विभनिठयमउकुएय॥ देर
भुनेरयगलेसुरनयकय
भवकुभिहिठलमयनभः

515







टिनंकभलभनभुंक म्मीर
 दाभभरुंगगगगभभ
 भ॥भभपिस्तकमनुस्तकपि
 लेगएकलुकः॥लभुमर
 सुविकटेविश्वगएगठि
 पः॥प्रभुकेउनठट्टेठ
 लममेगएननः॥डुममेउ
 निनभनियःपठेसुठयम
 धि॥विहृगभुदिवदेमभवे
 मेनिनभउषा॥भहृभभहृ
 टेमेवविश्वभुभुनएयडे॥
 उडिमीगलमनभानि

ग.
 ३०

गल्लसुग॥ उभृपिभचकभ
नंभरुतठविधृभि॥॥
उडिमीविधृपुठुं उरगल्लप
डिभुवः भंअरुः सुठभा॥
येकृत्तिउः भुरगल्ले चरभि
डिदेउं, केउंरुय'वृषकरेप
रमुंरुठ'नः॥ देवः भमभु
रुयिउः परिवत्तिउमीविधृ
त्रिदरयउव'र'रणवकुः
वदेव'र'रुयपिन'ककप
लमुलाप'पु'दभुभभुरउ
कगंउिनेउंभा॥ ठीभंएएभकु

मउलीमउतेयममउरुमी॥
 ऊलमैलेपिकप्रपैमेकै
 रेमनेनम॥ प्रणयत्रिणनले
 कैगनुभलुनलेपनैः॥ भुभि
 वमनकैः सैवउपेनभीद
 रुलरुभ॥ पइलीलरुतेपइ
 रुनकभेठननिम॥ वृत्तिउ
 सुउवरेगुंरुभुमुउरुन
 उ॥ वंउभंप्रणयिद्वैववरुं
 कभगुपिभा॥ उधु'कभ
 नवपेडिनरुकरुविमरु
 यज्ञणीउभुवभिभंतवनिहं

ग.

३५

तिमीगल्लमयनभ॥ तिमी
मङ्गरुवामतिनभभुभिभ
दतङ्गरेवरेवंगल्लमुगभ॥
दभिवङ्गभदकयंवृभगम
भुगमुगभ॥ मङ्गरुमिप्रतीक
मंसदमंभुल्लननभ॥ क
ऊनंविभ्रमभनंभुगदृपच
तीप्रियभ॥ परमुठठरंवीरं
अदभालविक्रुधितभ॥ वरु
दंवरमंभेभुविभ्रनंपडिभु
ल्लितभ॥ पीनंभंलभुण०गंद
रुगरदिउेरुगभ॥ अधुभीठ

ॐ वा वा वा वा वा ॥ श्री गुरुदेवे नमः ॥

भय॥ येरात्रुवा॥ यरात्रुवा॥ येतु
एतुनिरात्रुवाः॥ उरुधुमपि
लायतु येराभुतेकिवादि
तः॥ भवेन॥ नभेदेवेकः॥ कठि
पवीती॥ भुदठधिकः॥ यपभ
वेन॥ भुपिदिकः॥ भवेन॥ सु
वृक्षभुपदतुवृक्षभुमम
गमगणगदुपुतु॥ ३॥ नभेठम
निठनयनभः॥ भुदठमदि
नभः॥ पूरुक्षमेवायठभुयन
भेनभः॥ यनतुगु॥ रदुयवि
सुतुपठगयम॥ भेदनुकर

भः॥ गीधु यनभः॥ वद हैनभः॥
 मरुतेनभः॥ दिभनु यनभः॥ मि
 मिर यनभः॥ धरु उहेनभः॥
 मेव भुर भुष यक्ष नग ग
 नुचकित्ररः॥ पिसम गुहक
 भिदुः॥ ऊधु ऊभुर वः॥ पगः॥
 एलेमर कुनिलय व यु ठर
 सुएउवः॥ ऊधु मे उ पूय नु
 सुभरु उ न भु न पिलः॥ अथ
 भवैन॥ नर के धम भवे ध य
 उ न भु म ये भि उः॥ उ धा भा
 पु य न ये उ द्नी य उ भ निलं

भ.
 भा.
 ३३

दः। प्रपितामहः। भ्राता। पिता
मदी। प्रपितामदी। भ्रातामहः।
प्रभ्रातामहः। वृद्धप्रभ्रातामहः।
भ्रातामदी। प्रभ्रातामदी। वृद्ध
प्रभ्रातामदी। उद्दिष्टमिवैषं
पितृत्वं उद्दिष्टं कुदत्त॥ भ्राता
पक्षभुयेकमिहृत्मा तृपितृ
पक्षः। सुदुस्सुगुरुत्वं ये
कुलेषु भ्रातृवः॥ ये प्रोक्तव
भापत्रयेमा तृत्मा वृत्तिताः।
एतन्मतेन ते भवेत्तन्मतेन
भ्राताभ्यां॥ भवेत्तन्मतेन

पिरुदविषेचउवे॥ कवृवउ
 नलनः भुठनभभुपुड'भा॥३॥
 मेमः॥३॥ ^{मदने २}दविधुतुः भकनितः
 स्रमः॥ सटभा॥ सप्रिधुतुः मे
 भपः॥ ठदिधरुः॥ सुष्टपः॥ व
 मवः॥ रुतुः॥ सुमिटः॥ भुठनभ
 भुपुड'भा॥३॥ मेवतुतुः पिरु
 कृष्णभदयेगिकृणवम॥ नभः
 भुठमभुदमनिटुमेवळव
 द्विद॥ सटुतवत॥ डिष'वतु
 सभकभ'भभु॥ सभकपदभु
 डिष'वभकयं॥ पित॥ पितभ

भं.
 भ.
 ३३

पिउरभीभीभियेपुकेकभल
 लिभा। कठेपवीती। अग्रिट
 धिःपवभानःपल्लणवःपुरे
 दिउः। उभीभदेभदगवभा।
 भनकभुपुउभा। १। भनरुनः
 १। भनउनः। कपिलः। सुभरिः
 वेरु। पल्लुमिपः। भरीमिः ॥
 अडिः। अडिरः। पुलभुः। पुल
 दः। रुउः। पूमेउः। कृगुः। वभि
 धुः। नगरुः ॥ उउः। पूमीनवी
 ती ॥ उमउभुदवभद उमउः
 भभिणीभदि। उमउमउमुवद

भनउभाः
 १

522

यः।।उपठयः।।कुडगुभञ्जुवि
ठभुपुडभा।।सभुरः।।रुगः।।ए
भुकः।।भदः।।पगः।।विहृठगः।।
निरठगः।।एलठगः।।पपठ
मगडः।।भवैगदः।।यभभुपुडं
ठमगणः।।भदः।।अतुकः।।वैवभ
डः।।कलः।।भवपुल्लदगः।।र
रुभुरः।।नीलः।।रुप्रः।।परभेष्टी
वकैरगः।।ठीभः।।मिडुः।।मिडुगु
पुः।।पामदभुः।।रडतुः।।पुड
ठिपडिः।।एकैकभल्ललिंवि
डुडुडुभनकमयः।।अदति

भं.
पा.
३०

[illegible]

三

यहू

गउविमेगउंविदुगउभिउ
भनभभदउ। उभंमेवयुल्लंभ
दवसेभुः वउठः॥॥॥ विनभः
पुल्लेदिसेय सुमेवउउउ
भुंपुडिवभउिउउ सुवेनभे
नभेवउरयेदिसेय सुमेव
उउउभुंपुडिवभउिउउ
सुवेनभे॥ नभेदिउयेदि
सेय सुमेवउउउभुंपुडि॥
नभेवउरयेदिसे॥॥ नभः
पुडील्लेदिसे॥॥ नभेवउर
नभउलील्ले॥॥॥ नभेवउर

544

सुप्रोत्तराद्वीरुगिप्रुवादिनी गायत्री छत्रमंगमाउ
 नुव नुम सुउ॥

ठयाङ्गमकरं सुतंकपलं
 गुं सल्लमभषगतिरु
 युगलं दभुचदतीकले ॥
 ठिकरं प्रवभसदवृद्धी
 भुननतुगभ गायत्री प
 वसुतुलपावभमदुतः
 अनभिकपचदुयंकनिधु
 मिदुभे उ उलनीप्रलपद
 तुलपेरु भुपचभ ॥ रमकि
 लरुमगिउं सडेनमपुररु
 उभ ॥ दियुगं उभदभु ग
 यरीदतिकिचिधभ ॥ देव

छिद्रुवः सुप्र
 विउचगं ननेव
 सुवीमादि विवे
 नः रयययदेभा
 ०३ शुभयमः
 भुगतिरुनमत्रय
 धीनिः प्रुमिषपु
 लम निरुगिहल
 फमेवदभुभु
 रूगिउग ॥

भं
 ५३

यनमः॥ ममभुपेदुपयन
 मः॥ दिविलभुयनमः॥ ठिगू
 त्रिकयनमः॥ येभीनयनमः
 येऊमयनमः॥ नःवरदय
 नमः॥ पूभिंदरूतुयनमः॥
 सेभदरूतुयनमः॥ मभऊ
 गयनमः॥ याउपल्लवयन
 मः॥ उउःपू॥ यमः॥ उउए
 नं॥ उभऊविदुमदमनीलठ
 वलसूयैमुपैभ्रीकलैदऊ
 भिमुनिरडूरडुभऊएउडुडु
 वल्लडिकभ॥ गयडीवरम

इहभित्तमिउमजुसुविमृगमिहलधिः
 गयइऊचः॥ मविउगडूरडुसुईन
 मऊगगयडीपूळपयविमियेगः॥

५८५

५

भ.
प.
०५

भुनयेः। ऐतिः नरयेः। रभेभ
पे। वभउंलल। ऐ। वृऊऊऊ
वः भुरेसिरभि॥॥॥ छेडडा
भभायनभः॥ भभभृएय
नभः। विविडडा यनभः। उवि
भीरूय। चडिभापयनभः
नरिभापयनभः। लि। मउम
पायनभः॥ मंपल्लभापय
ऊप। भापयनभः। नेमठेभ
पायनभः। रेवृपकल्लत
येनभः। वसकएयनभः। भु
यभप। मायनभः। ठीभधुक

पुमेमयः कः उलकः
पुः कृन्मः ॥ उद्मवेः भवि
उः एवेः वरेः कृन्मः कृन्मः
ठे ॥ मवभृद्मि ॥ ठीभदिक
ठे ॥ ठियेनभिकयं ॥ यज्ञद
धेः ॥ नः ललटे ॥ पुमेमयः
मिगभि ॥ सुपः सु उद्मविउः
हृमयः यनमः ॥ वरेः मिगभे
भुद ॥ कृन्मेवभृमिपयैवे
पल ॥ ठीभदिकवमयः ॥
ठियेवेनः नः कृन्मेपल ॥
पुमेमयः मभुयलल सुपः

कण्ठधुं नमः । कुः पदयेः
 कुवः एते । भुः गुह्ये । भदः नळे
 एनः हृदि । उपः कले । भट्ट
 मिरभि । कुः हृदययनमः ।
 कुवः मिरभे भुद । भुः मिरा
 वैवोपल । भदः कवमयन
 एनः नैरुं वैवोपल । उपः भ
 हृमभुयदल । उद्गविरुधु
 कुं नमः । वरेण्ड उलनी कुं नमः
 रुते मवभुमहृम कुं नमः ॥
 वीभदि सुनभिक कुं नमः ॥
 ठिये येनः कनिष्ठिक कुं नमः

भं.
 भ.
 ०१

विकृणभनःभरिभृभृभ
भभपठेरेदिउदाःभृदेवि
पञ्चिभनभभृनउ॥यदृङ्ग
वमिधुउमभदिभीभृद
यविकृलयवैनभेनभः॥
तिभनठे॥उहृमि॥भमिग
मि॥कृःपामयेः॥कृवःहृमि
भुःमिगमि॥कृःभृभृभृभृ
भः॥कृवभृलनीकृनभः॥भुः
भृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ
भिकंभृभृभृभृभृभृभृभृ
कंभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ

॥ यभिंस्त्रिंभुवभेउं प
 एनं ॥ उद्भेभनः ॥ भुधपवि
 रसुनिवयमनभुत्रेनीयउं
 ठीमुठिघलिनउव ह्रुदु
 डिधुं यमलिरंणविधुं उद्भे
 भनः मिवभहृत्तभभु ॥ सुष
 याउभिंमकुलेपुरुषेय
 सुष दिग्दयः पुरुषेय
 लधलउभिंमकुलेपुरुषे
 यमेव भवेयमदिल्लेकादु
 नयः ॥ सुत्रियंरुदभु यउ
 मगादुरभुमदतेमलुवाग

मं.
 प.
 ५२

ॐ यल्लेदुव त्रिविद्यैपुणी
गः ॥ यमप्रचंयद्रुभतुः प्रए
नं ॥ उद्देभनः मिदमकृत्यम
भु ॥ यद्रुल्लनभतमेते एति
स्रयल्लेतिगुरुभतं प्रएभु
यभद्वैततेकिद्रुनकद्रुति
यते ॥ उद्देभनः ॥ येनमेकृतं
कवनंकविष्टुद्रुगिगदीतम
भतं नमचभ ॥ येनयल्लभु
यतेमप्रुदेत ॥ उद्देभनः ॥
यभिद्रुमः भभयल्लुंधिय
भिद्रुतिष्ठितगवनंकविद

ॐ॥ म॒पु॒म॒म॒द॒गि॒ठ॒य॒भि॒म
पु॒म॒भि॒ठः॒रु॒तः॥ दे॒व॒य॒हृ
लु॒ं॒उ॒त्र॒न॒प्र॒र॒प्र॒द॒रु॒पं॒प॒सु
म॥ य॒ल्ले॒न॒य॒ल्ल॒भ॒य॒ल्ल॒नु॒मे
व॒भु॒नि॒ठ॒म॒लि॒प॒ष॒भ॒वृ
भ॒न॥ उ॒द॒न॒कं॒भ॒दि॒भ॒नः
भ॒म॒नु॒य॒उ॒प्र॒वे॒भ॒हृ॒भु॒ति
दे॒वः॥॥॥ वि॒य॒ल्ल॒ग॒उ॒द॒र॒भु
ले॒ति॒दे॒वं॒उ॒द॒भु॒पु॒भु॒उ॒यै॒व
ति॥ द॒र॒ङ्ग॒भं॒ले॒ति॒यं॒ले॒ति
र॒कं॒उ॒द॒भ॒नः॒मि॒व॒भ॒हृ॒ल॒भ
भु॥ ये॒न॒क॒म॒हृ॒प॒भे॒भ॒नी॒धि

मं
५॥
०५

दूविषादेवायलुभउउउ॥वभ
 तेभुभीमलुंगीधउपःमगु
 विः॥उंयलुंरदिधिपेकुचुन
 पलुउभगुतः॥उंनदेवायव
 लुभुभलुपयसुयै॥उभुह
 लुचनउउभुउंयपमलुं॥
 पभुंभुंमगिरेवायवुनर
 लुनभुंसुयै॥उभुहलु
 लुचनउउमभुभनिल्लि
 र॥कभुंभिल्लिरेउभुह
 लुभुभमलयउ॥उभुम
 सु'सलयउयेकेमेनयम

भं.
 प.
 ०५

इति धर्मसूत्रम् ॥ १ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ २ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ३ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ४ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ५ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ६ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ७ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ८ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ ९ ॥
 अथ धर्मसूत्रम् ॥ १० ॥

मन्त्रगेए॥ उतए॥ मन्त्रि॥ ए॥ उ॥
 विक्र॥ हु॥ द॥ दि॥ व॥ उ॥ मे॥ भुं॥ भ॥ म॥ य॥
 इ॥ उ॥ हु॥ ए॥ प॥ उ॥ सु॥ वि॥ हु॥ उ॥ व॥ उ॥
 ए॥ उ॥ ये॥ म॥ कि॥ र॥ द॥ इ॥ इ॥ न॥ पू॥ ए॥
 पि॥ प॥ डि॥ त॥ रु॥ ठ॥ वि॥ र॥ ए॥ डि॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सु॥ त॥ पू॥ रु॥ भु॥ भु॥ उ॥ भु॥ डि॥ पू॥ रु॥
 भु॥ रु॥ व॥ उ॥ ॥ वि॥ सु॥ इ॥ प॥ रु॥ य॥
 म॥ द॥ रु॥ पि॥ त॥ र॥ य॥ ॥ ॥ ॥ भु॥ उ॥ ॥
 प॥ रु॥ य॥ मे॥ ठ॥ प॥ रु॥ य॥ भु॥ त॥ र॥
 य॥ ॥ ॥ भु॥ रु॥ य॥ ॥ वि॥ भ॥ द॥ भु॥ मी॥
 द॥ ॥ प॥ रु॥ य॥ ॥ भ॥ द॥ भु॥ द॥ ॥ भ॥ द॥
 भु॥ य॥ उ॥ ॥ भ॥ रु॥ भिं॥ वि॥ सु॥ उ॥ क॥

मं.
 प.
 ३०

प्रमुखाधिः गच्छेत्कः महेदवडा मणिः इति विनि
मितिः ॥

लेडिदुपभा ॥ उदुहलु उवेम
भेदेवंवदत्रिके उवः ॥ रुमृवि
सुयभदभा ॥ मिडुनेव नभुम
गच्छनीकं मद्रुमिडुभुवद
भुयेः ॥ सुभुहृवपयिबीभ
उगिदंभुद सुद्रुणगउभुभु
सु ॥ उसुद्रुदेदिउंभुभु
सुद्रुभुसुगउ ॥ पसुभमरुः
मउंलीवेभमरुः मउभा ॥
दंभः सुमिध सुभुगउगिदंभ
सुउवेमिधमउिधिदुगेभ
उ ॥ नपद्रुभमदुउभसुभम

रिउउक सुवगी
सुभुभुदः

यद्रुमगउवामदे
मुमदेः ०

वेभुः सिद्धः सिद्धवः सिद्धः सि
 भदः सिद्धः सिद्धः सिद्धः सिद्धः
 उडिमिरभिभल्लयेड ॥ सुतु
 गभिकुडेपुगुदयं विसुडेभु
 पः ॥ इयल्लभुवधद्वरसुपेले
 डिमिभेभुडे वृद्धकुरुवः भुगे ॥
 उडः ५ ॥ यभेद्वभुदकिभु
 पिगायद्वकिभत्रिडे भुल्लल
 ललीत्रिपुदिपेड ॥ पुदकि
 ॥ भावदेवुराः ॥ सिद्धस
 यत्रुभभभदगिलेडिधसुतु
 डुरभ ॥ देवदेवद्वभुदभगम

मे.
 भ.
 ०३

वेदुभेमानः भिवः भ्रष्टीभन
 निव॥ प्रउं पवित्रे वाणभा
 पः सुनुनुभैरभः॥ उडिणत
 लतिभा प्रयडिः क्षिपेड॥
 उडं मभटं मा कीडू उधभेष्ट
 एयड॥ उडेर शिरएयड॥ उडः
 मभुदु सुलवः॥ मभुदु रु,
 लवामि भंवडु रिसएयड॥
 अदेरडु विरुण्डि सुभु
 भिधडेवमी॥ भुदामनुभभ
 ठड यषा प्रचभकल्यड॥
 निवं मप विवै मा नुगिदभ

सुभममम सुनुनुभैरभ

५३२

मङ्गल

विष्णुविः १३
मुपा मुपेदेउ

मं
५
००

उरुभापः प्रवदत यकिंकिं
 रिउंभवि। यडादभकिइइं
 यडासैपउउउउभा। भंउनु
 भामपवृरुवेवामउउ॥
 प्रवेवभभृपडीधइवभ
 मेवकिन्निपउ॥ यइगृह
 इपुः पापभठिणगभ। भ
 वभइउभमेनभः प्रभइ
 उ। मठिरुलेत्रकरिधंलिपे
 रसुभृवलिनः। भगठिरेभ
 लकरइउउंधिउरिध।
 उ। उतिभालनं॥ मूपरुमि

मङ्गलविः के किलिगला पुः

भामद्वयपसृत्तपः सिवयः
 उत्रिपभसृत्तद्वयमेभसृत्तः
 सुमयेयः पवकभननुपः
 संभृत्तनवतु॥ सत्रेदेवीगति
 ध्रुवत्रुपेनवतुपीतये॥ संभृ
 गतिभूवतुनः॥ सत्रसुपेणुत्र
 तः॥ सत्रःभनुत्तपुः॥ सत्रःभनु
 कृपुः॥ सभत्रःभभद्रियसु
 पः॥ सुपेभममत्रःभमयतु
 प्पत्तनभाप्पत्तपुःपुनतु॥ वि
 सुंदिरिपुंभवदत्रिदेवी॥ न
 मिमदुःसुमिगप्रतापभि॥

सत्रेदेवीगति
 ध्रुवत्रुपेनवतु

सत्रसुपेणुत्र
 तः॥ सत्रःभनुत्तपुः॥ सत्रःभनु
 कृपुः॥ सभत्रःभभद्रियसु

कलपयतेदनः॥^{३३}उमतीरिवभउ
 रः॥^{३३}सुभसुगदुभभवे॥यभृद
 ययलितुष॥^{३३}सुपेएनयषम
 नः॥॥॥दिरटवलःसुमयः
 पवकयभृदःकसृपेय
 सिद्धः॥यसृपिंमकंमठिगेवि
 ऊपभुनसुपःसंभृनःकवतु
 यभंमेवमिविरुवत्रिकहं
 यसृत्रिहंरुणकवति॥य
 सृपिं॥॥॥यभंरएवमले
 यातिभृभृदृदृसुवपसृ
 लननभ॥यसृपिं॥मिवेन

सदेवदृ
 भुभृम
 सुभृगीप
 ३॥

भं.
 पः
 ०

सिद्धुभनेष्टव। यद्गुत्तुसुरिउं
 भम। भवं पुननुभमपे, भउं मप
 तिगदं एदिभिभुद॥ अयिसुभ
 भदुसुभदुप उयसुभदुदउरुः
 पापेहेरदुतुं यमरु पापभक
 दुं भनभवा मादभुं कृपदुभम
 रं मिम्रा अदभुमवत्तभुउ
 यकिस्त्रिदुगिउं भयीरुभदभ
 भउयेनेभदुलेतिधिणदिभिभु
 द॥ तिभुपेदिधुभयेकुवभु
 नउलेरुठउन भदेरुयुम
 कभ येवः मियउभेगभः उभु

० ननुमिः सुमिदुवउगुयदुपमिदु
 ० डीकुकुः सुयभनेचिनिपुः ॥

सुतरुय
 देदुग म
 धुगीयंदपिः
 मउदुपुः
 भालने

भं.
पा.
७

पूर्वमभितुतिनिर्मैः ॥ अथ म
 भनयभ ॥ अदसुभमभदुसु
 भदुपउयसुभदुदउहृः पपे
 हेरदुतुं यदुहृं पपमकं दं
 भनमवामदमुहं पदुभम
 रमिसु ॥ रतिभुमवलभद
 उ ॥ यद्विद्विदुगितं मयीमभद
 मभउयेने अदेहेतिधिपुदे
 मिभुद ॥ उतिपुतः ॥ सुपः प
 ननुपयिवीपयिवीपुतप
 ननुमभ ॥ पुनउवृहृमभ
 तिः वृहृपुतं पुननुमभ ॥ यदु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

वभृणीभदिरिधेयेनः प्रमेरु
यतांति सुपेलेतीग्निभुतं व
रुद्रकुवः भुग्भा ॥ ७ ॥ उतिप
रुद्रक रुद्रक रमकैषु नलि
हमयतल एषु रुद्रनीलसु
तन रुद्रविष्णुमिवान रुद्र
रुद्र यमं रुद्र रुद्र ॥ भद्र रुद्र
तिभपु रुद्र ग यतीमिगभा
भद्र ॥ रुद्रः पुरुष यता पुः
पुः यमः भुत रुद्र ॥ एक
वतः प्रगकः भुत रुद्र केरिगु
भुष ॥ रुद्रक भुगुः रुद्र

भुज॥ अथ भद्रं सुते मेव तं वि
 नि ये गं सुत भुज॥ गायतृमि
 प'भारु गायतृवमभतुतः
 सुतृनसु'पः पगिदिपृपृ'य
 भंजुदत॥ अणेभीति गायत्री
 भ'व'हृमेव न'भ'द'भ॥ अणे
 भिमदेभि रनभमि कृणेभि
 मेव नं'ण'भ'न'भ'मि॥ विस्वभ
 भिविस्व'युः॥ भवभभिमव'युः
 अकिरुः॥ तिरुः॥ तिरुवः॥ तिरुः॥
 तिमदुः॥ तिरुनः॥ तिरुपः॥ तिम
 हृम॥ तिरुविउचरुं कजेमे

भं.
 पा.
 उ

देवउंउपुण्यतिः॥ वृभुनभय
भयिस्तवयःभदस्तुमेवदु॥ क
रुस्तुवृहतीनभेकदग॥
भुक्तपुंहुदग॥ भदुक्तपुम
विस्तुभिदुधिसुकेगवउंभ
विउउय॥ देवउंउपनयेणपु
गयहुयेगउसुउ॥ सुवादय
भिगयंशीभचपापपु॥ मि
नीभ॥ नगयहुपगंणपुंनवृ
हतिभभंहुउभ॥ सुगस्तुवग
देविणपुंभभविठेकव॥ ग
यउंइयभयभ॥ नयशीदंउः

536





537

भिगुं पं पं ए च तुर दं म य
 उ ॥ उ चै द र भु क लृ णि भु चि
 भु चै न वै भु वि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 उ ति भु न वि तिः भ भु ल ॥

वि भु व भु ट धि वृ ऋ ग य उं सु र
 ल व म ॥ दै वै मि वृ ह जी भु म वि
 नि ये गः प्र की ति उः ॥ प्र ल प उः
 वृ ह उ यः प्र व भु प र मे धि नः ॥
 वृ भु चै व भ भु भु चै व भ भु
 र मे भि ति ॥ वृ ह जी नं भ भु पं

भं
 पं
 १

दृढतिष्ठिः मिगभिभालवेत्त ॥
तिष्ठः तिष्ठवः तिष्ठः तिष्ठदः ति
एनः तिष्ठपः तिष्ठभृत् नभेत्
वेत्तः भृत्पिष्ठः भृत्पिष्ठ
दृः भृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
भृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
उत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
कैत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
यत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
उत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
भृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
भृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ
भृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठभृत्पिष्ठ

534

सुवन्... भूपारवम॥ मभव
दुसुमेपं पं पुनवेतेभमभम
मपं पतयेविरुदे पामपा
... येठीमदि उतेव नः पु
मेरुयाता ३॥ तिउत भमह
उवतिषावह ०० ॥ मीनधु
प्रीटुं गङ्गाभानभदंकरिषु
तिऊरुधु ॥ उडिप्रेः परमं पमं
भमपसृतिभरयः दिवीव
मङ्गर उतं उडिपू भेविप
हवेएगवंभः भभिऊतेवि
प्रेदरुमं पमभ ॥ ॥ उतः भपु

अ.
वि.

मिउंमेदिमेडीकुंभचपापाप
उउये॥यमेकुऊभभाप्रनंपा
पेहृसुपूतिगदभा॥यन्मया
भनभावासाकम्पुपूउंठ
उभा॥उमेवरुल्लदभतिःभ
विउमपुनउभाभा॥रुदु
पहृवरुमचनपुपमभु
दभा॥भचनपुपमसुवपुप
हृपूउःभितः॥मेवमपुप
मेवकिंपुपहृअनिभ्रमनभा
सुपःपुष्टःपविउसुपुपहृ
मगलंतव॥रुदुसुगिसुभद

धुकैविणीभदविषवयभा॥
 उडिप्रचया॥ विगिष्ठिनभभ
 कुउपरभधुनिभजल॥ नरुपा
 पानिभचलि॥ ठवभुभिकरे
 भभ॥ उडिरुठकु॥ डिडीउ
 भुवादनंऊदउद्वद्वभुनउ
 रभ॥ डीऊभवादविधुभिभ
 चप्यविनिभुनभ॥ ऊरुदेइ
 गयागङ्गपूठभंपधुगलिम
 डीऊतुडनिभचलि॥ भानक
 लेठवतुभे॥ पूपहुवरुंरु
 वभभुभंपडिभुलिउभ॥ या

प्र.
 दि.
 ५

उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः
उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः उिः

यमः

उः अगुभगुं सरती न भे पणी
नं रभं वने ॥ उभा भू पठ पड़ी
नं पविडुं कं मे ठ न भा ॥ उं भे रं
स मे कं स पं पं स नु रं गे भ य ॥
उडि गे भ य भू भा ॥ अ पं ग भ प
कि वि प भ पं द ट भ पे र पः ॥ अ
पा भ न द भ भू क भ प उ भू
भ व ॥ उ ट प भ न ॥ क उं क
भू उ रं द ती प र पः पू र प भ
गि ॥ ए व न उ वं प उ न भ द भू
स उ न म ॥ य स उ न प उ न धि भ
द भू वि रं द भि ॥ उ भू उ रं वी

य

य

कंदं मगल्लुभिपुल्लयामठनेन
 म॥ भुतिके वृद्धमडुभिकसुपे
 नकिभत्रित॥ भुतिके मेदिमे
 पुपिंडविभचंपुतिधुतभा॥
 भुतिके दग्भे पापं यच्चयदुपु
 उंठउं॥ वामादउंकमदउंभन
 भयतुमितिउभा॥ द्वयहउं
 नपापेन वृद्धलेक वृद्धद
 भा॥ भाभुके उंनये भानसु
 ये भाने गेप भाने सुसुपुगी
 रिधः॥ वीरमने रुद्धभिउं
 वणीदविधुते नभभाविणीभ

अ.
 दि.
 ५

कइदविभठेवमी। कपेदुःप
 राउनः भेभप'मठयदुः॥
 उरुदि ॥ विगदेविभठेणदि
 विवइभुदउरुण। विभट्टभि
 मूवइद नभिडुभुठिरुभउः
 उडिपस्त्रिभे ^{यमुडुमुडिपठिउः} उरुमुभेणरिउर
 मुकिदि पूडीपंसापं नहुवद
 तिलेप' मःभिदंः पूटल्लभदुः
 रेभुवद देजिगं कइउ ॥ उइ
 उरु ^{यल्लभ नपुठभाउक} नमुहुउरुयउउवि
 पुहुउव भुगुरि ॥ उहुउभिवर
 द...दपे नमउरुदुन' भउि

५५२
इतिभूमिपद्मिनिः

सुमिहृचवदिपुडमिक्लि
मिवभूमः॥ भुतीर्भचडेयष
॥॥ ननेपषभुगभनेदभेव
कुतयः॥ भुतुतयेवकुतयः॥ भे
वातिषिः॥ गयइविष्णुः॥॥३॥
सतेरेवचवतुने॥ यतेविष्णु
विमरुभे॥ पषिवृः॥ भपुठभ
किः॥॥॥॥ कनभृददतीउमुः
यतउमुनयभदे॥ उतेनेचन
यंनठि॥ भप्यवळुगुितवतउमु
तिनिः॥ विडिपेविभरेणदि॥
उतिप्रवे॥ भुभिरुविमभुतिः

भ.
वि.
३

मभभुतुपुठेविमभुतुः॥

भविता वदभतिः विमुनेव
 भदते भद्रतुभकः निमकु
 भुमुनः सपभुमपः भभिइ
 सुपः सपठवेठवतु ॥ ५
 मिइभुभभतु येभकुपियंस
 वयंसिधः ॥ यकिं मे सं वद
 देव एनेठिदेदं भतपुसुग
 भभिः अमिडेय उवठमयुये
 पिः भभनभुभः मेनभेदेवरी
 रिधः ॥ उडेभः भतुः ॥ ठिठुठुवः
 भुः उडुविउचो देठनेदेवभु
 ठीभदिठियेमेनः पूमेदयउ

ठि३

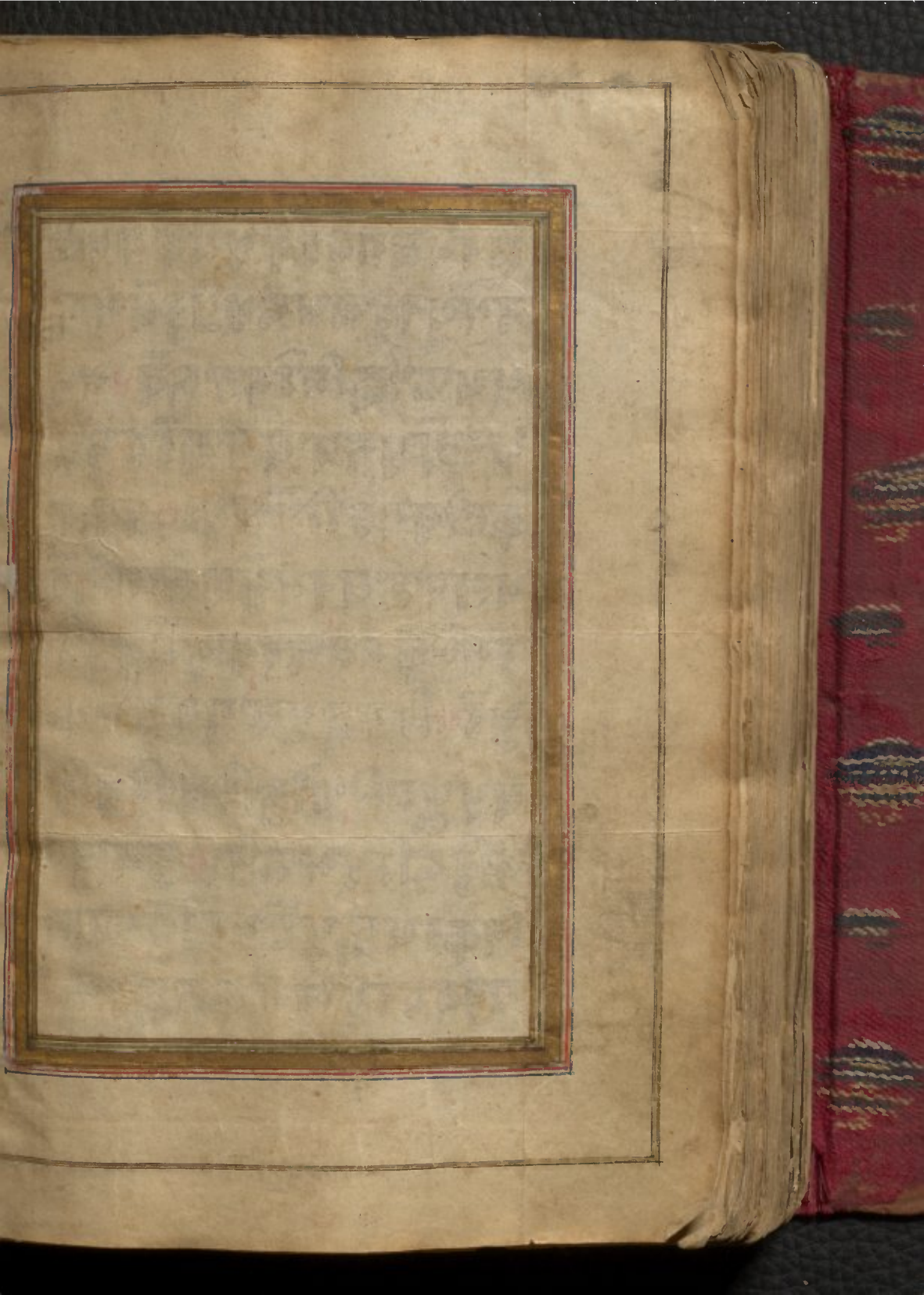
पुत्रयमः॥ विवर्द्धः॥ सुगुम
 यः॥ नभेयये॥ पुपमे॥ नभउरु
 य॥ नभेवरु॥ य॥ नभेवरु॥
 नभेपं॥ पउये॥ नभेरुः॥ सुवरु
 वेडिपुपावरुः॥ उरुदिरा
 एवरु॥ सुकरुअद॥ यपकु
 भउये॥ उयउ॥ सुपमे॥ पमः॥ पु
 विणउवेकरु॥ पवज॥ हूमय
 विणसुिउ॥ यमभृग॥ सुः॥ एग
 जीवरुः॥ येउमउंवरु॥
 येमदभिंसं॥ यल्लियः॥ पमः॥
 विउउभयतुः॥ उकिवेमेवः॥

भु.
 वि.
 ३

विष्णुमहिमापद्धतिरानुपात्तपद्धिनी मनुकेयकृतं नंगमुद्रवि
नमो भुव ॥ १ ॥

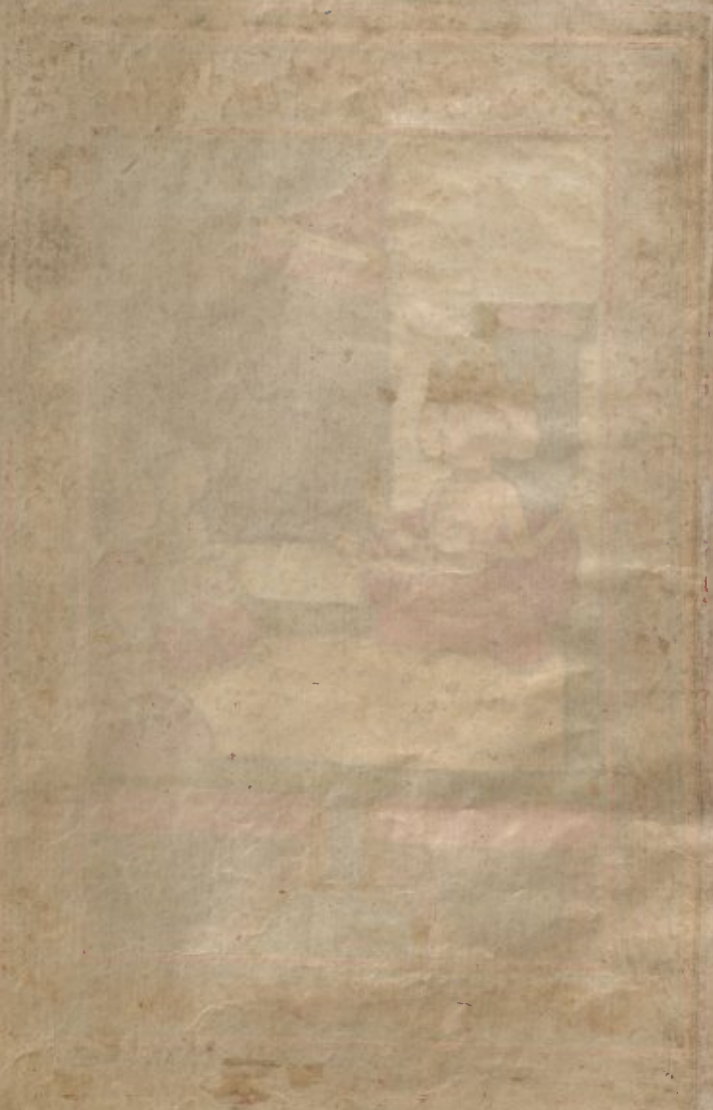
विजिह्वेयं जीह्वमेव भभनं नं
वतिभनः संमृः मरुदधेः प्रविः
पुल्लं भट्टभुगदं वृद्धं भ
तिः ॥ गायत्रिमापभरु ॥
विह्ववः भुः उद्धविउवरे ॥
नेमेव भृणीभदिठियेयेनः प
मेरुय'त ॥ ७ ॥ यल्लेपवीउभमि
यल्लभृव'उपवीउं नउपनह
भि। यल्लेपवीउं परभं पविउं
पुल्लपउदद्धदणं पुगभु'त ॥
उवधृभगुं पतिभृद्धुद्धं य
ल्लेपवीउं रलभभुउलः ॥ उतः

५६



528

15





546

547

147/404
BHAGAVAD-GITĀ, "The Song of the Divine One," i.e. Krishna.
The text book of the Puranic worship of Krishna as Vishnu.
Sanskrit, written on 858 pp. within gold and coloured rules, many
pages illuminated and with 47 full-page miniatures with floral
borders; *binding in Indian fabric, with outer flap cover* sm. 4to

SANSKRIT MANUSCRIPT

Bhagavad-Gita, "The Song of the Divine One", Text-book of the worship of Krishna as Vishna.

Contains 47 full-page miniatures. The text is within gold and coloured rules. Bound in Indian fabric with outer flap cover.

XVIII Century (Jaipur)

MAHARAJA UNIVERSITY LIBRARY 27

Poleman
No 930

Ms Indiv No. 36

